सामुद्रिक की लाल किताब
1941
(तीसरा हिस्सा)

लाल किताब के रचयिता

पंडित श्री रूपचन्द जोशी जी

18 जनवरी 1898 - 24 दिसम्बर 1982

हिन्दी लिप्यांतरण

कुलबीर सिंह बैंस
चंडीगढ़
(पिंड - कांसल)

विद्यार्थी लालकिताब
(हरेश पंचोली)
अहमदाबाद

रविंदर पाल सिंह बराड़
श्री गंगा नगर
(पिंड - मलकाना ख़ुर्द)

आवाज सुनता हर किसी की
न ही भूला कोई हो।
सबसे पहले याद उसकी
फिर सभी दुनिया की हो।

रंगों का असर हथेली पर

ये सफ़ा असली “लाल किताब 1941” का नहीं है

© **विद्यार्थी लाल किताब (हरेश पंचोली) (अहमदाबाद)**

* प्रकाशक की अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भी भाग को छापना तथा इलेक्ट्रोनिक, मशीनी, फोटो प्रतिलिपि अथवा अन्य विधि से पुन: प्रयोग पद्धति द्वारा उस का संग्रहण अथवा प्रसारण वर्जित है।
* इस पुस्तक की बिक्री इस शर्त पर की गई है की प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना यह पुस्तक अपने मूल आवरण अथवा किसी अन्य प्रकार से व्यापार द्वारा उधारी पर पुन: विक्रय, या फिर किराये पर न दी जायेगी, न बेची जायेगी।
* इस प्रकाशन का सही मूल्य पुस्तक के आवरण पर मुद्रित है। रबड़ कि मोहर, चिपकाई गई पर्ची, स्टिकर या किसी अन्य विधि द्वारा अंकित कोई भी संशोधित मूल्य गलत है तथा मान्य नहीं होगा।

प्रकाशक :- विद्यार्थी लाल किताब
हरेश पंचोली
(अहमदाबाद)
मूल्य : निशुल्क ("लाल किताब" के विद्यार्थियों के लिए)

ये सफ़ा असली "लाल किताब 1941" का नहीं है

"राहें लाल क़िताब की"

पूज्य पंडित श्री रूपचंद जोशी जी की 119 वीं वर्षगांठ पर पंडित जी के पावन चरणों में द्वितीय पुष्पांजलि समर्पित करते हुए अत्यंत हर्ष और उत्साह महसूस कर रहे हैं।

जैसा की आप सब जानते है की पहले पुष्पांजलि में “लालकिताब के फ़रमान 1939" पूज्य पंडित जी की 118वीं वर्षगांठ पर "लालकिताब के विद्यार्थी" ग्रुप द्वारा समर्पित किया गया था। द्वितीय पुष्पांजलि में हमारा ग्रुप लाल किताब के 5 अमूल्य ग्रंथो में से तीसरा ग्रंथ जो की ज्योतिष जगत में "लाल किताब 1941 (तीसरा हिस्सा - गुटका)" के नाम से जाना जाता है उस ग्रंथ को निशुल्क इंटरनेट पर आज पंडित जी की 119वीं वर्षगांठ पर उपलब्ध करवाने जा रहा है।

लालकिताब पढ़ने वालों के लिए यह पहले तीन ग्रंथ बहुत ही महत्व रखते है पर शायद ही इन तीनों को आज तक तवज्जो दी गई है। जिस का कारण भी सिर्फ यही है की इन तीनों ग्रंथो में मूल बातों या तत्वों को निहायत ही उम्दा तरीके से लिखा और छुपाया भी गया है। इन तीनों किताबों पर काम करते हुए हमारे ग्रुप को कई ऐसी चिजे समज आने लगी जिस के बारे में आज तक ख़्वाब में भी सोचा न था। यह तीनों ग्रंथ बार बार पढ़ते रहना लालकिताब के विद्यार्थी के लिए निहायत ही जरूरी है। इन तीनों ग्रंथो पर काम करते वक़्त यह बात भी समझ आ गई की क्यू पंडित जी ने "बिना समझे बार बार पढ़ते रहना इस इल्म का भेद अपने आप खोल देगी" ये लिखा है। लालकिताब के विद्यार्थी के लिए सिर्फ एक ही बात कहना चाहता हूँ इस मौके पर की सिर्फ और सिर्फ लालकिताब पढ़ते रहो यह अपना भेद अपने आप ही खोल देगी।

इस महान कार्य को हमारे ग्रुप ने श्री मिलख राज बाघला जी की राहबरी में किया है, इन के इलावा हमे आप सब का लालकिताब के प्रति प्यार और अटूट विश्वास हौसला देता रहा है हमारा ग्रुप आप सब का शुक्रगुज़ार है। फ़िर भी कुछेक नाम ऐसे है शायद जिन की वजह से "लालकिताब 1941 (तीसरा हिस्सा-गुटका) हमारे लिए आसान हो गया। जिन में श्री प्रदीप शर्मा जी(चंडीगढ़), श्री सुनील गुप्ता जी(चंडीगढ़), श्री नाबिला सदाफ जी(बुरेवाला, पाकिस्तान), श्री संदीप वर्मा(चंडीगढ़) के हम शुक्रगुज़ार है।

मेरे परिवार का भी इस मौके पर शुक्रिया अदा करना चाहूँगा क्यूं की परिवार के हौसले और प्यार बिना यह काम मुश्किल होता है।

विद्यार्थी लालकिताब
(हरेश पंचोली)

ये सफ़ा असली “लाल किताब 1941” का नहीं है

"गुरु मानयो ग्रंथ"

आज का दिन लाल किताब के विद्यार्थियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्यों की इस दिन लाल किताब के रचिता आदरणीय "पंडित रूप चंद जोशी जी का जन्मदिन हुआ था ! हम सभी को आपस में जोड़ने वाले इस महान ग्रंथ को मेरा प्रणाम तथा पंडित जी के चरणो में मेरा नमन !

मुझे लाल किताब को पढ़ते हुए तक़रीबन 18 साल हो गए है,मैंने 12 साल की उम्र में लाल किताब को पढ़ना शुरू किया था,मैंने इतने सालों यह अनुभव किया है की लाल किताब एक जिंदा ग्रंथ है जिस के चाहे बिना लाल किताब का कोई भी विद्यार्थी कुछ भी नहीं सीख सकता, आदरणीय पंडित जी ने इस ग्रंथ को इस तरह से लिखा हैं की मानो जैसे एक चाबी के 50 टुकड़े कर दिए हो और उन को अलग-अलग जगह छुपा दिया हो जब तक यह सभी टुकड़े नहीं मिलते और मिलने के बाद इन को सही डंग से नहीं जोड़ा जाता तब तक यह ताला नहीं खुलेगा मतलब की यह ग्रंथ नहीं खुलेगा,अक्सर मैंने सुना हैं की लाल किताब को पढ़ने वाले कहते हैं की मिस प्रिंटिंग हैं किताब में या किताब ही गलत हैं ऐसा कुछ भी नहीं हैं यह सुभाविक हैं की जब हमे कुछ समझ नहीं आता तो हम समझ न आने वाली चीज़ को ही गलत कहना शुरू कर देते हैं,लेकिन यक़ीन मानिये की किताब में न तो मिस प्रिंटिंग हैं और न ही कोई गलती है ! हां हम ये जरूर कह सकते हैं लाल किताब की गणना या किसी घटना का समय निकालने का ढंग अलग ही है !

सन 2004 में एक ऐसे व्यक्ति से मिला जो की असल में एक बहुत ही विद्वान और बहुत ही अच्छे व्यक्ति थे में उन को अपने जीवन की एक ऐसी कड़ी मानता हुँ जिस की वजह से में लाल किताब का कुछ ज्ञान हासिल कर सका उन्होंने मुझे बहुत सी महत्वपूर्ण चीज़े बताई जिन में से सब से ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह थी की कोई भी किसी को लाल किताब नहीं सीखा सकता यह तो खुद ही सीखनी होगी,जब मेरी उन से आखरी बार बात हुए तो उन्होंने मुझे बातों-२ में यह बता दिया था की उन का आखरी वक़्त आ गया हैं परन्तु में उस बात को समझ नहीं पाया जिस का अफ़सोस मुझे सारी ज़िंदगी रहेगा,उस दिन मैंने उन से पूछा की बाबा जी आप को कितना ज्ञान हैं लाल किताब का तो उन्होंने मुझे कहाँ की लाल किताब एक समुन्दर हैं अगर में मरने से पहले इस समुन्दर से ज्ञान की एक बूँद ले लेता तो बहुत खुशकिस्मत होना था और मैंने हँस कर कहाँ की आप के पास तो ड्रम भरे पड़े हो गए इस ज्ञान के तो उन्होंने बड़ी सादगी से जवाब दिया की मुझे तो यह भी पता नहीं चला की वो समुन्दर हैं कहाँ बूद लेना भी दौर

ये सफ़ा असली "लाल किताब 1941" का नहीं है

की बात हैं,इस बात के तक़रीबन 20-21 दिन बाद उन की डेथ हो गई,उन के बाद काफी समय तक मुझे कोई भी अच्छा लाल किताब का विद्यार्थी नहीं मिला और फिर मेरी मुलाक़ात आदरणीय मिल्ख राज बाघला जी से हुई जिन के साथ मिल कर मैंने काफी काम किया लाल किताब पर और कुछ बड़ी सफलताएं भी मिली और आगे भी भगवान और लाल किताब की कृपा से काम करते रहे गए, बाकि "लाल किताब की बातें" तो खत्म हो ही नहीं सकती यह तो आप सब जानते हैं।

रविंदर पाल सिंह बराड़
श्री गंगा नगर
(पिंड - मलकान ख़ुर्द)

"लाल किताब"

लाल किताब के रचयिता पूज्य पंडित श्री रूपचंद जोशी जी की 119 वीं जन्मतिथि पर शत शत नमन। यह मेरा अहोभाग्य है की मुझे पंडित जी द्वारा लिखे गये 5 ग्रन्थों में से एक यानि की "लाल किताब 1941 (तीसरा हिस्सा - गुटका)" पंडित जी के जन्मदिन पर ही आम दुनिया के लिए निशुल्क इंटरनेट पर उपलब्ध करवाने का मौका मिला।

लाल किताब और पंडित जी के बारे में जितना लिखे कम है। लाल किताब से पिछले कुछ वरसों से जुड़े रहने के बावजूद कुछेक रहस्य जो अनसुलझे थे वो शायद पंडित जी के आशीर्वाद की वजह से इस कार्य में जुडने के बाद समझ आयें।

लाल किताब सीखने या समझने के लिए सब से महत्वपूर्ण बात है लाल किताब को पढ़ते रहना लगातार पढ़ते रहना और वो भी बिना समझे। मानता हूँ की ये कठिन काम है पर यह करने से ही लाल किताब समझ आने लग जायेगी।

इस कार्य को पूरा करने में बहुत से लोगो ने मदद की है मैं उन सब का तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूं।

कुलबीर सिंह बैंस
चंडीगढ़
(पिंड - कांसल)

ये सफ़ा असली "लाल किताब 1941" का नहीं है

अर्ज़

क्या हुआ था क्या भी होगा, शौक़ दिल में आ गया।

इल्म जोतिष हस्त रेखा, हाल सब फरमा गया।

जनम कुण्डली या कि चंदर, हिस्से दो बतला गया।

हाथ दायां ले के बायां, भेद है समझा गया।

जनम राशी घर में पहले, लगन के लिखवा गया।

लगन पहला हिन्दसा गिन कर, 12 घर चलवा गया।

इस तरह पर कुण्डली पूरी करके जब बनवा गया।

हाल सब ग्रह खानावारी, कापी ये लिखवा गया।

भेद बाकी इतना रखा, उम्र को छिपवा गया।

लड़का लड़की गो न बोला, बच्चा ये बतला गया।

जनम कुण्डली मर्द दायां, पहले है रखवा गया।

औरत कुण्डली चंदर बायां, पीछे है लगवा गया।

इशारतन ही बात कर के हाल सब पढ़वा गया।

दो छपे थे हिस्से पहले, एक ये बनवा गया।

फर्ज़न जनम कुण्डली बमूजब तुला लगन हस्ब जैल है।

ऊपर की कुंडली में

i) हालात देखने के लिये बृहस्पत ख़ाना नंबर 1, सूरज नंबर 2 वगैरह मुलाहिज़ा करें। इसी तरह ही बर्षफल पढ़ लें।

(ii) हर ग्रह के ख़ानावार असर के शुरु में जो चीजें लिखी हैं जब वो पैदा होगी, इस ख़ाना नंबर में दिया हुआ असर शुरु होगा। मसलन नंबर 1-9 में सफेद गाय है या शादी 25वें साल मंदा फल शुरु होगा।

क्या टेवा दुरुस्त भी है सफ़ा नंबर 425 सबसे पहले देखें।

लाल किताब (तीसरा हिस्सा)

लाल किताब है जोतिष निराली, जो क़िस्मत सोई को जगा देती है।

फरमान पक्का देके बात आखिरी, दो लफ़्ज़ी से ज़ेहमत हटा देती है।

शर्त राहु केतु की 7वें भी तोडी, जनम राशी भी वो मिटा देती है।

लगन एक का हिन्दसा लेकर जो चलती, ख़त्म 12 पर ही वो कर देती है।

है बुनियाद रेखा क़्याफा से चलती, फलादेश जोतिष बता देती है।

हवाइ ख़्यालों को यकतरफ करती, खड़ा घोड़ा चंदर को कर देती है।

न 27 नच्छत्तर न पंचाँग गिनती, भुला राशी 12 को वो देती है।

सिर्फ़ पक्के घर 12 आख़िर लेती, ग्रह 9 से क़िस्मत बता देती है।

जनम वक्त दिन माह उम्र साल सब कुछ, इस्म नाम को भी उड़ा देती है।

फ़क्त रेखा फोटो या कोठे से कुण्डली, जनम मय चंदर बना देती है।

लिखत जब बिधाता किसी को हो शक्की, उपाओ मामूली बता देती हैं।

ग्रहफल राशी के टुकडे दो करती।

या रेखा में मेखा लगा देती है।

हुक्म बिधाता जनम मिले तो, लेख जोतिष बतलाता है।
लाल किताब बच्चा ग्रह चाली, क़िस्मत साथ ले आता है।
इस बच्चे की नन्ही मुट्ठी में, पकड़ा देव आकाश का है।
भरा ख़जाना जिस के अन्दर, निधि सिद्धि की माला है।
नौ निधि को ग्रह 9 माना, सिद्धि 12 राशी है।
9 जरब जब 12 गिनते, होती माला पूरी है।
राहु केतु जो पाप गिने हैं, ग्रह सब ही को घुमाते हैं।
गुरु अकेला दो को चलावे, घूमते पर वो बुध में हैं।
सात हो नौ या माला चौरासी, पाप फर्क 2 ही का है।
ऊपर नीचे जगत के अन्दर, झगड़ा इन दो ही का है।
पाप अगर सब दुनिया छोडे, सात ग्रह बच जाता है।
राशी 12 और सात ग्रह से, नरक चोरासी कटता है।
नन्ही मुट्ठी जब खुली बच्चे की, आकाश,हवा,भरपूर हुआ।
हरकत, गर्मी, पानी से मिट्टी, ब्रह्मण्ड सारा जाग पड़ा।
हाथ दायां और कुंडली जनम को, तदबीर मर्द का नाम हुआ।

बायां हाथ और चंदर कुण्डली, **तक़दीर** बशर का काम हुआ।

उलट हाथों से औरत माना, ग्रहफल राशी आम हुआ।

इल्म क़्याफा जोतिष मिलते, लाल किताब का नाम हुआ।

9 ग्रह राशी 12 घूमे, क़िस्मत का आग़ाज़ हुआ।

नेक हवा जब चलने लगी तो, जहान दोनों आकार हुआ।

तरफ 12 त्रिलोकी होते, गुरु जगत में जनम हुआ।

माया हवा जब मिलने लगी तो, पिछला जनम अब ख़त्म हुआ।

राजा रवि बच्चा ग्रह चाली, घर अपने प्रवेश हुआ।

अक़्ल लेख का झगड़ा चला तो, गृहस्ती गुरु उपेदश हुआ।

राशि व ग्रह

मेख[1] बिरख[2] जब मिले मिथुन[3] से, तर्जनी उंगली गिनते हैं।

कर्क[4] सिंह[5] और कन्या[6] राशी, अनामिका उंगली लेते हैं।

तुला[7] बृस्चक[8] धन[9] तीनों की, छोटी कनिष्का होती है।

मकर[10] कुम्भ[11] और मीन[12] इकट्ठी, मध्यमा उंगली बनती हैं।

मेख[1] बृच्छक[8] मालिक मंगल, तुला[7] बृख[2] शुक्र की है।

कन्या[6] मिथुन[3] का बुध है मालिक, कुम्भ[11] मकर[10] दो शनि की है।

गुरु मालिक है धन[9] मीन[12] का, कर्क[4] चंदर की होती है।

सिंह[5] अकेला दुनिया गरजे, राशी जो सूरज की है।

केतु बैठता कन्या[6] में तो, राहु निवासी मीन[12] का है।

पाप चढ़ा आसमान[12] के ऊपर, जड़ जिस की पाताल[6] में है।

खुलास्तन

सिद्ध 12, ब्रह्म[बृहस्पत] 9 निधि, मोह[शुक्कर] माई[चंदर] आकाश[बुध]।

राई[राहु] घटे न तिल[केतु] बढ़े, मच्छ[सनीचर] भाई[मंगल] प्रकाश[सूरज]।

गुरु रवि और मंगल तीनों, नर ग्रह भी कहलाते हैं।

शनि, राहु और केतु तीनों, पापी ग्रह बन जाते हैं।

शुक्र-लक्ष्मी, चंदर माता, दोनों स्त्री होते हैं।

बुध अकेला चक्कर सभी का, जिसमें सब ये घूमते हैं।

नेकी बदी दो मंगल भाई, शहद जहर दो मिलते हैं।

बद लालच गर मारे दुनिया, नेक दान को गिनते हैं।

पक्का घर नंबर 1

घर पहला है तख़्त हजारी, ग्रहफल राजा कुण्डली का।

जोतिष में इसे लगन भी कहते, झगड़ा मनुष है माया का।

पूरब तरफ़- पक्का घर सूरज, पर-उपकार चवन्नी का....।

वजूद, मकान, रूह, नमक भी गिनते, जमाना हाल कमाई का।

चारदीवारी, तै के गोशे, सींग मवेशी खड़े हो जो कि।

राज ताल्लुक, रंग हो गुड़ के, रसम पुरानी, साज़ सफ़र के।

झिल्ली-जेर जो पैदा होगे, नाम हैसियत दुनिया लेंगे।

पहला घर सारा तख़्त गिना तो, 7वां टिकने की धरती हो।

7वाँ ही गर ख़ाली होवे, उल्टा तख़्त वो 24 हो।

साल 24 से जितने आगे, दुश्मन ग्रह उस आता हो।

टक्कर ऐसी उस ग्रह होगी, आगे न वो चलता हो।

लगन अगर खुद ख़ाली होवे, क़िस्मत साथ न आई हो।

क़िस्मत उसकी 7वें बैठी, या घर चोथें 10वें हो।

मुट्ठी के घर चारो ख़ाली, 9-3-11-5 वें हो।

ये घर भी गर ख़ाली होवें, 2-6-12-8 वें हो।

घर 12 ही घूम के देखे, ऊंच, क़ायम या घर का जो।
क़िस्मत का वो मालिक होगा, बैठा तख़्त पर इसके हो।

घर पहला जब राज हकूमत, सात वजीरी होता है।
हर दो से कोई दुश्मन होवे, साथ फ़कीरी होता है।

ऊँच, नीच घर के जो गिने हैं, वो नहीं इन घरो लड़ते हैं।
बाकी ग्रह सब झगड़ा करते, उम्र से भी वो मरते है।

तख़्त पे बैठा नर ग्रह राजा, दूसरो से वो स्त्री है।
7वें इसकी औरत, बेटी, बुध, शुक्र, दो बैठती है।

ज्यादा एक से घर पहले में, नर ग्रह स्त्री होती है।
दो से ज्यादा घर 7वें में, स्त्री ग्रह-नर होती है।

गिनती मगर हो राजा अलैहदा, राय कमेटी होती है।
ज़ाहिरा बेशक तीन हो बैठे, गिनती चार की होती है।

अकेला पहले बहुत हों 7वें, ग्रहफल राशी होती है।
उल्ट अगर हो टेवे बैठे, जड़ 7वें की कटती है।

गुरु शनि और मंगल टेवे, कहीं भी इसके बैठे हो।

फल वैसे ही घर पहले के, उस टेवे में होते हो।

पक्का घर नंबर 2

घर पक्का दूजा गुरु, ब्रह्म गाय अस्थान है।

मिलता जहां पर है इकट्ठा, मान-व-ज़र ससुराल है।

ज्ञान समंदर घर 9वें का, या फल उम्र हो पहली का।

सफेद झण्डा कोहसार पे झूले, उम्र बुढापा घर 2 का।

तरफ़ शुमाली-मग़रिब है तो, अर्क, हवा-मिट्टी का है।

घर 8वां और 6वां मिलते, दरवाजा ये दो का है।

ग्रह शत्रु, पापी सभी, हिरदै सफ़ा सब कलेश।

मौत, पाताल के देखन कारण गुरु सुनें उपदेश।

घर चल कर जो आवे दूजे ग्रह क़िस्मत बन जाता है।

घर 10वाँ गर ख़ाली होवे , सोया हुआ कहलाता है।

कमाई, क़िस्मत, बचत जाती, स्त्री धन भी गिनते हैं।

माता, भूआ और फूफी, मासी, जगह तिलक की लेते हैं।

कद, सीधापन उंगली उसकी, भूक, सुभाओ नेकी है।

ज़ायका में वो खटमीठा तो, मोह माया भी होती है।

गैस रतूबत, शाख़ दबा कर दरख़्त भी पैदा होता है।

सिफ़ात इकट्ठी, राज-रय्यत, बैल पे साधु चढ़ता है।

घर दूजा मैदान है 8 का, बैठक राहु केतु है।

सर-पांव के दोनो मालिक, माथा कुर्राह-हवाई है।

पीपल, पीतल, मिट्टी पीली, केसर, पीला रंग भी है।

असर सभी का इस घर आकर, मंदे का भी उम्दा है।

ग्रह मुश्तरका बुरा नहीं करते, बंद मुट्ठी के खानो में।

फल 2, 11 अपनों अपना, धर्म मन्दिर गुरुद्वारा में।

स्त्री ग्रह जब शनि से मिलकर, बैठे 2 या कहीं भी हो।

ग्रह दृष्टि से जो कोई देखे, आल-औलाद से मरते हो।

पाप की बैठक घर है गुरु के, गृहस्त शुक्र बन जाता है।

क़िस्मत सबकी जो माथे पे चलती, केतु गुरु बुध मिलता है।

चंदर, मंगल बद, शनि बैठे, मौत, जनम, 2 मिलता है।

आठ ग्रह इस घर में आते, जुदा रवि पर रहता है।

केतु गुरु करें मस्तक लम्बा, कर्म-धर्म, दया बढ़ता है।

बुध कलम जब लिखे बिधाता, माथा खुला हो जाता है।

दुनिया की क़िस्मत है आकाश बुध में, फर्क लम्बा चौड़ा गुरु केतु है।

गुरु लम्बा गिनते तो केतु है चौड़ा, मिले दोनो बैठे गुरु दाता है।

गुरु, शुक्र उस टेवे में जैसे, कहीं भी उस के बैठे हो।

फल वैसे ही घर दूजे के, उस टेवे में होते हों।

लाल किताब के विद्यार्थी

पक्का घर नंबर 3

घर तीजा है पक्का मंगल, धन दौलत के जाने का।

खवैश-व-अकारिब भाई अपने या चोरी, अय्यारी का।

असर नजर और जंग-व-जदल सब, महल भी उनके लेते हैं।

बढ़ना-बढ़ाना, फर्ज मंसबी, इंसाफ़ मीठा भी गिनते हैं।

उठती जवानी या ख़ून जिगर का, तना दरख़्त आकाश भी है।

ख़ुशी ग़मी और साले भनोइये,सामान आरायश मकान भी है।

शेर दरिन्दे इस घर रहते, त्रैलोकी भी होता है।

ताक़त बच्चा पैदा करने, ससुराल अहवाल अकेला है।

इस घर का जो रंग है ख़ूनी, असर होता भी ख़ूनी है।

ग्रह जो उस घर बदी पे होवे, कहलाता वो कष्टी है।

स्त्री ग्रह जब तीजे आवें, औरत भी वाँ मर्द कहलावें।

शुक्र बैल और चंदर साधु, मर्द बढेंगे, बढ़ेगी आयु।

मंगल बद-मंगलीक न होगा, शिवजी हो के दया करेगा।

स्त्रियों की भी पूजा होगी, तीन काल वहाँ उन्नति होगी।

होगी तो कुल उम्दा होगी, गर न होगी, चोरी न होगी।

बुध शनि और मंगल टेवे, कहीं भी इसके बैठे हों।
फल वैसे ही घर तीजे के, उस टेवे में होते हों।

लाल किताब के विद्यार्थी

पक्का घर नंबर 4

घर चोथें पेट माता चंदर, ठण्डी रोशनी माना है।
चार तरफ़ का पानी दुनिया, दूध, समंदर दरिया है।
दिल, सफ़र, माता, धरती, घोड़ा, तरफ़ शुमाली-मशरिफ है।
चरिन्दे, चावल, दूध पिलाते, बजाजी, मुर्गे-आबी है।
धन दौलत या वक्त जवानी, रंग गिना है चाँदी का।
अनबिध मोती, घर माता का, रस होता है शांति का।
झुकाओ तबीयत, फर्श मकानाँ, ताल्लुक गिनते है मर्दों का।
चक्कर, संख, सिदफ़ हो पोरी, निशान भी लेते है जौ का।
राहु-केतु घर चोथें में, पाप से हरदम डरते हैं।
तारें ख़्वाह न तारें मर्ज़ी, क़सम पाप की करते हैं।
ग्रह चोथें के रात को जागें, या जागे वो मुसीबत में।
मदद कोई न हो जब करता, आ तारें वो बुढ़ापे में।
एक अकेला ग्रह ख़्वाह कोई, घर चोथें जब बैठा हो।
फल बुरा न वो कभी देवे, ख़्वाह चंदर का दुश्मन हो।
घर चौथा जब ख़ुद हो ख़ाली, आख़िर उम्र तक उत्तम हो।

चंदर का फल घर ही देवें, ख़्वाह चंदर ख़ुद नष्टी हो।

घर चोथे में ग्रह जो आवे, तासीर चंदर वो होता है।

असर मगर उस घर में जावे, शनि जहां कि बैठा है।

गुरु, रवि और चंदर टेवे, कहीं भी इसके बैठे हो।

फल वैसे ही घर चोथें के, उस टेवे में होते हों।

लाल किताब के विद्यार्थी

पक्का घर नंबर 5

घर 5वां है ज्ञान गुरु का, तेज तपस्या होता है।

हवा, रोशनी, लड़के, पोते, वक्त आइन्दा होता है।

औलाद जनम ता उम्र बुढ़ापा, महल बचत औलाद के हैं।

पाँचो ही इन्द्री, हाज्मा उसका, गर्मी, शोहरत, नेकी हैं।

लिखत, ग़फ्त, रफ्तार हो साया इल्म, सबर-ईमान भी है।

पैवंदी जो पौधे गिने तो, ख़ाली जगह दर उंगली है।

रोशनी पक्की घर पहले की, हवा अच्छी घर 5वें है।

दोनो पक्की, इस जा इकट्ठी, दीवार मशरिकी कुण्डली है।

उम्र औलाद तो सेहत अपनी, घर 5वें से लेते हैं।

घर 3, 9 या 4 हो मंदे, असर बुरा 5 गिनते हैं।

रवि, गुरु, दोनो से कोई, घर 10वें जा बैठा हो।

5वें घर ख़्वाह दोस्त इसका, ज़हरी दुश्मन होता हो।

गुरु रवि और राहु केतु, कहीं भी इसके बैठे हो।

फल वैसे ही घर 5वें के, उस टेवे में होते हों।

पक्का घर नंबर 6

घर 6वें पाताल में बैठे, केतु, बुध इकट्ठे हैं।

दुश्मन गो वो बाहम होते, इस जा वो नहीं लड़ते हैं।

केतु लड़का तो बुध है लड़की, दुम(बुध) कुत्ते(केतु) की साथी है।

रिश्तेदार हो मात पिता के, अक़्ल, सफ़र ख़ुद खाकी है।

बुध सेवा नहीं शुक्र करता, केतु भी धोका देता है।

अकेले अकेले ही दोनो उम्दा, मिल कर चेहरा बनता है।

आकार चेहरे का गर बुध से हो, ख़ूबसूरत हो केतु से।

नौ ही ग्रह पाताल में होते, देखते तरफ़ हों सब ही के।

फूलना फलना, क़द क़दामत, तनासुब हथेली उंगली की।

खटाई व गोबर या हो सच्ची नेकी,ये ख़ुद खासियत है केतु की।

नाना, नानी या मामूँ उसके, हमदर्दी फ़ोकी बुध की है।

इर्द गिर्द मकान का होवे, ज़ायका, पट्ठे, सब्ज़ी है।

बरताओ होवे या हो साहूकारा, पेशानी चेहरा होती है।

तरफ़ शुमाल या हो फ़ोका पानी, फूल सुगंध्या होती है।

आकार, परिन्दे, हाथ के नाख़ून, सुख औलाद का होता है।

भाख्या भाओ अपार हो दुनिया, नक्कारा ख़लक भी होता है।
केतु की चीजों पे केतु हो मंदा, पर मंदा न हो दूसरों पर।
बुध भी वाँ गर साथी होवे, ख़ुद मंदा, बुरा दूसरों पर।
उम्र मंदी इस ग्रह की होवे, घर 6वें आ बैठे जो।
लाख उपाओ करें न टलदा, ग्रहफल लिखे जिस को हो।*
फल औलाद का शुक्र रद्दी, पर रद्दी न दौलत हो।
गुरु, सूरज से कोई दूजे, शुक्र का फल 12 हो।
बुध, केतु और शुक्र टेवे, कहीं भी इसके बैठे हों।
फल वैसे ही घर 6वें के, इस टेवे में होते हों।

*(इस घर में सिर्फ़ सूरज या बृहस्पत राशीफल के हैं।)

लाल किताब के विद्यार्थी

पक्का घर नंबर 7

घर 7वां है पक्का शुक्र, घूमता बुध ऊपर का है।

दोनो इकट्ठे चक्की चलती, निचला शुक्र माना है।

बुध 7वें का चक्क घुमाएँ, मिट्टी शुक्र होती है।

दोनो घुमावे कीली लोहे की, घर 8वें जो होती है।

शुक्र, बुध जब दो हो इकट्ठे, शनि भी उम्दा होता है।

अन्न दौलत की कमी न कोई, घी मिट्टी से निकलता है।

तरफ़ जनूबी-मग़रिब, गाय, औरत, शान बैरूनी है।

अहवाल हथेली, ज़र्रे मिट्टी के , तराजू, शादी, उन्नति है।

फल, सफेदी, तुख्म, पलस्तर, घर लड़कियों के लेते है।

जैसा शुक्र हो वैसे ही सब फल, निचले पत्थर से होते हैं।

बना फूल बुध तो हों पिस्तान लड़की, ज़बान नेक होवे, तो गोआई शुभ की।

पैदायश हो अण्डों से, कुव्वत हो बाह की......!

मुसाम-ओ-अक़्ल अपने, दौलत सुभा की!

घर पहले के ख़ाली होते, 7वां फौरन सोया।

दिन उसी ही सूरज निकले, 8 जब दूजे होया।

शुक्र, बुध उस टेवे जैसे, कहीं भी उसके बैठे हों।

फल वैसे ही घर 7वें के , उस टेवे में होते हों।

लाल किताब के विद्यार्थी

पक्का घर नंबर 8

घर 8 वें है मौत निमाणी, मंगल बद ही लेते हैं।
ग्रह नर में से कोई हो 8वें, मौत टली ही गिनते हैं।
अगला हिस्सा घर पहला तो, 8वां पीठ[*A] भी होती है।
बद शुतर की पीठ[1]। ही अपनी, नीची-ऊँची होती है।
तरफ़ जनूबी, कच्चा कोयला, ज़नमुरीदी होती है।
कच्ची चर्बी, ख़ून हो मंदा, पित्त मेदे की होती है।
शनि-मंगल का झगड़ा होता, केतु चीजें मंदी हों।
छत मकान से नीचे उतरे, चारपाई भी गन्दी हों।
घर 8वां जब बदी पे आवे, 2,6 भी आ मिलते हैं।
12 ख़्वाह हो दूर ही बैठा, फैसला इस का लेते हैं।
मंगल बद है सबसे मंदा, मंदा जादू मंतर है।
एक अकेला हर दम अच्छा, शनि, मंगल या चंदर है।
घर 11 है दुनिया का अन्दर, 8 को बाहर गिनते हैं।

A*रीढ़ की हड्डी है ख़ालिस केतु, बाकी पीठ है मंगल बद।

घर 11 की चीज जो[*C] आवे, छत गिरी ही लेते हैं।

मींह का पानी या दूध हो छत पर, बुध चाँदी से बांधते हैं।

आतिशी शीशा[*B] जब कभी चमके, ख़त्म कहानी गिनते हैं।

शनि, मंगल और चंदर टेवे, कहीं भी इसके बैठे हों।

फल वैसे ही घर 8वें के, उस टेवे में होते हों।

लाल किताब के विद्यार्थी

*C मसलन सनीचर नंबर 11 हो तो जब सनीचर की मुतल्लका चीज इसके घर नई आवे।

*B बुध का मंगल बद या लड़की के लाल चमकीले कपड़े।

पक्का घर नंबर 9

घर 9वां है गुरु बुज़ुर्गी, जड़ बुनियाद ग्रह नौ की।

मकान जद्दी जो होवे अपना, पर-उपकार बुज़ुर्गों की।

उम्र दादा या बाप हो अपनी, जमाना है खेल खिलाड़ी का।

घर कच्चा ख़्वाह पक्का होवे, हाल है दुनिया ग़ैबी का।

मात पिता की हालत अपनी, आराम-हराम की रोज़ी है।

कर्म-धर्म या पिछला जनम हो, मेंडक, खुश्की पानी है।

दरियाओं से गंगा हो तो, पेट माता का होता है।

खत उंगली पर लेटे खड़े हों, मनी बीरज भी होता है।

सर इन्सान का धड़ चौपाया, हवा, परों से उड़ता है।

एक जहां से दूजे चलता, कर्म-धर्म से फलता है।

जड़ नथनों की सांस दोरंगी, क़िस्मत का आग़ाज भी है।

घर दूजे पे बारिश करता, समंदर घिरा ब्रह्मांड भी है।

तीजे घर का असर हो पहले, बाद गिना घर 5 का है।

पानी मिट्टी के ऊपर उड़ता, असर पक्का घर 9 का है।

9 वें घर के ग्रह कुल ही का, असर ख़्वाहिश सब मंदा है।

रूह बुत के झगड़े में लेते, असल पैमाइश अन्दर हैं।

मंगल बद या शुक्र बुध हो, मंदे इस घर होते हैं।

शनि केतु या नर ग्रह उम्दा, चंदर 9 गुणा लेते हैं।

घर 9वां मरकज है कुण्डली, धरती का जो महवर है।

जिस्म में रूह की हरकत गिनते, हाकिम सब ही ग्रह का है।

गुरु अकेला उस टेवे में, कहीं भी उसके बैठा हो।

फल वैसा ही घर 9 वें का, उस टेवे में होता हो।

पक्का घर नंबर 10

घर 10वां है शनि का अपना, खुद विरासत लाता है।

सुख पिता को या उसे होवे, बरस मकान 3 रहता है।

चार तरफ़ की चीज़ें दुनिया, चालाकी, मक्कारी हो।

रिश्तेदार हों ग़ैर हक़ीक़ी, दुख, ज़ेहमत, बीमारी हो।

सामान खुराक या वक़्त हो शादी, तरफ़ ग़रब की होती है।

ईंट पत्थर और काठी इसकी, कांटे,बाड़ भी होती है।

काली खांसी, उम्र पिता की, ज़हर दरिंदे होती है।

तिकोण बड़ी चोकोर हो लम्बी, नमक स्याह और तेल भी है।

आम सलाह बरताओ दुनिया, नज़र ग्रह की होती है।

लोहा लक्कड़ या कीड़े मगरमच्छ, ताक़त बिजली होती है।

नजर उम्र या झपट कोए की, दहशत सांप की होती है।

बाल जिस्म के काले भूरे, खुशी ग़मी भी होती है।

सांप का घर और आँख की पुतली, रंग स्याह भी होते हैं।

गाय, भैंस हो लोहे रंगी, दुम ज़हरीले होते हैं।

अंधेरा या ख़त्म रोशनी, आर-द्वार इकट्ठा हो।

सिफ़र जमा कुल एक की दुनिया, क़िस्मत सब की 10वें हो।

घर 10वें में तीन ग्रह तो, चलने शनि से है।

राहु केतु और बुध तीसरा, तीनों ही शक्की हैं।

ग्रह पापी उस टेवे में जैसे, कहीं भी इसके बैठे हों।

फल वैसे ही घर 10 वें के, उस टेवे में होते हों।

लाल किताब के विद्यार्थी

पक्का घर नंबर 11

घर 11 का शनि है मालिक, पर दरबार गुरु का है।

घड़ा भरा पानी है बेशक, बरतावा तो गुरु ही है।

फ़क़ीर की झोली की क़िस्मत गिनते, जनम-वक़्त, ख़ुद आमद है।

शनि गुरु का हलफ़ उठावे, फैसला करता बाद में है।

ऊर्ध श्रेष्ट धन रेखा तो, क़िस्मत का मैदान भी है।

लालच दुनिया, मकान खरीदे, उम्र तादाद औलाद भी है।

छिलका पोस्त, शान-ओ-शौक़त, हाथ की क़िस्में, पालना है।

दो मुँह के ये सांप का घर तो, ख़ुद-रो बूटा बेल भी है।

दीवार मग़रिबी, पहला हाकिम, मिसलें राहु केतु है।

दूध माता का याद है करके, फैसला करता शनि भी है।

अहवाल है नाख़ून रंग भी उनके, एक अकेला दो भी हैं।

ख़ुद बेड़ी को पापी चलावें, डूब डोबाते वो नहीं हैं।

धन दौलत है 11 आता, घर तीजे से जाता है।

मंगल कुण्डली कहीं हो बैठा, फ़ैसला इसका होता है।

बुध गुरु नहीं इस घर अच्छे, या कि चंदर बैठा हो।

उम्र पहली हैं शक्की गिनते, जब घर तीजा मंदा हो।

क़िस्मत का ग्रह घर उस तीजे, मदद न 5 से होती है।

घर 3 ख़ाली 11 सोवे, क़िस्मत शनि पे होती है।

ग्रह मुश्तरका बुरा नहीं करते, बंद मुट्ठी के खानों में।

फल 2,11 अपनों अपना, धर्म मंदिर गुरुद्वारा में।

घर 11 में ग्रह जो आवे, तासीर शनि में वो होता हो।

असर मगर उस घर में जावे, गुरु जहाँ टेवे बैठा हो।

शनि, गुरु उस टेवे में जैसे, कहीं भी उसके बैठे हों।

फल वैसे ही घर 11 के, उस टेवे में होते हों।

लाल किताब के विद्यार्थी

पक्का घर नंबर 12

घर 12 है सुख गृहस्ती, गुरु, राहु दो बैठे हैं।

मछली ढूंढे पानी अब्र का, बचन, शाप इकट्ठे हैं।

धन की थैली 7वें होवे, मर्द बोलते 6वें हैं।

घर 8वें से उम्र मिले तो, बने महल घर दूसरे हैं।

गज साधु हो मवेशी पाले, आबाद वीराना मिलते हैं।

शोहरत दुनिया, हड्डी उसकी, ख़ून नस्ल का गिनते हैं।

निशान पेशानी, अहवाल उंगलियां, महल पड़ोसी होता है।

खर्चा जाती, दिमाग की हरकत, ससुराल का क़र्जा होता है।

मर्द औरत का उम्र ताल्लुक, हाथ झुकाओ, दोस्त है।

पांव के उसके नाख़ून लेते, खतूत हथेली बृहस्पत है।

तरफ़ जनूबी-मशरिक हो तो, पालना बेवा होता है।

एक ख़त्म से दूजा शुरु हो, 12 जहां 2 होता है।

ग्रह 12 न गर कोई बोले, घर 2 में वो बोलता है।

फल घर 2-12 का इकट्ठा, साधु समाधी होता है।

ख़ुद इन्सान की पेश न जावे, हुक्म बिधाता होता है।

सुख दौलत और साँस आख़िरी, उम्र का फैसला होता है।

शनि गुरु और राहु टेवे, कहीं भी उसके बैठे हों।

फल वैसे ही घर 12 के , उस टेवे में होते हों।

लाल किताब के विद्यार्थी

ग्रह दृष्टि

एक अकेले का दुश्मन न कोई, न ही दोस्ती होती है।

रियाया बिना न राजा कोई, न ही वजीरी होती है।

एक से 6 तक तरफ़ जो पहली, हिस्सा दायां कहलाती है।

बाद के घर 7वें से 12, तरफ़ बाईं हो जाती है।

तरफ़ पहली न ग्रह हो कोई, बाद के ग्रह सोये होते हैं।

घर जब बाद का ख़ाली होवे, तरफ़ सोई पहली गिनते हैं।

जिस घर में ग्रह हो कोई बैठा, जागता घर वो लेते हैं।

जागे घर न ही असर ग्रह का, जब तलक ख़ाली होते हैं।

ऊँच दृष्टि कितना ही होवे, निर्बल-प्रबल किसी भी घर।

घर दृष्टि का जब तक ख़ाली, असर जावे न दूजे घर।

घर 11-9 गुरु से जागे, चंदर से 2, 4, 8 घर।

रवि जगाता घर 5वां तो, शुक्र जगावे 7वां घर।

शनि से 10वां राहु 6 को, बुध जगाता है तीसरा घर।

मंगल से घर पहला जागे, केतु जगावे 12वां घर।

ग्रह दोस्त नहीं बाहम लड़ते, झगड़ा कराते दूसरे हैं।

शनि रवि दो इकट्ठे बैठे, फटते ग्रह स्त्री से है।
ग्रह मुश्तरका बुरा नहीं करते, बन्द मुट्ठी के खानों में।
फल 2-11 अपना अपना, धर्म मन्दिर गुरुद्वारा में।
स्त्री ग्रह जब शनि से मिलकर, बैठे 2 या कहीं भी हों।
ग्रह दृष्टि से जो कोई देखे, मरते आल-औलाद से हों।
इस जहर को घर 9वें से, राहु केतु हटाते हैं।
अगर मदद न उन की लेवें, मंगल केतु मरते हैं।
एक दीवार के घर 2 साथी, ग्रह मुश्तरका होते हैं।
शत्रु ग्रह तो कभी न मिलते, दोस्त मिले ही गिनते हैं।
वजह किसी दीवार फटे गर, दुगनी जहर हो जाती है।
अक़्ल बुरी क़िस्मत हो मन्दी, मौत खड़ी हो जाती है।
घर 10वें में लड़ते दुश्मन, ग्रह 9 टेवा अंधा हो।
सूरज 4, शनि हो 7वें, न्होराता आधा अंधा हो।
राहु केतु घर चोथे 10वें, या चंदर भी साथी हो।
शनि 8 या गुरु साथी, टेवा वो कुल धर्मी हो।

घर अपने से 5वें दोस्त,	7वें उल्टे होते हैं।
8वें घर पर टक्कर खाते,	बुनियाद 9वें पर होते हैं।
तीसरे घर के जुदा जुदा तो,	बुध से वो आ मिलते हैं।
घर 10 पर बाहम दुश्मन,	घूमते फिरते चक्कर हैं।
नर ग्रह बोलते जुफ़्त के घर में,	स्त्री बोलते ताक़ में हैं।
बुध है बोलता 3, 6 में तो,	पापी नहीं बोलते 2 में हैं।
ग्रह शत्रु में गुरु जो आवे,	वैर ख़त्म हो जाता है।
माता चंदर जब साथी होवे,	दोस्ती पैदा करता है।
घर 5वां औलाद का गिनते,	11 होता घर धर्मी है।
घर 8वें जो मौत निमाणी,	साथ लगी 9 बुजुर्गी है।
घर पहले की उम्र सौ साला,	नव्वे तीन, दस, बारह है।
85 उम्र 7 चोथे की लेते,	80 होती घर 6 की है।
पौन सदी या साल 75,	गुरु मन्दिर घर 2 की है।
घर और ग्रह की उम्र जुदा पर,	गुजरती दो की इकट्ठी है।
गुरु जगत की उम्र 75,	बुध, केतु 80 होती है।

शुक्र, चदर की उम्र 85, शनि, मंगल, राहु 90 है।

स्त्री ग्रह जब मिले नरों से, उम्र 96 होती है।

साथ मिले जब बुध पापी का, वही 85 होती है।

रवि मालिक है पूरी सदी का, उम्र लम्बी उस होती है।

ग्रहण लगे जब रवि चंदर को, साल तीन कम होती है।

लाल किताब के विद्यार्थी

اگر بیت کے زرد رنگ زمانے کے شیر نے
کے چرنوں میں سونے رنیلے سے دینا
(دھات) بخشا تو کیسا
نے
انسانی گورو
کو سونا
دینا
کی موت سکھلائی (کیسر کی خوراک سے خوشی کی حد میں مدہوشی ہوتی ہے)

बृहस्पत - जगत गुरु

पापी ग्रह या बुध ताल्लुक, पिघला सोना गुरु होता है।

उपाओ ग्रह साथी का होवे, गुरु राशीफल होता है।

पापी मंदे या केतु मंदा, गुरु भी मंदा होता है।

ग्रहण के वक्त हवा बर्फानी, असर मंदा हो जाता है।

नष्ट मंगल आकाश बेल तो बुरा शुक्र मंदा करता है।

शत्रु ग्रह के जब वो अन्दर, वैर नष्ट कर देता है।

हाथ रूहानी, कद, पेशानी, सांस चोटी गुरु गिनते हैं।

नाक बजुज सिरा अगला इसका, फैसलाकुन हुआ करते हैं।

1 ता 5 या 12 बैठा, मदद शनि रवि करता है।

घर 6 ता 11 में बैठा, सिर्फ़ शनि को तारता है।

गुरु अकेला सब को तारे, मदद न जब कोई करता हो।

पर केतु को वो मरवावे, ख़ुद ही जब वो मरता हो।

बृहस्पत ख़ाना नंबर 1

कीमियागर, पेशानी, पीले रंग, शेर-ए-नर, चलता साधु।
घर पहला है तख़्त हजारी, ग्रहफल राजा कुण्डली का।
गुरु मगर न इस को चाहवे, झगड़ा मनुष है माया का।
गुरु अगर घर पहले ही आवे, इल्म, सोना ले आता है।
लिखना पढ़ना अगर न जाने, भेस फ़क़ीरी पाता है।
सोना भी जो सबसे उम्दा, दया धर्म भी उत्तम हो।
सेहत दौलत रिश्तेदाराँ, नाग वली का साया हो।
उम्र 16 से घर को तारे, कुल संसार बुढ़ापे में।
गुरु, हवा, दोनों हैं चलते फिरते कुल जमाना में।
उम्र 27 पिता से बिखड़े, ख़ुद कमाई करता हो।
शनि चक्कर से 7वें आवे, पिता न उस का बैठा हो।
उम्र मामूँ की छोटी होवे, पर छोटी न अपनी हो।
घर 7वां गर ख़ाली होवे, टाँग तख़्त की टूटी हो।
माता इसकी शिव जी होवे, पर औरत से डरती हो।
बेटे को तो तारती जावे, ख़ुद इकावन[A] मरती हो।

---

[1]टेवे वाले की 50 साला उम्र पर

केतु लड़का आसन उम्दा, बुध[B] निकम्मा लेते हैं।
घर 5वें गर शनि हो बैठा, कोठे भी उसे मंदे हैं।
चक्कर दूजा हो जब उसका, उम्र उननजा[49] दिन गिनते हैं।
गुरु जगत में प्रगट होगा, सुख दुनिया का लेते है।

शादी के दिन से बुलन्द इक़बाल होगा, मगर वालिद के साया का सिर पर साथ न होगा,अगर होगा इस के साथ मददगार और नेक न होगा, फिर भी होगा तो जुदा घर पर पड़ता होगा। बहरहाल उम्र का हर आठवां साल तरक्की का न होगा, अगर होगा तो बचन या आशीर्बाद पूरा होगा। मगर सराप या बददुआयें से ख़ुद अपना आप ही तबाह होगा।

B सिर्फ धन के लिए।

बृहस्पत ख़ाना नंबर 2 (पक्का घर)

गाय अस्थान, मेहमान नवाजी, पूजा, धन माया, चने की दाल

गुरु दूजे अस्थान गऊ का, ग्रहमंड माला माना है।
जनम कसाई का ख़्वाह होवे, आसन ब्रह्मा, माया है।
दुश्मन ग्रह[A] घर 6 ता 11, राजा, वली ख़्वाह कोई हो।
बृहस्पत तब भी गुरु ही होगा, ख़्वाह वो औरत ही का हो।
अगर गुरु न होवे ऐसा, दही गोबर का पुतला हो।
जहर बिच्छू से मर्द व औरत, कुल अपनी के मारता हो।

सुलहकुल और बख्शीश करे तो नेकों से वो नेकी में बढ़े, वरनाः-

हर जा के रूद कदम शरीफा, न फजल रबीहशुद न खरीफ़ा

कर भला तो होगा भला। सोने की तार की तरह वो बढ़ता होगा, वरना-

हाथ पुराने खौसड़े मिट्टी मल जी आये।

साधु अपनी धूनी पर होगा, मगर गृहस्त व कुटिया की शर्त न होगी।

A शुक्र, बुध

इस का मामूली ताँबे का पैसा उसे सोने का काम देगा। सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को गई। गुरु घंटाल होगा। ब्रह्मा जी और लक्ष्मी जी अपने सिंघासन पर की तरह क़िस्मत का उम्दा हाल होगा। अपनी मौत का उसे मरने से पहले पता लग जायेगा। मिट्टी के कामों से सोना मगर सोने के कामों से मंदी खाक़ नसीब होगी।

लाल किताब के विद्यार्थी

बृहस्पत ख़ाना नंबर 3

दुर्गा पूजा, तालीम

त्रैलोकी का मालिक होगा, गुरु जो तीजे बैठा हो।

पग हो तो 18 से 19, वर्ना 3 ही काना हो।

दुर्गा पूजन भेद गिना है, 3-18 होने का।

नेक होवे तो सब से उम्दा, वर्ना बुध हो 3-9 का।

आदिल, मुनसिफ मिजाज, दुर्गा जी शेर की सवारी का साथ होगा, जिसे तारे शेर की तरह मारी हुई मार (शिकार) दे जावे मगर जिसे बिगाड़ने पर आये उसका बिस्तरा तक भी जला देवे।

तारीफ और खुशामद से इसकी सत्ता (ताक़त) नष्ट और बर्बाद होगी।

बृहस्पत ख़ाना नंबर 4 (ऊँच फल का)

बारिश, सोना

बृहस्पत चोथे घर हुआ   समंदर दूध भरा।

ग्रह चारों ही नेक हों,   पानी[चंदर] मिट्टी[शुक्र] आग[मंगल] हवा[बृहस्पत]।

ऊँच बृहस्पत जब हुआ,   बढ़ता चंदर हो।

बुध अकेला छोड़ के,   फल सब का उम्दा हो।

10वें बुध गर आ हुआ,   खोटी हवा चलने लगी।

दुनिया को क्या तारे जब ख़ुद,   बेड़ी अपनी डूबती।

पानी के दरिया में सीधा तैरने वाला शेर होगा। सिंहासन बत़ीसी (32 परियां) और राजा बिकमाजीत के साया का मालिक होगा। उस के साया में लाटरी, दफ़ीना, सोने की कानों की चमक और धन दौलत का दरिया बहता होगा।

माँ पर धी पिता पर घोड़ा, बहुत नहीं तो थोड़ा थोड़ा ज़रूर होगा।

बृहस्पत ख़ाना नंबर 5 (पक्का घर)

नाक, केसर, असर है ग्रहफल का।

गुरु है 5वें लीद में माणिक,	पत्थर में वो मोती है।

छोटी नैय्या ख़्वाह बेशक होवे,	नरक कुटुंभी धोती है।

दुश्मन 2-9-11 बैठे,	डूबती बेड़ी होती है।

दिन गुरु कोई लड़का जनमे,	शेरों की जोड़ी होती है।

जब तलक न हो कोई ऐसा,	नींद भरी शेर होती है।

लड़के पोते बेशक बैठे,	क़िस्मत सोई होती है।

बर्षफल के हिसाब या किसी तरह भी अब अगर सनीचर ख़ाना नंबर 9 में आ जावे ¾गर वो मुर्दा नहीं हो जायेगा और सनीचर के दिन की औलाद के जनम पर जाग कर बुनियादी उम्दा 60 साला और उत्तम फल देगा।

बृहस्पत की मुतल्लका चीजों से फायदा न होगा।

बृहस्पत ख़ाना नंबर 6 (राशीफल)

मुर्ग, गरुड़ (परिंदा)। मंदे वक्त केतु का उपाओ मदद करे

6वां घर पाताल का, गुरु छिपावे मुंह।
मदद करे न बाप की, बेटा, बेटी न नूह।
हवा भली उस शख्स की, मान सरोवर हो।
कुल माता, बुध भी बढ़े, केतु उम्दा हो।
चूहे से केतु बने, बुध गरुड़ ही हो।
रोटी खाये वो मुफ़्त की, ऐशी पट्ठा हो।

साधु अपनी कुटिया में होगा, समाधी और धूनी की शर्त न होगी या पिता छोटी उम्र में चल बसने वाला होगा। अगर होगा, सख़ी होगा तो मान सरोवर भी होगा, मगर टर्राने वाला मेंडक न होगा। फिर भी अगर होगा धन की बारिश का मालिक या सोने की कानों में रहने वाला होगा। आखिर होगा तो खुशहाल होगा पर कभी कंगाल न होगा।

लाल किताब के विद्यार्थी

बृहस्पत ख़ाना नंबर 7 (राशीफल का)

किताबें, दमा, मेंड़क, आवारा साधु

मसनूई बृहस्पत (सूरज शुक्र) ख़ाली हवाई बृहस्पत। मंदे असर के वक्त चंदर का उपाओ मददगार होगा।

7वें बृहस्पत सब को तारे, खुद तकड़ी की बोदी हो।

धर्म ईमान में अपने पक्का, पर भाईयों से दुखिया हो।

सबका ही वो देवन हारा, चने का छिलका ख़ुद हो गुजारा।

ख़ुद क़िस्मत का अपनी मारा, चंदर पूजन हो निस्तारा।

बुध शनि घर 2-6-11, या कि 12 बैठा हो।

ऊर्ध रेखा का डाकू राहजन, लड़के को वो तरसता हो।

40-5[45] जब उम्र हुई तो, लड़का भी आ बैठा हो।

पिछले धोने सब कुछ धो कर, सुख सागर का मालिक हो।

लोग गये जो मेला बैसाखी, लालाजी जकड़े है घर की राखी।

भाईयों से तंग होकर कई दफा कहता होगा

कि भाई जी तुसाँ जम्मदे क्यों न मर गये....

थान फाड़ने पये।” स्त्री धन से बरकत होगी, अगर अपनी कमाई होगी तो सब मिट्टी के बराबर होगी। रमते साधु (आवारा) का साथ मुबारक न होगा, अगर होगा जेहमत व खर्चा खड़ा होगा। ब्राह्मण की बोदी मींह मंगदी (चंदर पूजन मुबारक होगी) बृहस्पत नंबर 7 की मंदी हालत का सबूत घर में रत्तक (सोना तोलने वाली) होगा जिनको ज़र्द कपड़े में रखना वास्ते धन दौलत मुबारक होगा।

लाल किताब के विद्यार्थी

बृहस्पत ख़ाना नंबर 8

अफवाह, नक्कारा खल्क, फ़कीर का यज्ञ दान।

घर 8वां जो खोपरी सबकी, साधु का वो प्याला है।

शनि मंगल सब को ही जलावें, गुरु का फल पान निराला है।

गुरु के घर जब उत्तम होवे, सोने का भण्डारा है।

शनि मंगल गर चोथे बैठे, दुखिया भस्म गुजारा है।

लम्बी उम्र का बुजुर्गों ने ही पट्टा लिखवाया हुआ होगा। हर दम बढ़े परिवार और जागती हुई क़िस्मत का हाल होगा। सिर की खोपरी उड़ जाने तक वो जिन्दा रहेगा या खोपड़ी को सर से उतार कर हाथ में ले कर चलने की हिम्मत का वो मालिक होगा। सब कुछ जला कर जंगल में एक पत्थर पर भी बिठा देवें, तो भी उस वीराना में सोने की कानें वो ढूँढ लेगा और जले जंगल में मीठा मंगल और हरियावल कर लेगा मगर फ़कीरी का साथ न देगा।

बृहस्पत ख़ाना नंबर 9 (पक्का घर)

घर का और ग्रहफल का, क़िस्मत को जगाने वाला।

जद्दी मकान, मन्दिर, मस्जिद, गुरुद्वारा, चलता व उड़ता वजूद, गैस।

बृहस्पत हो जब 9-12 में, घर उस के गंगा[A] आती है।

क़िस्मत उम्दा सबका पत्तन, नाव हवा में चलती है।

जूं जूं पानी इसके बरते, होता ब्रह्म ज्ञानी है।

9 निधि का मालिक गिनते, होती 12 सिद्धि है।

प्राण जाये पर बचन न जाये, बचन से अपना धर्म भी पाये और धर्म से उसके धन में हार न आवे, वर्ना मंदे वक्त से वो पहले ही चल जाये। सर्राफ या जौहरी बाकमाल होवे।

A गंग-आ =धन व औलाद।

बृहस्पत ख़ाना नंबर 10 (नीच)

सूखा पीपल, नुक़्सान जर, तालीम ख़त्म। मंदे असर के वक्त

दरिया नदी में ताम्बे के पैसा का उपाओ मददगार

गुरुद्वारा 10वें हुआ, स्वर्ग लोक के काम।

लालच में दोनों गये, माया मिली न राम।

घर शनि के आन कर, गुरु चढ़ावे स्वास।

ग्रह न कोई चल सके, सिर्फ़ शनि की आस।

कीड़ा गन्दा अब हुआ, भरे भस्म भण्डार।

लाज गुरु की है शनि, ख़्वाह मंदा कुल संसार।

9, चोथे, घर 5वें, शनि, रवि या बुध।

शुक्र राहु हों मरे, केतु पाये न सुध।

10वें घर का नीच बृहस्पत, 4 रवि से चलता है।

ख़ाक से है वो सोना बनता, 4 शनि से गलता है।

गुरु रवि दोनों से कोई, घर 10वें जब बैठा हो।

5वें घर ख़्वाह दोस्त उनका, ज़हरी दुश्मन होता हो।[*A]

निर्धन पिता यतीम बच्चे को निर्धन ही छोड़

लाल किताब के विद्यार्थी

जावे। उसकी जिन्दगी में बच्चे ने ख्वाब में महल देखे मगर जागने पर उसी टूटी हुई चारपाई और तवेला गराँ में लेटे पाया न शरु देखा न आखिरी देखा जो खूब देखा तो अफसोस देखा और लिपटी हुई आरजू को कफन में ही ले जाते देखा। 27 साला उम्र से 36 तक बहुत मंदा मगर 28 के बाद (जबकि भाई की मदद या इसका साथ हो) गणेश जी या सब के पूजने की जगह बनते देखा। बहरहाल मर मर कर बुढिया राग गावे लोग कहें उसे ब्याह।उस ने गरीब का तरस खाकर रोटी दी तो पोलीस के डंडे की मार इसका एवज मिला। किसी का तो पेशाब भी तेल की तरह रोशनी देवे मगर उसका तो ख़ालिस तेल भी पेशाब से कम कीमत होवे।

*A वास्ते ख़ुद अपनी व उम्र शुक्र की, जब नर ग्रह का साथ न हो, वर्ना लम्बी उम्र होगी।

बृहस्पत ख़ाना नंबर 11 (पक्का घर)

गिल्ट, मुलम्मा, ग्रहफल का, क़िस्मत को जगाने वाला

गुरु शनि की 11 राशी, बुध से दोनों चलते हैं।
बुध दबाया या हो मंदा, दोनों निष्फल जाते है।

मक्खी[उम्दा शनि] थी तो शहद[मंगल] भी था, मक्खी उड़ी तो शहद न पाया न ही मुर्ग[बृहस्पत] के बाद मुर्गी के सोने के अंडे का पता चला और आख़िर पर अपने हाथों से ही अपने मुंह के लिए रोटी बनानी पड़ी। पिता की हाजिरी में सांप ने भी सजदा किया और सबका ही साया बढ़ा मगर ज्यों ही कि बृहस्पत का सांस या हवा पीछे हटा, मर्द की माया, साधु, गुरु, राजा या दरख़्त का साया उसके साथ ही उठ गया मालूम हुआ और फिर वही मच्छर सताने लगा।

बृहस्पत ख़ाना नंबर 12 (घर का)

पीपल का हरा दरख़्त, हवा, आम दुनिया, साँस, पीतल(धात)

बृहस्पत घर हो 12 बैठा, फल 9 का भी लेते हैं।
पापी उसके घर हों बैठे, बुध, शुक्र भी मरते हैं।
माया को वो मूत्र समझे, होता ब्रह्मज्ञानी है।
राज छोड़ वैरागी होवे, होता साधु त्यागी है।

नाक का पानी खुश्क होने के दिन से बृहस्पत क़ायम हुआ होगा या नाक का पानी खुश्क रखने से मदद होगी। ज़र्द तिलक कारआमद होगा। माला गले में डाले रखना बृहस्पत नष्ट का सबूत होगा। चोटी या बोदी का क़ायम रहना या रखना हरदम मुबारक होगा। साधु अपनी समाधी में होगा जिसके सताने से शाप और सेवा से आशीर्बाद होगी। राहु की हर दो हालत (ऊंच राहु = बृहस्पत दो जहान का मालिक। नीच राहु = बृहस्पत सिर्फ़ दुनियावी) गुरु की हालत का फैसला करेगी।

سورج

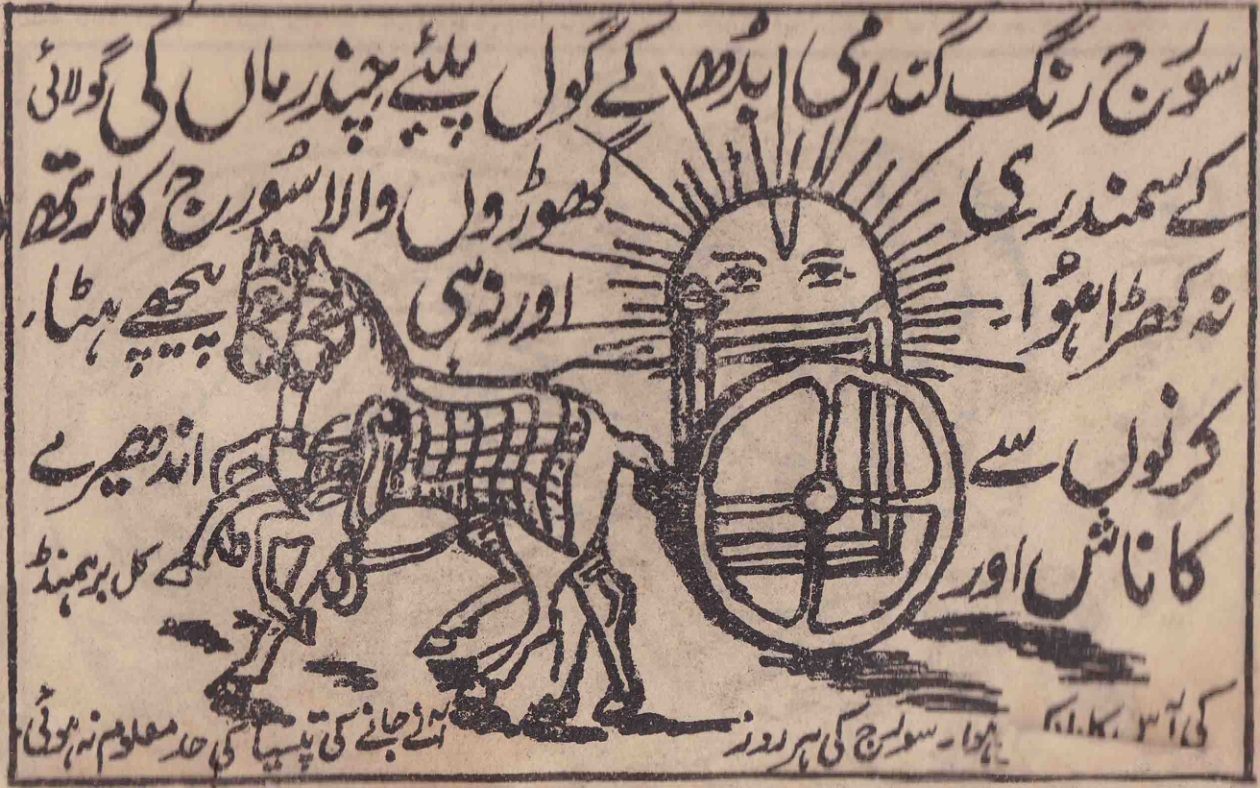

سورج رنگ گندمی ایدھے کے گول پلیٹے چندرماں کی گولائی
کے سمندری
گھوڑوں والا سورج کا رتھ
نہ کھڑا ہوا
اور نہ ہی
پیچھے ہٹا،
کرنوں سے
اندھیرے
کا ناش اور
کل برہمنڈ
کی آئی ۳ ... ہوا۔ سورج کی ہر روز
ٹٹے جانے کی تپسیا کی حد معلوم نہ ہوتی

सूरज - तपस्वी राजा

रवि गुरु घर दो का इकट्ठा, असर मिला दो जुदा ही है।
गुरु पिता गर रवि का होवे, रवि पिता ख़ुद शनि का है।
रूह संसार का गुरु जो मालिक, बुत दुनिया सब रवि का है।
साँस प्राणी गुरु का होवे, ढांचा पर ख़ुद रवि का है।
गुरु अगर आसमान गिना तो, रस्ता रवि आसमान का है।
हवा रोशनी मिले जो रहते, आकाश बना बुध दो का है।
प्रगट दुनिया बुध जो होवे, ब्रह्मांड बढ़ा आकाश का है।
फटे रोशनी हवा से दुनिया, जुदा जुदा घर दो का है।
बच्चा हुआ घर रवि है चमका, गुरु शरण में आता है।
रवि हुआ जब राजा दुनिया, गुरु शरण उस होता है।
रवि बैठा जब 1-5-11, ग्रह बालिग सब होता है।
घर 1-5 जब रवि हो बैठा, तलवार धारी वो होता है।
ख़ुद कभी न राशीफल का, ग्रह सब ही को दबाता है।
1-5 बैठे हो राशीफल के, शत्रु भी दोस्त बनता है।
रवि नीच न ख़ुद कभी होवे, असर साथी मंदा होता है।

ग्रह दोस्त अपना मरवावे, ख़ुद ही जब वो मरता है।

शत्रु ग्रह गर साथी होवें, घर बैठक उड़ जाता है।

कुण्डली मगर घर पहले होवें, असर रवि ख़ुद मंदा है।

अंग जिस्म या आँख हो दाँई, हाथ सपाट भी होता है।

बुध मंगल या पाप की हालत, फैसलाकुन रवि होता है।

सूरज रोशनी मंगल किरणें, ग्रहण राहु-केतु होता है।

बुध आकार तो तेज गुरु का, चमक चंदर रवि देता है।

रवि, शनि दो इकट्ठे बैठे, झगड़ा नहीं कभी करते हैं।

वजह किसी गर दोनों झगड़ें, हत्या शुक्र की करते हैं।

सूरज ख़ाना नंबर 1 (पक्का घर, ऊँच)

दिन का वक्त, दायां हिस्सा या आँख

बैसाख का सूरज घर पहले में, राज, जिस्म, रूह, उम्दा हो।

तेज देवे हर निर्धन को वो, पर-उपकार चवन्नी हो।

मात पिता, ख़ुद उम्र हो लम्बी, पर औलाद हो गिनती की।

आँखों पर वो निस्चा करेगा, परवाह न हो सुनने की।

सतजुग का वो आदमी होगा, क़िस्मत खुद बनाई हो।

चोटों से वो हरदम बढता, बेशक बहन[बुध] न भाई[मंगल] हो।

सनीचर का १/४ हिस्सा बुरा असर शामिल होगा। बाकी एक बचने वाले मकान की हैसियत का राजा होगा। लक्ष्मी को वो ख़ुद पैदा करेगा मगर ख़ुद लक्ष्मी का दिलदादा न होगा। आफताब चमका तो क्या चमका अगर वो ख़ुद अपनी रूह पर भी न चमका यानि पर-उपकार और सेवा साधन के बगैर अब सूरज निष्फल होगा और कुछ न देगा अगर देगा तो आग देगा मगर खाक़ तो फिर भी न देगा। बहरहाल गन्दे इश्क और मंदे कामदेव से ज़रूर दूर होगा।

सूरज ख़ाना नंबर 2

गंदुम

जेठ महीने सूरज दूजे, माया शेर सवारी हो।
शेर का सुख सागर तो, उम्र का इच्छाधारी हो।
ख़ुद चमके, सब को दमकावे, घर 6वाँ भी बढ़ता हो।
सख़ी होवे तो बढ़ता जावे, भिच्छया से वो गलता हो।
झगड़े औरत ज़र जमीनाँ, बादल का अंधेरा हो।
मंगल पहले, चंदर 12, आलसी, निर्धन, दुखिया हो।

जिस कदर इस की तै में पानी बढ़े, सूरज का रथ और भी ऊँचा हो कर चले। लेकिन जिस कदर इस की तरफ़ पानी बढ़े, वो कागज की तरह गलता जावे या अगर वो शुक्र के झगड़ों से दूर रहे तो हरदम बढ़े वर्ना आंधी के बादलों से ख़ुद अपने लिये ही अंधेरा कर ले मगर सवारी और चौपाया का सुख ज़रूर साथ रहे।

सूरज ख़ाना नंबर 3

दिन की औलाद, भतीजे

असाढ़ महीने सूरज तीजे, मंगल बुध बलकारी हो।
चंदर से गर धरती घूमे, फिर भी तख़्त हजारी हो।
बुध मंदा तो मामूँ मंदे, मंदा राहु केतु हो।
पर मंदा न इल्म जोतिष, या कि इल्म रियाजी हो।
मंगल भी गर मंदा होवे, मंदा शुक्र कभी न हो।
मंगल बद, मंगलीक भी होवे, फिर भी डरके चलता हो।
जमीन जुंबद बजुंबद, पर न जुंबद मेहरो मंगल।
गर बजुंबद, माह बजुबंद, पर न जुंबद बुध का जंगल।

अब चंदर का फल रद्दी न होगा,माता की उम्र लम्बी होगी ख़्वाह चंदर नष्ट होवे। बाप दादा गरीब हों तो बेशक, पड़ोसी मरे ता मुमकिन मगर वो ख़ुद अपनी आखरी उम्र और आखरी वक्त में निर्धन न होगा और अगर होगा तो ख़ुद अपनी बदचलनी या मंदे कामों से बर्बाद होगा मगर फिर भी गर्दिश जमाना या अक़्ल के धोके और फ़रेब से वो कभी आजुर्दा हाल न होगा।

सूरज ख़ाना नंबर 4

दाईं आँख का डेला, भूआ का लड़का भाई।

सावन सूरज चोथे गिनते, मींह पानी चंदर का घर।

पानी बरसे पर्बत जंगल, बुध शनि दोनों के घर।

10वें घर का नीच बृहस्पत, रवि से सोना करता है।

शनि का गर वहाँ पहरा होवे, हर दो चूल्हे धरता है।

रवि मगर ख़ुद जला जलाया, मदद चंदर की पाता है।

शनि ने हो जो पत्थर फूंके , "ला'ल" रवि कर देता है।

मंगल राजा घर 10वें का, शनि नजर का मालिक है।

मंगल ख़ुद अब आँख दे अपनी, रवि गो प्रबल करता है।

शनि अगर हो 7वें बैठा, हिजड़ा, बुजदिल होता है।

नहोराता या आधा अंधा, टेवा ऐसा होता है।

ईजाद का मौजब और फ़ायदा बस्यार का मालिक होगा। समुंदर की सीप में मोती पैदा करेगा और अगर सीप में कीड़ा भी पड़ जाये तो भी कीमत दे कर जायेगा। रेशम का कीड़ा अगर ख़ुद तबाह भी हो

जावे तो फिर भी बाकी रेशम ही छोड़ कर जायेगा यानि अगर ख़ुद बुलन्द इकबाल न हो तो अपने पैरोकार या पीछे रह जाने वालों को तो ज़रूर बुलन्द ही करके जायेगा।

सोल किताब के विद्यार्थी

सूरज ख़ाना नंबर 5 (घर का व ग्रहफल का)

क़िस्मत को जगाने वाला, इकलोता लड़का, लाल मुंह का बन्दर, पोता।

भादों सूरज 5वें घर का, तेज तपिश का पक्का हो।
राजा पर-उपकारी होवे, साधु अल्प न आयु हो।
भेड़िया-बकरी, अग्नि-पानी, सब को इक जा रखता हो।
¾ और बुढ़ापा उम्दा हो।
गुरु अगर हो 10वें बैठा, औरत इसकी मरती हो।
शनि अगर घर तीजे होवे, औलादों भी दुखिया हो।
ग्रह पांचों से अपने घर का, या पापी ग्रह 9वें जो।
सूरज की वो होंगे प्रजा, हंस, हुमा भी तारता हो।

सूरज का ख़ुद जाती फल अब कभी मंदा न होगा। शेर की गाड़ी में शेर-बब्बर जुता हुआ होगा अगर राजा न तारे तो साधु ही तार देगा, मगर कफ़न में लिपटी हुई किसी आरजू का साथ न होगा। अगर राजा न हो तो साधु भी छोटी उम्र का न होगा। जब होगा,

बकरी (बुज = बकरी, गुर्ग = भेड़िया) और भेड़िये को इकट्ठा रखने की हिम्मत वाला बुजुर्ग होगा या बकरी की हैसियत से बढ़कर भेड़िया तो ज़रूर होगा। सफ़ा दिल होवे तो बुढ़ापा उम्दा और औलाद का सुख पूरा होगा वर्ना कान से पकड़ कर भेड़िये की तरह भगाई हुई बकरी की तरह क़िस्मत का हाल होगा।

सूरज ख़ाना नंबर 6 (राशीफल का)

गन्दुमी रंग, पांव की खराबियां, बुध का उपाओ मददगार होगा, मामूँ की मदद के लिये बन्दर को गुड़ देने का उपाओ मददगार होगा। दोहता।

असूज सूरज 6वें घर का, अग्नि बाण ले चलता है।
घर 12 में शनि पे मारे, शुक्र उससे मरता है।
मंगल घर 10वें पर मारे, लड़के भस्म बनाता है।
घर दूजे से कोई न देखे, पिता को भी वो खाता है।
अग्निबाण से वही बचेगा, चंदर पूजन जिसकी हो।
घर अपने में जिसने रखी, घोड़ी, पानी, चाँदी हो।
पैदायश नानके घर होगी।

पहले बनी प्रालभ्त, पीछे बना सरीर,
केतु राजा हो बना, राहु बने वजीर।

यानि जनम अस्थान उम्दा और वाल्दैन मुबारक हालत बल्कि राजस्तान होगा। मगर पापी ग्रहों के वक्त से ग्रहण का मंदा जमाना ज़रूर होगा या एक दफ़ा तो जवाल ज़रूर होगा। मगर औलाद होने

के दिन तक फिर वही रोशन व सूरज का शानदार जमाना बहाल होगा। मगर राज ताल्लुक और राजा के दरवाजे से कई बार वापिस आकर फिर सवाली ज़रूर होता रहेगा।

खोज किताब के विद्यार्थी

सूरज ख़ाना नंबर 7 (नीच, राशीफल का)

लाल गाय (सूरज रंग की), रूहानी नुक़्स, सफेद गाय गैर मुबारक होगी मगर स्याह गाय मददगार होगी। चंदर (दूध) नष्ट करने से मदद होगी। बुध या भोंडी गाय भी मुबारक होगी।

कत्तक सूरज 7वें आया, सोने से घर मिट्टी पाया।
जनम वक्त थे लाख हजारी, बोलते बोलते हूँझ-बुहारी।
गुरु मंगल उस घर से भागे, शुक्र रहे न चंदर जागे।
पापी ग्रह भी गिने अभागे, मिली मदद बुध सब है जागे।
न धन रहे धनाढ़ हो। न गुल रहे गुलजार हो।
सब मालो जान बर्बाद हो, गर बुध का न वहां साथ हो।
घर पहले के ख़ाली होते, सूरज 7 में सोया। } वरना
दिन उस ही सूरज निकले, 8 जब दूजे होया। }

जमीन में तांबे के चोकोर टुकड़े दबाना मददगार होगा। पराई ममता ज़रूर साथ रहे। अगर औरत भी

रहे तो लाजवन्ती ही रहे वर्ना वो न रहे। अगर औरत बद हो और फिर भी रहे तो शुक्र का घर (ससुराल तरफ़) ही न रहे। फिर भी रहे तो धन की जगह मिट्टी रहे या बद लक्ष्मी रहे अगर फिर भी रहे तो कोई न रहे। अगर बुध ख़ाना नंबर 7 में न हो या बुध निकम्मा ही हो तो काग़ज पर फैलने वाली स्याही की तरह क़िस्मत का हाल होगा या वो सिर्फ़ बुध की मदद से ही खुशहाल व फारिग़-उल-बाल होगा।

लाल किताब के विद्यार्थी

सूरज ख़ाना नंबर 8

रथ गाड़ी, पक्की और सच्ची आग।

मग्घर महीने रवि है 8वें, बटी है गर्मी सर्दी से।
मारग घर अब मौत न होगा, जिन्दे होवेंगे मुर्दों से।
बड़ा भाई और गाय सेवा, लम्बी उम्र निशानी हो।
कुत्ता गर ससुराल का होवे, हर जा इस की हानि हो।

ऐसे टेवे में शुक्र का पतंग (शुक्र नंबर 1 होता) है जो काग रेखा का फल देगा इस लिये सफेद गाय मन्दी हालत देगी। उजड़े मकानों को बसाने वाला और पानी भरे बादलों को बरसा लेने वाला होगा। पत्थर से आग और आग से पानी से मिट्टी या सारा ब्रह्मांड पैदा कर लेने वाला होगा। मारग अस्थान के बिच्छू से मुर्दे जिन्दा करवा लेगा और इस की जहर से जलाये हुये पत्थरों से संखिया और संखिये से हिजड़ों और नामर्दों को तपस्वी राजा और मर्दों में गिनवा लेगा बशर्ते कि सीग दुनिया (3 कुत्ते) या चोरी का दिलदादा न हो।

सूरज ख़ाना नंबर 9

भूरा रीछ। सुरज ग्रहण के बाद का सूरज।

पोह महीने सूरज 9वें, उम्र लम्बी का मालिक हो।
पर-उपकारी कुनबा परवर, कुल 7 अपनी तारता हो।
ख़ाली बर्तन मोटे पीतल, बुध की जहर हटाते हैं।
राज से ख़्वाह न ताल्लुक होवे, हकीमी शिफा तो पाते हैं।

किसी का कुछ बने या न बने मगर ख़ानदानी ख़ून के लिये अपना सब कुछ बहा देगा मगर एवज न मांगेगा। उस का ख़ानदान लम्बी उम्र का ठेकेदार होगा। अगर ज्यादा नहीं तो सात पुश्त (3 उसके ऊपर और 3 उससे नीचे, और ख़ुद अपना सूरज जिस्म दरमियान में) का ज़रूर निगहबान और मददगार होगा। हद से ज्यादा गर्म या नर्म होने पर तबाह होगा। चाँदी का दान देना इसके बढ़ने का सबब होगा और चाँदी का दान लेना बाइस-ए-तबाही होगा।

सूरज ख़ाना नंबर 10

भूरा नेवला, भूरी भैंस।

माघ महीने सूरज 10वें, राहु कच्चा धुआँ हो।
अल्प आयु या किस्मत मंदी, जब तक इन का साथी हो।
शुक्र चोथे पिता को मारे, चंदर मारता 5वें है।
मच्छर से भरपूर हो क़िस्मत, छटे अगर वाँ सनीचर है।
रवि, गुरु दोनों से कोई, घर 10वें जब बैठा हो।
5वें घर ख़्वाह दोस्त उसका, ज़हरी दुश्मन होता हो।*A

राज दरबार में स्याही से सिफारिशी कागज स्याह कर के कई बार देखा आर देखा न कभी उसे पार देखा बल्कि नर ग्रह की मदद साथ/साथी होने के बगैर न उसे दरजहान देखा। फिर भी देखा तो सूरज के गुस्सा की गर्मी की आग से जोर से रू-ओ-रंग स्याह देखा। औलाद तबाह देखा। क़िस्मत अपनी के लेखे में भी उसे न कभी शाह देखा और शाही फेहरिस्त में भी न उसे दरपनाह देखा। अगर देखा तो सफेद

लाल किताब हिन्दी

पगड़ी या दस्तार से ही उसे गुरु के दरबार में देखा तो आख़िर पर उसे शाहों का शाह देखा पर बुध की उम्र से पहले न कभी ये हाल देखा फिर भी देखा तो उसे न कभी योगी अलंकार देखा।

लाल किताब के विद्यार्थी

*A वास्ते उम्र ख़ुद जब नर ग्रह की मदद साथ या साथी न हो, वर्ना लम्बी उम्र हो।

सूरज ख़ाना नंबर 11

सुर्ख ताँबा।

फागुन सूरज 11 होवे, शनि स्याही करता है।
चंदर हो जब पाँचवें बैठा, साल 12 में मरता है।
बुध गिना है तीजे मंदा, सूरज पर न असर करे।
चमके ख़ुद न चमकने देवे, उम्र की पर वो रक्षा करें।

जूठ मारे या झूट, शराब गाले या पत्थर।

सनीचर की चीजों का ताल्लुक सूरज की चमक पर स्याही फेर देगा। बृहस्पत के दरबार जहाँ कि सनीचर हलफ उठाये क़िस्मत का फैसला कर रहा है, उसी कलम से सूरज पर कत्ल का हुक्म लिख देगा यानि सनीचर की खुराक या मंदी चीजों के इस्तेमाल से औलाद की तबाही का हुक्म सादिर कर देगा। जिसे राहु-केतु की मियाद तक मनसूख कराना इन्सानी ताक़त से बाहर होगा। गल्ती की दुरुस्ती

अपने हमवजन दूध के बराबर दूध देने वाली बकरियों की तादाद के बराबर तादाद के बकरे छोड़ने पर ठीक होगी और 40 या 43 दिन तक रेत का बिस्तरा मुबारक होगा।

सोटा किताब के विद्यार्थी

सूरज ख़ाना नंबर 12

भूरी च्यूँटी, दिमागी खराबी, मसनूई सूरज (शुक्र-बुध)।

चेतर सूरज 12 होवे, ब्रह्म गुरु ही होता है।

ला'ल चमकता गर न होवे, लालड़ी न कभी होता है।

सुख गृहस्ती पक्का होवे, धर्मी गर वो पूरा हो।

धन परिवार की कमी न कोई, राहु से गर बचता हो।

दस्ती कमाई, हुनरमंदी, मिस्त्रीपन Mechinic में सूरज ग्रहण होगा। अगर मकान का सेहन न हो, तो सूरज का नेक फल तबाह होगा। बहरहाल अंधेरा मुबारक न होगा। और न ही किसी हालत में वो लावल्द होगा। खासकर घर से बाहर वीराना में वो कभी साधु न होगा। अगर होगा तो जागीरदार आजाद जिन्दगी, बड़े बड़े गाँव और बा-आमदन जायदादों का मालिक होगा।

چندریہ کا سفید رنگ (دودھ) سمندری و ہوائی گھوڑا اپنی طاقت کی
زیادتی کے سبب میدان جنگ (خانہ نمبر ۳) مالک کی موت
خانہ ۵ اور خوراک میں کنکمہ
آنے پر دنیا میں تین دفعہ
جا گا۔ اسی لئے نو گرہ

چندر ہمیشہ ہی راشی پھل کا ہوتا ہے
خانہ نمبر ۱۲
وبارہ راشی ۱۲
کی نوندھی و بارہ ۱۲

سدھی کا مالک ہوا۔ (انسان کی پیدائش نو ۹ مہینے ۔ گھوڑے کی پیدائش بارہ ۱۲ مہینے)

चंदर-धरती माता

चंदर पक्का घर चौथा गिनते, ग्रह सब का पेट माता है।

हर घर में ये राशिफल का, घर उस का धरती माता है।

ख़ाली पड़ा घर जो चंदर का चौथा, असर उम्दा और नेक दे देता है।

चंदर घर से बाहर हो बेशक ही रद्दी, घर ख़ाली ही दूध पिला देता है।

जहाँ चंदर पानी, वहाँ असर सूरज भी आ जाता है।

ग्रह लड़ते बाहम में आ बैठे चंदर, तो दोस्त वो उन को बना जाता है।

बैठा चंदर पहले या दुश्मन को देखे, असर नेक बंद अपना कर देता है।

मगर दुश्मन पापी जब बैठे हो पहले, असर चंदर मंदा ही हो जाता है।

शत्रु हों साथी तो दोनों ही मंदे, खड़ा पाप दुनिया में हो जाता है।

पड़ा पाप[*A] ख़ुद अपने चंदर के घर जब, शनि बुध भी नेकी पे हो जाता है।

अंग फड़कना या आँख हो दाईं, मुतफ़र्का हाथ भी हो जाता है।

तहरीर लिखाई हो शान्ति अपनी, फ़ैसलाकुन चंदर हो जाता है।

चंदर ख़ाना नंबर 1

दिल, बाग, बायां हिस्सा, बांयां डेला आंख का।

दूध चंदर का पहले घर में, जहर शनि से होता है।

शुक्र, बुध भी दुश्मन इसके, केतु राहु मंदा है।

24 साल 27 होते, माता सिर पर मौत चले।

इन सालों गर हो न सफर में, तब माता की उम्र बढ़े।

दिन 28 का औरत पानी, 28 साल ही रक्षा है।

चंदर-मंगल दोनों मिलते, दूध बरेती चलता है।

28 साल उम्र से पहले शादी का ताल्लुक चंदर की उम्र बर्बाद और औलाद का फल मंदा कर देगा। यही बुरी हालत 24 साला उम्र से पहले नये मकान बनाने पर खड़ी होगी। चाँदी के बर्तन मे दूध का इस्तेमाल बढे परिवार और शीशे या बुध का ताल्लुक खाक़ दर खा़क़ उड़ा देगा। धन की कल्पना सुर्ख (ख़ूनी) रंग मंगल की चीजों के साथ से और परिवार की ख़्वाहिश चाँदी के थाल से पूरी होगी। चारपाई के चार पाये ताँबे

से नेक होंगे गर ये भी शर्त न हो तो पानी के चंद घूंट बड़ के दरख़्त को डालने से मुबारक होंगे। औलाद को दरिया पार ले जाते वक्त पैसा (ताँबे का) दरिया में गिराकर ले जावे, वर्ना मल्लाह अपनी मल्लाही के एवज में औलाद पर ही हमला कर देगा।

लाल किताब के विद्यार्थी

चंदर ख़ाना नंबर 2 (उंच)

क़िस्मत को जगाने वाला। माता, दूध, चावल,

रूहानी हिस्सा, सफेद घोड़ा।

चंद चढ़्या कुल आलम देखे, गर बहन न देखे भाई तो देखे।

मात पिता तो ज़रूरी देखे, हो अपनी या औरत लेखे।

सब को ही वो तब तक देखे, जब तक चीजें चंदर देखे।

गर न देखे वो न देखे, चंदर होगा 12वें लेखे।

ऐसे शख्स की अमूमन बहन नहीं होती मगर भाई ज़रुर होते हैं। जनम चानण पक्ष का होगा वर्ना चंदर आख़री उम्र में नेक फल देगा। 24 कदम तक बल्कि मकान के अन्दर ही कुए का सबूत होगा या वक्त पैदायश चुबारा पर होगा जिस के नीचे कुआँ या पानी भी (चंदर का) ज़रूर होगा वर्ना बुढ़ापा मंदा होगा। माता की उम्र का साथ चंदर के दो चक्कर (48 साला उम्र) तक होगा। कम अज कम लम्बी उम्र के लिये मकान की तै में चांदी की चीजें दबाना मददगार होगा या चंदर के पानी का साथ

मुबारक होगा। माता की उम्र के बाद घर में चावल को पुराने करते जाना माता की आखिरी आशीर्बाद को बढ़ाना होगा। दुनिया से जुदा ही रहने वाला या छोड़ने वाला होगा।

लाल किताब के विद्यार्थी

चंदर ख़ाना नंबर 3

घोड़ा, शिवजी भोले नाथ।

इतना तो फल ज़रूरी, कर देगा तीजे चंदर।
मौतों से बच रहेगा, सब माल-ओ-जान मन्दिर।
गर मर्द न बचें तो, औरत तबाह न होंगी।
ख़्वाह पापी नष्ट करते हों चंदर ही का पानी।
चंदर घर जब तीजे आवे, माता भी वाँ पिता कहांवे।
शुक्र बैल तो चंदर साधु, मर्द बढ़ेंगे बढ़ेगी आयु।
मंगल बद मंगलीक न होगा, शिवजी हो कर दया करेगा।
स्त्रियों की भी पूजा होगी, तीन काल वहाँ उन्नति होगी।
होगी तो कुल उम्दा होगी, गर न होगी चोरी न होगी।
नहीं है कमी तेरे खजाने में, शिव शम्भु भोले नाथ।
मजलूमों पे दया है करता, मदद यतीमां लम्बे हाथ।

बुध के साथ (लड़की की पैदायश) पर चंदर की चीजों का दान मुबारक होगा। (वास्ते धन दौलत) राहु (ससुराल के वक्त) या ताल्लुक़ पर कन्यादान मुबारक

(वास्ते नागहानी बला-ए-बद से बचने के लिये) केतु (लड़के के जनम पर) सूरज की अशिया का दान। (वास्ते तादाद मैंबरान व हवा-ए-बद से बचाओ) शुक्र (औरत, शादी पर, गाय आने पर) मसनूई सूरज की चीजों का दान (वास्ते चोरी व मौत व जेहमत) मुबारक होगा यानि वो चीजें जो गुड़ के रंग की तो हों मगर चमकदार न हों।

लाल किताब के विद्यार्थी

चंदर ख़ाना नंबर 4 (पक्का घर व घर का)

ग्रहफल का, क़िस्मत को जगाने वाला, तालाब,

कुआँ, चश्मा, शांति।

सोना नहीं तो चाँदी, दूध नहीं तो पानी।

पानी भी न सही तो, गुरु देव ही की बाणी।

घर चोथे चंदर होने पे, होगा जाविदानी (हमेशा)।

पिता को तारे, माता तारे, तारता वो सब घर को है।

माया से तारे, दया से तारे, तारता वो कुल अपनी है।

गर न मारे, घर न मारे, मारता मौत निमाणी है।

नाभि देखी, आँख भी देखी, देखी तो पुड़पुड़ी भी है।

जो न देखा, राहु न देखा, न ही देखा केतु है।

पाप नहीं वो इस घर करते, मदद तो उनकी होती है।

तारें ख़्वाह न तारें मर्ज़ी, कसम पाप की होती है।

जद्दी कारोबार मुबारक फल का होगा।

जनम शुक्ल पक्ष (शुरु चंदर) हो तो बुढ़ापा उम्दा, वर्ना बचपन उम्दा और राहु केतु का साथ ही होना

लाल किताब के फ़रमान

गिना जायेगा। कपड़ा बजाजी के काम में माता का साथ मुबारक वर्ना बाइस-ए-नुक़्सान होगा। औलाद 12 साल होती रहे।

लाल किताब के विद्यार्थी

चंदर ख़ाना नंबर 5

चकोर (परिन्दा)।

आठों ग्रह ख़्वाह इस के ,   दुश्मन घरों रहेंगे।
गर चंदर पाँचवें हो,   सब पानी हो बहेंगे।
दुश्मन ख़्वाह इसके कितने ही,   मालिक-उल-मलूक़ हों।
एक सर्द आह के खींचते ही,   सब खाक-ओ-भस्म हों।
दुश्मन ग्रह 9-11 बैठे,   नेक नतीजे देते हैं।
गर वो घर 2-3 में आवें,   यम बिजली के होते हैं।
हाल ऊपर का उल्टा होवे,   दोस्त ग्रह जब आते हैं।
2-3 घर 9-11 होंवे,   पानी तक भी फूंकते हैं।
चंदर बैठा पाँचवें होवे,   चलता वो घर 4 ही है।
आगे पीछे दोनों चलता,   जलता घर 10-12 है।

धर्मात्मा होवे राज दरबार में इज्जत हो।

गो जंगल पहाड़ का सैलानी होगा मगर कामयाब मुसाफिर न होगा। गर होगा वक्त मुसीबत चिड़ियों से बाज लड़ाने की हिम्मत का मालिक होगा। माता व नर औलाद पर बुरा असर न होगा ख़्वाह पापी ग्रहों का साथ हो। नर औलाद 5 से कम न होगी। राहु ठंडा होगा।

चंदर ख़ाना नंबर 6

खरगोश, सफर (केतु का पूरा चाँद ग्रहण होगा)।

जैसी करनी वैसी भरनी, नहीं की'ती तो करके देख।

छटे हो चंदर, 12 देख, 8वें दूजे, चोथे देख।

गर हों ये घर रद्दी सब, चंदर होगा मिट्टी तब।

कुआँ लगे, माता मरे, मरेगी आल औलाद भी।

घर अपने के काम न आवे, माया उस इंसान की।

घर अपने ख़ुद के लिये, कोई न मंदा जवाब।

खूह बरते जो खेती दुनिया, मिट्टी-मौत खराब।

साहिबे तदबीर व अक्लमंद होवे। 60 साला उम्र या चंदर के खास वक्त (24 साला उम्र) में कुएँ खोदना - खुदवाना अपनी माता और चंदर की ताक़त के लिये मन्दी कब्र खोदना - खुदवाना होगा खासकर जब कुँआ आम लोगों के काम आवे या बाहर खेती की जमीन में लगे।

चंदर ख़ाना नंबर 7

खेती की जमीन (अपनी या जद्दी) मगर आबादी की न हो।

सनीचर तीजे, बृहस्पत 7वें, कितना ही कंगाल हो।

ख़ुद अकेला चंदर 7वें, लक्ष्मी अवतार हो।

औरत आये, माता गई, पर न जावे लक्ष्मी।

गर हो घर में चंदर चीजें, दूध पानी हर घड़ी।

जायदाद जद्दी तो इतनी बारौनक़ न होगी मगर नकद नामा बहुत होगा। चंदर के वक्त $\frac{24}{25}$ शुक्र 6-12 साला उम्र में शादी होना गैर मुबारक होगा। चंदर व शुक्र दोनों ग्रहों का बाहमी झगड़ा खड़ा होगा, जिस पर केतु के नागहानी हमले और इसके मासूम बच्चों पर बला-ए-बद के अचानक धक्के और नतीजे मंदे जाहिर होंगे। शायरी और इल्मे जोतिष का माहिर भी हो सकता है वर्ना चाल चलन शक से बरी न होगा अगर होगा तो तिलिस्मी भूत ही होगा।

चंदर ख़ाना नंबर 8 (नीच)

क़िस्मत को जगाने वाला। उम्र के लिए लम्बा समंदर व ख़ुद समंदर, बालाई आमदन, जिस्मानी (बजुज उम्र) व दुनियावी (धन) 1/4 मंदा असर होगा। मिर्गी या मुर्दा दिल भी हो सकता है।

सूरज मंदा, पापी बुरे, ख़्वाह मंगल बद भी हो।
राहु केतु बुध मिले, गुरु,शुक्र नीच भी हो।
ख्वेशो अकारिब, मालो दौलत, अपने और बेगाने को।
चंदर 8वें सब ख़्वाह हारे, पर न हारे उम्र को।
ससुराल तारे, दामाद तारे, तारेगा मामूँ को भी।
उल्टी गंगा हो के तारे, उम्र के आख़िर भी।

ख़ुद चंदर का चंदर की जाती चीजों पर मंदा फल कभी न होगा। ज़ाहिरा धुलापन व मानसरोवर मगर अन्दर से कपट की कान और गंदी नाली के पानी की क़िस्मत का मालिक होगा, ये गन्दा पानी या उसकी जायदाद जद्दी

खेती के काम या शुक्र (औरत) के घर उड़ कर जाती मालूम होगी। बहरहाल वो ख़ुद उसके अपने काम की न होगी। अगर होगी तो गर्दिश-ए-पहाड़ होगी और 6 साल तकलीफ भी होगी। अगर जोहरी (सर्राफ) या जुआरिया (जुएबाज) ही हो तो बदबख्ती ही होगी। चंदर या कुएँ का नजदीकी साथ न होगा।

लाल किताब के विद्यार्थी

चंदर ख़ाना नंबर 9

जायदाद जद्दी, दुनिया का गैबी समंदर। अमूमन राहु के ग्रहण से मारा हुआ निस्फ चंदर होगा।

चंदर 9वें कभी ही होगा, घड़े बराबर मोती होगा।
शुतर-मुर्ग का अण्डा होगा, मात पिता अमोलक होगा।
बुध शुक्कर और मंगल बद, चंदर होते भागें सब।
गर वो इस घर आते हों, सर झुकाये तारते हों।

ऐसा शख्स चंदर की नेक ताक़त में मुस्तस्ना होगा। कर्म, धर्म, तीर्थ यात्रा का शुभ नाम यात्रू, नेक अर्थ व काम का आदमी। भला लोग, भले काम और नेक तबीयत होगा। पापियों के पाप काटने वाला और दुखियों को आराम देने के नसीबा वाला होगा।

चंदर ख़ाना नंबर 10

रात का वक्त, तै जमीन, आम पानी मगर कड़वा।

ख़ाना नंबर 2 के ग्रहों की चीजों से रक्षा

व पालना होगी। अगर वो ख़ाली हो तो बृहस्पत बैठा होने

वाले घर की मुतल्लका चीजों से मदद होगी।

चंदर 10वें सांप की माता, बच्चे क्या वो छोड़ेगी।

उम्र-ए-रवाँ की उल्टी कश्ती, कोई न पीछे छोड़ेगी।

गोया कि

जिस की खबर को वो गये, बीमार मुर्दा हो गया।

मीठा शरबत देते देते, जहर कातिल हो गया।

पहाड़ से दरिया था चलना, चल पड़ा कोहसार ही।

मकान मन्द, ससुराल मन्द, और मन्द हुआ है चाँद भी।

गर्जे कि

चंदर 10 वें -दुश्मन दूजे/ या कि तीजे होती है आजार ही।

ऐसे आदमी का पेशा हिकमत बेमायनी होगी।

अगर होगा तो वो कब्रिस्तान का ठेकेदार होगा, बेशक वो इल्म हिकमत का साहिब-ए-कमाल होगा। जो होगा तो ज़राह नायाब होगा। ख़ुद चोर डाकू का ताल्लुक़ भी उसे आम होगा।

मोटा किताब के विद्यार्थी

चंदर ख़ाना नंबर 11

चाँदी, मोती सफेद, खूनी कुँआ, उड़ते बादल।

अकेला चंदर ग्यारवें होवे, होगा माखन माझा।

दुश्मन साथी या कि तीजे, चंदर नष्ट ही होगा।

शुक्कर बुध या पापी भाई, चोट लगे न दें दरियाई।

घर गाँव सब तेरे भाई, कोठी हाथ न लाई।

इस घर के चंदर का कोई ऐतबार नहीं।

पल में वो तूफान पे होता, पल में होता वाँ निशान नहीं।

माखन में तो घी भी है होता, पर चंदर में तो इस घर में जान नहीं।

न बूढ़ी मरे न चारपाई छूटे या दादी पोते को तरसती रहे। लेकिन अगर घर में गड़ा हुआ पत्थर होवे या वो दूध से पत्थर को धोती रहे, तो चंदर का माखन और परिवार बढ़ता रहे। दादी पोते का झगड़ा होवे। कुण्डली वाले की 12 साला उम्र तक दोनों से एक ही होवे या सनीचर के वक्त तक दोनों ही न होवें।

चंदर ख़ाना नंबर 12

खुशामद, सफेद बिल्ली। मींह का पानी मददगार होगा।

चंदर दूजे पेट गिना है, रेत हुआ घर बाराँ।

खेती भी जो पानी से उजड़े, वसदे घर उजाड़ाँ।

मंगल चंदर
नीम बूढ़ी से पानी टपकता रहा, माता बूढ़ी का पोता भटकता रहा।

गोया

वो घर जहाँ बुध हो
पानी पे पानी बरसता रहा, बीकानेर बेचारा तरसता रहा।

मुख्तसरन

जायदाद जद्दी का वो गनीम होगा,नौ मन लोहा हर घड़ी अफीम होगा।

वक्त गुज़रे मर्द पछताये - आता है याद मुझको गुज़रा हुआ जमाना .... (2) कभी हम भी बा-इकबाल थे तुम्हें याद हो कि न याद हो .... (3)पिदरम सुलतान बूद ....

मगर अब तू कहाँ है का जवाब वो सिर्फ़ आँसुओं से ही देगा।

अपनी और अपने ससुराल की जायदाद पर बाइस-ए-खराबी होगा, बल्कि कमनसीब, स्याह बख्त या आजुर्दा हाल ही होगा।

شکر

شکر سفید رنگ (دہی) دنیا کی مٹی نے زمانے کی کشمی گئو ماتا،
مرد کی عورت نے کسی کو بیچ نہ کیا اس لئے ہر ایک
نے پسند کیا،
اور
بیچ کیا

خود

शुक्र- जगत लक्ष्मी

शुक्र आँख है शनि की पाई, तरफ़ चार जो देखता है।

शनि अगर कहीं जावे मारा, बली वो अपनी देता है।

साथ मंगल के चंदर बनता, बुध केतु जिस में न हो।

शुक्र अकेला बुरा न करता, बैठा घर ख़्वाह किसी ही हो।

घर 7वें जब अपने बैठा, असर-नजर रूह अपनी को।

दे देता ग्रह उसी को है ये, बैठा जो घर 7वें हो।

चंदर भला या बुध हो अच्छा, बुरा शुक्र नहीं होता है।

घर तीजे में जब आ बैठा, शुक्र मर्द हो जाता है।

9वें मंगल बद है ये होता, छटे में ख़ुद ही मंदा है।

काग रेखा है तख़्त पे होता, चोथे औरत दो होता है।

12 दूसरे सब से उत्तम, 10वें शनि ख़ुद बनता है।

घर 5वें में पक्की मिट्टी, 11 लट्टू बन घूमता है।

घर 8वें ग्रह सब ही मंदे, शुक्र भी मंदा होता है।

भवसागर से पार है करता।

शुक्र गऊ जब होता है।

शुक्र ख़ाना नंबर 1 (काग रेखा,शुक्र का पतंग)

रुख्सारा, पराई औरत की मुहब्बत।

शुक्र पहले काना गिनते, शनि नजर का मालिक है।
(सनीचर नंबर 1)

फल दोनों का यकसाँ मंदा, प्रबल होता शनि का है।

दौलत मिट्टी हो गई, औरत, मद्ध, ¾
(ख़ाना नंबर 7)

जैसी कीली चक दी, वैसा जिस्म ईमान।

* शत्रु ग्रह जब 7वें आवें, खांसी ख़ूनी तपदिक़ लावें।

गिना अच्छा तो साधु होवे, पर्बत-जंगल रहता होवे।

गऊ-मूत्र, जौ, सरसों दान, सत-अनाजा, चरी (ज्वार) कल्याण।

जब तक न वो शादी करे, तुरत पीड़ जिस्मानी हरे।

गर शादी के बाद हो दुखिया, *A कन्यादान / गऊदान से होवे सुखिया।

शुक्र का फल बेशक मंदा, पर मंदा न सूरज है।

कुटुम्भ कबीला सब सुख लेवे, ख़ुद फटा खरबूजा है।

रथ सवारी आराम चौपाया, इश्क जुबानी होता है।

* सूरज-चंदर-राहु

*A औरत गऊदान करे, मर्द कन्या दान करे।

धर्म से क़दे हीन हो बेशक, पतंग शुक्र का होता है।

हमअसरों की नम्बरदारी, या मुखिया वो होता है।

घर का जब हो ख़ुद ही मोहरी, ख़ुष्क तालाब डुबोता है।

औरत की जब सेहत हो मन्दी, दान चरी[ज्वार] का होता है।

माता पर कोई असर न होवे, औरत जब वां अलैहदा है।

औरत रिज़क से पहले आवे, शुक्र बैठा जब पहले घर।

शादी अगर उस 25 होवे, औरत रहे न दौलत घर।

लाल किताब के विद्यार्थी

शुक्र ख़ाना नंबर 2 (घर का, हवाई)

आलू, गाय अस्थान, घी, अबरक़ सफेद, काफूर, भोडी गाय, राग।

शुक्र जिसके दूजे आवे, 60 साल धन दौलत पावे।
बाल बच्चों की बरकत आवे, सुलह का झंडा खूब लहरावे।
मिन्नतकश गैर हरगिज न होगा, ख़ुदा का ही ममनून एहसान होगा।
जूती चोर साधु वो हरगिज न होगा, गृहस्ती न होकर गुरु जगत होगा।
मवेशियों गूज़रों के कामों से मिसल राजा होगा।

शुक्र का ख़ुद जाती फल मंदा न होगा यानि औरत, गाय, लक्ष्मी वगैरह सब नेक फल के होंगे। माता के बचड़े (भाई) और गाय के बछड़े (लड़के) बहुत होंगे। घर इसका गऊघाट होगा या बाकी 5 बचने वाला मकान होगा। वर्ना वही भटूर की मिट्टी (खुश्क जली हुई) की तरह क़िस्मत का हाल होगा। बहरहाल जानों व जानदारों का हर तरह से उम्दा हाल होगा। पर बीमारी के झगड़ों का न कोई हिसाब होगा, गर न होगा-तो रिजक़ न कभी खराब होगा।

शुक्र ख़ाना नंबर 3

शादी सती या सत्यवान औरत।

शुक्र घर जब तीजे आवे, औरत भी वाँ मर्द कहावे।

शुक्र बैल तो चंदर साधु, मर्द बढ़ेंगे तो बढ़ेगी आयु।

मंगल बद-मंगलीक न होगा, शिवजी हो के दया करेगा।

स्त्रियों की भी पूजा होगी, गर न होगी, चोरी न होगी।

अब शुक्र का ख़ाना नंबर 9 पर कोई बुरा असर न होगा बल्कि पितृ रेखा का उत्तम और नेक फल साथ होगा, पर लड़कियों के हाथों और ताल्लुक मे इसका धन बर्बाद होगा और न ही अपने बनाये हुए मकान का आराम होगा। अगर होगा तो खाऊ मर्दों से वो घर वीरान होगा और एक दफा उजड़ा हुआ न फिर कभी आबाद होगा। गर न इस घर में चंदर का साथ होगा, क़िस्मत भली तो वहाँ रहने का ईमकान ही न होगा। ये सब कुछ बुध की 34 साला उम्र तक का हाल होगा। आखिरन जगत गुरु बृहस्पत के दूसरे दौरे पर प्रगट होते ही खुशहाल व फारिग-उल-बाल होगा। पर बुध के ताल्लुक से न कभी वहां बारोनक़ गुलजार होगा।

शुक्र खाना नंबर 4 (राशिफल का)

दही, चौपाया, चरिन्द। बृहस्पत का उपाओ मददगार होगा।

शुक्र चोथे जब पानी आया, औरत हुआ वैराग।

एक से दो भी हुईं, पर बुझी न उनकी आग।

दरिया की है वो दलदल, तालाब की वो चिकड़ी।

औलाद मामूँ दो घर, बिखरी हुई हो खिचड़ी।

पत्थर[सनीचर] भी रेत[बुध] हो गर[*A], तो रेत उड़ता होगा।

औरत की हो आजारी, बुध[बहन] केतु[लड़का] मंद होगा।

कुआँ चलता उम्दा होवे, दबता मिट्टी जो रहे।

गर कुआँ ही बंद होवे, लक्ष्मी वाँ न रहे।

औरतें दो जिन्दा होती हुईं भी किल्लत औलाद होगी जो बुध की 34 साला उम्र के बाद मंगल, सनीचर या केतु के दौरा के वक्त (जब वो तख़्त या ख़ाना नंबर 1 में आवें) दूर होगी। अगर शुक्र ख़ुद किसी और ग्रह का साथी ग्रह बन रहा हो तो आड़ू की गिटक में सुरमा स्याह भर कर बाहर मिट्टी में दबाने से मंदा असर दूर

होगा। चंदर के उपाओ से (जब मामूँ घर बर्बाद हो चुका हो) ऊपर का लिखा हुआ न बुरा हाल हो, जब तक कि घर के पहले दरवाजे की दहलीज पुरानी, उम्दा, साफ और बदस्तूर हो। अगर ख़ुद शुक्र (औरत) की ही सेहत बर्बाद हो तो छत पर तालाब की मिट्टी (चिकड़ी) से उम्दा हाल हो या छत पर शहद का भरा बर्तन दबाने से औलाद का दुख दूर और सब कुछ बहाल हो। बहरहाल वो शख्स न कभी लावल्द और न ही आजुर्दा हाल हो और जब कभी भी हो उम्दा और खुशहाल होगा। औरत की जाती क़िस्मत का न इससे साथ हो फिर भी हो तो बिधाता की कलम उसके बृहस्पत के हाथ हो बशर्ते कि शनि न उसके साथ हो।

*A ऐसे टेवे में सनीचर और बुध दोनों ही रद्दी होंगे यानि सनीचर (मकान वगैरह), बुध (बहन-भूआ वगरैह) का फल रद्दी होगा।

शुक्र ख़ाना नंबर 5 (राशीफल का)

फल, आवा घुमार या भट्ठा ईंट।

शुक्र घर 5वें हुआ, मिट्टी आग पड़ी।

कच्ची थी उड़ती फिरी, अब इक जा टिक गई[पड़ी]।

आग जली न मिट्टी उड़े, उड़ेगी जिस दम वो।

जो ग्रह पहले घर नौवें, अंधा काना हो।

पापी ग्रह या बुध वाँ आवे, शुक्र उन को सोना दिलावे।

गर न देवें दुख न देवें, देवें तो वो उन्नति देवे।

वतन व कबीला की मुहब्बत का दिलदादा और मुबारक फल का हो। अगर आशिक़ दुनिया हुआ तो दरख़्त में फंसे हुये पतंग की तरह क़िस्मत का हाल हो। लेकिन अगर सूफी हुआ तो भव सागर से पार हो। वर्ना एक को क्या रोते, यहाँ तो आवा ही ऊत गया।

शुक्र ख़ाना नंबर 6

चिड़िया, लड़की। सफेद गाय मंदा फल देगी।

शुक्र 6वें घर खस्सी होवे, अक़्ल से मंदा हो।
आशिक़ दुनिया न हुआ, पर त्यागी पूरा हो।
आप ते डुब्बी डूमणी, नाल प्रभ भी गाले।
गधा गिरा पाताल में, कुम्हार छट सब नाले।
लल्लू करे कवल्लियाँ, रब्ब सिद्धियां पावे।
लड़के उस घर से डरें, कुड़ियाँ पल्ले पावे।

बृहस्पत अगर ख़ाना 2 से मिलेगा तो तादाद बच्चों की 6 तक करेगा। मगर जब बृहस्पत हो 12 में बैठा,शुक्र मिट्टी उड़ती ख़्वाह केतु हो बैठा। अगर केतु भी घर छटे में मिलेगा, तो शुक्र का सुख सबसे गंदा करेगा। धन दौलत या गाय, बैल की चोरी या गुम हो जाना आम सबूत होगा। अब ये ग्रह आखिरी उम्र में ही काबिल-ए-आराम होगा और चंदर का उपाओ मददगार होगा। अगर सिर्फ़ एक ही लड़की हो तो 12 साल तक ही लड़के की आमद का दरवाजा बन्द होगा जो दुबारा हर 7वें साल

से पहले न खुल सकेगा। अगर खुलेगा तो कन्या को ही आने की इजाजत देगा। बृहस्पत, सूरज, चंदर तीनों का ही मंदा हाल होगा या उनका साथ ही न होगा। बहरहाल बृहस्पत या सूरज के साथ या ताल्लुक़ से शुक्कर अब एक कीमती चीज होगा, हालाँकि पाताल का शुक्र उनका दोस्त भी नहीं है। मगर वो ख़ुद दोनों या कोई एक गुरुद्वारा में बैठे पांव पड़ी शुक्र मिट्टी अबला को नीच नहीं देख सकते, क्योंकि गुरुद्वारा भी तो ख़ुद शुक्र का अपना ही घर है। शुक्र नंबर 6 में होते वक्त इसकी औरत को जमीन पर अपना नंगे पांव चलना गैर मुबारक होगा, बेहतर तो ये है कि हरदम जुराब वग़ैरह डाल कर रहे ताकि जमीन से पांव का चमड़ा न लगे।

शुक्र ख़ाना नंबर 7 (पक्का घर, घर का)

चरी (ज्वार), सफेद गाय, काँसी के आम

बर्तन, हर दो मुहब्बत। ग्रहफल का, क़िस्मत

को जगाने वाला।

शुक्र 7वें फसल हुआ, पर खेती उम्दा हो।
शायर, उम्दा जिन्दगी और सुख सवारी हो।
खरबूजा देख खरबूजा पक्के 1-9 या 7-11।
चोरां टोली-एको बोली, बुध-शनि और शुक्र याराँ।
दुश्मन ग्रह गर इन घरों आवें, जूता पत्थर खूब चलावें।
पर शुक्र न हिम्मत हारे, हरे न ख़ुद वो सबको मारे।

अपने फल की बजाय साथी या मुश्तरका ग्रह का फल देगा मगर ख़ुद शुक्र (औरत-लक्ष्मी) का कभी मंदा फल न होगा। कीले बाँधी गाँ - न हूँ न हाँ की तरह औरत का हाल होगा जब तक कि ख़ुद शुक्र (गाय, औरत) सफेद रंग न होगा। अगर होगा तो दरजहान न होगा तो अहद शुक्र या 25 साला उम्र तक खराब होगा।

लाल किताब के हिसाब

फिर भी अगर होगा, तो रू स्याह या रंग काला (सनीचर) ही होगा। बहरहाल लक्ष्मी से दूर न होगा, गर होगा तो खुदगर्जी से खराब होगा। आख़िर होगा, तो शुक्र यक आँख ही होगा जिसे झुक झुक कर सबका सलाम होगा वर्ना जायदाद जद्दी से बेबहरा और बेआराम होगा।

बिल्ली की जेर (झिल्ली) हर तरह से गैर मुबारक होगी। अगर फिर भी रखनी होगी तो कम्बल के टुकड़े में मुबारक होगी। मगर चमड़े के बटुवे में रखी हुई निहायत ही गैर मुबारक होगी। फिर भी होगी तो लक्ष्मी व औरत बर्बाद होगी।

शुक्र ख़ाना नंबर 8

जिमीकंद, गाज़र, कबर, भोंडी या सफेद

गाय मंदी (बगैर सींग)।

शुक्र 8वें कबर है, मन्द शगुन ही हो।

गऊ सेवा या दान से, सब कुछ उम्दा हो।

हम भी डूबे, तुम भी डूबो, डूबेंगे मिल कर सभी।

ससुराल डूबे औरत डूबी, डूबेगी औलाद भी।

उम्र सारी गंदी नहीं है, सिर्फ़ पहली 25 तक।

कमी सारी पूरी होगी, दूसरी पच्चीस तक।

चंदर के शक्की होने पर शुक्र का बुराफल न होगा। गर चंदर भी मंदा हो तो बुध ही मदद देगा, अगर वो भी रद्दी हो तो मंगल से मदद पा लेगा, आगे वो भी मंदा हुआ, तो राहु के गन्दे नाले से ही मदद पायेगा, जिस में ताँबे (सूरज) या फूल (बुध) का डालना मुबारक होगा। सफेद गाय मन्द भाग, मगर स्याह या सुर्ख गाय मुसीबत में मदद देगी। शुक्र ख़ुद की मदद के लिये चरी (ज्वार) मिट्टी में दबाना उसे आफतों से बचा देगा।

लाल किताब के फरमान

शुक्र खाना नंबर 9

सफेद रंग (दही के) और सफेद गाय गैर

मुबारक। नीम के दरख़्त में चाँदी का चौरस

टुकड़ा दबाना मुबारक।

बुध, पापी, नर, स्त्री, ख़्वाह सब ही अच्छे हों।
शुक्र 9वें जब हुआ, कुल मंगल बद ही हों।
घर से भूली लक्ष्मी, ढूँढे आल पताल।
शनि अकेला तारेगा, जब गुज़रें सत्राह 17 साल।

i) मकान बनने के 17 साल गुजरने के बाद।

ii) शुक्र ख़ाना नंबर 9 में 23 साला उम्र में आता है, बमूजब बर्ष फल। 25 साल गुजरने तक यानि 48 साला उम्र तक अपना फल देगा। इस 48 साला उम्र के बाद 17 साल गुजरने यानि 65 साला उम्र गुजरने पर। तीर्थ यात्रा तो उम्दा मगर वास्ते रिजक़ रोजी मुतल्लका औलाद मंदा होगा। धन तो हो पर मर्द न होंगे। शुक्र के अहद की शादी (25 साला उम्र) या सफेद रंग

लाल किताब का विज्ञान

गाय की आमद से पूरी बर्बादी होगी। मंगल बद खड़ा होगा। चाँदी की ईंटों की जगह सफेद मिट्टी होगी, लेकिन अगर बुनियाद मकान में ख़ालिस चाँदी या ख़ालिस मंगल (शहद) हो तो शुक्र की जगह अब चंदर होगा। फिर भी बुध व केतु

मंदा होगा।

लाल किताब के विद्यार्थी

शुक्र ख़ाना नंबर 10

मिट्टी, कपास, सनीचर की जानशीनी।

दीवार कच्ची, मिट्टी कच्ची   तैही कच्ची, गर वाँ हो।

जिस्म मोटा, सेहत उम्दा,   शुक्र घर 10वें से हो।

बाग बागीचे, उम्दा कोठे,   ऐश करेगा वो सदा।

शनि हो उस के दायें बायें,   देखे न कभी हादसा।

चंदर हो उसका 7वें चोथे,   या कि घर दूजे में हो।

मिट्टी से भी खाँड है बनती,   मोटर लारी उम्दा हो।

पहले पाँचवें रश्क़ करेंगे,   बुरा नहीं कर सकते हैं।

मदद तो उनकी बेशक होवे,   हसद कभी नहीं करते हैं।

ये ग्रह अब बुढ़ापे में आराम देगा।

सनीचर की हाजिरी में बवक्त जवानी इश्क़ का घर होगा, जिससे केतु का फल मंदा होगा, बल्कि मंगल भी चिल्लाता होगा और चंदर पछताता होगा।

शुक्र ख़ाना नंबर 11

रुई, मोती दही रंग सफेद।

शुक्र 11 घूमता लट्टू, दौलत का भण्डारी हो।
गर ऐसा न होवे कोई, बुजदिल, बुद्धू, हिजड़ा हो।
माता बेशक चल बसे, गऊ-औरत का साथ।
कन्या बढ़ें, दौलत बढ़े, बढ़ेंगे हर दो साथ।
शुक्र जब ग्यारह हुआ, और बुध भी मिलता हो।
धन दौलत की न कमी, पर पापी मंदा हो।
औरत तारती अपनों को, और बनी हो घर की मेहरन।
जाहिरदारी हो भोली भाली, हिरदे भरी हो जहरन।

औरत गो क़िस्मत की मालिक मालूम होती होगी मगर वो ख़ुद ही बाइस-ए-तबाही होगी। पापी ग्रहों के मंदे असर के वक्त तेल दान कल्याण होगा। इस की आमदन शुरु होने से पहले शादी / शुक्र की अशिया *A का होना ज़रूरी होगा। अगर शुक्र सोया हुआ होवे तो नर औलाद शुक्र की पूरी मियाद

(20 साल महादशा) के बाद क़ायम होगी, जिसका उपाओ बुध की पालना होगा। अगर ऐसा न हो तो औरत के कम-अज-कम 3 भाई होंगे जो अब शुक्र को हर तरह से बचा जावेंगे।

*A बवक्त शादी सफेद गाय का दान गैर मुबारक होगा।

लाल किताब के विद्यार्थी

शुक्र ख़ाना नंबर 12 (ऊँच)

कामधेनु गाय, लक्ष्मी, चौपाया व अपनी गृहस्ती।

औरत का सुख सागर (37 साला सुख)।

शुक्र 12, राशी - 12, पग भी उस के 12 हो।
पत्थर सूखा भी बेशक होवे, घी का मौसम बाराँ हो।
अकेला शुक्र ही इस को तारे, मदद न कोई करता हो।
दुख शत्रु सब मिट्टी कर के, दया से अपनी तारता हो।

तारने वाली कामधेनु गाय होगी अब शुक्र ख़ाना नंबर 2 का नेक फल भी साथ होगा और क़िस्मत का सब कुछ इस की अपनी औरत के हाथ होगा, जो मामूली नीले फूल से ही राहु व बुध दोनों को ही दबा सकेगी जबकि वो दोनों ही मंदे हों। औरत का सुख 37 साला होगा।

منگل نیک

منگل نیک سرخ رنگ نیک ہونے پر
جسم میں خون روح
کی طرح جنگل میں منگل کیا،
اور بدی سے ہرن کی طرح بھاگا

मंगल - शस्त्रधारी

मंगल नेक जंगल में मंगल, ख़ून चढ़ा ख़ूनी होता है।

अकेला बैठा जब शेर है जंगल, घर चिड़िया कैदी होता है।

सिर रेखा या बुध दरुस्ती, मंगल बद नहीं होता है।

अदल का राजा कातिल ख़ूनी, तलवार धनी वो होता है।

जुग चारों में चंदर चलता, तरफ़ चार शनि चलता है।

बद मंगलीक जो चोथे बनता, बदला ख़ून से लेता है।

पहले तीनों घर बड़ा है भाई, चोथे मंगल बद होता है।

घर 5 ता 9 मुनसिफ होवे, 12 भाई नहीं रहता है।

तख़्त सूरज या किरणें उसकी, पवन पुत्र भी होता है।

शनि के घर ये राजा चीता, मर्द मगर नहीं मारता है।

होंट बाजू या मुँह का दहाना, हाथ मुरब्बे होता है।

पेट छाती जो प्रबल होवे, मंगल का फैसला होता है।

चंदर दूध में शहद से मिलता, शुक्र मिट्टी पानी होता है।

बुध मगर इसे चक्कर देता, मंदा मंगल हो जाता है।

राहु बना है हाथी इसका, केतु से हरदम लड़ता है।

منگل پدر

منگل بد ہوا۔ تو کوئی بدی نہ
چھوڑی۔ اور ہر ایک کو
تلوار کے گھاٹ اتارا مگر معاف ہرگز
نہ کیا۔

नेक रहे तो दया हो शिवजी, टुकड़े बदी दो करता है।

मंगल बद-मंगलीक (हिरण, ऊँट, चीता)

मंगल बद - मंगलीक दो भाई, ख़ून इकट्ठा होते हैं।

बद लड़का है शनि का होता, मंगलीक को भाई लेते हैं।

मंगलीक मारे गर मर्द व औरत, बद उड़ाता है जान ओ ज़र।

भाई शनि घर एक ही मारे, लड़का शनि का दोनों ही घर।

मंगल बद मंगलीक शनि की, माता एको कहते हैं।

नुत्फे पिता तीनों के अलैहदा, उम्र बराबर गिनते हैं।

असर में तीनों जुदा-जुदा हों, आयु गिने तीनों लम्बे हैं।

एक तरफ़ मंगलीक ने पकड़ी, बद ने दो, शनि चारों हैं।

शुक्र,सुख दौलत और मिट्टी, ग्रह न कोई नीच करे।

ख़ून शनि का मंगल ऐसा, शुक्र पर भी जुल्म करे।

गुरु पिता है दोनों जहाँ का, रवि पिता है सनीचर का।

शनि का ऐसा चौथा दर्जा, बद मंगलीक है परलै[*A] का।

*A परलै या परलो - यानि क़यामत दुनिया का आख़िर जब पानी ही पानी बाकी चंदर होगा।

शनि तरफ़ चारों ही चलता, घर चौथा चंदर[*B] का है।

उम्र का मालिक 3-8 चंदर, मारता बद मंगलीक को है।

मंगल-बद मंगलीक का उपाओ - जब ये ज़ाहिर हो जावे कि बद या बद तुख़्म का असर आ रहा है फौरन चंदर का उपाओ करना चाहिये यानि बड़ के दरख़्त को दूध डाल कर गीली होई हुई मिट्टी का तिलक लगाना मंगल बद (पेट की खराबियाँ) को दूर करेगा। अगर वो आग से जलाकर तबाह ही कर जावे तो उसके बुरे असर के जख्मों को दूर करने के लिये खांड (फोड़े के मुँह में देसी खांड) की बोरियों का बोझ छत पर क़ायम करें मगर अब छत पर तनूर न रहे। अगर लावल्दी या औरत की हत्या करता जावे तो शहद से मिट्टी का बर्तन भर कर बाहर मैदान में दबाया जावे। अगर मौत

*B चारों जुग (सत्जुग, त्रेता, द्वापर, कलजुग) ख़त्म होंगे।

तो न देवे मगर बसने भी न देवें तो मृगशाला से उसकी जहर हटा देें। अगर फिर भी बाज न आवे तो चाँदी   की मदद लेवें या जनूबी दरवाजा में ही लोहे से उसे कील देवें और मंगल बद की मुतल्लका अशिया काला, काना, लावल्द वगैरह डेक के दरख़्त से दूरी पकड़ें या बंदर (सूरज) को आबाद करें बहरहाल इस लानत से बेखबर न होवें। ख़ानदानी उपाओ में चिड़े चिड़ियां को मीठा देवें वर्ना बद का नुत्फा बदतुख्म फिर काबू न होगा।

लाल किताब के विद्यार्थी

मंगल ख़ाना नंबर 1 (घर का, ग्रहफल का)

32 दाँत, क़िस्मत को जगाने वाला।

मंगल पहले तेग अदल की, सच का हरदम हामी है।
बदों से भी वो नेकी करता, भला पुरुष वो प्राणी है।
बद कभी न बदी को छोड़े, नेक कभी न नेकी तोड़े।
नेकी छोड़ कलंकी होवे, भाई मरे, ससुराल भी रोवे।
पापी ग्रह सब मंदा होवे, सूरज चंदर मद्धम होवे।
न ही साथ बृहस्पत होवे, गर होवे वो घर न होवे।

ख़ुद बड़ा भाई हो, वर्ना बड़ा बनना पड़े यानि उस के बड़े भाई उससे पहले ही मर जावें। मंगल के दायें बायें अगर चंदर सूरज पड़े हों तो माता पिता के लिये वो शख्स म्यान में मानिन्द तलवार होगा। जिस दिन मंगल का जमाना 14 - 28 - या - 13 - 15 होगा, माता पिता का साया ख़त्म होगा। मगर वो ख़ुद तलवार का धनी होगा। दांत तादाद में 32 होंगे (31भी मंगल नेक होता है)। बहन न होगी अगर होगी

तो पूरी मानिन्द राजा होगी गर न होगी मंगल बद न होगी। अगर बद ही होगी तो बस ख़ुद (अकेला ही दम) अकेली होगी और बाकी सब तरफ़ मेहर ख़ुदा (परमात्मा की मर्जी मंदे मायनों में) होगी। साधु के साथ से दर-ब-दर होगा, लेकिन जब अपने घर होगा और साधु का भी साथ होगा तो भाई उसका दुखिया और मरीज होगा। लेकिन अगर क़िस्मत भली हो तो साधु ही न होगा और न ही ससुराल के कुत्ते का साथ होगा, गर होगा तो सब का ही बुरा हाल होगा। मगर ये नजारा न हर घड़ी होगा। फिर भी होगा तो सनीचर की उम्र के बाद (39 साला उम्र) न ये अहवाल होगा।

मंगल ख़ाना नंबर 2

चीता, हिरण।

मंगल दूजे मुखिया गिनते, लोह लंगर का मालिक हो।
लाख करोड़ों को वो पाले, गांठ न अपनी बांधता हो।
शहद मक्खी का काम, उसके है नहीं आता।
अगर आता तो रात है आता, रात दूजी है नहीं आता।
पानी कुएं ससुराल में, मीठा ही बढ़ता होगा।
गर वां कुआं न होवे, तो कम नसीब होगा।

अगर ख़ुद बड़ा भाई न होवे तो अपने बड़े भाइयों से पहले गुज़र जावे। अगर रहे तो बाकी सब भाई न रहें। ससुराल को क़िस्मत में बुलन्द कर के ख़ुद उनसे मीठे शहद का सुख लेगा मगर वो लावल्द न होंगे और उसे ज़रूर जायदाद और ज़र व दौलत ही देंगे। अगर वो दूसरों को पाले तो बढ़ता जावे वर्ना वही एक दूनी दूनी का चक्कर इसके गले पड़ा रहे। अगर मंगल बद हो तो जंग-व-जदल में ही मारा जावे।

मंगल ख़ाना नंबर 3 (पक्का घर)

पेट, होंट, छाती। हाथी दांत मुबारक।

दोस्त 9वें हो 11, या कि हों वो सातवें।
मंगल तीजे सबसे बरते, बरतेगा वो शहद में।
बुध, गुरु अच्छे नहीं है, 11 - 9 - या सातवें।
मंगल उन से मिल न बरते, बरतेगा वो जहर में।

अगर हिरण हो तो बुजदिल लेकिन अगर चीता हो तो शेर से भी खूँखार होगा। बहरहाल दोनों रंग का साथ होगा। शहद में बराबर का घी या जहर होगा। पेट बड़ा तो ख़ून भी बर्बाद होगा। बहरहाल ये ग्रह न अब काबिल-ए-ऐतबार होगा गर होगा तो तेज आँधी के मुकाबला पर नर्म और आजिज घास ही होगा। आजार, बरी और आबाद होगा। अगर बुलंद व दरख़्त की तरह तबीयत का सख़्त हो तो ख़्वार बल्कि ज़ेरबार होगा फिर भी होगा तो आजार व आजूर्दों का मददगार होगा या बाकी 3बचने वाले मकान की क़िस्मत का मालिक (बहक़मर्दा) मानिन्द शेर खूँखार होगा। वर्ना ख़ाना पीना लाह, सुथरे दम का क्या बसाह का एतकाद वाला अय्याश व ठन ठन गोपाल होगा।

मंगल ख़ाना नंबर 4 (नीच)

राशीफल का। चंदर का उपाओ मददगार होगा या मृग शाला होवे। तलवार, डेक का दरख़्त, घंडी व धुन्नी के दरमियान बिमारियाँ।

चोथे मंगल मंगलीक होगा, जला देवे वो समंदर को।
ठण्डा उस दम ही वो होगा, 8 तीजे जब चंदर हो।
दुश्मन इसके चोथे तीजे, या घर 8वें ही आवें।
आग से जलता चोथे मंगल, तेल मिट्टी का ही पावें।
रवि, गुरु जो 3, 8, चोथे, या कि 9 वें बैठा हो।
जहर के बदले दूध पिलाता, मंगल बद मंगलीक ही हो।

मंगल की चीजों (खांड, शहद वगैरह) से कोयले हो जायेगा। ख़ुद मियाँ फसीहत मगर ओरों को नसीहत करने वाला लैक्चरार होगा। गले में कटे हुये सिरों का हार डालने में आंख का मालिक शिवजी, अजल का फरिश्ता ए नाम नामी, हाथ पर शमशान या कब्रिस्तान को भी जलाने वाली आग

उठाये फिरता होगा और अपनी क़िस्मत के असर में भी तंगदस्त (सूखी छड़ी) होगा। मंगल बद व मंगलीक के दोनों हिस्सों के फ़र्क की बजाय दोनों ही का बुरा असर साथ होगा।

माँ, नानी, सास, जनानी (औरत) पर मौत तक का सबब होता है। मंगल बद या मंगलीक सिर्फ़ उसके टेवे में होगा जिसके ख़ानदान में उस से पहले बुजुर्गों में एक दो पुश्त कोई शख़्स पूरा बृहस्पत ब्रह्म गुरु ख़ालिस सोना या शाहाना हालत हो चुका हो यानि उम्दा तख़्त और गुलजार बन चुका हो जिसे ये बुरा ग्रह बर्बाद कर सके।

लाल किताब की विद्याश्री

मंगल ख़ाना नंबर 5

भाई, नीम का दरख़्त।

मंगल 5वें 5 गुणा हो, नेकी और बदनामी में।
पवन पुत्र की तरह, उछले वो अग्नि पानी में।
माया आती 11वें से, जाती वो तीजे से है।
मंगल 5वें घर में बैठे, पूँछ से/के ही चलती है।

मंगल अब सामने बैठे ख़ाना नंबर 9 के दुश्मनों पर भी मेहरबान होगा और ख़ाना नं. 3 का ग्रह भी (अगर कोई हो) हनुमान की दुम की तरह मंगल का साथी व मददगार निगहबान होगा और धन दौलत का मालिक देवता दुनियावी लक्ष्मी (शुक्र या चंदर) इसके पीछे चलने वाला होगा या वो शख्स राजों रईसों का बाप दादा होगा, मगर रात ही नींद से कदरे बेआराम होगा, जिसका उपाओ - वक्त नींद सिरहाने पानी का साथ रखना मुबारक व मददगार होगा। साहिब-ए-इल्म व साहिब-ए-औलाद होगा।

मंगल ख़ाना नंबर 6

नाभि, राशीफल का। सनीचर का उपाओ मददगार होगा।

मंगल 6वें घर हुआ, हों केतु शुक्र मन्द।

रवि मगर उस ऊँच हो, बैठा किसी हो अंग।

उस कुल बुध न होगा चोथे, चंदर 2 न गुरु ही पहले।

न सिर्फ़ पहला ही लड़का, मामूँ घर कुल ही चटका।

छटे मंगल हो भाइयों की हानि, राजा जनक ख़्वाह लाख हो दानी।

जिस दम वो ख़ुद ऊँचा होगा, साया सब पर उम्दा होगा।

वर्ना वही हो शिव शम्भु, ढा कोठे तूँ, ला तम्बू।

इसके भाई 499 रुपये-15 आने (जब वो 500 रुपये तक चल सकते हैं, लेकिन इसके भाई 500/1 रुपये पर होंगे, मकड़ी की तरह छत से गिर कर फिर वही ऊपर को चलना सीखेंगे। वो खेमा के दरमियानी बाँस की तरह अपने ख़ून की क़िस्मत का निगहबान होगा, जो पाताल में भी आग जलाने या शहद से जुबान मीठी कर देने की हिम्मत

का मालिक होगा। जिस तरह मंगल ख़ाना नंबर 12 में होने से राहु गुम हो जाता है, उसी तरह ही मंगल के इस घर होने से केतु(लड़का) अदम पता होगा, या अब किल्लत-ए-औलाद होगी जिसका उपाओ बुध की पालना बजरिया चंदर मुबारक होगी। बच्चों के जिस्म पर जब तक सोना (बृहस्पत) न होगा वो सोना कमायेंगे, लेकिन जब इन के जिस्म पर सोना होगा, वो दुनिया में खाक उड़ायेंगे या औलाद का मंगल मुबारक न होगा। अगर होगा तो जेहमत या दुख ही खड़ा होगा या उनकी ख़ुशी करने से मामला संगीन या दीगर-गूं ही होगा। बहरहाल वो ख़ुद साहिब-ए-इकबाल और हुक्मरान ज़रूर होगा और सिर्फ़ मंगलवार के दिन की पैदाशुदा औलाद (नर) का साथ होगा और सिर्फ़ शुक्र या सनीचर के दिन की पैदाशुदा लड़की की उम्र का एतबार होगा। हर दो हालत में वो बुध की उम्र (34 साला) से पहले न साहिब-ए-औलाद होगा, फिर भी होगा तो उनकी मौतों से दुखिया व आजार होगा।

मंगल ख़ाना नंबर 7

बेलें (फली वाले पौदे), दाल मसूर, पहला लड़का।

मंगल 7वें सब कुछ उम्दा, धन दौलत परिवार ही सब।
सबका सब ही रद्दी होगा, बुध[बहन] मिले मंगल[भाई] से जब।

ऐसे शख्स से इसकी बहन के पास आना या रहना मंदा असर देगा दोनों को। जिसके लिए बहन को मंगल की चीजें देना मुबारक होगा। सनीचर का बजरिया नया मकान या मामूली सी दीवार भी जगाना मुबारक होगा। मुतसद्दी, छोटा वजीर और धर्मात्मा होगा, रोते को हँसाने वाला, नेक नाम और इल्म हिसाब जानने वाला होगा। बहालत मन्दी चंदर की ठोस चीज का उपाओ मददगार होगा।

मंगल ख़ाना नंबर 8 (पक्का घर, घर का)

ग्रहफल का, जब मंगल बद हो। बाजुओं

के बगैर बाकी जिस्म।

मंगल 8वें आठ बरस तक,   फ़र्क भाई छोटा गिनते हैं।

लाख मुसीबत खड़ी है करता,   अन्त बुरा नहीं गिनते हैं।

माता पिता सब का,   साया भी होवे।

जिस्म उम्दा, जरसीम   पाया भी होवे।

तनूर शुक्कर[मिट्टी] जब   तपाया वाँ होवे (मंगल शुक्र)।

न हो वो, न है ये,   तबाही ही होवे।

निकोई[नेकी] का नाम,   नेकोई ही होवे।

मंगल बद हो 8वें,   तो कोई न होवे।

ख़ुद मंगल का मंगल की चीजों पर कभी मंदा फल न होगा। लेकिन जिस कदर बुध का फल उम्दा (बुध प्रबल) होता जावे, उसी कदर ही मंगल का फल मंदा पड़ता जावे, जब बुध का साथ या ताल्लुक होता

होवे। बेहतर तो है यही कि न बुध का फल बढ़े, पर क्या करें जो काम न बिन बुध के बन सके, यानि मंदी हालत में बुध से बचना होगा या बुध की फ़ोकी ख़ाली चीजों और बातों से नुक़सान होगा। तनूर से तबाही के वक्त तनूर में मीठा या मीठी रोटी लगा कर कुत्ते को देवें।

लाल किताब के विद्यार्थी

मंगल ख़ाना नंबर 9

सुर्ख रंग।

मंगल जब घर 9वें आवे, 9 ही ग्रहों का मंगल गावे।

भरे खजाने दौलत अंदर, हर तरफ़ हो जंगल मंगल।

न तीजा न 5 बिगाड़े, गर देखें मंदा, मंगल मारे।

दमदमे में दम न हो ख़्वाह, खैर होगी जान की।

बुध अकेला छोड़ के सब, उम्दा हो ग्रहचाल ही।

मंगल की उम्र (13 साला या निस्फ अरसा) तक वाल्दैन को राजा बनावे, फिर अपनी 28 साला उम्र में ख़ुद भी राजा हो। लाल रंग से दुनिया का ला'ल होगा। कुण्डली में सूरज अब कहीं भी बैठा हो, ऊँच फल का होगा।

मंगल ख़ाना नंबर 10 (ऊँच)

शहद, मीठा भोजन।

अकेला मंगल 10 वें बैठा, राजा होता है वली।

दूजे पापी, शुक्र चंदर, सोने में होगे कलई।

तीजे ता 6वें में बैठे, दोस्त*[A] इसके अपने हों।

जंगल जलता, लड़का मरता, ज़र है घटता, ऊँच ख़्वाह कितने ही हों।

(बुध का मंदा, केतु बर्बाद, बृहस्पत नीच)

मंगल राजा घर दसवें का, शनि नजर का मालिक हो।

मंगल पर तब काना होगा, घर चोथे जब सूरज हो।

सनीचर के घरों (ख़ाना नं. 10-11) में मंगल बहैसियत चीता होगा जो आदमियों पर हमला नहीं करेगा। इसकी मामूली सी बैठने की चोकी एक तख़्त का काम देगी। लेकिन अगर शुक्र या किसी भी और ग्रह का साथ हो जावे या सूरज ही नंबर 6 में होवे तो औलाद के लिये लम्बी उम्र (45 साला) तक तरसता रहे, मगर लावल्द न होगा। दौलतमन्द ज़रूर होगा। मुलाजमत 28, मौतें 22, बीमारी 15 साल तक होगी।

* सूरज, चंदर, बृहस्पत।

मंगल ख़ाना नंबर 11

सिंधूर, ला'ल।

ग्यारहवें मंगल है रखता, शहद के बर्तन भरे।
शहद उम्दा उसका होगा, फूल[बुध] हो जिस के खरे।
फूल छोड़ो मक्खी[सनीचर] ही, जब नेक और उम्दा मिले।
दम में ही ले आएँगी वो, शहद के बर्तन भरे।

मंगल गो अब चीता होगा मगर अपने गुरु[बृहस्पत] के हाथ में हवाई जंजीर में जकड़ा हुआ होगा। भाई बंदों का कोई ख़ास फ़ायदा न होगा और न ही वो उनको कोई सुखिया देख रहा होगा। ये सब राहु के जमाना तक (42 हद 45) ही होगा। इस मंदे अहद में गो इसका अपना केतु (लड़का) न होगा, मगर दुनियावी केतु (कुत्ता वगैरह) मददगार होगा।

मंगल ख़ाना नंबर 12

बुलन्द आवाज, हाथी का महावत।

मंगल 12 सुख का राजा, घर गुरु प्रवेश हो।

जनम कुटिया या कि जंगल, ख़्वाह ही वो दरवेश हो।

शेर गरजे, हाथी ढरके,बिजली कड़के, चमकती तलवार हो।

ख़ून ख़ालिस, धन शाहना सिक्का माना, दमकता परिवार हो।

मंगल 12 गुरु हो दूजे, आसमान से पातालाँ।

दो शेरों से गूजें गूंबद, हाथी छिपे हों जा गाराँ।

केतु तीजे, मंगल 12, मच्छ मुआविन दोनों तारां।

साल 24 में उत्तम हो, या लड़का जब पहला हो।

कुण्डली में अब राहु बिल्कुल ही चुप होगा और न ही वो कोई बुरा फल देता होगा, बेशक किसी भी घर में बैठ रहा हो, क्योंकि महावत अब हाथी के ऊपर या हाथियों के तवेला में ख़ुद हाजिर होगा।

بڈھو سبز رنگ طوطا
مینا۔ بھیڑ۔ بکری،
سر زبان کا مارک۔ ہر جگہ
گول و سبز
ہیرا۔
ہر زبان کے واسطے انسان مرتے ہیں
ہیرا سب کو کھلتے مگر ... کہ خود
قلعی و دھات [illegible] جاتے ہے

बुध - शक्तिमान

बुध अकेला आकाश का चक्कर, निर्पक्ष निर्लेप होता है।

घर 2-4 या 6 में बैठा, राज योगी हो जाता है।

घर तीजे ता 8वें होवे, मदद रवि को देता है।

9 ता 12 या दूसरे पहले, शनि को प्रबल करता है।

घर पक्का जिस ग्रह का होवे, बैठा वहाँ वही बनता है।

7वें घर में पारस होवे, ग्रह साथी को तारता है।

3 - 8 -12 - 9 में बैठा, कोढ़ी थूकता होता है।

घर पहले होवे घूमता राजा, परिवार रवि 5 करता है।

सिर का ढाँचा या दांत हो उसके, अगला सिरा नाक होता है।

रफ्तार, आवाज, हो नाड़ें या गर्दन, मंतकी हाथ भी होता है।

शर्म, हया तंजीम जो ख़ाली, अक़्ल सुराख़ भी चलता है।

हिसाब सुभाओ जो जाती है उसका, फैसला बुध का होता है।

शनि बृहस्पत 11 राशी, बुध से दोनों चलते हैं।

बुध दबाया हो या मंदा, दोनों निष्फल जाते हैं।

बुध ख़ाना नंबर 1

आम सधारण हालत माँ-धी। जुबान, सिर का ढाँचा, आकाश का चक्कर। औरत के टेवे में अब बुध मानिन्द सूरज उत्तम होगा और पैदायश भी वक्त दिन (सूरज के बाद मगर सुबह की तरफ़ की) होगी।

पहले घर का बुध है राजा, घूमे फिरता दर-ब-दर।
चश्म तोता, अक़्ल खोटा, मंदा हो शाम[बुढ़ापा] व सहर[बचपन]।
तबला उम्दा, राग मंदा, हमचू मा न दीगरे।
रंग काला गर हो उसका, पानी में पत्थर तरे।

बहैसियत तख़्त-ए-शाही बुध में पाप (राहु ससुराल, केतु औलाद) की मन्दी हालत का साथ होगा और सनीचर भी अब बुध के इशारे पर काम करता होगा, जिसका सबूत - वो शख्स खाने पीने वाला, शराबी कबाबी और अपने कर्म धर्म से कदरे लापरवाह होगा।

बुध ख़ाना नंबर 2

खड़ा अण्डा, लड़कों की सिफ्त की लड़की, मूँग

सालम, कलम की निब, चोंच, साली।

बुध से जब लड़की बनी, घर दूजा है ससुराल का।

इज्जत जहाँ दो की इकट्ठी, जान-ओ-ज़र और माल का।

मौत गूँजे 8वें घर, पाताल ख़ाना 6 ही है।

9 में मारे, 12 गाले, तारता बुध 2 ही है।

शान राजा, राग उम्दा, जब अकेला घर में हो।

नजर इसकी आगे आवे, सोना[गुरु] लोहा[शनि] भस्म हो।

पीछे उसके हो न कोई, न ही आगे ठहरता[A]।

बुध को माना ख़ाली ग्रह है, फांस है वो गजब का।

घर 8 वें गर शत्रु आवे, फांस बुध का मंदा हो।

धन दौलत सब ही गो गाले, हीरा जल कर कलई हो।

पिता मरे औलाद न आवे, कन्या से भरपूर हो वो।

कुटुंभ कबीला सारा पाले, थोड़ा सा मगरूर भी हो।

A ख़ाना नंबर 1 - 8 होगा पीछा नंबर 2

खाना नंबर 3 - 6 होंगे नंबर 2 के सामने आने वाले।

घर 8वां अगर ख़ाली होवे, राजयोग कहलाता है।
बुध गिना लड़की है सब ने, अब राजा हो जाता है।
रंग सुनहरी कीमत गहरी, खड़ा अण्डा दरबार।
काफिर करे बुध आस्तिक, शाहां दे परिवार।

हर लम्हा अपनी तबीयत को बदलने वाला होगा। राग व जुबानदानी का मालिक अपनी माता के घर ख़ुद अपने ही तान पर चलता होगा, जिसका बुध ग्रहचाली तबीयत के असूल पर बुरा हो वो ख़ुद तो किसी तरह से भी सब्जकदमा (हर तरह से मनहूस) न होगा मगर उसकी अपनी आँखों के सामने बुध का सब्ज-जार धन दौलत और अपना ही ख़ानदानी परिवार बहुत कुछ जलता और बर्बाद होता होगा। वो ख़ुद तो नहीं मरा होगा, मगर लड़कियों की ज्यादती और साथियों की आहजारी व मौतों से दुखिया और मुर्दे से कम भी न होगा, मगर हजूम की मौत में भी जश्न ही रखता होगा। बहरहाल धन दौलत के लिये उम्दा मगर ख़ुद पिता की उम्र के लिये मंदा होगा या अगर पिता होगा तो पिता के हाथों से धन दौलत का असर मंदा ही होगा, मगर वो ख़ुद किसी हालत में भी दिमागी खराबियो का शिकार न होगा। फिर भी अगर होगा तो लड़कियों की सेवा से इसका कल्याण होगा।

बुध ख़ाना नंबर 3 (घर का)

भतीजी, चमगादड़, चौड़े पत्तो का दरख़्त, तिलिस्मी भूत, शक्ति जिसका साया न होवे, ख़ुद अपने असर में क़िस्मत को जगाने वाला, बाण(दीमक), चंदर का उपाओ।

बुध बैठा घर तीसरे, 9वें घर उजाड़ाँ।
ख़ुद अंधेरा जंगल होवे, राख पड़े घर ग्यारां।
बुध घर तीजे जब हुआ, जली अनोखी आंच।
9 उजड़े 11 मरे, गरके 4 और पांच।
बुध गिना जो तीजे मंदा, 11 रवि से डरता है।
बोले ख़ुद न बोलने देवे, उम्र की रक्षा करता है।
पापी ग्रह 7 वें हुये, बुध का पक्का घर।
पिता की मिट्टी न रहे, खालू, मामुं घर।

हर रोज फिटकरी से दाँत सफ़ा करना आदमियों की बरकत देगा। अगर हकीम होवे तो दमा के मरीजों के लिए नायाब हकीम होगा। अंगूठे की तरफ़ की सिर रेखा की दो शाख़ी ख़ुद टेवे वाले के लिये मंद भाग होगी और ख़ाना नंबर 8

की तरफ़ कर दो शाख़ी दूसरों को तबाह करेगी। दरुस्त हालत (सिर रेखा) की सिर्फ़ सेहत रेखा की हद तक की लम्बाई होगी। गर ऐसा न हो तो मंदा और खड़कता बुध होगा जिसका इलाज फर्षी जमीन में पत्थर गाड़ना होगा जिसका रंग ख़ाना नंबर 9 या 11 के ग्रह के बरखिलाफ न होवे। इस पत्थर के नीचे पहले दूध से भिगोये हुये पलाह के पत्ते देने मुबारक होंगे या मकान के मरकज या मग़रबी दीवार में लाल (सूरज) अशिया मुबारक होंगी। अगर मंगल नेक हो तो इस घर में ख़ुद बुध का अपना जाती फल यानि लड़की, बहन, भूआ वगैरह बुध की मुतल्लका चीजें व ख़ानदान वगैरह सब बारौनक होंगे। दूसरे घरों पर बेशक बुध का बुरा ही असर होगा।

बुध ख़ाना नंबर 4

तोता, कलई, खड़ा अण्ड़ा, भूआ, मासी।

बुध चोथे कच्चा घड़ा, कोरा, उम्दा, साफ।
अरब करोड़ी लखपती, मारे अपना[खुद] आप[कशी]।
धन का तो दरिया है चलता, जो ख़त्म होता नहीं।
लड़की बैठी राज करती, दिल मगर होता नहीं।
बुध चोथे हो सूरज 5, गुरु हो बैठा 9वें अंग।
राजयोग वो मर्द कहावे, बकरा जंगली सांप जो खावे।
तोता सब्ज मैना का साथ, ठण्डा रेता[रेत] पानी बेहाथ।
हीरा कीमती कुल जो तारे, धन दौलत परिवार हों सारे।
चंदर सूरज हो 3-11, गुरु 9 में बैठा बुध चहारां।
धन आयु, परिवार भी हो, फल चारों का उम्दा हो।

बिल्ली से तोते का दिल मुर्दा होगा या राहु के ताल्लुक़ से बुध ख़ुद मुर्दा होगा। ज़रा सी ठोकर से कच्चा घड़ा ख़ुद-ब-ख़ुद टुकड़े होगा। जिसके लिये सूरज की अशिया का उपाओ होगा। दौलत के लिये बृहस्पत

का उपाओ मदद देगा। कई बार सफर बिला मतलब और लाहासिल होगा। केतु के ताल्लुक से बर्बाद ही होगा। धन दौलत तो उम्दा, मगर माता की उम्र के लिए मंदा होगा। अगर माता जिन्दा हो तो माता के हाथों से धन दौलत मंदा होगा।

लाल किताब के विद्यार्थी

बुध ख़ाना नंबर 5

बाँस, फ़कीर की आवाज, आशीर्बाद, दूध वाला बकरा, पोती।

लड़का[सूरज] बिला तड़ागी मंदा[बुध], गुरु[बृहस्पत] मंदा बिन ज्ञान[सूरज]।

बुध घर 5 वें जब हुआ, सब कुछ उम्दा जान।

बुध घर पहले, पाँचवें, सूरज को परिवार[B दायरा]।

बारिश धन की हो रही, दिन न गुज़रें चार।

चंदर हो या नर ग्रह, बैठे 9, 3, ग्यारां।

बुध[A] आ निकले पाँचवे, बाबे पोते तारां।

अपनी औरत और ख़ुद अपने लिये निहायत मुबारक मगर पिता के लिये मन्दभाग होगा पर किसी हालत में भी औलाद पर कोई बुरा असर न होगा। बल्कि बाक़ी 5 बचने वाले मकान की क़िस्मत का साथ होगा या इसका घर गऊघाट होगा। बहरहाल वो इन्सानी ख़सलत का मालिक ज़रूर होगा।

A 5 लड़कियां या पांचवें नंबर पर लड़की पैदा हो जावे।

B सूरज के घरों नंबर 1-5 में।

बुध ख़ाना नंबर 6 (ऊँच)

फूल, लड़की, मैना, खड़ा अण्डा, सुख

औरत 37 साल, दोहती।

बुध 6वें सिर श्रेष्ट रेखा तो, तो राजयोग भी कहते हैं।
उस टेवे के ग्रह जो क़ायम, उत्तम फल वो देते हैं।
घर 6 वें पाताल में, बुध शुक्र नहीं मिलते हैं।
लड़की होवे जो उत्तर ब्याही, फल मंदा ही लेते हैं।
उम्र छोटी अब बुध की होवे, घर 6वें जब बैठता है।
लाख उपाओ करो न टलता, ग्रहफल लिखे इसको है।

ख़ुद बुध का जाती फल बुध की जाती चीजों पर कभी मंदा न होगा। खरबूजा देख खरबूजा पके यानि तमाम कुण्डली में जब भी कोई ग्रह उम्दा फल देने वाला होने लगे बुध भी फौरन उसी ग्रह के नेक फल का हो जायेगा, मगर ख़ुद ख़ाना नंबर 6 की चीजों के लिये बुध का वही असर होगा जो कि शुक्र का उस टेवे में हो या जैसे ग्रह ख़ाना नंबर 2 के होंगे। बुध अब वैसा

ही फल देगा (सिर्फ़ नेक मायनों के लिए)। छापाख़ाना, दौलत अज पब्लिक, ईमानदारी का धन उम्दा ओर नेक नतीजे देवे अगर हकीम मगर लालची होवे तो बर्बाद होगा। पहली औलाद लड़की होगी। साहिब-ए-तसानीफ होगा। झगड़े में हमेशा फतेहमन्द और कामयाब होगा। चंदर की जानदार चीजों का बेशक कोई फायदा और आराम न होगा, मगर चंदर की बाकी सब चीजों का पूरा फायदा और मदद होगी। लड़की की उम्र की मदद के लिये दूध से भरा बर्तन (मिट्टी का) खुले मैदान में दबाना मुबारक होगा- जब कि शुक्र मंदा हो और गंगाजल (दरिया, बारिश का पानी) खेती की जमीन में एक बोतल बंद करके (जिसका ढकना भी शीशे का हो) दबावे -जबकि चंदर भी मंदा हो। अगर केतु भी बुध (लड़की) की बरखिलाफी पर हो, तो इसके बदन पर (दाँए हिस्से में चाँदी की चीज (बुध की शक्ल में अँगूठी वगैरह क़ायम करें। बहरहाल बुध ख़ुद अपने लिये (पेशा हुनर) कभी मंदा फल न देगा।

बुध ख़ाना नंबर 7 (पक्का घर)

हरी घास, भोंडी गाय, बकरी, आम

माँ-धी की हालत, दूसरी चीजों

का ठप्पा या ढाँचा।

बुध को 7वें सब ने माना, भरे आये ख़ाली है जाना।

पर जो साथी इसका हो, डूबता पत्थर तैरता हो।

7वें बुध को रेत भी माना, शुरु बुरा आखिर शाहाना।

पहले 10वें जो ग्रह आवें, बुध 7वें से नेक हो जावें।

नेकी गो वो अपनी देवें, बुध फिटकरी रंगत लेवें।

बुध 7 वें हीरा हुआ, तारे सब को जो।

पर ख़ुद अपने असर में, जंगल रेता हो।

गो इस घर में बुध सब साथी ग्रहों को तारता है लेकिन मंगल का ताल्लुक़ हो जाने से मंगल बद खड़ा होगा, बेशक मंगल और बुध दोनों अकेले अकेले इस घर में नायाब ग्रह हैं। किसी दूसरे ग्रह की मदद करते वक्त बुध का ख़ुद जाती फल बेशक मंदा हो जावे मगर दूसरों के असर को तो

लाल किताब के हिमायती

वो ज़रूर ही नेक कर देगा - सिवाय चंदर ख़ाना नंबर 7 के जिसका फल दूध में बकरी की मींगनें होगा और ख़ुद बुध जाती हालत में कल्लर की जमीन और रेगिस्तान हो सकता है जिसमें कि चिकनी मिट्टी (शुक्र) का नेक असर न होगा या गृहस्त रूखी और इसका जंगल चरिंदों से ख़ाली होगा या इसका ख़ानदानी हाल कोई शानदार न होगा, बल्कि वहाँ अक़्ल की बारीकी दूर होगी। ये सब बुध की उम्र (34 साला) तक की गुज़रान होगी। मजमुआ तमाम हाजिर माल का ब्योपार उम्दा होगा और दस्ती व हुनरमन्दी का काम मुबारक होगा। बहरहाल कलम में तलवार से उम्दा ताक़त होगी। गर न होगी तो फौजदारी न होगी, अगर वो होगी तो फिटकरी से लिखे हुए कागज की तरह वो इक आन में सफेद और नेक होगी। फिर भी होगी तो जुबान की थूक से ही दुश्मन की गर्दन सर कलम होगी।

बुध ख़ाना नंबर 8

लेटा हुआ अण्डा, मुर्दा या मुर्दे का फूल, दीमक, बहन।

बुध 8वें जब आ हुआ, भट्टी रेत तपा।

लड़की, बहन ससुराल से, बेवा हो के आ।

रेत जली है जंगल की, जलता मंगल बद।

लड़का मामूँ और माता भी, सफाचट हों सब।

भेड़ चाल सब ग्रह करें, मंदा बुध जो हो।

बंद साँस सब ही करें, बुध नागबल हो।

उम्र के हर 8वें साल फ़ोकी ख़ुशी का शानदार बाजा बजता होगा मगर पौदे से टूटा हुआ मुर्दा फूल या मुर्दे पर चढ़ाया जाने वाला मंदा फूल होगा जिसमें राहु (ससुराल), केतु (औलाद), शुक्र (स्त्री तादाद) और ख़ुद बुध (बहन, लड़की, भूआ, फूफी) व ख़ाना नंबर 6 की चीजें (माता पिता के रिश्तेदार - मामूँ, मामूँ ख़ानदान) सबका मंदा हाल शमिल होगा, मगर मंगल से अब मंगल बद न होगा बल्कि भाईयों को बुलन्द करे और मौत का दरवाजा बन्द हो। मगर

वाल्दैन बर्बाद, मौतें 14 साल हों। बुध नंबर 8 बेवा बनाता है अपने ख़ून के मुतल्लका में - जब तक नंबर 2 ख़ाली हो। लेकिन अगर नंबर 2 में कोई ग्रह हो तो ससुराल ख़ानदान में भी यही लानत देगा, जिसका सबूत मकान में सिर्फ़ पौ़ड़ियाँ सारी की सारी गिराकर दुबारा बनाना होगा, कुछ सालों के बाद वो मकान भी दुबारा बनेगा। लानत से बचने का उपाओ - बुध के अस्थान की पूजा मुबारक होगी, वर्ना ख़ाली घड़ा बजता रहे (औलाद व मर्दों का मंदा हाल)। बुध जब कुण्डली (जनम, सालाना, माहवारी वगैरह) के ख़ाना नंबर 8 में आवे मिट्टी का कोरा बर्तन (गोल) मंगल[A] की चीजों से भर कर शमशान या कब्रिस्तान या किसी उजाड़ व वीराने में दबाना मुबारक होगा।

A शहद, खाण्ड।

बुध ख़ाना नंबर 9 (तिलिस्मी भूत)

तिलिस्मी भूत जिसका साया मालूम न होवे, चमगादड़,

सब्ज रंग, थथलाना। जंगल सब्जे व दरख़्तों का।

जब तलक बुध 9 वें बैठा, ग्रह न कोई बोलता।
भूले से गर कोई बोले, बुध न उसको छोड़ता।
साया तो है नजर आता, बुध नजर आता नहीं।
मार पड़ती सब ग्रहों को, कोई छुड़वाता नहीं।
आसमान ऊँचा तो, बहर-ए-फना हुआ गहरा।
बुध बढ़ा इतना, कि दोनों में ही न ठहरा।।
अगर ठहरा* तो 13 साल या, 13 महीने ही वो है ठहरा।
साल 16, माह 16, दिन भी 16, है नहीं ठहरा।
फिर भी ठहरा न ही ठहरा, ठहरा ठंडे दिल से है।
बहन, मासी, भूआ, फूफी, मारता सब ही को है।
बुध घर 9A सब पर प्रबल, चंदर से वो डरता है।
जो रेत को तै में कर के, बुध को चलता करता है।

* बलिहाज उम्र। A चंदर 3-8-5-9

लाल किताब के विशेषज्ञ

चंदर बैठा घर पहले में, बुध भी 9वें बैठा हो।

पानी वाले बादल चंदर, बुध कभी वहां न मंदा हो।

अब बुध बेबुनियाद और ला-इन्तहा गहराई का ख़ाली कुएँ का महल होगा। ऐसे शख्स की पैदायश में भेद होगा, जिसके जाहिर करने में उसकी अपनी जुबान में भी थथलेपन का सबूत होगा। मंगल या सूरज या दोनों के साथ से लसूड़े की गिटक की तरह क़िस्मत का हाल होगा (मंदे मायनों में) और उम्र का मंगल बद या ख़ुद (बुध का जमाना 13-15-17-28-34 वाँ साल महीना का दिन) न कभी नेक और खुशहाल होगा। चमगादड़ के मेहमान आये, जहाँ हम लटके वहाँ तुम लटको - की तरह साथियों का हाल होगा, जिसका उपाओ नाक छेदने के इलावा न कोई और

ज़र्द

होगा। गर फिर भी होगा तो चंदर की चलती चीजें या बृहस्पत के रंग

में रंगी हुई अशिया[A] से वो एक चलता दरिया होगा। (सब्ज रंग मंदा होगा) जिसकी तूफानी हालत का न कोई इन्तेहा होगा या वो जालिमों को फाँसी दे कर गिराने के लिये तिलिस्मी कुआँ होगा, जिसकी तै देखने के लिये सीढ़ी का न कभी इन्तजाम होगा। अगर ये सब कुछ न हुआ तो वो न दरजहाँ होगा। बहरहाल बुध नंबर 9 या 3 या किसी और घर का मंदा असर उस साल या वक्त ही नेक होगा, जिसमें कि वो अपने जाती सुभाओ के असूल पर नेक हो जावे मगर जनम के पहले साल या पहले महीने में उसका हीरा जहर से ख़ाली न होगा अगर होगा तो जनम मरण का झगड़ा ही दूर होगा।

A दरिया के पानी से धोया या दरिया के पानी के छींटें देकर पहला कपड़ा डालना, बवक्त दिन या दोपहर मगर रात न होवे।

बुध ख़ाना नंबर 10 (राशीफल का)

दाँत, खुश्क घास, शराब-कबाब, नास्तिक

या भूत की खुराक, लेटा हुआ अण्डा, सनीचर का उपाओ

मददगार होगा। सीढ़ियाँ (मकान)।

बुध का 10वें हुआ बसेरा, शनि करेगा फैसला तेरा।

किसी तरह से अगर मिलेगा, चंदर अपनी दया करेगा।

खुश्क घड़े सबमें पानी भरेगा, सदफ में वो मोती पैदा करेगा।

शनि बिना कुछ भी न मिलेगा, अगर कुछ मिला सख्त धोका मिलेगा।

लाख का महल, बारूद का पटाखा, सांप के जहरीले दाँत, हड़काये कुत्तें की दुम, सनीचर के इशारे पर काम करेंगे। जैसा कि सनीचर होगा वैसा ही बुध काम कर दिखायेगा। पिता की मर्जी हो सुख देवे या न देवे। वालिद का साया कोई यकीनी न होगा, न ही ख़ुद नजर का कोई भरोसा होगा, गर होगा जुबान का चस्का शराब कबाब का मंदा मजा बाइस-ए-तबाही होगा पर उम्र लम्बी का साथ भी होगा।

बुध ख़ाना नंबर 11

कच्चा घड़ा, कण्ठी वाला तोता, गुरु (बृहस्पत) का उपदेश देवे, चैड़े पत्तों का दरख़्त, सीप, हीरा, फिटकरी।

उल्टा घड़ा या जनम वक्त जबकि इन्सान इस दुनिया में आते वक्त सर नीचे मगर सब को प्रणाम करता आवे।

कुंभ घड़ा उल्टा है बेशक, बुध 11 में हुआ।
हर तरह से हो जो डूबा, उसको जिन्दा कर गया।
ग्रह जभी सब ख़त्म हों तो, बुध अकेला रह गया।
तारने ही वो लगा जब, घर ही सारा बह गया।
11 बुध न किसी को तारे, तारता जब वो आखिर है।
शनि, बृहस्पत, चंदर मारा, तारता आखिर बुध ही है।

बजात ख़ुद बुध बदकिरदार खोटे काम व मन्दी हालत का होगा, जिसका असर उसकी पूरी उम्र (लड़की की 17 मगर टेवे वाले की अपनी 34) तक साये की तरह साथ होगा, सब तरफ़ से बर्बाद और निराश हो जाने के बाद खासकर सनीचर, बृहस्पत या चंदर मंदे वाले को या इन तीनों से तबाह शुदा को आबाद व खुशहाल कर देगा।

बुध ख़ाना नंबर 12 (नीच)

राशीफल का, केतु का उपाओ मददगार होगा। अण्डे, खिलौने, भेड़, गन्दा अण्डा, हड़काया कुत्ता (आम टेवे में) मगर 12 में बैठा ख़ाना नंबर 6 का फल देने वाला (ऊँच बुध) सिर्फ़ जाती ख़ून के लिये और सिर्फ़ जिस टेवे में सनीचर बृहस्पत मुश्तरका हों (केतु का उपाओ ख़ुद ब ख़ुद हो जाता है) बाकी तरफ़ वही मंदा असर। शनि 12 में बैठे बुध का कभी बुरा असर न होगा।

बुध जब बैठा 12 में तो, रेत बरसाने लगा।
6-12 से सब ही भागे, कुत्ता हड़काने लगा।
आसमाँ से कुत्ता हड़का, भागता पाताल को।
12 गाले, 6 भी मारे, साड़े ख़ाना 4 को।
गर न मारे धन न मारे, मारता है जान को।
बच सके न इससे कोई, नाक जब तक साफ हो।
दमदमे में दम नहीं अब, खैर माँगो जान की।
बस ख़त्म अब हो चुकी, रफतार सब ग्रहचाल की।
12 कुत्ता बुध, जो हड़का तारता केतु ही है।

गर न घर में कुत्ता रखे,   झपटता बुध राहु[बाज] है।

सिवाय सनीचर के जो अब साथ या साथी ग्रह बन रहा हो, बुध नंबर 12 सब बाकी ग्रहों (जो साथ साथी नंबर 12 या 6 में हों) को अपने बुरे असर की जहर देगा, मगर सूरज (बन्दर) इसकी जहर को पहचान लेगा और बचता जायेगा। हड़काया कुत्ता - भाइयों का दुश्मन, दौलत का राखा, दूसरों के लिये जोड़ेगा। लोगों में बेएतबारी की जिन्दगी और तबीयत का हर लम्हा घूमने वाला होगा। ब्योपार-सट्टा (बुध की हवाई ताक़तों व चीजों का ताल्लुक) भी मंदा होगा। नाक छेदना या गले में ज़र्द धागा हर वक्त कायम रखना मुबारक भले असर के लिये ज़रूरी होगा वर्ना हर तीसरी बोली (3 दिन, 3 महीने, 3 साल और हर तीसरी गिनती अपनी उम्र की या अपने ताल्लुकदारों की) पर नीलाम की बोली ख़त्म कर देगा। ख़्वाह सेठ का माल बाकी बचे या न बचे या कीमत के बदले

ख़्वाह जेहमत ही दे देवे, मगर दलाल को किसी भी नमक हलाली का ख्याल न होगा। सिर्फ़ होगा तो अपने मालिक (पिता) को आख़िर पर छोड़ देने का ज़रूर लिहाज होगा, या वो ख़ुद उस घर से बाहर होगा बशर्ते कि शुक्र (शादी) की जंजीर में जकड़ा हुआ न होगा। अगर होगा तो सिर पागल होने की वजह से सब पर हमलावर होगा। किस्सा कोताह शुक्र की उम्र (25 साला) से पहले शादी करना न भला होगा। चस्का जुबान (पापी ग्रहों की मुतल्लका चीजों की खुराक) से परहेज मुबारक होगा। औरत का ख़ाना नंबर 12 का बुध कोई बुरा नहीं गिनते राशी फल का होगा।

سنیچر سیاہ سانپ موت کا یم خود۔ اُڑے دوسروں کو اُڑا دے۔ اچھیا دھاری
تو سب کو تارے۔ کالا رنگ سب پر چڑھے۔ مگر کالے رنگ پر کوئی نہ چڑھے
نیش (ڈنک) سے گنیش ہوئے۔ مچھلی کے انڈے۔ مگرمچھ کا پیٹ
قبیلہ بڑھے۔
اُلٹا تو مرے۔

शनि देवता - जाहिर पीर

शनि सांप का सांस गो मंदा, इच्छ्याधारी पर होते हैं।

मदद पे जिसकी हो वो बैठे, तारते इक दम दोनो हैं।

शत्रु ग्रह जब बढ़ते जावें, जहर रंग शनि बढ़ते हैं।

शुक्र बच्चा वो कभी न मारे, सांप दो*A बच्चे मारते हैं।

गुरु के घर कभी बुरा न करता, न ही पाप ख़ुद करता है।

पाप किया जो राहु - केतु, फैसला धर्म से करता है।

नर ग्रह हो जब साथ अकेला, जहर शनि नहीं होता है।

नर ग्रह होवें दो या ज्यादा, काबू शनि हो जाता है।

तीन गुना घर पहले मंदा, 2 गुना मंदा तीसरे है।

एक गुना घर छटे में मंदा, पर मंदा नहीं सदा ही है।

अबरू छींक और बाल जिस्म के, हाथ दिखावा होता है।

टक - टक करते बोलना उसका, फैसलाकुन शनि होता है।

*A शनि ख़ुद और मसनूई सनीचर इकट्ठे

A शुक्र - बृहस्पत (केतु सुभाओ) मंगल-बुध (राहु या मंदा सुभाओ)

7- 9वें घर 12 बैठा, कलम बिधाता होता है।

ख़ाली कागज हो घर 10वें का, छटे स्याही होता है।

घर 11 में लिखे बिधाता, जनम बच्चे का होता है।

क़िस्मत का हो हरदम राखा, स्याही पाप की धोता है।

सनीचर का मंदा फल दिये हुये खानो का उस वक्त ही नेक होगा जब वो राहु केतु के अपने दायें बायें होने के असूल पर नेक सुभाओ हो जावे बमूजब बर्षफल।

लाल किताब के विद्यार्थी

शनि ख़ाना नंबर 1 (नीच, काग रेखा)

हलक़ का कौआ, गन्दा कीड़ा, आग से जलना।

शनि - शुक्र घर पहले बैठे, काग रेखा कहलाती है।

मालिक ख़्वाह हो तख़्त हजारी, मिट्टी कर दिखलाती है।

धन दौलत सब चूल्हे धर के, उम्र को लम्बा करती है।

9 ही ग्रहो पर प्रबल हो के, सब को निर्बल करती है।

सूखी लकड़ी आग का कीड़ा, दोनो झगड़ा करते हैं।

गर हो राहु केतु मन्दे, भस्म भंडारा भरते हैं।

घर पहले में तेल-मिट्टी का, आग चौथे[A] से लाते हैं।

घर 7वां 10 खाली[B] होवे, मच्छ रेखा[D] बन जाते हैं।

वर्ना वही चूल्हे पड़ी लक्ष्मी, भट्टी में भगवान।

कामयाब डाक्टर होगा (सामान सनीचर में)।बवजह गरीबी

सब काम अधूरा तालीम तो खासकर अधूरी।

A -सनीचर के दुश्मन ग्रह यानि चंदर या सूरज या मंगल

B -बुध या सनीचर नंबर 7 में और राहु या केतु नंबर 4 में

D -सिर्फ़ वास्ते धन दौलत।

होगी। काग रेखा के असर में बद-दयानती, झूट, फर्जी बेबुनियाद ख्यालात बाइस-ए-मौत होगे। मच्छ रेखा व काग रेखा दोनो इकट्ठी ही होगी। सनीचर की मियाद (36 साला उम्र) तक सब कुछ उड़ता जावे और हर काम में रू-स्याही हो। जिस्म पर ज्यादा बाल हो तो तंगहाल होवे। बुध की मच्छ रेखा के वक्त (बुध नं. 7) बहन की जगह नर बच्चा बदलता जावे। सनीचर दूसरे किसी ग्रह के साथ हो तो सनीचर से मुराद उसका बाप होगी, मगर बृहस्पत या सूरज के साथ सनीचर से मुराद उसका बाप न होगी। हर एक मंदा ग्रह उस टेवे में ही होगा, जिसके ख़ानदान में पहले उम्दा ग्रह का पूरा सबूत हो चुका हो जिसे वो बुरा ग्रह बर्बाद कर सके। काग रेखा वहां ही होगी जहां मच्छ रेखा हो चुकी हो। अच्छे ग्रहो की ये शर्त नहीं।

शनि ख़ाना नंबर 2

माश सालम (जो बवक्त शादी त्योहार पकते हो।)

शनि होवे जब दूजे बैठा, गुरु का हो दरबार।
वक्त नसीबा अपना अच्छा, अज/ता वक्त मुख्तार।
धर्म मन्दिर का सांप ही होगा, ज़ाहिरा बुद्धू पर आकिल होगा।
गर न होगा जालिम न होगा, अदल रहम इंसाफ ही होगा।
ख़ुद कभी न दुखिया होगा, होगा जब तक सुखिया होगा।
ख़ुद मरे न किसी को मारे, गर मारे ससुराल ही मारे।
दूध पिलावें सब को तारे, दुश्मन इनके सब ही मारे।

बृहस्पत और सनीचर दोनों का असर बराबर होगा गुरु उम्दा, सनीचर खराब। मजमूआ हर दो हालत का जवाब होगा। ख़ुदा परस्त होगा। हस्ब-हैसियत गुज़रान होती रहे। भूरी भैंस मुबारक मगर दो रंगी स्याह या अकेली स्याह गैर मुबारक होगी।

शनि ख़ाना नंबर 3 (राशी फल का)

कीकर, बेरी। नकद रुपये की कमी के लिये राशी

फल जिसके लिये केतु का उपाओ मददगार, जायदाद

के लिये ग्रह फल का।

शनि कुण्डली घर तीसरे पाया, पर बैठे नहीं चैन कर।
जहर छोड़ी, फूँक छोड़ी, छोड़ता है माल-ओ-ज़र।
जो न वाकिफ इसके होगे, उन से वो बचता रहे।
ख़ून उसका भाई बंदे, सब खराबी दें उसे।
गो न दौलत उस ने रखी, बढ़ती जाये जायदाद।
जितना-जितना वो उजाड़ें, होगा वो हरदम आबाद।
शनि हो तीजे चंदर 10वें, गर हो बैठे वहाँ कभी।
ऊर्ध रेखा डाकू होवे, कुएँ हो मन्दे सभी।
जहर जो सांपो में थी, अपने लिये ही जहर हो।
भय जो लोगो के लिये था, अपना ही वो कहर हो।

बीनाई (नजर) के मरीजों का हातिम (नायाब हकीम) होगा।

जनूबी दरवाजा का मकान या उसके आगे पत्थर

का होना सनीचर के ख़ूनी सांप का असर देने का सबूत होगा, वर्ना नकद माया के इलावा बाकी हर तरह से सनीचर का उत्तम असर होगा। घर में केतु (कुत्ता) नकद दौलत के लिये मुबारक होगा, लेकिन घर में पानी (चंदर) से ख़ुद अपनी मौत होवे। चोर डाकू भी बने तो भी दौलत के लिये मुफलिस, बेहुनर और मन्द हाल होवे। शनि नंबर 9 को नंबर 3 से दुश्मन ग्रह देखता हो और उधर मकान अंधेरे की पिछली दीवार तोड़ कर रोशनी हो जावे तो खुलने के पहले साल पिछली तरफ़ के मकान में से नये निकाले दरवाजे या ताकी की तरफ़ से तीसरा मकान बर्बाद और तबाह होगा। फिर तीसरे साल नये दरवाजे निकालने वाला घर बे-आबाद होगा। ऐसे शख्स को बगैर तख़्तो के सिर्फ़ ख़ाली चोकाठ घर में खासकर छत पर रखना स्त्री व लक्ष्मी के लिये मन्दभाग होगा।

शनि ख़ाना नंबर 4

मकान काले कीड़े, दूध का छींटा मददगार होगा।

शनि हो चौथे घर माता के, नस्ल मामूँ नहीं छोड़ेगा।
कुल अपनी को डोबता जावे, ख़ुद भी गोता खावेगा।
चंदर दूजे या कि तीजे, शनि भी चोथें बैठा हो।
पितृ रेखा अब उत्तम होगी, सुख सागर सब लम्बा हो।
चंदर सनीचर साथी होवें, दूध जहर मिल जावें दो।
धन ख़जाना मंदा होवे, शुक्कर फल भी गन्दा हो।
शनि 4 में, गुरु हो तीजे, ऊर्ध रेखा कहलायेगी।
सब को लूट खसूटे इतना, जायदाद बन जायेगी।

पानी के किनारा या कुएँ वगैरह पर का सांप और ख़ूनी मल्लाह होगा और ख़ुद अपनी जायदाद जद्दी के कोयले ही करके छोड़ेगा। सांप को दूध पिलाना मुबारक होगा, जिससे चंदर का असर प्रबल हो जायेगा कुएँ में दूध गिराने से चंदर का असर उत्तम होगा। औरतों की कबूतरबाजी से सनीचर का असर मंदा होगा। छाती पर कम बाल हो तो बे-ऐतबारा ही होगा।

शनि ख़ाना नंबर 5

सुरमा स्याह, बुद्धू लड़का।

शनि है पाँचवें लड़के खाता, या दुश्मन वो मकानो का।
बाकी सब फल उत्तम होवे, शनि बृहस्पत दोनों का।
केतु मालिक लड़कों का तो, राहु वली मकानो का।
21 - 24 जो प्रगट हो, दूजा शुरु निनावन का।

शादियाँ 7 तक होगी, औलाद बहुत होगी मगर आख़िर पर न होगी। भोला बादशाह, अक़्ल का ख़्वाह अंधा मगर गाँठ पूरा होगा। औलाद बर्बाद होगी। अगर किसी तरह अपने ही अण्डे खाने वाली साँपनी से कोई लड़का बच भी रहे तो 48 साला उम्र तक मकान या औलाद (वो भी सिर्फ़ एक लड़का) में से सिर्फ़ एक चीज कायम होगी। औलाद को तो सोने को लोहा कर देने की तरह स्याह और बर्बाद कर देगा। अगर जिस्म पर बाल ज्यादा हो तो बेशक चोर फरेबी भी बने फिर भी बदनसीब और मंदा हाल ख़ुद अपना व औलाद का होवे। बुध का उपाओ मददगार होगा।

शनि ख़ाना नंबर 6 (राशि फल का)

कौआ। राहु (काला कुत्ता) का उपाओ मददगार होगा वास्ते जेहमत बीमारी। बुध का उपाओ वास्ते कारोबार मदद करे या मवेशियो की मदद के लिये बकरी मुबारक होगी।

शनि दूजे में नेक था, छठे हुआ बदनाम।
शुक्र केतु भी मरे, सब मन्दे उसके काम।
पापी मन्दे पाप तक, उम्र 42 हो।
कसम पावे वो पाप की, ख़्वाह रवि भी 12 हो।

24 साल लड़के पैदा हो, जबकि शादी 28 के बाद हो।

हुनरमन्द, अक्लमन्द। मां पर धी... थोड़ा थोड़ा।

माड़ा पूत व खोटा पैसा फिर भी कभी न कभी काम आ ही जायेगा और जमाने की सब स्याही धो देगा, जबकि राहु बर्षफल में ऊँच घर (3, 6) आ जावे। अगर शादी 28 से पहले ही हो तो सनीचर बुध

की मियाद तक माता व औलाद सब सफाचट कर देगा, मगर लावल्दी का हुक्म नहीं लगा देगा। केतु (औलाद) की बर्बादी को रोकने के लिए पूरा स्याह कुत्ता मददगार होगा। ख़ाना नंबर 2 में अगर शुक्र या चंदर हो तो सनीचर गाय, स्त्री और माता धन पर भी बुरा हमला कर देगा।

लाल किताब के विद्यार्थी

शनि ख़ाना नंबर 7 (ऊँच)

चरिन्दे, स्याह गाय, सुरमा सफेद, बीनाई।

लाल या सफेद व लाल गाय से शुक्कर का असर

मंदा, मगर स्याह या सफेद-व-स्याह दो रंगी

गाय बुरा असर न देगी।

शनि हो 7वें 7 गुणा, धनी हो दौलतमन्द।
ज़र पाये वो राज से, हो खर्चा लड़की 5।
परिवार बढ़े दौलत बढ़े, बढ़ेंगे शुक्र साथ।
शुक्र[औरत] जिस दिन ख़त्म हो, शनि होगा चुपचाप।
शत्रु ग्रह 3-5वें आवें, सेहत मंदी और पिता जलावें।
साथी या मुश्तरका होवें, शनि हो मंदा खुद भी रोवें।
सूरज अगर हो चोथे बैठा, हिजड़ा बुजदिल होता है।
न्होराताा ख़्वाह आधा अंधा, टेवा ऐसा होता है।

जायदाद जद्दी (विरासत) तो बेशक इतनी न होगी, मगर माहवारी आमदन हजारों रुपयो की होगी। हुक्मरान, दौलतमन्द, अक्लमन्द (आँख की होशियारी)।

दौलत 24 साल, हथियार का डर 27 साल उम्र तक होगा। कतरे-कतरे से शरबत का कड़ाहा और अम्बार कर लेगा। पर-उपकारी तो धन कारआमद वर्ना दुष्ट भागवान होगा। स्याह खाल से ऊँचा पहाड़ और कीड़े से मगरमच्छ होगा, मगर धन का दूसरा दर्जा होगा या आख़िर बिन बर्ते ही चल जायेगा। न्यासरी माया होगी - जब शराबखोरी का दिलदादा हो। मकान की दहलीज पुरानी लकड़ी की होवे और जनम से पहले की जो लगी थी वही क़ायम रहे तो सनीचर नंबर 7 का नेक फल क़ायम रहेगा वर्ना सनीचर नंबर 1 का फल देगा।

धनवान डाक्टर व हकीम होगा, बेशक पेशा हिकमत से बेबहरा हो। इंजीनियर भी हो सकता है (बाकमाल)। अगर सनीचर सोया हुआ होवे और अपना तमाम ही दौरा सोया रहे तो पोते के जनमदिन से सब कुछ ही काल माया या वीरान होवे, जिसका उपाओ बजरिया मंगल या शहद सनीचर को जगाना होगा।

शनि ख़ाना नंबर 8 (पक्का हैड क्वार्टर)

बिच्छु, मौत का घर, कनपटी, पुड़पुड़ी।

शनि है 8वें हैडक्वार्टर, घर तो मंगल ही का है।
जैसा मंगल हो शनि भी, असर मुसावी दो का है।
एक अकेला 8वें होवे, ख़ुद कभी न मंदा हो।
मंदा होगा मंगल से, या चंदर भी वाँ बैठा हो।

अकेले सनीचर का अब सनीचर की चीजों पर कभी मंदा फल न होगा। चंदर का उपाओ करने से पता चलेगा कि सनीचर जो अपने हैडक्वार्टर में बैठा है किस नीयत और तबीयत का है। कनपटी और पुड़पुड़ी भी बात का फैसला कर देगी। छाती पर ज्यादा बाल हो तो उम्र भर गुलामी में रहे।

शनि ख़ाना नंबर 9 (राशि फल का)

टाहली, फलाही। स्याह व पुरानी किस्म की लकड़ी।

बृहस्पत का उपाओ मददगार होगा-बहैसियत त्यागी गुरु।

9वें शनि सबसे वली है, सिर्फ़ बुध से डरता है।
बुरा यहाँ वो कभी न करता, तीन पुष्त तक चलता है।
60 साल तो उम्दा होगा, बल्कि उम्र हो सारी ही।
शर्त बृहस्पत[A] इतनी करता, होवे पर-उपकारी भी।
मंगल गर हो चोथें बैठा, शनि जलावे 9वें को।
फूँक-फूँक कर दुनिया सारी, खुद प्लेगी चूहा हो।

मकानो व मुसाफिरों के सामान की तालीम देने में कामयाब मर्द होगा। हमदर्द व सख़ी होगा। घर में गड़ा हुआ पत्थर उम्दा उत्तम और नायाब क़िस्मत का सबूत होगा। अब चंदर की ख़ाना नंबर 3 की दृष्टि का न कोई बुरा असर होगा। मगर राज दरबार की पहाड़ पर कछुए की चाल चढ़ने वाला होगा। अगर पेशानी या पुष्त-ए-पा पर ज्यादा बाल हो तो

A ख़ाना नंबर 9 का मालिक।

मन्दभाग होगा। अगर ख़ुद बदला लेना वर्ना औलाद को बदला लेने की नसीहत करके मरने वाला हो तो माड़ा शाह व मन की दलीलें होगी। घूमता पत्थर (ROLLING STONE) होगा। जबकि सनीचर बहैसियत पापी ग्रह बैठा होवे, जिसका सबूत राहु केतु का किसी न किसी तरह से आ मिलने का होगा। बहरहाल भारी कबीला व जायदादों का मालिक होगा।

स्त्री भाग (शुक्र) में हर तरह से उत्तम मगर चंदर (माता) भाग में मंदा असर देगा, जिसके लिये भी बृहस्पत का उपाओ मददगार होगा या माता पिता के बैठे (जो अमूमन लम्बी उम्र के होते हैं) न कभी मंदा हाल होगा। मगर बादअजाँ गड़े पत्थर का सहारा ज़रूर कारआमद होगा वर्ना सांप की तरह उसे हर एक लकड़ी से मार देने को तैयार होगा। गो आख़िर पर न किसी के जेरबार होगा। नीज शनि ख़ाना नंबर 3 भी देखे।

शनि ख़ाना नंबर 10 (पक्का घर, घर का)

ग्रह फल का, क़िस्मत को जगाने वाला। मगरमच्छ,

सांप। सनीचर के जाती असर का घर।

10वें शनि हो जब आ बैठा, शेषनाग सिंघासन हो।
नजर ग्रह सबकी का मालिक, उम्र बढ़ाता पिता की हो।
बृहस्पत की करवाये सेवा, दुनिया गुरु को पूजेगी।
राजसभा सब शादी अन्दर, पहले गणपति मानेगी।
ख़ुद सनीचर उत्तम होगा, धन दौलत शाहाना हो।
हथियारों से हत्या करनी, बरस 27 मन्दे हो।

जनम कुण्डली में ख़ाना नंबर दस का सनीचर मन्दर्जा जैल सालो में चारो तरफ़ मार करता है और सनीचर बृहस्पत मुश्तरका फ़कीर की झोली का असर देगा, जिसका फैसला ख़ाना नंबर 11 के ग्रह करेंगे और कुण्डली ये खास ही होगी।

3 - 9 - 15 - 21 - 27 - 33 - 39 - 45 - 51 - 57 - 63 - 69 - 75 - 81 - 87 - 93 - 99 -105 - 111 - 117 (दूसरे सफे पर)।

एक जमा सिफर = 10 या दसवाँ द्वार आखिरी मैदान - सब की क़िस्मत गणेश जी की तरह उत्तम फल देगा। पिता का कम-अज-कम 24-48 साला उम्र तक साथ होगा। चारो तरफ़ को मुड़ जावे, सब ग्रहो की नजर का मालिक होगा।

लाल किताब के विद्यार्थी

शनि ख़ाना नंबर 11 (घर का)

ग्रह फल का। लोहा। बहैसियत हलफ उठाये हुये

सिर्फ़ राहु (ससुराल), केतु (औलाद) के कामो

या क़िस्मत के नतीजे की क़िस्मत का मालिक।

11 शनि है बैठता, बृहस्पत के दरबार।
हलफ गुरु से पहले लेवे, फैसला हो देर-बाद।
ख़ुद शनि अब याद करके, दूध अपनी माता का।
ख़ुद तरे सब को वो तारे, जहर है नहीं उगलता।
राहु केतु जैसे होवें, फैसला इन पर करे।
तारें ख़्वाह वो मारे मर्जी, नाग रक्षा ही करे।
मियाद ऐसी इनकी होगी, साल 48 ही तक।
ख़ुद शनि फिर मदद देगा, साल 84 ही तक।
ग्रह उत्तम को वो बढ़ा कर, जल्दी जल्दी ख़ुद बढ़े।
सिर्फ़ बुध से है वो डरता, ता न हो घर तीसरे।
शनि 11 ख़ुद घड़ा है, बुध मगर उल्टा घड़ा।
सिर्फ़ इतना ही नहीं बुध, घूमता कच्चा घड़ा।

शनि बृहस्पत 11 राशी, बुध से दोनो चलते है।

बुध दबाया हो या मंदा, दोनो निष्फल जाते हैं।

अगर मूँछ डाढ़ी के बाल कम हों तो ख़ुद पैदा करदा जायदाद न होगी तो केतु (औलाद) की आमदन बर्बाद होगी। दृष्टि ख़ाना नंबर 3 अगर ख़ाली हो तो सनीचर सोया हुआ होगा। भरा हुआ पानी का घड़ा तो क़िस्मत का बेशक होवे मगर बरतावा तो गुरु बृहस्पत ही होगा यानि इसकी क़िस्मत का फैसला बृहस्पत के हाथ होगा। अगर बृहस्पत भी निकम्मा हो या बाप, बुजुर्ग, गुरु या पीराना साल बूढ़ा कोई साथी न हो तो बृहस्पत का उपाओ मददगार होगा। ख़ाना नंबर 3 का ग्रह क़िस्मत को जगाने वाला होगा, जिसके ज़रिये वो होशियार आँख और फरेब से धन कमावे। जनाह, अय्याश, शराबखोरी से सनीचर का नेक असर जाया होगा। चंदर की मदद या पूजना से (चाँदी की ईंट) आली मर्तबा धनाड होगा।

शनि ख़ाना नंबर 12 (गृहस्ती परिवार)

मसनूई ताँबा, मछली, तख्तपोश, बादाम, सिर पर टटरी। जमीन में लाल फूल दबाना (जब सूरज नंबर 6 हो) मुबारक होगा।

शनि बैठा जब घर आ 12, राहु केतु नहीं बोलते हैं।
कागज उन्हों के हुये हैं फर्जी, मदद बुध की ढूँढते हैं।
बुध खुद अब कहीं हो बैठा, बैठता चुपचुपाती है।
शेषनाग प्रबल है बैठा, खेलता वो परिवार में है।
खेल तमाशा उम्दा होवे, अँधेरा जब तक न घटे।
सूरज बैठे न आ 6वें, न पिछली दीवार फटे।
मच्छ-मुआविन दोनो रेखा, पद्म छुपा भी पाया हो।
झूट शराबी गर वो होवे, असर शनि का जाया हो।

गृहस्ती साथी कीड़ो के भौण की तरह बे हद कबीला बन जायेंगे और अपनी अपनी खुराक साथ लायेंगे। सिर पर टटरी हो तो दौलतमन्द ज़रूर होगा। जब तक सूरज नंबर 6 में न हो कोई उपाओ ज़रूरी न होगा।

अगर अँधेरा हटा कर (पिछली अँधेरी कोठड़ी जो मकान में दाखिल होते वक्त दायें हाथ की तरफ़ की स्याह पूरी होती है आख़िर पर) रोशन हो चुकी हो तो उस मकान के जनूब-मशरिकी गोशा में (मकान कुण्डली ख़ाना नंबर 12) बादाम तै जमीन में दबाना सनीचर को क़ायम रहने में मदद देगा। सबसे बेहतर तो है यही कि पिछली दायीं कोठड़ी को पूरी अंधेरी स्याह ही रखा जावे।

लाल किताब के विद्यार्थी

راہو آسمان کی چوٹی اور سمندر کی تہ دونوں نیلے رنگ ملا دینے والا مست ہاتھی۔ زندہ پنج قیمت ایک لاکھ۔ مردہ اونچ۔ قیمت سوا لاکھ۔ جس کا کوئی رنگ نہ ہو۔ یا جو ہر ایک رنگ

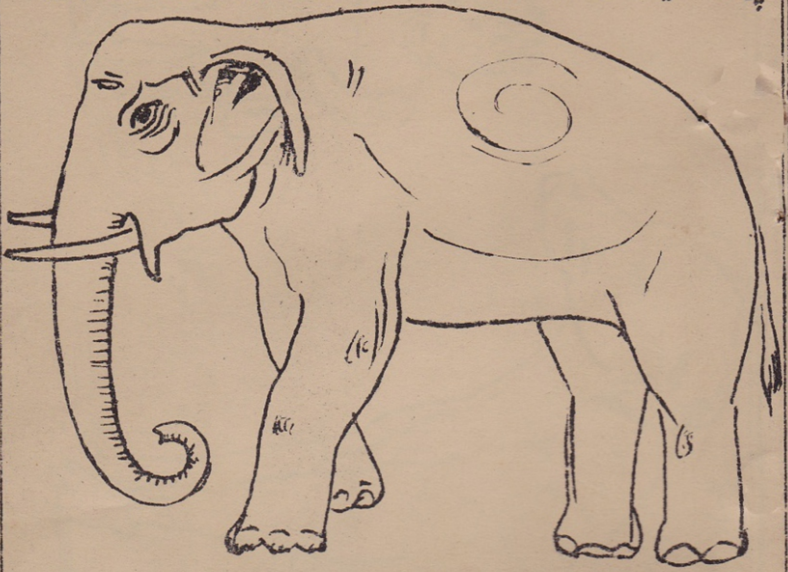

میں بدل سکے۔ نقشہ میں نیلا رنگ ہوگا۔

राहु - रहनुमायें गरीबां (मुसाफिरां)

राहु मालिक है लहर दिमागी, बिजली कड़क भी होता है।
रंग शाम या नीला उसका, काम चमक के करता है।
शनि मंगल का हाथी होवे, पद्म, शर्म भी बनता है।
चंदर को ये मद्धम करे तो, ग्रहण सूरज का होता है।
गुरु के साथ धूआँ हो तकिया, बुध को उड़ता करता है।
रहे शुक्कर का शत्रु हरदम, सरदार केतु हो चलता है।
भोंचाल आतिशी जिस दम होवे, ख़ून अचानक करता है।
गर्मी सूरज से और भी बढ़ता, ठण्डा चंदर से होता है।
हड्डियां पुष्त या सीना मर्द की, हाथ के नाख़ून होता है।
आँख, चश्म, आवाज हो हाथी, फैसलाकुन राहु होता है।
शमशान[नं8] बैठे आसमान[नं12] है उड़ता, ऊँच पाताल[नं6] में होता है।
मंगल कुण्डली बैठे 12, ख़त्म राहु हो जाता है।
अस्ल बैठक गुरु-मन्दिर[नं2] होवे, 11 गुरु को मारता है।
सूरज को घर 5वें तारे, कसम पाप चोथें करता है।

सूरज बुध मुश्तरका नंबर 3 हों तो राहु का कुण्डली में मंदा फल न होगा।

राहु ख़ाना नंबर 1 (राशी फल का)

ठोडी, नाना-नानी। सूरज का उपाओ मददगार होगा। ग्रहण दो साल, महादशा 18 साल।

राहु पहले तख़्त पर तो, तख़्त थर्राने लगा।
सूरज बैठा जिस हो घर में, ग्रहण वां आने लगा।
बिगड़ा ख्याल उसका धन कर्जा कर दिया,राहु चढ़ा दिमाग पर चर्खा उल्ट गया।
साल मन्दे 18-20, शर्त ये राहु की है।
दान रक्षा सबने माना, रवि की चीजों से है।

सामने घर का हाल (राहु की चीजों में) मंदा होगा। तबदीली होगी मगर तरक्की की शर्त नहीं। शुक्र बुध या दोनो में से कोई एक भी उम्दा होवे तो राहु के ग्रहण या तबाही के नुक़्सान से बचाओ रहेगा मगर फर्जी अंधेरा फिर भी होगा। ख़ुद अपने दिमाग की शरारत बाइस-ए-खराबी हो। मालिखूलिआ भी हो सकता है। बिल्ली की जेर (झिल्ली) गन्दुमी कपड़े में मुबारक होगी।

राहु ख़ाना नंबर 2 (ग्रह फल का)

हाथी के पांव की मिट्टी, सरसो, ससुराल,

कच्चा धुआँ। जब शुक्कर के ख़िलाफ़ चले चाँदी

की गोली मददगार होगी।

राहु केतु(दूजे-8वें)/(8वें-दूजे) घूमती ग्रहचाल हो।

(सोना-मिट्टी)/(मिट्टी-सोना) दोनो ढंग का हाल हो।

झूलता पंघूड़ा क़िस्मत, ठहरता वो है नहीं।

रोके गर तो चंदर रोके, रुकता घर वो है नहीं।

राजा हुक्मरान होवे पर न मन्दी गुज़रान होवे। बल्कि उम्र लम्बी का ज़रूर साथ होवे। अगर धर्म मन्दिर भी हो तो हाथियो का अस्थान और हाथियो की खुराक देने की क़िसमत हिम्मत का साथ होगा।

राहु ख़ाना नंबर 3 (ऊँच)

तेन्दुआ जुबान, जो (अनाज), रिश्तेदार (स्याह रंग), हाथी दांत गैर मुबारक।

राहु तीजे त्रैलोकी के, शत्रु दुश्मन नाश करे।
धन दौलत हो औरत सुखिया, रवि आयु प्रकाश करे।
तरक़्क़ी की शर्त है, तबदीली की शर्त नहीं।

रईस, जायदाद वाला होगा। दुश्मनो पर तलवार होगा। अगर कोई भी ग्रह साथ या साथी हो तो केतु (औलाद) का हाल मंदा होगा, जिसका बुरा असर 34 साला उम्र तक रहेगा। अगर सूरज बुध मुश्तरका भी राहु के साथ ही नंबर 3 में हो तो राहु का सूरज (राजदरबार, ख़ुद इसका जिस्म) पर तो बुरा असर न होगा। मगर इसकी बहन का सूरज (खाविन्द, राजदरबार वगैरह) मंदा व बर्बाद होगा, जिसके लिए चंदर का उपाओ बहन को मददगार होगा। नीले आसमान व नीले समंदर की दरमियानी

जगह के सब दुश्मनो को कैची की दो शाख़ी की तरह दबा कर एक ही दम में काट देगा। गहरी हथेली का मालिक या जायदाद व रुपये जमा छोड़ कर मरने वाला होगा मगर लावल्द न होगा।

लाल किताब के विद्यार्थी

राहु ख़ाना नंबर 4

ख्वाब या ख्वाब का जमाना, धनिया, सोया दिमाग।

राहु केतु घर चौथे, माता चंदर से डरते हैं।

तारें उसे न तारें मर्जी, कसम पाप की करते हैं।

ग्रहण हुआ जब माता घर में, माता ख़ुद शर्माती है।

निस्फ उम्र तक पानी डूबे, धन दौलत भी डरती है।

पहली उम्र गर मन्दे होवें, दूजे चक्कर वो अच्छे हैं।

ग्रहण गुजरते* दोनो भाई, लेखा पूरा करते हैं।

इल्म-व-अक़्ल का तो ज़रुर साथ होगा और फायदा लेगा मगर जद्दी जायदाद (चंदर का असर, जमीन खेती वगैरह) कम ही होगी। राहु का बुरा अर्सा फिक्र-व-गम में गरक होगा जिसके दूर होते ही सब कुछ बहाल होगा मंदा जमाना मानिन्द ख्वाब होगा।

* केतु ग्रहण एक साल

राहु ग्रहण दो साल

दोनों मुश्तरका (3 साल या 3 साला उम्र

राहु ख़ाना नंबर 5

छत, औलाद का सुख व तादाद उम्र।

राहु गिना गर धुआं है भट्टी, घर 5वें हो दिया न बत्ती।

21 साला जो लड़का होवे, बाबा रहे तो न पोता होवे।

उम्र 42 एको होवे, गर न होवे ससुराल न होवे।

सूरज गर वां पहले होवे, फल राहु का उम्दा होवे।

चंदर ही गर साथी होवे, भोंचाल राहु का ठण्डा होवे।

गर न होवे माता न होवे, गर होवे मच्छ रेखा होवे*।

ब्रह्मशनास व आबिद होगा या लक्ष्मी पर हाथी का साया होगा। चंदर के इलावा अगर मंगल सनीचर का साथ हो जावे या सूरज ही मुश्तरका दीवार के साथ के घर होवे तो तादाद औलाद पर बुरा असर न होगा। बड़ा भाई मच्छ रेखा का मालिक, उससे छोटा मगर ख़ुद से बड़ा औलाद में सिफर होगा और ख़ुद वो 5 लड़कों का बाप होगा। सबके सब बड़े भाई से लेकर नीचे औलाद तक शाहाना हालत और राजयोग।

* वास्ते सिर्फ़ तादाद औलाद

होगे बशर्ते कि राहु (दहलीज) उम्दा बल्कि चाँदी की (सारी दहलीज के नीचे चांदी की पत्तरी जो किसी तरफ़ से भी गोलाई पर न हो) मौजूद हो और दकन के दरवाजा (बड़ा दरवाजा) का साथ न हो, वर्ना राहु का वही कच्चा धुँआ होगा जो इसका ज़रूर धुँआ निकाल देगा या जेरबार करके तबाही का धक्का लगाता जायेगा।

बर्षफल में राहु नंबर 5 का मंदा असर अगर उसकी औलाद पर न हो तो पोते पर ज़रूर मंदा होगा।

अगर सूरज या चंदर या मंगल ख़ाना नंबर 4-6 या 12 में हो तो तादाद औलाद नर 5 से कम न होगी।

राहु ख़ाना नंबर 6 (ऊँच)

काला कुत्ता (पूरा काला व स्याह) क़िस्मत को जगाने वाला।

राहु 6वें ऊँच है, केतु ऊँच है 12।
फल दोनों का है वही, जो शनि घर 12।
पापी ग्रहो का मेल है, कुत्ता पूरा काला।
पाताल नीचे से वो पर्बत होवे, 9 ग्रह राशी 12।

तरक्की की शर्त है तबदीली की शर्त नहीं। ख़ुद अपनी व ससुराल की क़िस्मत मानिन्द कौस-व-कजाह होगी। दुश्मनो के मुकाबला में वो निहायत ही गहरी पाताल की तै को फौरन एक निहायत ऊँचा पहाड़ कर दिखावे। दिमागी ताल्लुक में राहु का फल उम्दा होवे मगर इसके घर में चचा उठे भतीजा बैठे। दीवान ख़ाना क़ायम रहे की तरह बीमारी का साथ ज़रूर रहे, जब तक कि वो मंगल से दूर रहे। स्याह शीशे या सिक्के की गोली (गोल चीज) मुबारक होगी।

राहु ख़ाना नंबर 7 (राशी फल का)

सट्टे का ब्योपार। सनीचर का उपाओ मददगार (नारियल)।

बुध शुक्कर का तराजू।

राहु 7वें तुला भी उल्टे, औरत मन्द परिवारां।
दौलत का वो राखा होवे, खावें दोस्त यारां।
शनि देव ही रक्षा करेंगे, शत्रु मरें दरबारां।
मच्छ रेखा फल उत्तम देवे, बुध शुक्कर 2-11।

ख़ुद अपना ख़ून मात-पिता और औरत वगैरह गृहस्ती साथियो (जानदारों) का मंदा असर होगा। जिसके जेर-ए-साया रहे वही दरख़्त बर्बाद हो या लावल्द होवे। केतु (कुत्ते) का ताल्लुक बाइस-ए-तबाही होगा वर्ना गिनती का मालदार होगा। लेकिन अगर पेशा भी राहु का होवे तो दरजहां ही न होगा। (36 साला उम्र तक)

राहु ख़ाना नंबर 8 (पापी हैडक्वार्टर में)

मर्ज झोला, मालिखूलिआ, दीवार की अंगीठी का धुआँ।

राहु घर 8वें में होवे, घोड़ा चढ़े घर छत्ता।
क़िस्मत की दो पलटी होवे, दीवारें खड़ी बिन छत्ता।
28 साला गर मंगल आवे, या शनि ख़ुद फेरा पावे।
सोया नसीबा पकड़ जगावे, घर उजड़े आबाद करावे।

ख़ुद जाती ख्याल के मन्दे नतीजे व खोटे काम हो। मौतें 5 साल साथ रहें। घूमती ग्रह चाल हो। चांदी के चोकोर टुकड़े के उपाओ से हाथी (राहु) अपने तवेला (हैडक्वार्टर) से बाहर आकर अपनी नेक-व-बद तबीयत व नीयत का सबूत देगा।

दकन का दरवाजा या दक्खन की दीवार में चूल्हा (धुँआ मंदा सबूत देगा) लेकिन अगर इसमें सबसे बड़ा या कारकुन स्याह रंग होवे तो नेक फल होगा।

राहु ख़ाना नंबर 9 (नीच)

दहलीज, नीला रंग। सूरज ग्रहण (राज दरबार) पूरा

और मंदा और चंदर के लिये निस्फ ग्रहण होगा।

धुंडी से ऊपर की बीमारियाँ।

राहु 9वें जब हुआ, चुप बृहस्पत हो।

धर्म छोड़ खर्चा करे, औलाद में देरी हो।

उम्र 21 लड़का मिले, हो बाद 42 दो।

पोता जब 21 करे, बृहस्पत वां न हो।

भाई बहन से गर लड़े, मन्द नसीबा हो।

चूल्हे अग्नि उस बुझे, कच्चा धूँआ हो।

पागलो को दम में शिफा देगा, सरसाम को फूँक से ही हटा देगा।

हकीकी भाई बहनो से इत्तफाक़ पर बरकत होगी, वर्ना लावल्दी का पूरा सबूत होगा। कर्म धर्म से दूर हो तो औलाद निकम्मी, नालायक या न ही हो मगर सनीचर के मुतल्लका कारोबार से मंदा असर न हो।

लाल किताब के विद्वान

राहु ख़ाना नंबर 10 (शक्की)

गन्दी नाली, गरकी (गन्दे पानी का गढ़ा तालाब)।

घर 10वें में तीन ग्रह ही, चलते शनि से हैं।
राहु केतु और बुध तीसरा, तीनो शक्की हैं।
घर 10वें में राहु बैठा, चंदर होवे चार।
सिर उसका फट जायेगा, मन्दी सोच विचार।
गर टेवा कोई अन्धा होवे, हाथी अन्धा हो।
गैरों से वो डर कर भागे, मारता कुल ख़ुद अपनी हो।
शनि अगर वां उत्तम होवे, हाथी शेर शिकारां।
दुश्मन उससे कोसो भागें, उम्दा हो गुलजारां।
कम नजर या कम उम्र होगा, अगर मंगल का साथ न हो।

नंगा सिर स्याह लिये फिरना राहु की मन्दी हालत का पूरा सबूत होगा। मन्दे वक्त मंगल का उपाओ मददगार होगा।

राहु ख़ाना नंबर 11

नीलम।

हलफ से जो बात करते, है यकीन होता नहीं।
राहु 11 आ जो बैठे, बृहस्पत वां होता नहीं।
बृहस्पत भागे पापी भागें, भागता संसार है।
शनि गर हो तीजे 5वें, योगी आलंकार है।
एक से ग्यारह हुये तो, पापी होगे आप से।
धन न चाहें मां से अपनी, न ही लेंगे बाप से।
6 ग्रह ही मुर्दा होवें, पापी यहां मरते नहीं।
जिस को तारें पूरा तारें, धोका वो करते नहीं।

बृहस्पत क़ायम रखना ज़रूर होगा। जो अमूमन होता ही नहीं वर्ना कर्जा खड़ा और धन दौलत बर्बाद होगे और केतु (औलाद भी) मन्दे दरवेश की तरह मंदा और कम कीमत होगा या 36 साला उम्र तक वो सिफर होगा।

राहु ख़ाना नंबर 12 (नीच)

पक्का घर व ग्रह फल का (मंदा)। कोयले, हाथी,

समंदर का तेन्दुआ, खोपडी।

6 में राहु कौस-ओ-कजाह था, 12 में वो धुँआ है।
लकड़ी[सनीचर] मीठी पवन[बृहस्पत] भी मीठी, असर मगर अब बुरा ही है।
राहु बैठा बारहवें जब, शुक्र हो घर ग्यारह।
कन्या उस घर बहुत हो, और धन भी उसी रफ़्तारां।
मंगल भी घर 12 होवे, राहु ख़त्म हो जाता है।
हाथी महावत दोनो मिलते, सामान शाही हो जाता है।

कच्चा धुआं मगर क़िस्मत के असर में कोई काम की आग न होगी, अगर होगी तो न सिर्फ़ खर्चा हाथी का होगा बल्कि गृहस्ती सुख में हाथी की मन्दी लीद पड़ती होगी। मुकद्दमात फौजदारी व गबन, हसद व झगड़े आम होगे। लड़कियो की ज्यादती और बाइस खर्चा ज़रूर होंगी।

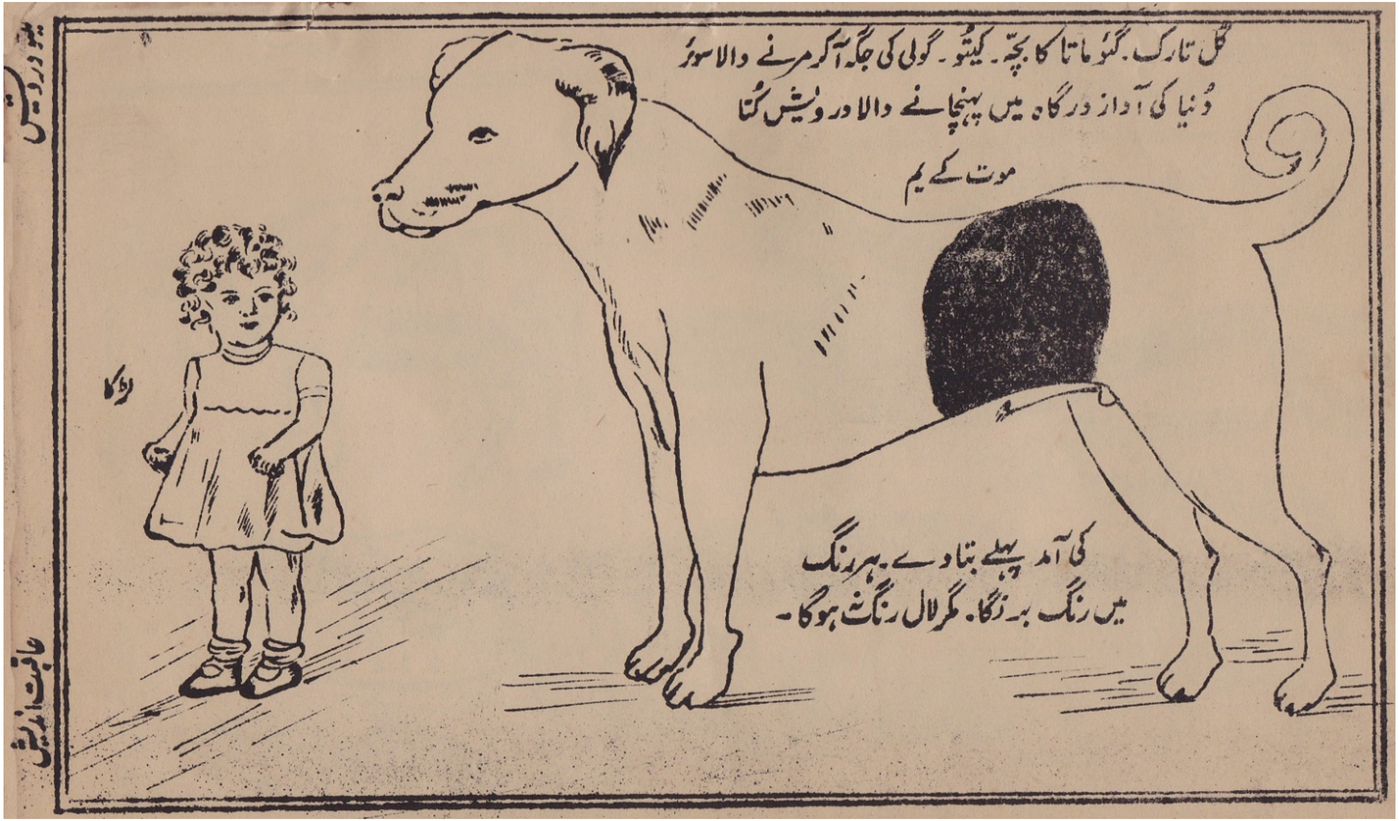
بیتو درویش
عاقبت اندیش
گل تارک. گئو ماتا کا بچہ. کیتو. گولی کی جگہ آکر مرنے والا سور
دُنیا کی آواز درگاہ میں پہنچانے والا درویش کُتا
موت کے یم
کی آمد پہلے بتا دے. ہر رنگ
میں رنگ بہ رنگا. مگر لال رنگ نہ ہوگا۔
ریگھا

केतु दरवेश (आकिबत अंदेश)

केतु छलावा है चलो चली का, पापी बुरा ही होता है।

मरे न ख़ुद वो मरने देवे, चारपाई नहीं छोड़ता है।

ग्रह जब तक कोई एक हो चलता, केतु चला ही चलता है।

रवि को गर वो मद्धम करे तो, ग्रहण चंदर को करता है।

केतु मिला जब शनि मंगल से, ऐसा बुरा नहीं होता है।

साथी मगर जब तीसरा होवे, फल तीनो ही का मंदा है।

गुरु मिले तो सबसे उत्तम, माता मिले ख़ुद मंदा है।

बुध मिले ख़ुद दुष्ट कहावे, मदद शुक्र की करता है।

पाताल पक्का घर 6वां होवे, नीच वहां ये होता है।

घर 12 आसमान पे चढ़ के, दुनिया से ऊँचा होता है।

पहले घरो में केतु जो होवे, गुरु मंदा हो जाता है।

उल्ट अगर हो टेवे बैठे, भला चंदर नहीं होता है।

चंदर अगर बद-मंगल रोके, केतु मंगल बद करता है।

बुध केतु दो बाहम लड़ते, बद मंगल भी डरता है।

कुत्ता बने केतु दुनिया के कुत्ते, लड़का आसन गुरु होता है।

शत्रु ग्रह घर जब ये झगड़े,   नष्ट सभी का होता है।

राहु पाप गर खुफिया होवे,   केतु ज़ाहिरा ही चलता है।

शारह-आम में दोनो मिलते,   मार दो तरफ़ी करता है।

मकान गली का आखिरी होवे,   औरत जात पर पड़ता है।

हवा चलेगी भूत-प्रेती,   बच्चों पे हमले करता है।

शनि की माता बच्चे खावे,   कुतिया कोई बच्चे खाती है।

बच्चा अगर कभी एक ही होवे,   नस्ल क़ायम हो जाती है।

चाल राहु की टेढ़ी गिनते,   सीधी केतु नहीं होती है।

बुध ने पकड़ा पाप है दुनिया,   मदद चंदर से होती है।

कान, पीठ, गर्दन या पांव,   नाख़ून भी उनके होता है।

रफ्तार गोलाई या बल गर्दन पर,   फैसलाकुन केतु होता है।

केतु ख़ाना नंबर 1

टांग, नानका घर, हवा-ए-बद, धुन्नी से नीचे

के हिस्सा में बीमारियां।

केतु जब घर पहले आवे, जनम[A] मुसाफिर-खाने पावे।
जिधर जिधर वो कदम धरेगा, मिट्टी उड़ती साथ।
बाओ-बगूला तूफानी बने वो, मारेगा घर छह सात।
पापी ग्रह तीनो गिने, केतु भी बदनाम।
जो मारे न जान से, मिट्टी गर्द-ओ-आम।
न इधर मारा, न उधर मारा।
हो अगर मारा, जनम अस्थान ही मारा।

A - जद्दी मकान के इलावा, नानके -दादके, सफर, मुसाफिरी वगैरह।

जिस घर में जनम लिया वो मकान न होगा। जिस रिश्तेदारों के यहां पैदा हुआ वो ख़ानदान न रहा, फिर भी रहा तो मामूं ख़ानदान ही न बाकी रहा, अगर रहा तो स्त्री सुख व औलाद ताल्लुक़ भी हल्का रहा। मगर सूरज बैठा होने वाले घर का असर

और ख़ुद सूरज का ताल्लुक हर तरह से नेक रहा, बेशक सूरज किसी भी घर और किसी भी हालत में हो बैठ रहा। जब बाप की क़िस्मत मंदी हो तो ऐसा लड़का क़िस्मत में ज़रूर मदद देगा और बाप को ज़रूर तार देगा, हालांकि सूरज केतु बाहम दुश्मन हैं। केतु कुत्ता अगर हड़काया भी होवे, तो भी अपने मालिक, बाप, वली या सरपरस्त को ज़रूर ही छोड़ देगा।

लाल किताब के विद्यार्थी

केतु ख़ाना नंबर 2 (ग्रहफल का)

इमली, तिल।

केतु दूजे गोबर गाय, ब्रह्म गुरु अस्थान हो।

माता को बेशक न तारे, औरत का अभिमान हो।

घूमती क़िस्मत सही, पर नेक और बहबूदा हो।

सफर इसको बहुत लिखे, हुक्मरान आसूदा हो।

हर नया सफर तरफ़ की तबदीली पर होगा यानि पहले अगर जनूब को जावे तो फिर वापिस मगर मग़रिब में ठहरे फिर मशरिक़ में आवे। बहरहाल तबदीली की शर्त ज़रूर होगी मगर तरक्की की शर्त नहीं।

सख़ी-सरवर, सफर और तबदीली मुकाम का मालिक होगा (नेक मायनो और नेक असर में)। बृहस्पत गुरु या सोने की नकल करेगा या नकली सोने की तरह की क़िस्मत होगी। (उम्दा हालत में)

लाल किताब रविशास्त्री

केतु ख़ाना नंबर 3 (नीच)

रीढ़ की हड्डी, केला (फल), फोड़े-फिन्सी।

चलते पानी में चंदर सूरज मुश्तरका की चीजें डालना मुबारक होगा जबकि सफर में धकेले या बृहस्पत की चीजें जब फोड़े गुमड़े पैदा करे।

केतु घर जब तीजे आवे, भाइयो से वो तंग करावे।
औरत घर ससुराल हो मंदे, सालियां बेवा पड़ेंगी पल्ले।
केतु तीजे मंगल 12 मच्छ, मुआविन दोनो ताराँ।
24 साला में उत्तम होवे, या जब लड़का पहला होवे।

कानो में सोना (नन्तियाँ) मुबारक होगा।

नेकी को याद रखने और बदी को भुला देने वाला ख़ुद-ब-ख़ुद बिन बुलाये मदद के लिये आ हाजिर होने वाला शख्स होगा। बुध (लड़की जात) का बुराफल होगा। उलझन में जकड़ा हुआ दरवेश होगा या बिला वजह औरत से जुदाई का सबब भी होगा। भाईयो से दूर परदेस की जिन्दगी या भाई इससे दूर परदेस में होगे।

केतु ख़ाना नंबर 4 (राशी फल का)

सुनना (कानो का ताल्लुक) बृहस्पत का उपाओ मददगार होगा। चांद ग्रहण होगा (एक साल मियाद)।

केतु चोथे जब हुआ, कुत्ता कुएं में हो।
न चंदर ख़ुद अच्छा रहा, न केतु उम्दा हो।
गुरु उपाओ गर करे, दोनो दुख हो दूर।
कुल उसकी चलती रहे, माया मिले ज़रूर।

लड़कियां ज्यादा मगर इस्तकलाल का आदमी होगा। नर औलाद का मंदा ही हाल होगा पर ख़ुद न कभी वो तंग हाल होगा। ये सब केतु की उम्र का हाल होगा।

केतु ख़ाना नंबर 5

पेशाबगाह।

केतु घर है पांचवें, रवि गुरु के घर।

जैसा हाल बृहस्पत होवे, वैसा ही केतु घर।

गर शर्तें न पूरी होवें, 24 बाद[*A] ज़रूर।

दुख दलिद्दर सब कुछ बदले, बदले हाल ज़रूर।

वजह फ़र्क घर 9 में होगी, नजर न भूले जो।

फल[औलाद] कड़वा तब ही हुआ, जड़ में आक[सनीचर] जो हो।

अगर बृहस्पत मंदा हो तो 45 साल उम्र तक घर में नर औलाद की जगह कुत्ते के रोने की आवाज आयेगी या औलाद को दम (दमा) की तकलीफ होगी। अगर सनीचर का भी ताल्लुक़ हो जाये तो जड़ (3 नर औलाद) नष्ट होगी, जो सनीचर की उम्र (36 साला) में बहाल होगी। बृहस्पत उंच क़ायम या उम्दा हो तो केतु का फल उम्दा मगर ख़ुद बृहस्पत का मंदा होगा। बृहस्पत, सूरज या चंदर 4, 6, 12 में हो तो नर औलाद 5 से कम न होगी।

*A लड़के की उम्र मगर सनीचर से पहले।

केतु ख़ाना नंबर 6 (पक्का घर, नीच)

ग्रहफल का, घर का, पूरा चंदर ग्रहण, खरगोश,

चिड़ा (चिडि़या का नर), परदेस, पूजा अस्थान।

केतु 6वें नीच है, दुश्मन जेर ही हो।
माता, मामुं हो मन्दे, पर ख़ुद न मंदा हो।
गर मन्दे ग्रह हो सभी, केतु[लड़का] मदद करे।
बुध[लड़की-बहन] से न झगड़े कभी, न शुक्र[औरत] मदद करे।
केतु की चीजों पे केतु[लड़का] मंदा, पर मंदा न दूसरो पर।
ग्रह दूजा कोई साथ ही होवे, ख़ुद मंदा बुरा दूसरो पर।

सोने की अंगूठी बायें हाथ में मुबारक होगी।

वक्त मुसीबत शेर का जाल काट कर छुड़ाने वाला मामा मूसा होगा। अगर बृहस्पत उत्तम हो तो नर औलाद व धन दौलत की आमद पर आमद होवे, वर्ना काट खाने वाला कुत्ता होगा।

इस घर में ये शुक्र की भी मदद नहीं करता और न ही मामूँ ख़ानदान पर मेहरबान होगा, मगर बुध बहन से कोई झगड़ा नहीं करता।

केतु ख़ाना नंबर 7

दूसरा लड़का, सूअर, गधा।

केतु जब घर 7वें आवे, दुश्मन वो सब मार हटावे।

कुत्ता राज बैठा लिया, मुड़ चक्की चट्टण जा।

24 साल ही गुजरते, धन 40 साला आ।

सामने घर का हाल मंदा (केतु की चीजों में) होगा।

$\frac{\text{लड़के की उम्र}}{\text{48 अर्सा केतु}}$ जरब 80 के कुल उम्र केतु $\frac{\text{साल की आमदन}}{\text{के बराबर का धन}}$ होगा।

अगर बुध (कलम) का साथ होवे तो 24 साला उम्र तक दुश्मन ज़रूर गले लगे रहें लेकिन बाद में वो सब को ही कुत्ते की तरह मार भगावे। धन जब आवे 40 साला बरकत व गुजारा साथ ही ले आवेगा।

केतु ख़ाना नंबर 8

कान (सुनने की ताक़त), छलावा, धोकेबाज।

केतु जब 8वें हुआ, पत्थर हो पिस्तान।
कुत्ता सोया छत पर, लड़का हो कब्रिस्तान।
मींह बरसे औलाद का, जब चंदर दूजे हो।
जब चंदर भी हो बुरा, चंदर पालन हो।

ख़ुद अपनी उम्र लम्बी होगी मगर केतु की उम्र (48 साला) तक औलाद से दुखिया या महरूम ही होवे। बहर हाल केतु का असर मंदा होगा या शेर की नींद वाला सोया हुआ कुत्ता होगा। दो रंगे कम्बल (स्याह सफेद) का टुकड़ा शमशान भूमि में दबा देना मुबारक (वास्ते औलाद) होगा अगर कोई और ग्रह भी नंबर 8 में मुश्तरका हो तो उस ग्रह की मुतल्लका चीज को भी कम्बल में बांध कर साथ ही दबाना होगा।

केतु ख़ाना नंबर 9 (ऊँच)

दो रंगा कुत्ता। घर में सुई हुई कुतिया

मय उसके बच्चे मुबारक होंगे।

केतु 9वें पिता को तारे, तारता नहीं वो मामूँ को।

औलाद तो होगी गिनती ही की, पर सुखिया व उम्दा हो।

मात-पिता घर दोनो तारे चंदर जब गुरु उम्दा हो।

जो ग्रह दोनो से रद्दी होवे, तरफ़ वही ही मंदा हो।

घर तीजे जब दुश्मन होवे, लड़का भी हो मंदा।

साल[*A] गुज़रे ग्रह 7वें के, होगा फिर वो उम्दा।

तरक्की की शर्त है तबदीली की शर्त नहीं। सूअर की बहादुरी और नेक कुत्ते की वफादारी दोनो सिफ़तों का मालिक होगा। औलाद नर ज्यादा 3 क़ायम होगी मगर हर तरह से मुकम्मिल और बा-आराम जिंदगी वाली होगी। गुज़रान परदेस में ज्यादा अर्सा होगी मगर नेक हालत में।

*A सातवें घर के ग्रह की उम्र की मियाद।

लाल किताब के फरमान

दौलतमंद होगा मगर ख़ुद दस्ती काम व अपनी ही हिम्मत से रौनक़ लेगा। लावल्दो को औलाद और नामर्द को मर्द करने में इसकी आशीर्बाद हुक्म बिधाता होगी। घर में सोने की चोकोर ईंट क़ायम रखना निहायत ही मुबारक होगा वर्ना कानो में सोना भी मददगार होगा।

लाल किताब के विद्यार्थी

केतु ख़ाना नंबर 10 (राशीफल का)

चूहा। फैसला सनीचर से होगा। मंगल का

उपाओ मदद देगा।

केतु घर 10वें का शक्की, कुत्ता लड़का मंदे।

मंगल ख़्वाह घर 10वें होवे, फिर भी दोनो मंदे।

शनि अगर घर अच्छे होवे, मिट्टी-सोना होवे।

बुरी जगह जब नाग जा बैठे, सोना-मिट्टी होवे।

अब उपाओ केतु होगा, या चंदर का पानी।

महल मकानाँ नीचे देवे, दूध शहद वो प्राणी।

अकेला हो केतु जब घर 10वें, मदद मंगल से होगी।

पर जब हो दो इकट्ठे बैठे, दया चंदर की होगी।

दौलतमंद तो ज़रूर होगा मगर अय्याश व बदफेल भी होवे। सनीचर का फैसला बता देगा कि पग 12 (मिट्टी से सोना बनता) और 3 काने (सोने को हाथ डाला तो मिट्टी हो गई) कब और कहां होगे। 45 साला उम्र में केतु का संभालना

एक कीमती चीज होगी यानि ख़ालिस चांदी का बर्तन शहद से भर कर पहले ही रख लेवे। 48 के बाद केतु का साथ (कुत्ता) मददगार होगा। केतु नंबर 10 और सनीचर नंबर 4 में हो तो 3 नर औलाद बेमायनी होगी जिसका इलाज वही है जो केतु नंबर 8 का है।

लाल किताब के विद्यार्थी

केतु ख़ाना नंबर 11 (राशीफल का)

कीमती दो रंगा (स्याह व सफेद) पत्थर। स्याह कुत्ते का
ताल्लुक सब से नेक होगा, केतु क़ायम रखना मुबारक।

केतु 11[*A] ग्यारह गुणा हो, धन दौलत हो उम्दा।
पर ख़ुद केतु[*B] शनि दोनों का, फल होगा ही मंदा।
जायदाद न उतनी होगी, जितनी ख़ुद बनावे।
बुध अगर न तीजे बैठे, केतु राज करावे।
गर बुध उसके तीजे आवे, केतु मारे चीखां।
क़िस्मत की दोरंगी होवे, रोवे अपने लेखां।

ऐसे टेवे में चंदरमां रद्दी होगा या माता न होगी। जद्दी जायदाद की निस्बत ख़ुद पैदा कर्दा जायदाद ज्यादा होगी। खूब आमदन का मालिक होगा मगर सनीचर (मकान) व ख़ुद केतु (लड़का) का अपना अपना फल मंदा होगा जिसके ताल्लुक में दलिद्दर और परेशानी होगी। मगर औरत के टेवे में ये सब उल्ट या हर हाल नेक व मुबारक होगा।

*A-मर्द के टेवे में ख़ुद अपना लड़का B-औरत के टेवे में दोहता

केतु ख़ाना नंबर 12

छिपकली, मुतबन्ना, क़िस्मत को जगाने वाला।

केतु बैठा जब घर आ 12, सुख गृहस्ती होता है।

शुक्र, केतु, शनि, बृहस्पत, फल चारो का उम्दा है।

ख़ुद बढ़े साथी बढ़ें, बढ़ेगा कुल परिवार।

मर्द माया की कमी न होवे, बढ़ेगें रिश्तेदार।

मंगल, राहु हसद करेंगे, लड़के तरफ़ों चार।

हर तरह से रक्षा होगी, फलें फूले गुलजार।

तरक्क़ी की शर्त है, तबदीली की शर्त नहीं। औलाद के वक्त से (या जब लड़का 24 साला हो जावे) दौलतमंद होगा। इज्जत व मान का सरोवर (चश्मा) होगा। नर औलाद कम अज कम तादाद में 6 होगी। अंगूठा दूध में डाल कर चूसना या अंगूठे का मुंह में रखना तमाम गृहस्ती ताल्लुक़ में मुबारक होगा। घर में कुत्ता दो-रंगा (स्याह-सफेद) मुबारक होगा।

बृहस्पत सूरज

अकेला गुरु जगत बाबा जो होवे,बाप रवि से वो कहलाता है।

रवि गुरु जब इकट्ठे हो बैठे,   बाप बेटा हर दो मिल जाता है।

क़िस्मत हर दो एक ही होवे, मिले दोनो चंदर ही बन जाता है।

घर6वें 7वें वोहैं राशि फल के, इकट्ठो से ऋण पितृ हो जाता है।

दुनिया की रूह का रवि होये मालिक,तो मालिक गुरु जगत हो जाता है।

दोनो इकट्ठे हो साँस रुहानी, जहाँ दोनो त्रैलोकी हो जाता है।

गुरु बाप बनता तो सूरज हो लड़का,भाग मुश्तरका दोनों का हो जाता है।

बने एक राशि तो दूजा ग्रहफल,लिखत वां बिधाता बदल जाता है।

तरफ़ पहली बैठा या बालिग[*A] जो होवे,असर उसका प्रबल ही हो जाता है।

अकेल अकेले हो बेशक वो मन्दे,असर नेक दोनों का हो जाता है।

दुश्मन ग्रहो या घर मन्दे मारे, या टकराते बाहम वो टेवे में हो।

फल दोनो का हो कभी भी न मंदा, बैठे ख़्वाह बेशक वो कहीं ही हो।

ज्ञान अक़्ल या हवा रोशनी तो,   राजा योगी भी होते हैं।

फल दोनों का हो उत्तम अपना,   दुखिया मामूँ को करते हैं।

*A उम्र की बजाय बलिहाज असूल बालिग टेवा।

रवि गुरु होते हैं विष्णु ब्रह्मा,तो भाग उदय उसका कहलाता है।

दोनो अगर हो कहीं कभी न मिलते, जनम मंदा उसका ही हो जाता है।

इंसाफ बुजुर्गी उम्र के मालिक, दुश्मन से घबराते हैं।

सात साल की महादशा में, वो केतु को मरवाते हैं।

चंदर को जब दोनो देखें, खुश्क कुएँ भर आते हैं।

माता हो उनकी बेशक अन्धी*B, पिस्तान हरे हो जाते हैं।

शनि अगर दोनो को देखे, इक दम ही सो जाते हैं।

शेर गरजता, सोना दमकता, दोनो ही जल जाते हैं।

बामुक़ाबिल हो कभी बैठे, वजीर मातहती होते हैं।

राजा इनका हो मालिक राशी, जिसमें कि वो बैठते हैं।

हाथ की रेखा जनम हो कुण्डली, या मिलते कभी दो न हो।

मिटे सूरज रेखा व क़िस्मत, फल मन्दे दोनो के हो।

खाना नंबर 1 } रवि गुरु घर पहले बैठे, तख़्त सुनहरी का हाकिम हो।
उम्र लम्बी और सुख गृहस्ती, मिट्टी का ख़्वाह माधो हो।

*B-चंदर नष्ट, बर्बाद या रद्दी।

खाना नंबर 2 दोनो मिल कर घर दूजे में, उपदेश गुरु का सुनाते हैं।
महल मकान सब आला उसके, शेर गरजते होते हैं।

3 घर तीजा त्रैलोकी गिनते, सोना माया कुल बढ़ती है।
माया लालच का पुतला जो होवे, कुल गारत ही होती है।

4 घर चोथें माता के होवें, दूध पहाड़ से बहता हो।
शनि अगर घर 10वें बैठे, भस्म दोनो को करता हो।

5 दोनो मिले जब 5वें बैठें, सोना घर औलाद के है।
रवि राजा घर अपने बैठा, गुरु मेहमान वजीर भी है।
माया आवेगी पर-स्वार्थ से, शत्रु भागते बल से हैं।
नाव जहाज हवा से चलते, पंखे सांस औलाद के हैं।
रुके कभी न हवा रोशनी, बैठे वहां ख़्वाह पापी हो।
बुध अगर आ निकले इस घर, रवि गुरु भी कैदी* हो।
घर इसका गऊ-घाट ही होगा, बाकी पांच ही बचते हो।
धर्म दौलत की कमी न कोई, बाल बच्चे सब बढ़ते हो।

* - बाप-बेटा दोनों की क़िस्मत सोई हुई होगी।

घर 6, सात या 10 हो 11, रवि गुरु नहीं मिलते हैं।

फल दोनों का अपनो अपना, तरफ़ बुढ़ापा गिनते हैं।

घर 9-12 शुरु आख़िरी, कुल उन्नति भी लेते हैं।

घर 8वें वो मौत हटावें, जागती क़िसमत करते हैं।

बाप बेटे का एक ही बिस्तरे पर सोना हर दो की क़िस्मत के लिए मुबारक होगा अगर अलैहदा-अलैहदा जिन्दगी बसर करने का मौका या ज़रूरत होवे तो बाप के बिस्तरे से पीठ तले बिछाया जाने वाला कपड़ा (दरी वगैरह) बेटे को अपने पास रखना और खास कर रात को अपनी पीठ तले बिछाना निहायत मुबारक होगा। बाप की अदम मौजूदगी या किसी भी और नामुमकिन हालत में ऐसे कपड़े की बजाय बृहस्पत की चीजें रात को पीठ तले रखना मुबारक होगी।

बृहस्पत चंदर

तालीम 24 साल, तीर्थ 20 साल, चंदर का असर 1/2 होगा। चांदी की थाली, अच्छे घरों मौनसून, मन्दे में कसीफ (गन्दी) हवा। दोनों का मुश्तरका उत्तम फल होगा। पिता-माता, बड़ का दरख़्त।

ठण्डी हवा (ख़ुशी की), पुराना चावल, बुढ़ापा।

अक़्ल घटे पर धन बढ़े, सफर भी उम्दा हो।
विरासत काश्त सब फलें, गैबी मदद भी हो।

पहले घरो 1 ता 6 में बैठे अपना नेक फल मगर बाद के घरो 7 ता 12 अपने से पहले बैठे हुए दोस्तो को पूरी मदद देंगे, ख़्वाह दृष्टि का ताल्लुक हो या न हो। उत्तम लक्ष्मी होगी। दोनो मुश्तरका को अगर देखें-

शुक्र - मंगल } असर उम्दा और फल नेक होवे।
या सनीचर - शुक्र }
या सनीचर - मंगल } ख़्वाह दोनों टोले बामुकाबिल ही क्यों न हों।

दोनो को देखेः-

सूरज - ताजिर, अहल-ए-कलम, ठोस माल हाजिर से दूसरो को भी तारता जावे।

शुक्र - शादी के दिन से जवाल शरु कर देगा।

मंगल - धन, परिवार और ज्ञान सब ही उम्दा हो।

बुध - दुश्मन की बजाय अब मदद देगा, अगर सनीचर उम्दा हो तो नेक असर वर्ना फ़ोकी उम्मीद और नास्तिक होगा।

खास फ़र्क नंबर 2 का बुध पिता पर भारी और 4 का बुध माता पर मंदा मगर धन दौलत के लिये उम्दा होगा।

बाकी सब घरो में बृहस्पत की हालत पिघले हुए सोने की तरह होगी या बुध और पापी ग्रहो के ताल्लुक में बृहस्पत हर शक्ल में बदला जा सकेगा।

सनीचर - सब के लिये लोहे को पारस का काम देगा।

जब दोनो जुदा जुदा और एक दूसरे के सामने या अपने से 7वें हो तो जब कभी भी सनीचर या दुश्मन ग्रह की मुतल्लका चीज मकान - सनीचर, शादी-शुक्र वगैरह का वक्त आवे, चंदर-बृहस्पत माता-पिता ख़त्म होगे। जो पहले घर का हो वो बाद में जो बाद के घरो का हो वो पहले ख़त्म होगा। दोनो ग्रहो को चलता रखने की खातिर केतु (आसन) जमीन में अस्थापन करें या केतु की चीजें तै मकान में या इसके गले में डालें।

खाना नंबर 1 28 साला उम्र से पहले शादी, मकान (नया बनाना) या पैदायश नर औलाद से मंदा असर, वाल्दैन की उम्र अमूमन कम होगी, जबकि नंबर 7 ख़ाली हो। मिट्टी में मंगल की चीजों के दबाने से मदद होगी।

2) बड़ के दरख़्त का साया, बालाई आमदन, माता का सुख सागर व जद्दी जायदाद की बृद्धि होगी। अब राहु

बुध का ताल्लुक मंदा होगा यानि बड़ पर तिलियर का ताल्लुक कम होगा। अगर होगा तो दूध बोतल में बन्द होगा, जिस का ज़ायका न होगा फिर भी होगा तो बिच्छू या भिड़ की जहर होगा। जिस के लिये साली का ताल्लुक नेक न होगा।

खाना नंबर 3) ख़ुद तरे भाईयो को धन से तारे, मगर तोते की आवाज या ताल्लुक हर तरह से मंदा होगा।

4) बड़ के तने ही सतून की तरह अपना कबीला मददगार बना लेवे। नाव जहाज का काम देवे। जनम से ही धन का चश्मा निकल पड़े और पूरी शान्ति होवे।

5) अब दोनो की जगह सूरज नंबर 5 का उत्तम फल होगा। ताजर और अहल-ए-कलम हो तो दूसरो को भी फायदा देवे।

6) बुध व केतु का जैसा भी फल होवे इन दोनो के उत्तम फल में शामिल होगा। रफा-ए-आम या काश्त की जमीन का कुआं सब उम्दा असर को पाताल में ले जावे।

7) बचपन मंदा, 24 साला उम्र से वाल्दैन दुखिया। शादी

और लड़की की पैदायश के दिन से धन दौलत का जवाल मगर दलाली फायदामंद ब्योपार हो।

8) गो उम्र लम्बी मगर धन की ख़ातिर भाईयो को मारे या मरवाये। धन उम्दा वही होगा जिसमें श्रेष्टपन हो। माता घर से सनीचर या मंगल की चीजें बाइस-ए तबाही होगी।

9) दूध से पले हुए दरख़्त की तरह नेक क़िस्मत वाल्दैन का पूरा और लम्बा सुख सागर बशर्ते कि लड़की का पैसा या धान न खावे।

10) माता-पिता की सोने चाँदी की ईंटें भी अध्यारे के पत्थर होगे। पिता की शानदार डाढ़ी और माता की सच्ची मुहब्बत और घोड़ी की लम्बी दुम की शान बेटे को झाग के बुलबुले का भी काम न देगी। दूसरो का निगरान होगा या ख़ुद -साख़्ता मर्द होगा।

11) दूसरो को तारे मगर ख़ुद अपनी क़िस्मत के लिये ख़ाना

नंबर 3 के ग्रह ही होगे। अगर 3 ख़ाली हो तो 11 सोया हुआ।अब नंबर 5 का कोई असर न होगा।

खाना नंबर 12) मिसल राजा मगर त्यागी (राजा जनक)। लड़की की पैदाइश या शादी के दिन से जवाल होवे। मकानो में मकड़ी के जाले, सोने चांदी के थालो में खुराक की जगह गन्दे फूल और चांदी धन की जगह सफेद कलई होगी। अब चांदी का ख़ाली बर्तन तै-मकान में दबाना मुबारक होगा।

बृहस्पत चंदर

सोने चांदी के तख़्त के मालिक वाले पिता के टेवे में ख़ाना नंबर 1 में होगे, काल माया वाले बाप वाले के टेवे में ख़ाना नंबर 1 में नहीं होगे।

बृहस्पत शुक्र

सुख 4 साल, दौलत 2 साल, आमदन 60 साल, मुहब्बत 20 साल। आलू। बृहस्पत का मद्धम और शुक्र का अच्छा व इश्क़ में कामयाब।

मसनूई सनीचर (केतु सुभाओ) बीमारी दुख से बचाओ मगर कल्लर की जमीन का हाल।शुक्कर का फल उम्दा होगा। वक्त जनम दुख होवे। शुक्कर पोशीदा और बृहस्पत का ज़ाहिरा होगा। कामदेव की ज्यादा रगबत से दोनों का फल रद्दी करेगी।

खाना नंबर 1) काग रेखा के मंदे हाल वाले साधु की तरह की क़िस्मत होगी। गृहस्त बर्बाद, जंगल में इज्जत होगी। बाप और औरत दोनो में से एक रह जाने पर नेक असर का होगा।

2) *बाक़ी 2 कुत्ता का — औलाद का तकाजा,सोने कीजगह मिट्टी मगर कीमती होगी या सोने[बृहस्पत] के कामो से खाक़ मगर मिट्टी[शुक्र] के काम से सोना मिले।

(* मकान बाकी 2 बचने वाले मानिंद कुत्ता होगा)

ख़ाना नंबर 3 खुशहाल भागवान होवे, औरत मर्द का काम देगी।,ऐसा धन भाईयो को तारे।

4) हर औरत एक बच्चा बतौर नमूना देवे और चल बसे। घर घर के टुकड़े की तरह औलाद का हाल होवे।

5) इल्म और औलाद की मार्फत बरकत पावे।

6) नर औलाद न हो या न रहे, अगर रहे तो मन्द क़िस्मत कर देवे।

7) बृहस्पत नंबर 7 का हाल - धन की कमी की वजह से पेट के लिये औलाद की कुर्बानी तक दे जावे या ख़ुद सोने से मिट्टी बना लावे। अगर बुध या (लड़की) का साथ या नेक ताल्लुक़ रहे तो धन दौलत गुम होने पर भी तंग न होने देगा। मुतबन्ना सुख पावे, मगर ख़ुद बेआराम ही होवे। इश्क़ में शमा का परवाना होने की आदत वजह जवाल होवे।

8) धन दौलत उम्दा (असर बृहस्पत नंबर 2) मगर शुक्र

लाल किताब हिन्दी

का वही फल जो नंबर 8 का है।

9) शुक्र नंबर 9, बृहस्पत नंबर 9 का जुदा-जुदा मगर फिर भी उम्दा।

10) आता है याद मुझ को गुज़रा हुआ जमाना, दूसरो की मौत से ख़ुद मरे।

11) सोने की जगह ज़र्द पाण्डू होगा।

12) ब्यापार सट्टा मंदा। बाकी गृहस्ती व रूहानी उम्दा असर होगा।

लाल किताब के विद्यार्थी

बृहस्पत मंगल

बीमारी 31 साल(बद), औलाद 8 साल,

नुक़्सान 5 साल(बद)।

दोनों का मुश्तरका उत्तम फल होगा।

जुज्वी सोना, नेक अंकुश अगर बद तो ढाल। आलसी निर्धन, गजा-गुर्ज (हथियार): 1-सरदार हुक्मरान 2 से 5 तक वालिये तख़्त वर्ना ख़ुदा परस्त। 5 से ज्यादा ब्रह्मज्ञानी। हर दम मदद-ए-मर्दां मदद-ए-ख़ुदा। दोनो को जब देखे:-

सनीचर - मुआविन उम्र और धन दौलत उम्दा।

मंगल बद - सब कुछ मंदा, रिश्तेदार तबाह, मौतें।

ख़ाना नंबर 1) दोनों का जुदा-जुदा नंबर 1 का असर।

2) गृहस्ती साथी इसकी आवाज पर सिर कटा देवें और सीने की जगह अपना ख़ून बहावें, दिमागी लियाकत से धनाड हो।

3) पूजा पाठ में लासानी, बुज़ुर्गो के धन की पूरी

हिफाजत करेगा और क़ायम रखेगा, मगर अपना और धन मिलाने की शर्त न होगी।

4) मर्द की तादाद में कमी न होगी, मगर उनके लिये धन की शर्त न होगी।

5) औलाद की पैदाइश के साथ ही धन का ठंडा शानदार चश्मा बह निकलेगा, खूब रौनक़ होगी, 28 साला उम्र तक बढ़ता जायेगा। दान से हर दम बढ़ेगा, मगर दान लेने से सोने को कोढ़ हो जायेगा।

6) ख़ुद ही बड़ा भाई होगा। बाप पर कोई मंदा असर न होगा। मगर केतु, बुध दोनों का फल दबा हुआ होगा। बुध का धन दौलत के लिये बुध नंबर 2 का फल होगा और बुध बृहस्पत की दुश्मनी न होगी।

7) माकुल आमदन फिर भी कर्जाई। गृहस्त रेखा सीधी।

8) दोनों का जुदा-जुदा नंबर 8 का असर। मगर कुण्डली वाले के अपने ही ख़ून वालो से मुतल्लका होगा।

9) गृहस्त, परिवार और धन दौलत सब उम्दा।

10) ख़ाना नंबर 4 के ग्रहो से फैसला होगा। अगर नंबर 4 ख़ाली हो तो सोने की जगह मुलम्मा होगा। साधु होगा वर्ना दुनिया की चोरी से मालामाल होगा।

11) बाप और भाई की उम्र तक शाहाना हालत, बाद में शहद के ख़ाली बर्तनो पर बेशुमार मक्खियां बैठी हुई की तरह की क़िस्मत का हाल होगा।

12) हर तरह से उत्तम और बढ़े परिवार होगा, जिसे आर्शीबाद देगा तार देगा।

बृहस्पत बुध

दौलत खराब 17 साल, दुश्मन 40 साल, सुख 4 साल,

वालिद दुखी 29 साल। मुश्तरका दुश्मनाना,

बुध का खराब फल होगा।

फ़कीर की गोदड़ी। दोनो में कौन प्रबल है का फैसला आवाज से होगा।

बृहस्पत के बगैर ग्रह बाहम मिलाओ या दोस्ती नहीं कर सकते और बुध के बगैर उन में झुकने झुकाने की ताक़त न होगी। दोनो ही रद्दी होने पर सब ग्रहो में ये दोनो ताक़तें न होगी।

अगर सनीचर उम्दा तो धन दौलत की उम्मीद होगी, वर्ना फ़ोका भरोसा और तबाहकुन ख्याल होगा। कम गो माता-पिता दोनो के ताल्लुक़ में यतीम होगा। दूसरो का निगरान होगा। दोनो ग्रह बामुक़ाबिल होने पर अपना ही बेड़ी-डोब मल्लाह होगा। दर्जा दृष्टि अगरः-

100 फ़ीसदी हो निहायत खराबी 50 फ़ीसदी हो खराब असर 25 फ़ीसदी हो मामूली खराब असर	अगर बृहस्पत कुण्डलीके पहले घरों में हो तो,

बृहस्पत का 34 साला उम्र तक उत्तम फल होगा, 35 से बुध का बुरा असर शुरु होगा और 51 तक रहेगा। लेकिन अगर बुध पहले घरो में हो तो 34 साल तक बुध का अच्छा और बृहस्पत का मंदा होगा। 35 से बुध का असर निकम्मा और बृहस्पत का अच्छा होगा जो 51 तक रहेगा।

बृहस्पत क़ायम और बुध ऊँच घर का	राजयोग बजरिया कागजी कारोबार छापाख़ाना या अज पब्लिक नेक असर।

ईमानदारी का धन साथ देगा।

दोनो को	सफर का बुरा नतीजा रहा करे।
चंदर देखे	मन मन्दिर दरवेश कलन्दर का हाल होगा।

बृहस्पत के साथ या बृहस्पत की दृष्टि में बुध हो, तो बृहस्पत का नाश होगा। 34 साला उम्र से बर्बाद

होगा। अपना ही बेड़ी-डोब मल्लाह होगा। मगर सब्ज रंग अशिया का ताल्लुक मंदा। दस्ती हुनर बर्बाद और बे-मायनी होगे। लेकिन जब बुध की दृष्टि में बृहस्पत हो तो बुध का नाश होगा। मगर ब्योपार व सब्ज रंग दस्ती हुनर फायदामंद होगे और अपनी ही अक़्ल से फज्ल-ए-इलाही होगा।

मुश्तरका हालत में बुध फ़ौरन ही बृहस्पत को अपने दायरा में बाँध लेगा। अब बृहस्पत या तो सनीचर का सांप, शुक्र या सूरज की किरणें हो कर उस से रिहा होगा यानि बृहस्पत अपनी चाल के हिसाब से (बमूजब बर्षफल) सनीचर या सूरज बैठा होने वाले घरो में आ जावे या सनीचर या सूरज में से कोई भी बृहस्पत बैठा होने वाले घर में आ निकले या सनीचर ख़ाना नंबर 5 में आ जावे या सूरज ख़ाना नंबर 2-9-12 में आ जावे।

ऐसी हालत में सूरज या चंदर या सनीचर क़िस्मत का फैसला करने वाले होगे (जो भी नेक होवे) लेकिन ख़ाना नंबर 2-4 में बुध दुश्मनी की बजाय मदद देगा। अकेले चंदर या बृहस्पत को बुध दबा लेगा, मगर दोनो मुश्तरका से ख़ुद दब जायेगा।

दोनो को इकट्ठा चलाने के लिये बुध की सब्ज रंग अशिया (सोना व सब्ज कागज) बृहस्पत पीपल का पौदा लगाना मुबारक होगा।

बृहस्पत सोने में रेत, शेख चिल्ली की कहानियाँ।

ज़र-ओ-माल का नुक़्सान, नंगों के मेहमान . . . . . . भूके सोये।

औलाद व औरत के बिघन। ऐसी हालत में राहु-केतु का उपाओ मददगार होगा।

दोनो की सनीचर और सूरज को मदद:-

बृहस्पत हो ख़ाना नंबर 1 ता 5 में मदद देगा सनीचर को भी और सूरज को भी।

6 ता 11 के-सिर्फ़ सनीचर को।

बृहस्पत हो 12 में सनीचर, सूरज दोनों को

बुध हो

1 ता 2 } सनीचर को

3 ता 8 } सूरज को

9 ता 12 } सनीचर को

पोरियो पर चक्कर के निशानात फैसला करेंगे।

बुध का जाती असर नाक से फैसला होगा।

खाना नंबर 1) राजा या हाकिम वर्ना गरीबी का मारा हुआ बेवकुफ साधु होवे। एक चक्कर का असर होगा।

2) 3 चक्करः ब्रह्मज्ञानी होगा, धन उपदेश उम्दा होगा।

3) 7 चक्करः साबिर-शाकिर, दिलावर, बहादुर, मगर शुक्र रद्दी होगा।

4) 2 चक्करः हुनरमन्द, राजयोग, कायराना काम बाइस-ए-तबाही, पाप भरी कारवाईयाँ बाइस-ए-खुदकशी होगी।

5) 5 चक्करः खुशहाल, भागवान, बशर्ते कि कोई लड़का वीरवार

5) का हो और लड़की बुधवार की न हो। अगर हो तो धन दौलत (बृहस्पत-सोना) के लिए सोने की तार कान में और मौतों के बचाओ से (बुध नंबर 8) चांदी की नाक में डालने से मदद होगी।

6) 6 चक्कर: इबादतगार वर्ना अय्याश।

7) 3 चक्कर: ब्रह्मज्ञानी। दूसरो की मुसीबत पर मुसीबत देखे मगर अक़्ल की कोई पेश न जावे। कभी शाह कभी मलंग, कभी खुशहाल कभी तंग। उक्खल पुत न जम्मदा, धी अन्धी अच्छी। ख़ुद बुध लड़की का बुध नंबर 7 मुबारक होगा, मगर लड़के का मंदा होगा। ख़ुद औलाद से महरूम, मुतबन्ना रखे और वो भी बेमायनी।

8) 8 चक्कर: हमेशा बिमारी।

9) 11 चक्कर: मनहूस और कम उम्र हो।

10) 10 चक्कर: खुशहाल भागवान होवे।

11) 9 चक्कर: दौलतमंद हो।

12) 12 चक्कर: ख़ुद अपने लिये नेक-ताबे, लम्बी उम्र, खुश-गुज़रान, मगर मामूली ब्योपारी होवे।

लाल किताब के विद्यार्थी

बृहस्पत सनीचर

गम 14 साल, हानि 15 साल, दौलत 12 साल।

ऐसे टेवे की कुण्डली जुदा ही होती है।

दोनों का जुदा-जुदा फल होगा, सनीचर का खराब फल होगा।

फ़कीर की झोली, श्री गणेशाय नमः, सब के पूजने की जगह। वो धन जो शादी के दिन से और आगे बढ़े। (ऊंच-नीच जनम कुण्डली के हिसाब से लेंगे)।

जब दोनों हर तरह से अकेले हों और उनमें किसी भी और का असर शामिल न हो रहा होः-

अलिफः- दोनों में से कोई एक तख़्त का मालिक (ख़ाना नंबर 1 में) और दूसरा राशीफल (बृहस्पत 6, 7 और सनीचर 3, 6, 9 में) का हो तो धन रेखा होगी, बशर्ते कि दो में से कोई नीच घर का न हो (सनीचर नंबर 1 में नीच होगा, बृहस्पत नंबर 10 में नीच होगा) और तमाम मुख़ालफ़त पर भी सोना ही सोना पैदा होगा, शर्त सिर्फ़ अपनी ही क़िस्मत पर शाकिर रहने की होगी।

बेः- ऐसी हालत में कोई भी नीच घर का हो तो मुश्तरका बर्कत होगी। एक अन्धा दूसरा कोढ़ी फिर भी हम यारां दोजख हम यारां बहिश्त होगा।

जीमः- अगर बृहस्पत रद्दी हो और सनीचर उम्दा तो लोहे की तलवार तमाम मन्दी हवा को दुरुस्त कर लेगी, लेकिन अगर बृहस्पत उम्दा और सनीचर रद्दी हो तो वो शख्स दूसरों के लिये लोहे को पारस का काम देगा, मगर ख़ुद अपने लिये जेहमत और मंदा।

दालः- जब दोनों ही साथी हों और सूरज राजा (ख़ाना नंबर 1) हो जावेः- (i) जब दोनों उम्दा हों तो कोई बुराफल न होगा उत्तम नतीजा होगा। (ii) जब दोनों साथी मगर नीच या रद्दी घरों के तो सूरज सनीचर का झगड़ा होगा, जिस पर राजदरबार का मालिक और पाया हुआ धन और जिस्म का कोई न कोई अंग बर्बाद कर शांति होगी। लेकिन जब (iii) सनीचर उम्दा

बृहस्पत रद्दी और सूरज नंबर 1 का राजा हो तो जेहमत-बीमारी से राज दरबार का धन बर्बाद, मगर कोई अंग खराब न होगा।

(iv) सनीचर रद्दी और बृहस्पत उम्दा- अंग खराब होगा, मगर धन दौलत की बर्बादी की शर्त न होगी। उपाओ ऊपर की हालत सब में ख़ाना नंबर 7 वाले ग्रह की मदद लेंगे।

सनीचर बृहस्पत के घर और 2-9-12 राशी में कभी बुराफल न देगा। मगर बृहस्पत गुरु, सनीचर की राशी और घर नंबर 10-11 में नीच या नाकारा होगा।

2) सनीचर के बुरे दौरा के वक्त बृहस्पत फैसला करेगा और बृहस्पत के बुरे वक्त में सनीचर क़िस्मत का फैसला करेगा।

3) दोनों कोहसार और समंदर होंगे यानि अगर सनीचर पहले घरों में होवे तो कोहसार पहले और हवा

लाल किताब की विरासत

इससे निकल कर चलेगी, लेकिन अगर बृहस्पत पहले घरों में और सनीचर बाद के घरों में हों तो बृहस्पत की हवा सनीचर के पहाड़ से टकराकर कीमती बारिश देगी।

4) दोनों मुश्तरका पर बुढ़ापे में तकलीफ होवे। क़िस्मत के शुरु होने का वक्त उस ग्रह की उम्र का साल होगा, जो ग्रह कि उनको देखता या जगाता होवे। बुध 34 साल में, सूरज 22 साल में वगैरह। अगर कोई न जगावे तो ख़ुद बृहस्पत यानि सोलह साला उम्र में किस्मत जागे।

दोनों मुश्तरका की हालत में क़िस्मत का फैसला ख़ाना नंबर 11 के ग्रह करेंगे, अगर नंबर 11 ख़ाली हो-तो सनीचर का जाती फैसला प्रबल होगा। सनीचर के खास खास सालों में चारों तरफ़ चलने के सालों का भी ख्याल रहे।

दोनों बामुक़ाबिल और दृष्टि होः

100 फीसदी - मुश्तरका होने की हालत गिनी जावेगी।

50 फीसदी - इल्म तिलस्मिात और जादूगरी प्रबल होगी।

25 फीसदी - योग अभ्यास का मालिक होगा।

सनीचर देखे बृहस्पत को तो सेहत हल्की, धन दौलत भी हल्का।

सनीचर के वक्त 18-36 साला उम्र में पिता ख़त्म, जिस का सबूत उसके मकान में लोहे का ताला मंदभागी का अलार्म होगा।

शुक्र दोनों को देखे - धन शादी से बढ़े।

मिट्टी का पहाड़ दिखलावा बहुत मगर फायदा कम, अपने ख़ानदान और औरत के काम आवे (बाप बाबे की तरफ़ के रिश्तेदारों के)

केतु देखे दोनों को - औलाद पर बला-ए(हवा-ए)-बद के हमले होंगे। सीधी शारह-आम की हवा मंदी साबित होगी।

खाना नंबर 1) काग रेखा, मंदा मुफलिस साधु, एक सिदफ का असर होगा।

लाल किताब की विद्यार्थी

ख़ाना नंबर 2) दो सिदफः आलिम, सेहत-अफ़्ज़ा, खुशगवार सरसब्ज पहाड़ की तरह चंदर का उम्दा और उत्तम फल देंगे। बदनाम इश्क़ न होगा। अगर चंदर भी साथ हो या नंबर 8 में से आ देखे तो चंदर नष्ट नहीं लेंगे। दुनियावी तोहफा होगा।

3) 3 सिदफः दौलतमंद, औसत दर्जा जिन्दगी, सनीचर खुद निर्धन मगर बुढ़ापे में आराम पावे। 18 साला उम्र में पिता मंदा होवे।

4) मशहूर जमाना, 4 सिदफ का असर।

5) साधारण क़िस्मत, जैसी कि बाकी ग्रहों से फैसला होवे। 5 सिदफ का असर, बड़ी इज्जत व आबरू होगी।

6) 6 या ज्यादा सिदफ का असर, जैसा कि आम हालत का फैसला होवे। (i) अब अगर बृहस्पत क़ायम और सनीचर बरुये नंबर 2 रद्दी या मंदा हो तो औरत से रंजीदा होवे। (ii) सनीचर क़ायम मगर बृहस्पत अज़ दृष्टि नंबर 2

चुप हो - (यानि पापी राहु-केतु हों) तो औरत का सुख पूरा होवे।

(iii) सनीचर क़ायम और बृहस्पत नष्ट-तो औरत का सुख हल्का होगा।

7) धन बर्बाद, जायदाद उम्दा। लड़की की पैदायश पर जवाल होवे। सनीचर के काम नया मकान वगैरह बर्कत देवें। खर्चने पर धन और भी बढ़े और बर्कत देवे। भला लोग, भले काम, मगर बचपन में ही तकलीफ रहे।

दोनों नंबर 7 और चंदर या शुक्र या मंगल क़ायम: — बर्कत, बढ़ने वाली मच्छ रेखा होगी।

दोनों नंबर 7 चंदर या शुक्र या मंगल नीच या नष्ट: — बर्कत घटने वाली, नीचे को मुँह किये हुये वाली मच्छ रेखा होगी जिसका बुरा असर चंदर या शुक्र या मंगल (रद्दी हालत वाले) के दौरा से शुरु होगी यानि जब वो भी नंबर 1 में आ जावें।

दोनों नंबर 7 और सूरज नंबर 1 तो 9 साला उम्र में मिट्टी के तवे होंगे, जो 17 साला उम्र में चंदर नेक होगा।

मच्छ रेखाः गरीब को धन और धनवान को वालिये तख़्त बनावे। 9 भाई, 2 बहन। जनम कुण्डली नंबर 7 और चंदर कुण्डली नंबर 7 में तो 9 भाई, 3 बहन, तीन पुष्त और तीनों जमानों का नेक असर देने वाली मच्छ रेखा होगी। शुक्र (औरत), चंदर (माता), मंगल (भाई) का ताल्लुक लेंगे।

मच्छ रेखा का असरः- लोह लंगर सवाया, बढ़े परिवार। आदमी कीड़ों की तरह ख़ुद अपने अपने लिये मुँह दाना लेकर आ जावें। शुक्र कायम से औरत जात से बढ़े और ख़ुद अपने जमाना में चंदर से माता की तरफ़ से बढ़े और मंगल से ऊर्ध रेखा का साथ होगा। मंगल अव्वल तो ऊँच क़ायम नंबर 6 ता 12 का होगा वर्ना उल्टे मायनों का होगा। मंगल के वक्त चंदर या शुक्र का

कोई बुरा असर न होगा।

8) दरमियाना धन, उम्र लम्बी, अब ख़ाना नंबर 8 मारग अस्थान न होगा।

9) मच्छ रेखा और ऊर्ध रेखा का पूरा जुदा-जुदा और उत्तम फल होगा, ख़ुद बढ़े, दूसरों को तारे। जायदादें और धन दौलत के लम्बे पैमाना का होगा। अब ख़ुद कमाई का हिस्सा कम होगा, दुष्ट भागवान होगा, अमीरों में अमीर होगा।

10) बाहर से बाईं मग़रिबी दीवार, लोहे की तवी, ख़ुद अपने लिए निहायत उत्तम और श्री गणेश जी की इज्जत का मालिक होगा। मगर इसका धन न्यासरी माया होगी जो दूसरों को तबाह करके छोड़ेगी। शहवत परस्ती से तंग हाल होगा, सनीचर का असर मंदा फल पैदा करेगा और बृहस्पत का ताल्लुक ज़र-ओ-जायदाद बढ़ाता जावेगा।

11) मुश्तरका या किसी भी तरह इकट्ठे नंबर 11 - दूसरों के लिये इच्छ्याधारी सांप की तरह साया करे। लोहे को सोने की तरह पारस का काम देवे, ख़ुद अपनी क़िस्मत का फैसला नंबर 3 के ग्रहों से होगा और नंबर 5 का कोई असर न होगा।

12) मच्छली नहावे जल में, चिराग-ए-ख़ानदान, नेक भागवान, राहु-केतु भी नेक असर के, शनि और बृहस्पत दोनों का जुदा-जुदा नंबर 12 का उत्तम असर होगा। माया पर पेशाब की धार मारे, ऊर्ध रेखा और मंगल के सालवार असर पर क़िस्मत की कमी-बेशी होगी।

लाल किताब है देववाणी

सूरज चंदर

मंगल बद 15 साल, फिज़ूल सफर 9 साल।

अलीची (फल)। सिर्फ़ सूरज का और उत्तम फल होगा।

चंदर सूरज का भिकारी होगा और सूरज चंदर के साथ (मगर दुश्मन का घर न हो) या चंदर के घर नंबर 4 में हो तो मोती दान करने की हिम्मत का मालिक होगा।

दिन के वक्त के मुतल्लका काम और रात को चंदर के मुतल्लका काम नेक असर देंगे। मामूली काम चंदर या बाइं सांस के वक्त और ज़रूरी और देर-पा काम, सूरज या दायीं सांस चलते वक्त मुबारक होंगे।

चंदर को सूरज देखे मगर सूरज नंबर 1 का न हो - खुश्क कुएं ख़ुद-ब-ख़ुद पानी देने लग जायेंगे। ख़ालिस दूध होगा। जायदाद जद्दी खूब रौनक़ पर होगी और शांति देगी। मुश्तरका हालत में सूरज का असर प्रबल होगा। औरतों से मुख़ालफ़त मगर बुढ़ापा

उम्दा होगा। दोनों बामुक़ाबिल दिल की ताक़त में सूरज का नेक और उत्तम असर होगा।

दोनों मुश्तरका को मंगल बद या पापी ग्रह का ताल्लुक हो जावे- हर तरह से दिन और रात मंदा असर होवे। लाखोंपती फिर भी दुखिया।

खाना नंबर 1) मिसल राजा हो, दूसरों से खराज लेवे, मगर मौत अचानक होवे।

2) औरतों से झगड़ा, हार और हानि होवे।

3) मतलब परस्त मगर ख़ुद उम्दा असर और किस्मत का।

4) राजा महाराजा, दुनिया का पूरा आराम, सीप में मोती और मोती दान करने की हैसियत का। सवारी का सुख बशर्ते कि नंबर 10 ख़ाली हो। मौत अचानक अगर नंबर 10 में सनीचर हो तो मौत दिन के वक्त दरिया नदी नाले या जमीन के नीचे से पानी या चलते पानी से होवे।

5) जिन्दगी भर आराम रहे।

6) दोनों का नंबर 6 का जुदा-जुदा असर। अगर दोनों मुश्तरका के साथ राहु या केतु हों तो मात-पिता की मौत के साथ ख़ुद भी मौत पावे, बशर्ते कि ख़ाना नंबर 2 ख़ाली हो। अब मंगल का उपाओ मददगार होगा।

7-8) जुदा-जुदा असर इन घरों में दोनों का लेंगें।

9) मातृ हिस्सा (चंदर की मदद) निहायत मुबारक। तीर्थ यात्रा 20 साल और उत्तम फल का।

10) अपना-अपना औरजुदा-जुदा असर होगा नंबर 10 का।

11) उम्र सिर्फ़ 9 साल होवे।

12) दोनों का नंबर 12 का जुदा-जुदा असर, मगर सूरज का प्रबल होगा।

सूरज शुक्र

नुक़्सान 17 साल, दौलत 5 साल, शुक्र मंदा 25 साल।

शुक्र का खराब मगर सूरज का अपने लिये उत्तम फल होगा।

पिता मगर छोटी उम्र में गुज़र जावे।

लाल मिट्टी, गाचनी, कांसी का कटोरा, मसनूई

हवाई बृहस्पत। पैदायश औलाद के मालिक।

दोनों में से एक ही काम देगा, रूह जबरदस्त, बुत हल्का। बृहस्पत की ठोस चीजें सोना वगैरह से ताल्लुकन होगा। औरत का मंदा हाल और मंदी सेहत, तपदिक़ या दीगर लम्बी बीमारियाँ।

दोनों बामुक़ाबिलः वाल्दैन बचपन में गुज़र जावें। जिस घर में शुक्र हो, उस घर की शुक्र से मुतल्लका चीजों का मंदा हाल, मगर सूरज पर बुरा असर न होगा। सूरज के दौरे के अर्सा में (सूरज जब नंबर 1 में आवे) शुक्र का मंदा हाल मगर ख़ुद अपने लिए इकबालमन्द।

खाना नंबर 1) औरत मरीज, काग रेखा वाली, सूरज की भी ख़ुद

1) मिट्टी खराब करे, पराई आग से जेलखाना वगैरह, हमराहियों पर शुक्र के पतंग का बुरा असर होगा, औरत की दिमागी खराबिया, मालीखूलिआ तक।

2-3
4-5
6-8
11-12
} दोनों का जुदा-जुदा हर एक खाने का दिया हुआ असर होगा।

7) औरत से झगड़ालू, दोनों का ख़ाली बुध[7] का असर होगा। बुजुर्गों पर काग रेखा मगर खुद अपने लिये सूरज नंबर 9 का असर। तीर्थ यात्रा 20 साल उत्तम फल देवे - औरत की उम्र तक तै-मकान में (बुजुर्गी जद्दी) सुर्ख रंग (सूरज या मंगल का) दोनों ग्रहों की दुश्मनी का बुरा असर देगा।

10) राजदरबार से ठूठे पड़ा खैर की तरह की क़िस्मत। टेवा अंधे ग्रहों का होगा, सनीचर हमेशा बुराफल देगा। सांप को दूध पिलाना मुबारक होगा। ख़ाना नंबर 4 के ग्रह मददगार होंगे। नीच बृहस्पत का असर (ख़ाना नंबर 10 बृहस्पत) होगा- वास्ते औलाद और पैदायश-ए-औलाद।

सूरज मंगल

तलवार, ला"ल, लाल, बचपन की उम्र, अपनी औलाद और अपने ख़ून के हकीकी रिश्तेदार, ताल्लुकदारों से मुतल्लका।

दोनों का और उत्तम फल होगा। सूरज का उत्तम प्रबल होगा। सूरज रोशनी है तो मंगल इसकी किरणें होगी या वो और उसका भाई दोनों बुलन्द होंगे। मंगल बद का ताल्लुक निहायत मंदा मौतें।

चहार गोशा मकान मुबारक, 3-13 गोशे मंगल बद का असर देगा।

किसी भी घर में हों सूरज हमेशा ऊँच फल का होगा। निकलते सूरज की तरह बचपन से या जनम वक्त से अच्छा, उम्दा और उत्तम किस्मत का मालिक, दुश्मन पर हमेशा गालिब। उम्र पूरी बल्कि सौ साला होवे।

दिली साफ ताक़त, धर्म में धेले का खोट न होगा।

ख़ाना नंबर 9 आली मर्तबा होगा।

खाना नंबर 10) अजीजों से ज़र-ओ-माल का झगड़ा।

दोनों नं. 10
सनीचर 11 } और चंदर ख़ाना नंबर 6 भागवान।

बाकी घर: दोनों का अपना अपना और जुदा जुदा मगर सूरज का प्रबल उत्तम। चंदर (माता, धन का ख़जाना वगैरह) ऐसे टेवे में रद्दी, मंदा या हल्का ही होगा, मगर कष्टी न होगा।

लाल किताब के विद्यार्थी

सूरज बुध

सरसब्ज पहाड़, लाल फिटकरी, शीशा सफेद,

मसनूई नेक मंगल, औलाद की जिन्दगी का मालिक।

नेक केतु दोनों का और उत्तम फल। सूरज का उत्तम प्रबल होगा। राज ताल्लुक और सरकारी मुलाजमत वगैरह ज़रूर होगी और फायदामंद।

सूरज रूह इन्सानी तो बुध बिधाता की कलम होगा। सूरज बन्दर तो बुध लंगूर की दुम की तरह मददगार। उम्र लम्बी और पूरी मगर मौत अचानक।

दुश्मन (सूरज के) ग्रहों के घरों में झगड़ा पैदा होगा मगर फैसला हक़में (अज़ राजदरबार)।

ख़ुद सूरज की औसत आमदन 20 रुपये माहवार बशर्ते कि सूरज नीच न हो वर्ना निस्फ ताक़त होगी। तालीम व कलम हमेशा मददगार, लैम्प व तहरीर उत्तम फल देंगे।

बुध की निस्फ उम्र 17 साला तक बुध का जुदा फल न होगा। 17 साला उम्र लड़की की 17 साल उम्र के बाद बुध सूरज

को मदद देगा। शुक्र रद्दी 25 साल।

सूरज देखे बुध कोः

100 फीसदी परः बुध का जुदा असर जाहिर न होगा। स्त्री घर ससुराल अमीर होंगे और स्त्री की ताक़त उत्तम होगी।

50 फीसदी परः स्त्री की किस्मत शीशे की तरह और भी चमके, मिट्टी दूर होवे।

25 फीसदी परः इल्म जोतिष उम्दा होवे।

बुध देखे सूरज को (कोई भी दर्जा दृष्टि हो)

सेहत उम्दा, दस्ती दिमागी कारोबार निहायत उम्दा, स्त्री पर नेक असर होवे लेकिन अगर चंदर नष्ट हो तो दिमागी सदमात होंगे।

दोनों मुश्तरकाः- बचपन में तकलीफ होवे।

औरत की जुबान का लफ़्ज़ पत्थर पर लकीर होगा, ख़ुद -साख़्ता अमीर होगा। सेहत उम्दा होगी मगर ब्योपार मंदा होगा।

बुध का असर 45 साला उम्र तक जुदा वास्ते ब्योपार कोई

काम न देगा। सूरज बुध मुश्तरका में सूरज कभी नीच फल का न होगा, बुध ख़ुद बेशक मारा जावे। यानि जिन घरों में सूरज नीच होगा वहां बुध का असर मंदा होगा। जहां बुध का मंदा है, वहां सूरज पर धब्बा लगेगा, मगर बुध की अशिया हमेशा सूरज को मदद देगी।

दोनों को देखेः

चंदर या बृहस्पत: मंदे नतीजे हों।

सनीचरः नेक फल } अब सूरज सनीचर का झगड़ा न होगा।
सूरज क़ायम } बजरिया ख़ुद अपनी कलम राजदरबार से
और बुध 3-6 का बर्कत पावे। ईमानदारी का धन बर्कत देवे।

दोनों सनीचर को देखे -झगड़े का फैसला हक़में न होगा।

खाना नंबर 1) चक्की जो जगह-ब-जगह हिलती फिरे। मानिन्द वजीर साहिबे तदबीर, सरसब्ज पहाड़ की शान, इल्म रियाजी, योग अभ्यास का नेक फल। झगड़ा राज दरबार में अपने से बड़े के साथ, मगर फैसला हक़में होगा।

ख़ाना नंबर 2 जिस्मानी दिमागी उम्दा, माली हल्का, ख़्वाह सूरज नं 8 और बुध नंबर 2 ही हों, मगर ख़ाना नंबर 1 का असर शामिल ही होगा।

3) निहायत उत्तम। राहु का अब कुण्डली में बुरा असर न होगा। आशिक़ तो होगा मगर बदनाम न होगा।

4, 5) अपना अपना और जुदा-जुदा असर लेंगे।

दोनों नंबर 5 और } औलाद पर कोई बुरा असर न होगा
सनीचर नंबर 9 } और न ही बुज़ुर्गों पर मंदा असर होगा।

6) बुध कायम और सूरज }
मंदा अज़ दृष्टि नंबर 2 } नेक नसीब होवे।

मगर सूरज बर्बाद : मनहूस मन्दभाग, जलील-ओ-ख्वार।

सूरज क़ायम, बुध मंदा : नेक असर होवे।

दोनों क़ायम या नंबर 2 ख़ाली : औलाद का सुख, मगर अपनी उम्र कम होवे।

7) अगर शुक्र कायम और नेक तो औरत अमीर ख़ानदान से वर्ना ससुराल मन्द हालत। ख़ुद वो आदमी सूरज की तरह उत्तम और

मुकम्मिल। केतु औलाद मंदा ख़ुद आमदन की नाली हजारों जंगल पहाड़ सेराब करे। चलते रहट की तरह आमदन जारी, फव्वारे का ताजा उठता पानी। राज दरबार से कोई खास नफा न हो। इल्म जोतिष मददगार रहे, ख़्वाह ख़ुद नफा न पावे। बुध का फल 34 साला उम्र के बाद नेक होगा, अब केतु भी उत्तम होगा। आर ढाँगा, पार ढाँगा .... चल्लीआं होगी।

8) बुध अब बहन की हालत मन्दी और खाना नंबर 2 के ग्रहों को बर्बाद करेगा। शीशे के बर्तन को गुड़ से भर कर शमशान में दबाना मददगार होगा। दोनों का जुदा-जुदा फल होगा।

9) लसूड़े की गिटग का सा हाल होगा। 17-27 साला उम्र मंदा असर होगा, वास्ते राज दरबार तालीमी ताल्लुक। 24 साला उम्र से दोनों का फल मुबारक होगा और जो 34 से तरक़्क़ी पर होगा। नर औलाद 34 साला उम्र से पहले क़ायम न होगी, न ही लड़की के नर औलाद 22 साला उम्र तक होगी।

खासकर इसकी तीसरे नंबर की लड़की 6 साला उम्र तक (सिवाय पहले और तीसरे साल) निहायत मुबारक होगी या इसकी हर एक नंबर की लड़की और ऐसी लड़की की उम्र का हर नंबर का साल वही फल देगा जो बुध खुद हर खाने में देता है। मन्दी हालत में सूरज का या मंगल का उपाओ मददगार होगा, जो लड़की का जनमदिन इतवार या मंगल भी हो सकता है।

10) ख़ाना नंबर 1-2 का ऊपर लिखा फल शामिल होगा। दौलतमन्द मगर बदनाम, नाहक़ तोहमत मिलती रहे।

11) जद्दी मकानों या जाती मकान की जमीन।

12) अपना अपना फल।

लाल किताब वाले

सूरज सनीचर

ख़ाली बुध, दोनों का और खराब फल होगा। बवक्त ग्रहण सूरज, सनीचर की चीजें (नारियल) चलते पानी में बहाना मुबारक होगा।

कौआ, दो मुँह का सांप, मसनूई मंगल बद और नीच राहु का असर होगा। झगड़े फसाद बाइस-ए-तबाही, असर का वक्त बुढ़ापे से मुतल्लका होगा।

मन्दी ऊर्ध रेखा होगी। दोनों के झगड़े में शुक्र तबाह होगा।

कीकर का दरख़्त बाइस-ए-तबाही।

सांप बंदर का तमाशा होगा। ख़ाली बुध बेमायनी का असर होगा, जिसमें राहु की शरारत मौजूद होगी।

जवानी में तकलीफ हो, सेहत की खराबियाँ और राज दरबार की कमाई बर्बाद, लेकिन जब दोनों मंगल के घर या मंगल भी दृष्टि से मिले तो सेहत उम्दा।

सूरज देखे सनीचर को:

शुक्र उजड़े, औरत पर औरत मरती जावे, मगर

ख़ुद मजबूत-तबा, उम्दा ताक़त, स्कूलों का आम इल्म के इलावा महकमाना इल्म, जादूगरी, इल्म मकानात होगा।

सनीचर देखे सूरज को: शुक्र आबाद होगा, उत्तम फल का।

25 फीसदी पर: इल्म रियाजी मददगार होगा।

50 फीसदी पर: इल्मे मकानात, सनीचर की चीजें

100 फीसदी पर: (i) सनीचर होवे पहले घरों में)

सूरज का असर खराब करता जावे, मगर जाती कमाई में चंदर, मंगल, बुध, बृहस्पत की मुतल्लका चीजों का कोई बुरा फल न होगा।

सनीचर जब पहले घरों में हो तो सूरज पर स्याही डालेगा, ऐसी हालत में मकान रिहायशी की जनूबी जानिब पानी का बर्तन (मिट्टी का कोरा लेकर) दबावें जिसमें चावल और मीठा डाला जावे, अगर हो सके 40-43 दिन तक पानी क़ायम रखें यानि बर्तन को सूखने न देवें।

(ii) सूरज होवे पहले घरों में) कोई बुरा असर न होगा, दोनों का अपना-अपना और दिया हुआ असर होगा।

ख़ाना नंबर 1) काग रेखा व मच्छ रेखा (सनीचर नंबर 1 देखें) मुश्तरका ऊँट (मंगल बद) 40, बोता (सनीचर), 45 (मंदे) होगा, मगर वो ब्रह्मज्ञानी होगा, मसनूई बुध - मंदा।

5) मजबूत-तबा। अगर सनीचर का जाती सुभाओ मंदा हो तो 9 साल (ख़ाना नंबर 5 में आने के दिन से) मंदे, खौफ-ओ-खदशा होगा।

6) सोने की जगह मिट्टी के तवे। अगर बुध और चंदर क़ायम तो औलाद की 18 साला उम्र से सब कुछ बहाल होवे। अगर नंबर 2 की दृष्टि से सूरज मंदा और सनीचर क़ायम तो औरत का सुख हल्का, अगर सूरज क़ायम और सनीचर मंदा तो औरत का सुख पूरा।

8) तकिया मुसाफिरः बाकी 6 वाले मकान जैसा हाल।

चौरस्ते में नीले फूल या नीले रंग कांच के मोती दबाना मददगार होंगे, बवक्त कच्ची शाम।

9) दौलतमन्द, मगर मतलब परस्त।

दोनों नंबर 9 और मंगल बद ख़ाना नंबर 3-9 या बुध नंबर 3 का ता'ल्लुक } दोनों ही बर्बाद और मंदे होंगे।

10) दूसरों की मौत में ख़ुद नाहक़ आ मरे।

11) ख़ाना नंबर 9 का ऊपर का असर -सिर्फ़ मन्दा हिस्सा।

बाकी घरः अपना अपना असर देंगे।

चंदर मंगल

सुख 3 साल, औलाद 27 साल, मुसीबत 2 साल (बद),

दोनों का उत्तम फल होगा।

मधुपान (दूध में शहद) श्रेष्ट धन रेखा, दोनों मुश्तरका चंदर या मंगल दोनों में से किसी एक के पक्के घर (3-4-8) में हों तो मंगल-बद का तुख्म भी बाकी न होगा।

दोनों मुश्तरका को देखे या वो देखें) -

सूरज: राज योग, साहिब-ए-हुकूमत।

बृहस्पतः सबसे उत्तम लक्ष्मी, मुआविन उम्र का पूरा नेक फल होगा।

शुक्र: औलाद के बिघन, अपना धन बरतने से पहले ही चल बसे।

बुध: ब्योपारी, अक़्ल का धनी, मगर धन की शर्त नहीं है।

सनीचर: जहरीले जानवरों और दरिंदों से खतरा

मौत होवे। अहमक़ जिद्दी मंदभाग लेकिन जब सनीचर नंबर 10-11 का न हो, भतीजे, भानजे खा जावें मदद कोई न देवें।

ख़ाना नंबर 1) अपना अपना फल।

2) श्रेष्ट धन रेखा।

3) अक्लमंद, साहिबे तदबीर, इज्जत, तरक्की और मरातब का मालिक साहिब-ए-इकबाल और आराम पावे।

4) धन रेखा का निकास, नेक असर बशर्ते कि बुध और सनीचर का ताल्लुक (10-4) से न हो जावे।

7) धन, दौलत, परिवार का धनाड, मगर मौत हादसा से होगी।

9) ख़ुद दुष्ट भागवान, मगर औलाद उत्तम धनाड।

10) धन की शर्त नहीं मगर मौत हादसा से होगी।

11) वहमी, लालची। सनीचर से धन का फैसला होगा, जिसका ताल्लुक लालची बनाता है।

बाकी घरः अपना-अपना असर होगा।

चंदर बुध

लड़कियां 6 साल, बीमारी 15 साल, दौलत 22 साल।

दुनियावी खराब, रूहानी चंदर का उत्तम और प्रबल।

मां धी, दरिया के पानी में रेत, टुणिया तोता, हंस परिंदा,

कुआं व पौड़ियां मुश्तरका।

अगर बुध नेक होवे तो चंदर भी नेक होगा, लेकिन जब बुध मंदा होवे तो न सिर्फ़ चंदर मंदा होगा बल्कि सनीचर भी औलाद के ताल्लुक में अपने ही बच्चे तक खा जाने वाला बुरा सांप होगा।

चंदर पहले घरों में हो तो चंदर का असर प्रबल होगा। गैबी हाल अच्छा, दुनियावी हालत में दोनों का ही मंदा होगा। दोनों जुदा - जुदा होने की हालत में दोनों में से कोई भी जब दूसरे के घर हर तरह से अकेला होवे तो पूरा नेक और उत्तम

फल देगा। लेकिन जब दोनों मुश्तरका होकर दोनों में से किसी के घर इकट्ठे हों तो नेकी की शर्त ज़रूरी न

होगी, सिवाय ख़ाना नंबर 4 जहां कि गैबी अच्छा, दुनियावी हाल दोनों का मंदा। दोनों मुश्तरका या दो में से किसी के साथ पापी ग्रह या दुश्मन ग्रह (ख़्वाह एक का दुश्मन, ख़्वाह दोनों का दुश्मन हो) या मंगल बद का ताल्लुक हो जावे तो दोनों ही ग्रहों का गैबी और दुनियावी फल मंदा होगा, दोनों के साथ बृहस्पत भी आ मिले तो बुध मारा जावेगा।

अगर बुध पहले घरों में हो तो बुध का असर प्रबल होगा या दोनों बुध के घरों में इकट्ठे हो जावें तो मंदे नतीजे होंगे।

दोनों ही ऊपर की मिलावटों से अगर मंदे हो जावें तो चंदर (माता), बुध (बेटी) जुदा जुदा रहें या बुध के दस्ती हुनरमंदी वगैरह के काम बंद करें।

दोनों मुश्तरका मंदे सनीचर का काम देंगे, बल्कि चंदर नष्ट लेंगे।

गल्बा-इश्क़ बाइस-ए-तबाही होगा।

जब दोनों दो में से किसी के घर इकट्ठे हों - मगर जब दोनों मुश्तरका मगर दोनों के घरों से बाहर किसी और जगह इकट्ठे हों और दृष्टि ख़ाली। गोया माँ बेटी अकेली ही जोड़ी तो दोनों इकबालमन्द होंगे। धन दौलत उम्दा मगर दिली ताक़त कमजोर होगी।

दोनों को देखे:

मंगल बदः मामुं तरफ़ मंदा हाल, मगर अपनी उम्र लम्बी और उम्दा।

बृहस्पत, सूरज या सनीचरः नेक असर होगा।

दोनों बामुक़ाबिल हों और दृष्टि होः

100 फीसदी: निहायत खराब असर	पौड़ियों के सामने कुआं
50 फीसदी: खराब असर	
25 फीसदी: मामूली खराब	

मगर धन बर्बाद न होगा, जब तक चंदर प्रबल रहे या कुआं खुला व आबाद रहे। दिल बकरी का होगा।

जो ख़ुदकशी तक का सबब हो सकता है।

4) फर्जी वहम और दूसरों की मुसीबत ख़ुद अपने ऊपर लेकर खुदकशी तक का मूजब होवे, वजह गल्बा-इश्क़ होगा, मगर गरीबी वजह मौत न होगी।

6) बजाजी के कामों से मिसल राजा होगा। अक़्ल क़ायम, हमदर्द, मातृ हिस्सा का असर नेक। ख़ुद अपनी नजर कम, ख़ूनी होगा। यकतरफा तबीयत वाला, मगर दूसरों की मुसीबत पर मुसीबत देखता चला जावे। अक़्ल की कोई पेश न जायेगी, ख़्वाह लाखोंपती हो।

6 बाकी रहने वाले मकान की क़िस्मत (तकिया मुसाफिर) होगी, मगर माता पिता का सुख सागर लम्बा व नेक होगा।

बुध नंबर 12 का हाल ख्याल में रहे।

चांदी का गिलास, कौल, कटोरा।

7) वही असर जो ऊपर 6 का है, मगर अब माता न होगी, अगर होगी अंधी होगी। तबीयत बदलने वाला होगा।

ख़ुद दिमागी सदमात होंगे, मगर अक़्ल अंदरूनी का साथ होगा और हुनर-पेशा बर्बाद होगा।

10) निहायत बुरी और मनहूस जिन्दगी, खतरा मौत होगा।

11) समन्दर में सीप में मोती बनाने वाली बारिश हर रोज नहीं होती, लेकिन जब होगी मोती बना कर ही जायेगी। गुलगुले की बारिश हर रोज न होगी, लेकिन जब होगी शादी के दिन होगी या लड़की की शादी के दिन से मुबारक दर मुबारक फल पैदा होंगे।

बाकी घरः अपना अपना दिया हुआ हाल और असर लेंगे।

चंदर सनीचर

काली स्याही

राज दरबार 12 साल, दौलत अज़ सनीचर 42 साल, पानी की बाऊली। दोनों का और खराब फल होगा, चंदर ग्रहण के वक्त सनीचर की चीजें चलते पानी में बहाना मुबारक होगा।

उल्टा कुल्हाड़ा, मसनूई नीच असर का केतु होगा। विसर्ग, कछुआ।

दो रंगी सनीचर की चीजें। पांच कल्याणी स्याह भैंस (या सारी स्याह माथा सफेद)।

5 कल्याणी लाल रंग भूरी भैंस, औलाद (केतु) की बजाय बाप दादा, भाई बन्दों पर हमला करेगी, मंदे असर होंगे - जब तक वहां सूरज प्रबल वाला मौजूद न होवे।

दूध में जहर होगी, चंदर धन सनीचर खजानची होगा। मंदी मोटर लारी या सामान सवारी (हादसे करने वाला) आंखों की बिमारियां या टेढ़ापन होगा, स्याह मुंह माया। (बदनामी का सबब पैदा करने

वाला धन)। आंख (डेले चंदर, नजर सनीचर) से फैसला होगा कि दोनों में प्रबल कौन है।

चांदी का पैसा स्याह व खोटा लोहे का टुकड़ा होगा।

ख़ूनी कुआं या मीठे पानी में जहर मिली होगी। सनीचर के काम दुख का सबब होंगे। ख़ुद अपनी कमाई अपने काम न आवे। किसी दूसरे के साथ से जो हम-उम्र हो या दूसरी उम्र का साथी (बहिसाब उम्र) हो, धन पैदा होगा जो स्त्री, भाई-बन्दों के हाथ लगता हुआ फिर भी स्याह मुंह माया साबित होवे।

जब कभी चंदर के दुश्मन ग्रहों का दौरा हो (चंदर के दुश्मन नंबर 1 में हो जावें) चोरी और धन हानि होगी। ऐसा धन स्त्री, स्त्री ख़ानदान, ससुराल या दूसरे यार-दोस्तों के काम बहुत आवे।

सनीचर चंदर को देखेः चंदर का असर बर्बाद।

चंदर देखे सनीचर कोः सनीचर का मंदा, मगर चंदर उम्दा।

जब दोनों ग्रह मुश्तरका दीवार वाले घरों में हों और कुएं की दीवार फाड़ कर मकान या तैख़ाना वगैरह बना कर दोनों को मिला लिया जावे तो दूध में जहर मिला ली होगी। चंदर नष्ट औलाद बर्बाद, ख़ुद अधरंग, दौलत ख़त्म, सब मंदे नतीजे हों।

खाना नंबर 2) उम्दा असर होवे। स्याह घोड़ा। कुआं लगाना मुबारक होगा। रफा-ए-आम भी मुबारक।

3) चोरी का घर है, संदूकची होगी, मगर धन से ख़ाली। नकद माल नदारद, जायदाद बेशुमार। सनीचर काबिले उपाओ, राशीफल का होगा। (केतु का उपाओ)। लेकिन अगर केतु रद्दी हो तो लाल फिटकड़ी जमीन में दबाना मुबारक होगा।

4) पहाड़ पानी में बह निकलेगा। मौत पानी से रात को होगी अगर सूरज का साथ (बमूजब नंबर 1-10 वगैरह)

न हो। अगर सूरज की मदद मिलती हो तो मुबारक होगा।

मगर मौत दिन के वक्त होगी पानी से। दबा हुआ धन होगा जो लावल्द होने या इसकी मौत के बाद दूसरों के काम आयेगा। औरत की कबूतरबाजी बाइस-ए-तबाही। सांप को दूध पिलाना मुबारक होगा।

पितृ रेखा का उत्तम असर होगा। सनीचर मददगार साया करने वाला सांप होगा, ख़ुद उसके लिए मगर दूसरों के लिए ख़ूनी सांप होगा। अपनी बेवकुफी से मोतिया नजर बर्बाद करावे, चोट से खराब नजर न होगी।

मौत परदेस में होगी। बाकी 4 वाला मकान का हाल, मानिन्द गधा।

खाना नंबर 5) औलाद पर खराबी (सिर्फ़ धन दौलत) होगी। मुसीबत में दुख का यम, सनीचर के आतिशखेज पहाड़ का धुआंधार जमाना खड़ा कर देगा जो चंदर के समंदर के पानी में गरक होकर गोता देने का सबब होगा।

ख़ाना नंबर 6) दुनिया के 3 कुत्ते बाइस-ए-खराबी होंगे। भैण के घर भाई, नानके घर दोहता, ससुराल के घर जवाई कुत्ता होगा। चंदर सनीचर दोंनों की मिट्टी बर्बाद और खराब होगी। माता व जायदाद जद्दी तो मुब्तदी हालत व बर्बाद, मगर ख़ुद आमदन व मकान आबाद होंगे।

7) आँखों की बीमारियाँ अँधापन तक, स्त्रियों के झगड़े जिन्दगी तबाह करें। 42 साला उम्र में माता पिता में से सिर्फ़ एक होगा। मौत हथियार से होगी मगर गृहस्त और मातृभूमि में।

8) बुढ़ापे में नजर का तकाजा होगा।

9) धन दौलत निहायत उत्तम मगर चंदर का मंदा असर मिला हुआ होगा।

10-11) पानी व माया के कुएँ भी खुश्क हो जावें, जहर बढ़ती जावे। तारे वाला टट्टू घोड़ा।

12) माया पर पेशाब की धार मारने वाला होगा, औरत का सुख हल्का।

बाकी घर: अपना अपना असर होगा।

शुक्र चंदर

आराम 4 साल, बीमारी 15 साल, दौलत 12 वर्ना 27 साल, दुनियावी दोनों का खराब। बातनी चंदर का उत्तम और प्रबल होगा।

खुसरा गाय (न बैल न गाय) शुक्र के घर (मर्द का ससुराल) माता के घर (मामूँ) दोनों बर्बाद करे। नूह सास का झगड़ा, माता न होगी, अगर होगी उसकी नजर न होगी। शादी के दिन से दोनों ग्रहों का मंदा असर शुरु होगा।

शुक्र देखे चंदर को: औरतों की मुख़ालफ़त।

चंदर देखे शुक्र को: फ़कीर साहिब-ए-कमाल होगा।

दोनों मुश्तरका: मामूली जिन्दगी बसर करने वाला हो।

दोनों मुश्तरका को मंगल बद देखे: स्त्रियाँ (शुक्र चंदर) तबाह होंगी।

बुध की मदद या उपाओ दोनों का नेक असर पैदा कर देगा। दही से पानी राख ही निकालेगी।

दोनों अपने अपने पक्के घरों में जुदा-जुदा हों तो कामदेव से दूर होगा।

1) शुक्र औरत की सेहत मंदी, कमजोरी, दीवानगी वगैरह।

2) दवाईयों के काम से फायदा, हकीम होने की शर्त न होगी। बृहस्पत का नेक फल अब शामिल नहीं होगा। इश्क़ दुनियावी (औरत की बदफेली, इश्क़ वगैरह) बाइस-ए-तबाही।

4) शरीफ अंजफ माँ बाप दोनों की तरफ़ से, ख़ालिस और ख़ुद भला लोग होगा। फ़कीर साहिब ए कमाल वर्ना नशेबाजों का सरदार, जब दृष्टि ख़ाली। कामदेव से दूर होगा।

दोनों नं 4 और सनीचर नं 10 मां का नेक असर शामिल होगा।

दोनों नंबर 4 सूरज नं 10 बाप का

दोनों 5 सूरज नं 5 शर्मीला लड़कियों जैसा मगर बुद्धू न होगा।

7) धन का बढ़ना बन्द होगा। आबिद, सख़ी परहेज़गार होगा।

अगर धन का पूरा और नेक फायदा लेवे तो उम्दा असर वर्ना वही धन पांचों ऐब शुरु करवा कर बर्बादी करे। बाकी 7 वाला हाथी का मकान।

8) बदचलनी की बीमारियाँ, ख़ुद साख़्ता बेवकुफियाँ वजह होंगी। बूढ़ी माताओं और गऊ सेवा या गऊ दान मुबारक होगे, वास्ते सेहत और धन दौलत।

बाकी घरः अपना-अपना असर लेंगे।

लाल किताब के विद्यार्थी

शुक्र मंगल

आग का डर 17 साल, तीर्थ 20 साल, सुख 7 साल,

बीमारी 9 साल। दोनों का और उत्तम फल होगा।

कलाई रेखा, मिट्टी का तनूर, मीठा अनार, गेरू।

धन दौलत, जिसके साथ परिवार भी हो।

शुक्र मंगल - साथी, इकट्ठे या बदले घर बाहम हों।

दो की जगह अब चंदर होगा, ज़ाहिरा बेशक दोनों हों।

दोनों को बृहस्पत देखेः निहायत उत्तम लक्ष्मी होगी।

दोनों को पापी या मंगल बदः हर तरह मंदा, मौत बुरी तक असर हो।

खाना नंबर 2) ससुराल ख़ानदान से मीठी खाँड की तरह का उम्दा असर व दौलत का फायदा हो, ससुराल भी ख़ुद अमीर होंगे, मगर लावल्द न होंगे।

3) ऐसा धन भाई बहनों को तारे मगर ख़ुद ज़नाकार अय्याश होगा।

4) माता के भाई बंद (नर आदमी) ख़ुद तबाह और इसे तबाह

करें, ज़ाहिरा पानी में डूबते जावें। मंगल बद उड़ता होगा।

7) हरदम बढ़े परिवार और दौलत का भारी भंडार होगा। औलाद दर औलाद और साहिबे औलाद पड़ोते पड़पोते बहुत होंगे, इसका धन अपने ही ख़ून से पैदाशुदों को तारे, मार्फत अपनी औरत या भाई बंद के बाद (भूआ, बहन, फुफी नहीं)

8) ऐसे जम्मे चंदरभान, चूल्हे आग न मंजे बाण। ख़ुद आसूदा हाल, मगर हर एक का निन्दक और बदखोई करने वाला, हमला रोकने की हिम्मत का भी साथ होगा।

10) मामूली सी मिट्टी की डली पर लम्बा झगड़ा कर लेने वाला होगा या मिट्टी के लिये खाँड भी बर्बाद कर लेगा औरत के लिये भाईयों को मरवा देगा। ख़ाना नंबर 2 का अब खास ताल्लुक होगा।

बाकी घरः अपना अपना असर होगा।

शुक्र बुध

राज ताल्लुक 22 साल, औरत का सुख 37 साल,
दौलत 36 साल, दुश्मन 40 साल। दोनों का
और उत्तम फल होगा।

तराज़ू, रेतली मिट्टी। मसनूई सूरज का असर होगा जो सिर्फ़ सेहत और रिजक़ का मालिक होगा, हुकूमत के साथ की शर्त न होगी। जनाकार भी हो सकता है।

शुक्र अगर केतु का जिस्म है तो बुध उसकी टेढ़ी दुम होगी, जब कभी मंगल का ताल्लुक (किसी तरह भी) हो जावे, बुध शेर को भी दाँत दिखा देगा और शेर की तरह गाय पर हमला कर देगा।

दोनों का मुश्तरका असर (शुक्र -बुध) औरत पर नेक होगा, ख़्वाह किसी भी घर हों (सिवाय ख़ाना नंबर 4, जहां कि दोनों ही का फल रद्दी होगा)। ब्योपार में नफा और सूरज ग्रहण में मदद होगी।

शुक्र बुध जब दो हों इकट्ठे, शनि भी उम्दा होता है, अन्न दौलत

की कमी न कोई, घी मिट्टी से निकलता है। चाँद ग्रहण के वक्त भी चंदर की सब चीजों का नेक फल साथ होगा, सिवाय सौतेली माता के जो साथ न देगी।

दोनों मुश्तरका होने पर जब तक सूरज का साथ का ताल्लुक न होवे बुध का निहायत उत्तम और ऊँच फल साथ होगा। लेकिन जब सूरज का ताल्लुक हो जावे, शुक्र का नेक असर होगा वो अमीर ख़ानदान से होगी और सूरज की तरह उत्तम।

दोनों को सनीचर का साथ भी मुबारक होगा, जायदाद उम्दा होगी। सब हालतों में ईमानदारी का धन साथ देगा।

दोनों जुदा जुदा होवें तों:-

(I) जब दृष्टि वाले घरों में हों

(100 फीसदी- 50 - ख़्वाह 25) और (अलिफ) बुध कुण्डली के पहले घरों में हो तो दोनों मुश्तरका असर में

कुत्ते की नेक नीयत (ऊँच केतु) का फल शामिल होगा। (बे) जब शुक्र कुण्डली के पहले घरों में हो तो

दोनों के मुश्तरका असर में गरबा-मसकीन, आजिज बिल्ली (सौ चूहे खाकर बिल्ली हज करे-ऊँच राहु) की नीयत भरी होगी। दृष्टि वाले घरों में मुश्तरका होने पर शुक्र का असर प्रबल होगा।

(ii) जब दोनों ग्रह अपने से सातवें घरों में हों तो आम असूल से ज़रा फ़र्क होगा और दोनों का फल खराब होगा। सफेद रंग गाय मंदी हालत का सबूत होगा।

शुक्र हों खाना नंबर में	बुध हों खाना नंबर में	
3	9	दोनों घरों व दोनों ग्रहों का फल रद्दी होगा।
9	3	
6	12	दोनों ग्रहों का फल बर्बाद होगा।
12	6	दोनों का ऊँच होगा, केतु का उत्तम जाहिर होगा।
8	2	दोनों का रद्दी नंबर 8 का मुर्दा बुध अब
2	8	

शुक्र को जो बृहस्पत के घर है भी मुआफ न करेगा। ऊपर के घरों में अगर दोनों मुश्तरका हों तो नेक और मसनूई सूरज का फल होगा।

(iii) दोनों दृष्टि के घरों से बाहर हों तो बुध अपना फल और अपने बैठा होने वाले घर का तमाम असर शुक्र वाले घर और शुक्र में मिला देगा बशर्ते कि बुध के साथ शुक्र के दुश्मन ग्रह न बैठे हों। जब ये दोनों ग्रह किसी तरह भी न मिल सकते हों तो दोनों बर्बाद। न फूल उम्दा न फल अच्छा। बाद के घरों में बुध के मंदे फल को शुक्र रोक देगा मगर कुण्डली के पहले घरों के मंदे बुध का फल शुक्र रोक नहीं सकता।

खाना नंबर 1) किस्मत में सूरज मसनूई का नेक असर शामिल होगा, मगर अल्प-आयु, मवेशियों के सुख से महरूम होगा।

2) जानी वर्ना हर दो का उत्तम अपना अपना फल।

3) सिर की श्रेष्ट रेखा का उत्तम फल, जो चंदर के बुरे असर से बचायेगा यानि जब चंदर भी रद्दी हो, गो सौतेली माता का कोई फायदा न होगा मगर चंदर की सब चीजों का फल नेक होगा, बेशक चंदर ग्रहण हो।

4) मामुं ख़ानदान और ससुराल का मंदा हाल होगा। ख़ुद भी चाल चलन का शक्की होगा लेकिन अगर चंदर क़ायम हो तो कोई बुरा असर न होगा।

माता के भाई-बंद और बहन वगैरह कारोबार में खराबी का सबब होंगे, मगर लड़की वाला मामुं मुबारक होगा।

5) इश्क़जुबानी, हमराहियों को बर्बाद करावे, शुक्र का पतंग होगा, मगर औलाद पर कोई बुरा असर न होगा।

6) सिर की श्रेष्ट रेखा ऊपर ख़ाना नंबर 3 वाला असर होगा, मगर औलाद के बिघन व दीगर तकाजे। राजयोग

जब सूरज का ताल्लुक भी हो जावे यानि नंबर 2 में सूरज शामिल हो तो किताबों का काम, छापाख़ाना, दिमागी तहरीरी काम, राज दरबार और अहले कलम से बस्यार मुनाफा हो। औरतों से मुख़ालफ़त हो अगर सनीचर नंबर 2 में हो तो जायदाद बढ़ती जावे। हर दो हालत में ईमानदारी का धन साथ देगा।

7) उत्तम फल, फूल-फल दोनों उम्दा की शानदार गुलज़ार हो और घर-बार, गृहस्ती सुख सब शानदार हो।

अगर राहु या केतु का ताल्लुक हो जावे तो मंदा फल होगा, औलाद के बिघन वगैरह, शादी और औलाद दोनों मंदे होंगे। कांसी का कटोरा मददगार होगा।

8) रब बनाई जोड़ी, एक अंधा दूसरा कोढ़ी।

शुक्र ख़ुद अक़्ल के ख़िलाफ़ कारवाईयां करने वाला और बुध रद्दी से मामुं व बहन बर्बाद।

9) बुध के वक्त से (लड़की की पैदायश या ख़ुद उम्र 17 साल)

बाप दादा की सब उम्मीदों पर पानी फेर देगा।

दोनों ग्रह जुदा-जुदा मंगल बद का पूरा असर देंगे।

10) साहिब-ए-अक़्ल, सेहत उम्दा।

11) अजीजों से जुदाई, अपना अपना फल।

12) दोनों रद्दी। हड़काई बकरी और कुत्ता अब औरत गाय का पेट फाड़ डालेंगे, गृहस्त रद्दी।

खांड में रेता होगा या शीशा पिसकर धोका देगा कि खांड पड़ी है मगर मुंह उसे खाकर तंग होगा। सेहत के मालिक होंगे। लड़की की पैदायश से गृहस्त मंदा होगा। औरत की सेहत भी खराब ही होगी, मगर ख़ुद अपनी उम्र पूरी, बल्कि 100 साला तक होवे।

शुक्र सनीचर

दौलत 12 साल, दोनों का और बहुत उत्तम फल होगा। जब ये दोनों मुश्तरका होंगे, मंगल केतु भी मुश्तरका होंगे। काली मिर्च व घी जो मंगल बद को हटावे।

स्याह काला मनूर, घर में ठाकुर मौजूद।

मसनूई केतु (उंच हालत) जो ऐश का मालिक होगा। सनीचर के साथ या सनीचर की राशी नंबर 10-11 में शुक्र काली कपिला गाय होगी, जो सनीचर के तमाम बुरे असर से बचा लेगी। दोनों मुश्तरका में बुध का नेक फल ख़ुद-ब-ख़ुद शमिल हो जायेगा। इसकी कमाई नजदीकी रिश्तेदार और मकान खा जायेंगे। मकान के ऊपर बिजली के बुरे असर से बचाने वाली लोहे की सलाख होगी, गर ये चीजें न हों तो धन की जगह जली राख होगी।

दोनों मुश्तरका देखें बृहस्पत कोः क़िस्मत के दूसरे साथी आ मिलने पर किस्मत जागेगी।

दोनों को बुध देखेः जुबान का चस्का बर्बाद करे।

दोनों को सूरज देखे: सनीचर का पुरजोर बुरा असर। मौत पुरदर्द होगी।

शुक्र सनीचर मुश्तरका में सनीचर से मुराद उसका बाप होगा।

अब बुध न ही बोलेगा, न ही मंदा फल देगा, ख़्वाह नंबर 6 में हो।

ख़ाना नंबर 1) काग रेखा और ख़ुद जानी अय्याश।

दोनों नंबर 1 मंगल नंबर 4 सूरज नंबर 2 चंदर नंबर 12)	दलिद्री, आलसी, निर्धन, दुखिया।
दोनों नंबर 1 मय राहु या केतु, सूरज नंबर 7 :	हर तरह से मंदा हाल। जिस्म में जलती आग की तरह का दुख खड़ा रहे। तपदिक़ वगैरह, मिट्टी खराब और सेहत बर्बाद, दुखों का पुतला होवे।

3) जिन्दगी और कमाई दूसरों के लिये होगी।

4) अपना अपना

दोनों नंबर 4 और सूरज नंबर 10: निहायत पुरदर्द मौत होवे।

7) निहायत करीबी रिश्तेदार कारोबार में शामिल होकर

या वैसे ही इसका धन खा पी जायेंगे।

दोनों नंबर 7,
चंदर नंबर 1
सूरज नंबर 4: } नामर्द वर्ना बुजदिल होगा।

9) नेक फल, अब शुक्र मंगल बद का असर न देगा। कंज़री गृहस्ती घर में आबाद हो गई होगी।

दोनों नंबर 9
बृहस्पत नं 5 या नं 6 } जायदाद की जायदादों वाला।
स्त्री सुख पूरा होगा।

या मुश्तरका या बामुक़ाबिल:

10)

दोनों नं.10 और
सूरज नंबर 4: } सनीचर का बुरा असर न होगा बल्कि जायदाद बनेगी। मौत भी पुरदर्द न होगी बल्कि लम्बी उम्र होगी, नकद रुपया बेशक कम ही होवे।

दोनों का अपना अपना उत्तम।

बेशुमार गृहस्ती साथी और इसकी लड़की-लड़कों के रिश्तेदार इस की कमाई से परवरिश पायेंगे।

के रिश्तेदार इसकी कमाई से परवरिश पायेंगे।

धन दौलत सबके लिये बहुत होगा और बढ़ेगा। मकानात बहुत बनेंगे या बना देगा।

11) उत्तम फल गृहस्ती सुख और ज्यादा तादाद मैम्बरान ख़ानदान, ज़रायत खेती (शुक्र के काम) से पूरा नफा और फायदा।

दोनों नं. 12 } जानी होगा।
बुध नं. 6: }

लाल किताब के विद्यार्थी

मंगल बुध

आग का डर 17 साल, फ़ोकी इज्जत 11 साल,

वालिद 12 साल, लड़के 24 साल। मंगल का

अच्छा, बुध का खराब फल होगा। अनार का फूल।

कंठी वाला राये तोता, मसनूई सनीचर (राहु सुभाओ) मौत बीमारी का मालिक और हर लानत का मंगल बद। आतिशी शीशा (शीशा बुध में आग मंगल)। लड़की के लाल चमकीले कपड़े (लाल मगर चमकीले न हों तो मंगल नेक होगा। संभर जो शादी के वक्त होता है, मंगल नेक है) बुध की निस्फ उम्र (17 साला) तक बुध का जुदा असर न होगा मगर खुफिया बुरा असर होता रहेगा।

जैसा बृहस्पत टेवे में होवे वैसा ही दोनों मुश्तरका का होगा, मगर शुक्र स्त्री की दिमागी ताक़त उत्तम होगी, सरसब्ज पहाड़ का उम्दा फल देगी।

औरत की जुबान का सिर्फ़ हर्फ पत्थर पर लकीर होगा,

या गुरु से सुनकर आने के बाद बोलती मालूम होगी।

1) मजबूत जिस्म, औरत ख़ानदान को तारे।

2) ससुराल धन दौलत पावें, अमीर हो जावें, और धन दौलत देवें।

3) धन दौलत के बहुत रंज-ओ-गम देखे, धन चला जावे, हर खेल में 3 काणे दिखलावे। अगर बड़ा भाई साथ हो और मदद पर तो खुशगुज़रान हो। माता-पिता का सुख सागर लम्बा और उम्दा हो और कुदरती मदद मिले।

4) अपनी जात पर बुरा असर न होगा, दूसरों के लिये वो ख़ुद नहीं।

6) अब मंगल बुध की दुश्मनी न होगी, अपना अपना फल और नेक मायनों का मिला हुआ।

7) मंगल सातवें सब कुछ उम्दा, धन दौलत परिवार सब।
सबका सब ही रद्दी होगा, बुध मिले मंगल से जब।

मंगल का शेर शुक्र की गाय पर भी हमला कर देगा, गृहस्त बर्बाद। जहर के वाक़यात, जुबान ख़ुद की मेहरबानी सबब होगी।

8) बुध के तीर को मंगल बद का मुंह मामुं ख़ानदान और आगे औलाद इनकी भी तबाह करे। उम्र 7-14- 21-28 तक माता ख़ानदान को ले मरे। मामुं वही बचे जो घर से बाहर और वो भी साधु सिर पर राख डाले, अगर घर में रहता हो तो मुर्दे से बदतर हालत होवे। मुलाजमत में मौकुफी झगड़े वगैरह - जो कहो सच।

11) शराब का इस्तेमाल आँख का टेढ़ापन देगा या सनीचर मकान और बृहस्पत गुरु, पिता, धन-दौलत, सोना मंदे हाल देंगे, जिसका उपाओ गंगा जल सुबह सवेरे इस्तेमाल करना मुबारक होगा या चंदर या बृहस्पत की चीजों का साथ नेक होगा। अब चंदर या बृहस्पत का इलाज मददगार होगा।

बाकी घर: अपना अपना असर।

मंगल सनीचर

बीमारी 5-15 साल, दौलत 24 साल, तकलीफ 10 साल। दोनों ग्रहों की बुनियाद अच्छी व मंदी राहु पर होगी या दोनों का और उत्तम फल होगा, जब राहु उत्तम हो।

मसनूई राहु (उंच) झगड़े फसाद में फतह का मालिक, नारियल-छुआरा, बुढ़ापे में किस्मत की शान, दयालु शिवजी व विष्णु जी होंगे। बुध का ताल्लुक होवे तो राहु बुरी नीयत का होगा या काग रेखा पूरी होगी जो धन व परिवार दोनों ही उजाड़े।

मुश्तरका बैठे कमान होगी, दिलावर, बहादुर, सेहत उम्दा मगर बीमारी जब कभी हो मौत का ही डर देवे मगर उम्र लम्बी होगी। सनीचर का फल दो गुणा होगा या दूसरे भाइयों की किस्मत भी उसे ही मिली होगी। सांप और शेर की मुश्तरका तबीयत। आजिज मुआफ - दूसरा तलवार के घाट। घर दौलतमंदी की वजह से डाका

के काबिल या डाका के वाक़यात हों।

औसत आमदन 18 रुपये माहवार होगी।

दोनों को देखे बृहस्पत } माकुल आमदन फिर भी
जब बृहस्पत नं 2 का न हो } कर्जाई, खास कर बाप की तमाम

जद्दी चीजों के ख़त्म हो जाने तक इन दोनों ग्रहों का फल मदद न देगा।

लोगों को शाप देने वाला बृहस्पत होगा, मगर ख़ुद अपने लिये मुआविन उम्र, हरदम मददे मर्दां।

मगर जब बृहस्पत } अब गुरु भी चोरों का सरगना होगा,
नंबर 2 का हो } धन दौलत अब शाहाना होगा।

दृष्टि में मगर } दोनों जुदा-जुदा अगर मंगल देखे सनीचर
चूल्हा } को तो मंगल ख़ुद सिफर बल्कि औलाद से

महरूम तक होगा, मगर सनीचर दोगुना। अगर सनीचर देखे मंगल को तो दोनों प्रबल दो डाकू बलवान।

दोनों जुदा-जुदा मगर दृष्टि का ताल्लुक न हो तो दोनों का

लाल किताब हिंदी

अपना अपना असर क़ायम जो भी होवे।

साथ व साथी ग्रह होने से दोनों मुश्तरका होते है।

खाना नंबर 1) काग रेखा जिस दिन ऐसा शख़्स राजदरबार में काम शुरू करे दोनों ग्रहों का नेक फल होगा।

(बजरिया मंगल) मंदे वक़्त तक काग रेखा (जब बुध मंदा होवे टेवे में) सब कुछ उड़ादे मगर उम्र हार न देवे मगर औरत की इश्कबाज़ी से खराबी रही।

स्याह आंख औरत मर्द का सब धन दौलत ख़ुद अपने (औरत के) ख़ानदान को पहुचाती जावे। मगर भूरी आंख वाली मर्द ख़ानदान को पालती जावें। हर दो हालत में ससुराल ख़ानदान मालामाल हो जावे।

2) ससुराल से दौलत मिले ख़ुद अमीर होंगे। लावल्द न होंगे। उनके धन के दरिया की लहर मुबारक होंगी। (बजरिया शुक्र) जिस दिन शादी हो या ससुराल का ताल्लुक पैदा हो जावे बृहस्पत का भी फल उत्तम होगा।

3) अपने ही भाई बन्द मुखालफत करें, जहर के वाक़यात हो, गृहस्त बर्बाद, धन कम, जायदाद ज्यादा, खुद बहादुर दिलावर होगा। लड़की की शादी हो या लड़की ऋतुवान होवे, बजरिया बुध दोनों ग्रहों का नेक असर होगा।

4) खेती की जमीन आवे या घोड़ी बछड़ी देवे, बजरिया चंदर दोनों का फल उत्तम होवे, वर्ना दोनों का जुदा-जुदा खाना नंबर 10 का फल होगा जो कि चंदर मंगल नंबर 10 में लिखा है।

5) जब ऐसे शख्स के हां औलाद पैदा होवे तो किस्मत जागे (बजरिया सूरज)।

6) जब छिपकली जिस्म पर चढ़ जावे पांव की तरफ से या कुत्ती घर में या घर के सामने के घर या मैदान में बच्चे देवे (बजरिया केतु) किस्मत जागेगी, नेकी फरामोश होगा।

7) अपने रिश्तेदारों और अपनी औलाद को तारने वाला धन

होगा। दौलतमंद, औलाद, स्त्री और दुनिया का सुख पूरा (बजरिया शुक्र) स्त्री से स्त्री ताल्लुक या भोग हो किस्मत जागेगी।

8) अब दोनों ग्रह मारग अस्थान के होंगे। 3 कोना मकान वाला हाल, मौतें, मातम, तमाम बदियां। अब सिर्फ़ शमशान के कुएं का पानी मुबारक होगा, वर्ना सब बर्बाद। बाकी सिफर वाला मकान, मुर्दा घाट।

9) अगर बुध का ताल्लुक हो जावे, सबसे मंदी काग रेखा, वर्ना जनम से ही सबसे उत्तम हालत। शाही जंगी धन व शाही परवरिश व हुकूमत का साथ होगा, जो 60 साल उम्दा रहे और आगे बढ़े। असल क़िस्मत का दिन वो होगा, जब इसके गृहस्त में बुजुर्गों से मुतल्लका बतौर दान-यग एक लम्बा चौड़ा अडम्बर होवे, मानिन्द मेला (बजरिया बृहस्पत)।

10) इसके मकान में दिन के वक्त (रात को नहीं)

10) सांप जाहिर हो और वो मारा न जाये क्योंकि ये सिर्फ़ क़िस्मत के जागने की खबर देने आता है डंग नहीं मारा करता - (बजरिया सनीचर)। इसके गृहस्ती साथी बाहम रगड़ा झगड़ा करें तो बेशक मगर कुदरत की तरफ़ से कोई मौत या हादसा काबिल ए मातम न होगा। जंगली चीते का हाल होगा। अगर कोई दुश्मन ग्रह ख़ाना नंबर 3 या 4 से आ छेड़े तो ख़ाना नंबर 3 या 4 वाला ग्रह ख़ुद ही मारा जायेगा, जिस पर ये दोनों ग्रह मंगल सनीचर और भी खूंखार हो जायेंगे। चार गोशा मकान का मुबारक फल होगा।

दोनो नं 10 और चंदर नं 4	पानी की बजाये दूध से पले हुये दरख़्त की तरह उत्तम किस्मत का मालिक

होगा। राज दरबार से खास नफा पावे और ज़रूर मुलाजमत वगैरह के ज़रिये सरकारी ताल्लुक का होवे।

दोनों न 10 और पापी अच्छे घरों के या जब पापी रद्दी न हों)	मालदार, अय्यालदार, पोते - पड़पोते वाला, लेकिन

जब पापी रद्दी हों, मंगल और बुध दोनों ग्रह कुण्डली में राहु की उम्र के बाद (42 साल के बाद) नेक असर देंगे।

11) क़िस्मत का असल दिन बाप की तमाम चीजों के एवज में जब अपनी ख़ुद-साख़्ता तमाम चीजें बना लेवे होगा। बजरिया बृहस्पत माकुल आमदन फिर भी कर्जाई। चोरों को फंसाने वाला धर्मात्मा साधु की तरह बृहस्पत दोनों ग्रहों के फल को बर्बाद करता जायेगा।

12) अपना अपना फल होगा।

लाल किताब के विद्यार्थी

बुध सनीचर

दौलत 45 साल, तकलीफ 10 साल, लड़के

24 साल, दुश्मन 42 साल। उत्तम फल होगा।

गांव, एक सांप दूसरे उड़ता या उड़ने वाला। परिन्दों में बाज की ताक़त और चील की नजर का मालिक और सांपों में परों वाला जहरीला नाग होगा मगर कुण्डली वाले के लिए मुबारक।

वाल्दैन का सुख सागर लम्बा और नेक, ख़ुद वो शख्स हमदर्द होगा।

खाना नंबर 2) हमदर्द, उम्दा क़िस्मत। वाल्दैन नेक और उन की बाहमी नेक मुआफ़िकत होगी और सुख सागर लम्बा होगा।

4) दोनों ग्रह दूसरों के लिये ख़ूनी सांप होंगे और चंदर का फल रद्दी होगा। बुध का फल बर्बाद न होगा, ख़्वाह ख़ुद चंदर भी किसी तरह शामिल हो जावे।

7) शराबी, कबाबी, नेकी-फरामोश मगर धनाड और सुखिया हो।

9) बुध के वक़्त तक काग रेखा, बाद अजाँ सनीचर का ख़ाना नंबर 9 का असर नेक और उत्तम होगा।

11) गांव का रईस और आराम पाने वाला होवे। अगर सनीचर का सुभाओ (राहु-केतु के आगे पीछे होने के हिसाब से) नेक होवे या दृष्टि नंबर 3 का कोई मंदा असर सनीचर के लिए न रहा हो 45 साला दौलत होगी वर्ना सनीचर का फैसला क़िस्मत का फैसला करेगा।

बाकी घर: अपना अपना असर लेंगे।

लाल किताब के विद्यार्थी

दो से ज्यादा मुश्तरका ग्रह एक घर में

(अलिफ) किसी घर में दो से ज्यादा ग्रह इकट्ठे बैठे हों तो जिस घर को वो देख रहे हों अगर वो घर ख़ाली ही होवे तो इनका असर इनके बैठा होने वाले घर तक ही महदूद होगा लेकिन अगर इनकी नजर के सामने के घर में कोई ग्रह (एक से ज्यादा) बैठा होवे और वो होवे उनका दोस्त तो वो देखा जाने वाला ग्रह कभी बर्बाद न होगा बल्कि देखने वाले ग्रहों का असर अपने बैठा होने वाले घर की चीजों पर डाल देगा।

(ii) लेकिन अगर वो उनका दुश्मन हो तो ख़ुद ही बर्बाद होगा मगर अपने बैठा होने वाले घर की चीजों को बर्बाद न होने देगा।

(बे) तीसरे घर का असर कभी पहले घर में नहीं दे सकता सिवाय बुध की खास नाली के वक्त। अगर बुध तीसरे घर का असर पहले घर में ले आवे

तो पहले घर और पहले घर के ग्रहों का असर गला सड़ा ही लेंगे, ख़्वाह सब वो मिलने मिलाने वाले ग्रह बाहम या बुध और शुक्र के दोस्त हों या दुश्मन।

इसी बुध की नाली से पहले घर के ग्रहों का असर तीसरे घर में भी आ सकता है (1, 3, 5, 7 वगैरह) लेकिन अब तीसरे घर में इकट्ठा होने वाले ग्रहों का असर मंदा ही न लेंगे, सबकी

मिलावट से जैसा हो लेंगे। “तीसरा रल्या तो घर गल्या” यानि तीसरे से आने वाले पहले को बर्बाद किया मगर पहला रल्या तो तीसरा गल्या न होगा।

पापी ग्रह

सनीचर मुंसिफ और राहु व केतु पाप तीनों को एक ही नाम से पापी ग्रह याद किया जाता है।

राहु केतु भी सनीचर का सुभाओ रखते हैं मगर सनीचर की ताक़त नहीं रखते इल्लत (शरारत) होते हैं, मालूल (नतीजा शरारत) नहीं होते।

हलक़ के कौए में दाईं तरफ राहु बाईं तरफ़ केतु और दरमियान में सनीचर गिनते हैं, तालू ख़ाना नंबर 8 बगैर ग्रहों के ख़ाली जगह होगी।

पापी ग्रहों का सुभाओः-

(i) मुकाबला पर अकेला ग्रह हो (दुश्मन) तो वो उस दुश्मन ग्रह ही की ताक़त को जायल करते हैं।

(ii) मुकाबला पर जिस कदर या जितने दुश्मन ग्रह बढ़ते जावेंगे, उसी कदर और उतनी ही पाप करवाने या करने की हिम्मत पापी ग्रहों में बढ़ती जायेगी।

(iii) जब मुकाबला पर दुश्मन ग्रह किसी अकेले पापी ग्रह

लाल किताब की विद्या

के सामने इसका दोस्त साथ लेकर आ बैठे तो पापी ग्रह की ताक़त न सिर्फ़ दोगुनी या ज्यादा होगी बल्कि वो आम हालत की बजाये खूब जोर का पाप करेगा और करवायेगा साथ ही अपने दोस्त को तो खूब और बुरी तरह से मार देगा।

(iv) दो केतु मुश्तरका (एक असल केतु, दूसरा मसनूई केतु ख़्वाह उंच मसनूई, ख़्वाह नीच मसनूई) दोगुना मंगल बद की ताक़त को भी बर्बाद कर देंगे।

(v) उम्र के दूसरे दौरा में मंदर्जा जैल सालों पर शुरु होते हुये ख़ाना नंबर 9 पर खास-खास असर रखते हैं।

सनीचर - 60, राहु - 42, केतु - 48 साला उम्र पर शुरु।

(vi) पापी ग्रहों से कोई भी एक जब अपने दूसरे पापी भाईयों से मिलेगा तो नेक फल देगा।

लाल किताब विशेष

(vii) राहु केतु दोनों से जो पहले घरों में हो वो अपना फल बाद वाले में डाल कर उसे नेक कर देगा, सपुर्दम बतो माये ख्वेशरा . . . . . बेशरा।

ख़ाना नंबर 2-11-5 में राहु या केतु में से जो भी कोई होगा, उसका मंदा फल होगा और दूसरे पर कोई असर न होगा।

(viii)जब पापी मंदे असर के हों तो बृहस्पत भी मंदी हैसियत का गुरु होगा और इनके ताल्लुक की वजह से उस के असर के सामने दीवारें खड़ी गिनी जायेंगी।

(ix) ख़ाना नंबर 8 पापी ग्रहों की मुश्तरका बैठक है, मगर राहु-केतु की मुश्तरका बैठक ख़ाना नंबर 2 है जो मसनूई शुक्कर है और शुक्र की राशी भी है।

लाल किताब के फ़िदाई

(ग)सनीचर जब राहु केतु के ताल्लुक से नेक असर का हो और राहु या केतु के साथ ही बैठा हो, मकानात बनेंगे, अगर उल्ट हो तो बने बनाये बिकवा देगा-या गिरवा देगा।

लाल किताब के विद्यार्थी

राहु केतु मुश्तरका

राहू होवे				तो केतू होगा			
खाना नंबर	केतू से ताल्लुक	सूरज से	चंदर से	खाना नंबर	राहू से ताल्लुक	सूरज से	चंदर से
1	दोस्त	नेक	नेक	7	दोस्त	मद्धम	प्रबल
2	बराबर का	निस्फ़	नेक	8	बराबर का	निस्फ़	उम्र नेक सुख निस्फ़
3	उंच	नेक	नेक	9	उंच	नेक	नेक
4	दोस्त	नेक	निस्फ़	10	दोस्त	मद्धम	निस्फ़
5	बराबर का	नेक	नेक	11	बराबर का	निस्फ़	निस्फ़
6	उंच	नेक	नेक	12	उंच	नेक	मद्धम
7	दोस्त	निस्फ़	प्रबल	1	दोस्त	नेक	नेक
8	बराबर का	नेक	उम्र नेक सुख निस्फ़	2	बराबर का	निस्फ़	नेक
9	नीच	ग्रहण	ग्रहण	3	नीच	निस्फ़	निस्फ़
10	दोस्त	मद्धम	निस्फ़	4	दोस्त	नेक	निस्फ़
11	बराबर का	नेक	निस्फ़	5	बराबर का	नेक	नेक
12	नीच	ग्रहण	निस्फ़	6	नीच	निस्फ़	ग्रहण

राहू के ग्रहण की मियाद $\frac{\text{दो दौरे}}{\text{दो साल}}$ केतू की $\frac{\text{एक दौरा}}{\text{एक साल}}$
मुश्तरका दोनों की तीन साल (45 साला उम्र तक) होगी

राहू केतू मुश्तरका

(i) ये ग्रह दीवार बनकर दूसरे का असर गुम करते हैं मगर चलने वाली दीवारें है अगर हलक़ के कौए में सनीचर के दायें बायें रहे तो गऊ ग्रास में भी कौए के साथ गां और कुत्ता हिस्सादार होगे।

(ii) ये दोनों ग्रह हमेशा ही बुध के ख़ाली ढांचे में पकड़े रहते हैं यानि जैसा बुध हो - और जहां वो हो ये भी वैसे ही और वहां भी ज़रूर होंगे और सूरज या चंदर की रोशनी या गर्मी-सर्दी से ख़ुद-ब-ख़ुद जाहिर हो जायेंगे या अगर पता लेना हो कि राहु कैसा है तो चंदर का उपाओ करें और केतु के लिये सूरज का उपाओ करें ख़ुद-ब-ख़ुद ही इन दोनों का दिली पाप पकड़ा जायेगा।

(iii) सूरज को राहु ग्रहण लगाता है और चंदर

को केतु यानि जब सूरज राहु इकट्ठे हों नंबर 9-12 सूरज ग्रहण जब चंदर केतु इकट्ठे हों नंबर 6 चंदर ग्रहण।

राहु या सूरज ग्रहण का मंदा जमाना 2 साल केतु या चंदर ग्रहण का मंदा जमाना 1 साल कुल 3 साल होगा।

ऐसे वक्त में शुक्र बुध मुश्तरका या अकेले अकेले की चीजों से दान कल्याण माना है।

(iv) केतु व राहु को सनीचर के सांप की दुम और सिर भी माना है। इल्म जोतिष में ये एक दूसरे से सातवें होंगे मगर लाल किताब में ये शर्त नहीं है।

ये एक ही घर में इकट्ठे भी हो जाते हैं। हाथ का अंगूठा जिस्मानी हिस्सा राहु केतु मुश्तरका है।

(v) रंग बिरंग चीज हो और लाल रंग का साथ हो तो बुध होगा और तमाम बातें असर मियाद असर वगैरह सब बुध की लेंगे।

सूरज सनीचर मुश्तरका नीच राहु	मसनूई शुक्र	दुनियावी
मंगल सनीचर मुश्तरका उंच राहु	जिसमें राहु के	सुख
सूरज बुध मुश्तरका नेक केतु	झगड़े फसाद और	बजुज
शुक्र सनीचर मुश्तरका उंच केतु	केतु के ऐश-ओ-	औलाद
चंदर सनीचर मुश्तरका नीच केतु	इशरत शामिल हैं।	

(vi) अपनी अपनी मुकरर्रा राशी या पक्के घर से बाहर जब दोनों मुश्तरका तो दोनों का फल रद्दी होगा।

(vii) राहु चाबी, केतु कुत्ता या सब ग्रहों को चलाने वाले हैं लेकिन राहु केतु को बृहस्पत चलायेगा जो बुध के दायरा में पकड़े हुये हैं।

राहु बृहस्पत

नुक़्सान 5 साल, पिता दुखी- $(10\frac{1}{2})$ साल,

औलाद 21 साल, उम्र 90 साल। सालम चने स्याह।

दोनों का दुश्मनाना और खराब फल होगा।

बृहस्पत गिना पवन तो, राहु धुआं हुआ।
दोनों के चलने फिरने को, आकाश बन गया।
बृहस्पत का प्रण है ये, टेढ़ा कभी न होगा।
है गज ने कसम पाई, सीधा न वो चलेगा।
घर से चले थे एक से, अब बारह^{12} हो गया।
तकिया फ़कीर साधु का, धुआंधार हो गया।
चलते सुबह से दोनों थे, तब शाम हो गया।
गुरु लगा समाधि में, सुनसान हो गया।
धुआं हटे न साधु जागे, दोनों अपनी लय में है।
दुनिया के सब बन्दे साथी, इन दोनों की शरण में है।
झगड़ा बढ़ा तवेल, तो सूरज भी आ गया।
चंदर बना है घोड़े तो, बुध पहिये हो गया।

शुक्र बना जो मिट्टी था, अब लक्ष्मी हुआ।

मंगल ने शेरी छोड़ी थी, अब चीता हो गया।

लेटा पड़ा जो सांप था, अब भैरों हो गया।

केतु के आते आते ही, सब ख्वाब हो गया।

हाथी ने सिर टटोला तो, टुकड़े हैं पाये दो।

केतु जो गुरु के नीचे था, इसके भी रंग दो।

बृहस्पत ने आंख खोली तो, देखे जहान दो।

राजा फ़कीर होते भी, किस्मत दो रंगी हो।

केतु के उपाओ से राहु का मंदा असर दूर होगा, अगर केतु लड़का भी मंदा और नालायक़ हो तो माता की मार्फत चंदर का उपाओ मदद देगा।

जौ (अनाज) के दाने दूध में धोकर पास रखने के बाद हर रोज दरिया में बहाते जाना 40-43 दिन मुबारक होगा या केतु के रंग

के नग की अंगूठी को गाय के जूठे पानी से धोकर 40-43 दिन तक मुबारक फल होगा।

समाधि खुलते ही मंगल की चीजों का दान भी ज़रूरी होगा वर्ना वही धुंध होगी।

खाना नंबर 1) उंगली पर सीधे खत तादाद में एक हो - फय्याज व सख़ी।

2) अब राहु चुप होगा - गुरु का उपदेश सुनेगा। गरीबों का मददगार नेकी के काम बहुत करेगा। दायें अंगूठे पर यही खत यानि ख़ाना नंबर 2 में मर्द की तरफ़ से औलाद और बायें अंगूठे पर यानि ख़ाना नंबर 8 में औरत की तरफ़ की औलाद होगी। अब बुध जितने घर दूर होगा उतनी लड़कियां होंगी बाकी लड़के।

3) राहु की पूरी उम्र के बाद नेक असर होगा। सात खड़े खत, आंख की होशियारी ज्यादा हो, बहादुर होगा।

लाल किताब की हिदायतें

4) चार खड़े खत -उत्तम चंदर का पूरा फायदा हो।

5) 5 खड़े खत - हाकिम या सरदार हो।

7) पिता और ससुराल दोनों में से एक ही होगा अगर दोनों ही जिन्दा हों तो एक को दमा ज़रूर होगा। छह खड़े खत: जवानी में खूब आराम पावे।

8) आठ खड़े खतः जिन्दगी खानापूरी का नाम हो।

12) तीन खतः अक्लमंद, हुनर और पेशा दस्तकारी से ऐसा नफा न हो।

बाकी घर: अपना अपना असर।

अगर कुण्डली में राहु पहले घरों में या पहले हो तो बृहस्पत दुनियावी असर का होगा अगर बृहस्पत पहले घरों में या पहले हो तो बृहस्पत गैबी ताक़त का भी मालिक होगा।

दोनों मुश्तरका या दोनों ही जुदा-जुदा मगर दोनों ही रद्दी हों (दुश्मनों से दबाये) तो बुध होगा,

और बुध का जाती सुभाओ फैसला करेगा।

(बे) जब तक सूरज, चंदर, मंगल क़ायम और राहु उंच घर का हो

- बृहस्पत दोनों जहां का मालिक होगा।

लाल किताब के विद्यार्थी

राहु सूरज

औलाद रद्दी 21 साल। ऐसे टेवे में मंगल ख़ुद राहु को दबाता होगा वर्ना इसकी उम्र का हर घड़ी खतरा होगा, सूरज ग्रहण होगा। बवक्त सूरज ग्रहण राहु की चीजों (सूरज के दुश्मन ग्रहों) को दरिया (चलते पानी) में बहाना मुबारक होगा।

सूरज जब राहु को देखे तो राहु के आतिशी माद्दा की लहर और भी गर्म होकर अगले घरों पर भी बुरा असर करेंगी, मसलन सूरज होवे 2 में और राहु नंबर 6 में, अब राहु 6 से 12 पर भी असर देगा और 6 के साथ लगते खाने नंबर 7 पर भी असर देगा, (7 से आगे क्योंकि दृष्टि चलती नहीं इस लिए वहां तक ही महदूद रह गया)।

मंदे असर का उपाओ: तांबे का पैसा आग में जलावें, जले हुए पैसे को घर से बाहर ले जाते वक्त बाल बच्चों को सामने आने से बचावें वर्ना

उन पर बुरा असर गिना है।

जब राहु देखे सूरज को या साथ ही होवे तो सूरज ग्रहण होगा।

दान कल्याण माना है।

राहु आग, चोरी, बुखार का भी मालिक है, इसलिये बवक्त चोरी, जौ को किसी जगह बोझ के नीचे बंद करें और बवक्त बुखार जौ के साथ गुड़ मिलाकर दान करें या जौ और मीठा दान करें अगर कामयाब न हो - जौ को दूध में धोकर या गऊ पेशाब में धोकर (जब केतु भी मंदा हो) दरिया में बहा देवें।

अगर दोनों के साथ चंदर भी शामिल होता होवे तो जिस घर में राहु चंदर से मिल रहा है राहु का असर वहां तक ही महदूद रहेगा और उसी घर को ही बर्बाद करेगा।

ख़ाना नंबर 5) राहु के वक्त तक ख़ाना औलाद बर्बाद और

21 साला उम्र तक की औलाद तबाह।

दोनों नं 5 और चंदर न 4 } राहु के वक्त तक निर्धन, सिर्फ़ आई चलाई होवे, ससुराल भी मंदे और मामूँ घर भी वीरान।

9) सूरज ग्रहण होगा।

10-11) उम्र सिर्फ़ 22 साल तक होगी - जब ख़ाना नंबर 8 में उम्र को रद्दी करने वाले ग्रह हों और साथ ही सूरज राहु मुश्तरका बैठे हा(i) ख़ाना नंबर 10 में और सनीचर मय स्त्री ग्रह बैठे हों ख़ाना नंबर 2 में- या (ii) ख़ाना नंबर 11 में: सूरज राहु हों और सनीचर ख़ुद उम्र को रद्दी मंदा या नष्ट बर्बाद करने वाले घरों में हो या वो ख़ुद ही मंदा हो रहा हो मगर नर ग्रह की मदद साथ/साथी न हो - वर्ना उम्र लम्बी होगी।

12) सूरज ग्रहण होगा।

बाकी घर: अपना-अपना फल होगा।

राहु चंदर

पानी का खौफ निस्फ उम्र। बवक्त चंदर ग्रहण राहु की चीजों (चंदर के दुश्मन ग्रहों की चीजें) को चलते पानी में बहाना मुबारक होगा।

मुश्तरका होने पर चंदर का असर मद्धम और भोंचाल (राहु का) चंदर बैठा होने वाले घर तक ही महदूद होगा। ख़ुद राहु भी तेंदुए से पकड़ा हुआ होगा यानि ससुराल भी बर्बाद होंगे। (सिर्फ़ माली हालत में) दरिया का पानी भी दो टुकड़ों में होगा। फर्जी वहम, चिन्ता लगी रहे या फर्जी वहम से दीवाना होवे।

दोनों मुश्तरका कुण्डली के पहले घरों में (1 से 6 तक) जिस ख़ाना नंबर में होवें, उतने साल उम्र तक माता पर बोझ बल्कि उसकी उम्र तक बर्बाद करे और राहु की मौत। (अचानक गोली लगने की तरह, प्लेग हादसा, बच्चा पैदा होने पर छिले में ही)। फ़ौरन जां-बहक़ हो।

चंदर की जानदार चीजों पर मंदा असर होगा।

(बे) अगर बाद के घरों में (7 ता 12) मुश्तरका हों तो माता व चंदर की जानदार चीजों की उम्र पर कोई बुरा असर न होगा अगर कभी बुरा असर होवे तो माता व मौलूद (बच्चा ख़ुद कुण्डली वाला) दोनों पर ही इकट्ठा होगा वो भी चंदर की उम्र (24 साला) तक जिस घर में इकट्ठे हों वहाँ तो इस घर की चीजों का राहु व चंदर दोनों का ही बुरा असर होगा। राहु के मंदे असर को केतु ही हटा सकता है अगर वो भी मंदा होवे तो बुध क़ायम करें अगर वो भी मंदा होवे तो मंगल की मदद

लेवें अगर वो भी न होवे तो बृहस्पत की मदद और उपाओ कारआमद होगा वर्ना ख़ुद चंदर का उपाओ या आख़िर पर सनीचर काम देगा।

ख़ाना नंबर 9) निस्फ चांद ग्रहण होगा।

बाकी घरः अपना अपना फल होगा।

राहु शुक्र

ख़ाली बुध मंदा, दुश्मनाना और खराब फल होगा।

पागल शुक्र होगा, जिसमें कि बुध की मदद न होगी या शुक्कर की जगह सिर्फ़ बुध ख़ाली फूल ही होगा और मंदा, औरत और लक्ष्मी दोनों बर्बाद मगर फ़ोकी इज्जत बरकरार रहे अगर ख़ुद शुक्र के घर ही राहु आ जावे तो खाना शुक्र व बुध दोनों ही बर्बाद होंगे बल्कि ख़ुद उम्र भी 24 तक ख़त्म लेंगे क्योंकि अब नंबर 1 में केतु भी मंदा होगा जो माता व माता घर बर्बाद कर रहा होगा और चंदर नष्ट हो रहा होगा। दोनों का मुश्तरका असर गुदा (टट्टी की जगह) के इर्द गिर्द हिस्सा में जाहिर होगा। अब चंदर शुक्र दोनों का मुश्तरका उपाओ यानि दूध में मक्खन का उपाओ या नारियल का दान मुबारक होगा।

ख़ाना नंबर 1) औरत की दिमागी खराबियां होंगी, सेहत मंदी।

12) गो अब शुक्र उंच फिर भी इसकी सेहत मंदी

मगर लक्ष्मी ख़ुद मर्द की तो ज़रूर बर्बाद होगी, जिसके लिये राहु का नीला फूल मिट्टी में बवक्त शाम दबाते जाने से मदद होगी।

बाकी घर: अपना अपना फल होगा।

जब शुक्र अपने किसी दुश्मन के घर बैठा हो और राहु भी मुश्तरका दीवार या किसी ढंग पर उसे देख सके या जुनूबी दरवाजा वाले मकान का साथ होवे, शुक्र का फल हर तरह से रद्दी होगा उस घर का जिसमें कि वो बैठा हो सेहत भी मंदी।

दायां हिस्सा जिस्म औरत पर चांदी (छल्ला वगैरह) क़ायम करें।

लाल किताब की विद्यार्थी

राहु मंगल

नुक़्सान 5 साल, रोटी व चूल्हा।

राहु नदारद, मंगल का उत्तम ।

हाथी मय महावत इकट्ठे, अब राहु शरारत नहीं कर सकता लेकिन अगर जुदा-जुदा होवें तो बागी हाथी होगा या दोनों अगर ऐसे घरों में हों जहां कि राहु या मंगल दोनों में से कोई एक मंदा या नीच होवे तो गंदा हाथी होवे जो अपनी ही फौज को मारे।

लेकिन अगर ऐसे घरों में हों जहां कि राहु

ख़ुद उंच हो (3, 6) तो राजा का हाथी या वो शख्स ख़ुद मानिन्द राजा होगा।

जब मंगल देखे राहु को तो राहु का बुरा असर न होगा।

जब राहु देखे मंगल को तो बाजुओं की तकलीफ या पेट और ख़ून की सख्त खराबियां

जिस्म के दायें हिस्सा पर जाहिर होंगी, अब चंदर का उपाओ मददगार होगा।

राहु चूल्हा होता है, मंगल रोटी - पानी अगर रोटी खाने और रोटी पकाने की जगह एक हो तो-राहु का असर गुम ही रहेगा।

लाल किताब के विद्यार्थी

राहु बुध

दोनों का उत्तम - ख़ुद अपने लिये।

राहु हाथी का जिस्म और बुध उसका सूंड है, जब मुश्तरका हों और कुण्डली के पहले घरों में हों (1 ता 6) मुबारक और उत्तम फल देंगे लेकिन अगर जुदा-जुदा हों या दोनों मुश्तरका कुण्डली के बाद के घरों में (7 ता 12)[A] में हों तो दोनों का फल मंदा होगा, मौत गूँजती होगी, क्योंकि अब केतु भी पीछे से अपना असर दे रहा होगा।

दोनों में प्रबल कौन है का जवाब गुफ़्तार के फैसला पर होगा।

दोनों मुश्तरका टटीहरी (परिन्दा) होंगे, अब परिन्दों खासकर टटीहरी के मारने से दोनों ही काबिल-ए-इलाज न रहेंगे- बजरिया शिकार।

[A]। सिवाय ख़ाना नंबर 11 जिस पर ख़ाना नंबर 5 के केतु का कोई असर न होगा।

दोनों मुश्तरका या दृष्टि से मिलें } बुध के मददगार, ऊँच घर की राशी या इसके दोस्त ग्रह की राशी में हों तो बाज होंगे।

राहु के दोस्त सनीचर	केतु	बाकी घरों में
ख़ाना नंबर 10-11	6	टटरी की
बुध के दोस्त सूरज	शुक्र	हैसियत के
ख़ाना नंबर 5	2-7	होंगे।

मगर बाज से शिकार खेल कर परिन्दों का मारना खास कर छोटे-छोटे परिन्दों को मरवाने से दोनों की ताक़त ख़त्म होगी। जब दोनों किसी ऐसे घर या ऐसी हालत में बैठे हों, जहां कि दोनों में से किसी एक का भी फल कुण्डली वाले के लिये किसी पहलू में भी मंदा होवे तो अब दोनों का

फल उसके अपने लिये मुबारक व उत्तम होगा मगर उसकी बुध या राहु की जानदार चीजों का मंदा असर करेंगे यानि लड़की बहन वगैरह बेवा व ससुराल तबाह या मंदे हाल होंगे।

राहु - जुबान का तेन्दुआ या आंखों का टेढ़ापन या एक छोटी दूसरी क़ायम भी हो जाता है, जबकि राहु ख़ुद या दोनों राहु बुध मुश्तरका बृहस्पत की राशी 9-12 या 11 में हों या दोनों का ताल्लुक इन घरों में आ शामिल होवे या टकराओ वगैरह आ जावे।

ख़ाना नंबर 1) औलाद के बिघन होंगे।

3) बहन गो अमीर दौलतमंद होगी मगर जल्द बेवा होगी,

11) ऐजन सात दिन, माह, साल के अन्दर अन्दर बेवा होगी, जिसका उपाओ मग़रबी दीवार से चूल्हा या बवक्त शादी आग का बन्द करना।

बाकी घर: अपना अपना फल।

राहु सनीचर

हानि 15 साल, हमेशा शक्की।

सनीचर मौत का यम तो राहु इसकी सवारी का हाथी होगा।

इच्छ्याधारी, ख़जाना का मालिक मददगार सांप होगा।

दोनों मुश्तरका - जिस्म पर पद्म का निशान भी होगा।

मामूली छोटा सा स्याह निशान खाल अकेला राहु, बड़ा मगर दरम्याना पद्म और बहुत ही बड़ा स्याह निशान लसन या ग्रहण होगा।

पद्म जिस्म पर पोशीदा होवे या कुण्डली में दोनों मुश्तरका को कोई ग्रह न देखता होवे और हो भी जिस्म पर दाईं तरफ़ यानि ख़ाना नंबर 1 ता 6 में दोनों मुश्तरका हों तो निहायत मुबारक होगा।

पद्म तादाद में 1 से 4 तक या दोनों ख़ाना नंबर 1 ता 4 में हों तो राजा होगा, साहिब-ए-इकबाल।

पद्म हों 5 से 8 अदद तक - यानि दोनों 5 ता 8 ख़ाना नंबर में - महाराजा। तादाद पद्म 9 ता 12 या खाने नंबर 9 ता 12 में - योगी होगा।

राहु देखे सनीचर कोः लोहे से तांबा होवे, सूरज का काम देवे।

सनीचर देखे राहु कोः हसद से तबाह होवे, राहु बरखिलाफ चले।

लाल किताब के विद्यार्थी

राहु केतु बुध

किसी तरह भी मिलते हों मौत गूँजे। रेखा का यकायक टूटने से निशानी हो जायेगी कि कोई अचानक आफत आ रही है, जानवर कुत्ता केतु, बिल्ली राहु, बुलन्द आवाज रोवें या जानवर रोने या मंडलाने लगें और खासकर जब बुध नंबर 12 का हो और 6-12 के ताल्लुक से तीनों मिल रहे हों।

जुबान, तालू स्याह होवें, औलाद मरे।

औरत दुखिया, ख़ानदान को बदनाम करने वाला और ख़ुद भी मौत-दर-मौत देख कर आख़िर पर बुरी मौत मरे। 32 दाँत वाले से बुरी आवाज के पक्के असर में बढ़ कर होवे, काली और स्याह गहरी आंख मार चश्मा भी मनहूस दर्जा में अव्वल होगा, जो ख़ुद भी बर्बाद और साथियों को भी तबाह देखे या करे।

लाल किताब की विरासत

राहु चंदर बृहस्पत

बृहस्पत और चंदर दोनों में से किसी का भी फल रद्दी न होगा मगर औरत का सुख हल्का होगा, खासकर ख़ाना नंबर 12 में।

ख़ाना नंबर 12 में चूंकि बृहस्पत चुप होता है, राहु के साथ और चंदर भी नंबर 12 में हल्का होता है - इसलिए मर्दों व स्त्रियों (शुक्र व चंदर की मुतल्लका) का सुख तो ज़रूर हल्का होगा मगर दोनों ग्रहों (चंदर व बृहस्पत) के दूसरों असरों पर कोई खराब असर न होगा, जानों पर बुरा असर न होगा, सिर्फ़ बाहमी सुख हल्का गिनते हैं।

राहु चंदर सनीचर:

लक्ष्मी व स्त्रियों (औरत व माता) का का सुख हल्का होगा, खास कर ख़ाना नंबर 12 में।

राहु सूरज शुक्र:

औरत की सेहत रद्दी। दिमागी कमजोरी, दीवानगी

वगैरह, खासकर ख़ाना नंबर 1 में।

राहु सूरज चंदर:

चंदर बर्बाद। धन व माता दोनों मंदे। रात दिन दोनों वक्त दुखिया, अक़्ल मदद न देवे। धन दुख खड़े करता जावे।

ख़ाना नम्बर 5 में अब सूरज की ख़ुद अपनी तो मदद होगी, मगर चंदर की चीजें और ख़ाना नंबर 5 की मुतल्लका चीजें औलाद वगैरह तबाह ज़रूर होंगी, मगर बीज नष्ट न होगा, चंदर फिर भी मुआफ करवा देगा या नस्ल बढ़ा देगा-बजरिया बुध का उपाओ या दुर्गा पूजन मदद देगा।

राहु सूरज बुध:

शादीयां एक से ज्यादा। गृहस्ती सुख बर्बाद। (औलाद मंदी)। बुध या बहन बर्बाद होवे, बशर्ते कि शुक्र किसी और ग्रह का साथी ग्रह न होवे वर्ना

तादाद शादी दो न होगी मगर बाकी वही मंदा हाल।

राहु शुक्र केतुः

हमसाया मकानों में शादी लड़की की न होगी, शादी तक जब केतु पहले घरों में हों। लेकिन जब बाद के घरों में - लड़कों की शादी न होगी।

राहु बुध शुक्रः-

शादी कई बार और औरतें कई एक, मगर फिर भी गृहस्ती सुख मंदा, खास कर ख़ाना नंबर 7 में।

शादी और औलाद का खास कर मंदा हाल और गड़बड़ होवे।

राहु बुध बृहस्पतः-

ख़ुद जाती खर्चा में कंजूस मगर निर्धन न होगा, खास कर ख़ाना नंबर 12 में तो सिर्फ़ माया का राखा होगा, खेत में मूसल की तरह का हाल होगा।

राहु बुध चंदरः-

अब वालिद डूब मरे, मगर चंदर पर बुरा असर न होगा।

राहु बृहस्पत सनीचरः-

मर्दों का सुख हल्का होगा, खास कर ख़ाना नंबर 12 में।

राहु मंगल शुक्र बुधः-

शादी में मर्दों औरतों की मुख़ालफ़त, नाजायज और फालतू खर्चा

से धन का नुक़्सान वगैरह।

राहु बृहस्पत बुध चंदरः-

चारों ग्रहों का राहु की उम्र 42 साला उम्र तक रद्दी फल, उस घर

की चीजों का जिसमें वो बैठे हों।

राहु मंगल सनीचर बुधः-

जिस घर में बैठे हों अब उसका

मंदा हाल न होगा लेकिन अगर मुश्तरका दीवार वाले घर में सूरज भी बैठा हो तो तादाद मैम्बरान पर तो कोई असर बुरा न होगा मगर राहु की बुरी तासीर, चोरी, धन हानि ज़रूर होगी। कोई भाई तो लावल्द, कोई पूरी मच्छ रेखा का मालिक साहिब-ए-इकबाल होगा मगर लड़कियां दुखिया मरीज ही होंगी।

मदद देवे - तो चांदी की दहलीज और जनूबी दरवाजा बर्बाद करे।

लाल किताब के विद्यार्थी

केतु बृहस्पत

दुश्मन 40 साल - जब बामुक़ाबिल, मुश्तरका

तो नेक होगा। लीमू, ज़र्द लीमू मंदिर में।

गुरु पूजा अस्थान पर मामुं मरें तो बेशक, हमसाये मारे जावें तो सच (बुध के नंबर 6 के फल) मगर बृहस्पत का जाती फल मंदा न होगा और ख़ुद केतु (औलाद) उंच असर का होगा।

पोरियों पर शंख का असर अब प्रबल होगा, जब दोनों में से किसी एक का फल किसी तरह भी मंदा होवे तो दोनों का कुण्डली वाले के लिए उत्तम और मुबारक होगा मगर केतु व बृहस्पत की जानदार चीजों का फल मंदा होगा।

ख़ाना नंबर 1) एक शंख, हमेशा आराम पावे।

2) लम्बा चेहरा चौड़ी पेशानी, हमदर्द बुलंद मतर्बा होगा।

चौड़ा चेहरा व तंग पेशानी (जब नंबर 8 में दुश्मन ग्रह हों) खुदगर्ज मंदभाग होगा, नंबर 8 में दोस्त

हों तो हुक्मरान आसूदा हाल होगा।

4) तादाद शंख 4- तालीम वाला होवे।

6) ख़ाना नंबर 2 की दृष्टि के ग्रहों के ताल्लुक से अगर:-

(i) केतु नीच मंदा मगर बृहस्पत क़ायम - पहली औलाद का सुख न हो। (ii) केतु क़ायम बृहस्पत मंदा - दूसरों का गुलाम। (iii) दृष्टि ख़ाली या दोनों साथी - खुश गुज़रान होवे।

7) तपस्वी मगर मुफलिस, तादाद शंख 5

8) दलिद्री मगर मुफलिस, तादाद शंख 2

12) तादाद शंख 6 या ज्यादा, बड़ा ही अमीर हो।

बाकी घरः अपना अपना असर।

लाल किताब
हिन्दी

केतु सूरज

बवक्त ग्रहण सूरज, सूरज के दुश्मन ग्रहों की चीजें, केतु की चीजों का चलते पानी में बहाना मुबारक होगा। सूरज का फल मद्धम होगा।

केतु ख़ुद बर्बाद होगा। राज दरबार की कमाई को ग्रहण से स्याह कर देगा, ख़ुद केतु (लड़के) की औरत भी मिर्जा हल्का, सारंगी भारी की हालत होगी या कुत्ता सूरज की तरफ़ मुंह कर के रोएगा या कुत्ते को मौत के यम नजर आएँगे। बहरहाल

औलाद का फल मंदा होगा या औलाद की औलाद पोते बाद मुश्किल हाजिर होंगे। ख़ुद कुण्डली वाले की उम्र पर कोई मंदा असर न होगा, अगर होगा तो सिर्फ़ बादल का साया होगा, मगर सूरज ग्रहण न होगा पर मद्धम तो ज़रूर होगा।

केतु चंदर

लड़कियाँ - 6 साल (नर ग्रह - बृहस्पत, सूरज, मंगल)। ऐसे टेवे में उंच या उम्दा और क़ायम होगा, वर्ना वो नाकाबिल गृहस्त होगा।

चांद ग्रहण होगा, सिर्फ़ उन बातों पर जो राहु चंदर मुश्तरका में लिखी हैं। अगर चंदर ख़ुद नीच हो या पाताल के ख़ाना नंबर 6 में हो या बुध की मार से मर रहा हो तो माता और बेटे दोनों के लिए मौत तक का ग्रहण होगा, जिसका इलाज केतु की दोरंगी मगर लाल रंग अशिया का साथ मददगार

होगा या बवक्त चंदर ग्रहण चलते पानी में केतु की (चंदर के दुश्मन ग्रहों) चीजें बहाना मुबारक होगा।

दोनों बामुक़ाबिल या दृष्टि में दोनों का मंदा फल, खासकर जब एक तो हो ख़ाना नंबर 3 में और दूसरा होवे ख़ाना नंबर 11 में।

केतु शुक्र

दुश्मन 40 साल, नेक घरों में नेक व

बद घरों में बुरा असर होगा।

खाना नम्बर 1) औलाद के बिघन लावल्दी तक

दोनों नंबर 1 और मंगल नंबर 4 } औलाद और दूसरों की मौतें खराब करें।

6) दोनों का मंदा हाल। कुत्ते को घी हजम न होगा का हाल होगा, औरत बाँझ होगी।

12) औरत बहादुरी में सूअरनी होगी, 12 बच्चे, वो भी सूअर की तरह उम्दा सेहत और बहादुर व सुखिया होंगे।

बाकी घर: अपना अपना असर।

केतु मंगल

फ़ोका ऐश 3 साल, लड़के 24 साल, एक असल केतु दूसरा मसनूई केतु (शुक्र-सनीचर मुश्तरका)।

जब ये मुश्तरका होंगे, शुक्र सनीचर भी मुश्तरका होंगे।

इकट्ठे या बाहम दृष्टि में हो तो मंगल दोगुना नेक होगा लेकिन केतु और मंगल सिर्फ़ दोनों दृष्टि या मुक़ाबले पर शेर की कुत्ते की लड़ाई होगी।

2) हुक्मरान आसूदा, दोनों का जुदा-जुदा और उत्तम फल होगा।

9) 28 साला उम्र से हालात तबदीली पर होंगे, ख़ाना नंबर 3-5 के ग्रह मुंसिफ होंगे, मकान की बुनियाद (देखो नीचे दिया असर ख़ाना नंबर 10) दुरुस्त होने पर नेक असर होगा। चंदर मींह का पानी मददगार होगा, केतु भी अब उम्दा असर का होगा।

10) 28 साला उम्र के बाद हालात रद्दी होंगे, मंगल बद होगा, औलाद तबाह या नदारद होगी। 45 साला उम्र

तक मंदा रहेगा।

केतु घर 10वें का शक्की, कुत्ता लड़का मंदे।

मंगल भी ख़्वाह 10वें होवे, फिर भी दोनों मंदे।

अब उपाओ केतु होगा, या चंदर का पानी।

महल मकानां नीचे देवे, दूध शहद वो प्राणी।

बारिश का पानी या शहद ख़ालिस चांदी के बर्तन में मकान की बुनियाद में दबावे।

11) दोनों नंबर 11 में हो तो मंगल नंबर 10 का फल देंगे- बशर्ते कि चौकी मौजूद हो।

बाकी घर: अपना अपना फल लेंगे।

लाल किताब विधि

केतु बुध (राशीफल)

दुश्मन 37 - 40 साल। केतु कुत्ता, बुध दुम।

दोनों दुश्मन। हड़काये कुत्ते की दुम ने उसे पागल

किया। दोनों का फल मंदा।

बुध जब केतु के साथ हो तो बुध घर का मगर केतु नीच होगा, मौत नहीं तो अय्याम-ए-गर्दिश ज़रूर होगा। बिर्री जानवर जिससे हाथी भी डर कर भागता है। मंगल का उपाओ मददगार होगा।

दोनों बामुक़ाबिल या दृष्टि में दोनों का मंदा फल, खासकर जैसा एक हो, ख़ाना नंबर 3 में और दूसरा 11 में।

ख़ाना नंबर 6)

केतु की चीजों पे केतु मंदा, पर मंदा न दूसरों पर।

बुध भी गर वां साथी हो, खुद मंदा बुरा दूसरों पर।

बाकी घर: अपना अपना असर।

केतु सनीचर

निस्फ उम्र पर सनीचर का फैसला, लड़के 24 साल।

दोनों का उत्तम फल।

जब तक सिर्फ़ दोनों इकट्ठे मुबारक। जब कोई भी तीसरा ग्रह मिला, तीनों ही का फल मंदा होगा। दोनों मुश्तरका इस्तकलाल होगा।

ख़ाना नंबर 6) ऊर्ध रेखा पीठ में, उम्र 70 साल होगी।

9) निहायत मुबारक, भारी कबीला, धन दौलत शाहाना, शान की उम्र और लम्बा अर्सा सुख सागर का होगा। पुष्त-दर-पुष्त मुबारिक होगा। पूरी सदी तक नेक होगा।

बाकी घर: अपना अपना असर लेंगे।

केतु सूरज चंदर

लाखों-पती फिर भी दुखिया, अक़्ल मदद न देवे। न दिन चैन न रात आराम, दुर्गा पूजन और बुध का उपाओ मददगार होगा, केतु का फल मंदा ही होगा।

ख़ाना नंबर 5) सूरज की तो अब मदद होगी। चंदर और केतु दोनों बर्बाद। औलाद तबाह, मगर नस्ल बंद न होगी। बुध का अपना फल मदद देगा, ख़ाना नंबर 5 को बर्बादी से रोक लेगा।

केतु शुक्र बुध

तीनों का ही फल मंदा खासकर ख़ाना नंबर 7 में। शादी, औरत, औलाद वगैरह में सख़्त गड़बड़ होवे।

केतु मंगल बृहस्पत

केतु व मंगल का अपना अपना फल होगा।

भाई लंगड़ा व निर्धन	}	फिर भी 45 साला उमर तक मददगार, बाद में बेमायनी, ख़ुद

ऐसा शख्स 45 साला उम्र तक क़िस्मत के मैदान में हल्का ही रहे।

सनीचर के पत्थर को ज़र्द रंग बृहस्पत के फूलों से बतौर उपाओ मुअत्तार करें।

केतु मंगल सनीचर

हर जगह मंगल बद और हिरण की तरह डरपोक होगा। कच्चा-पक्का मकान और उसमें नीम का दरख़्त या मकान - मकान उसमें नीम का दरख़्त व कुत्ता मौजूद हो।

केतु सूरज बृहस्पत

सूरज का फल निहायत मंदा होगा। सूरज बृहस्पत को अगर केतु देखे तो दर्जा दृष्टि की ज्यादती मंदे असर की ज्यादती होगी यानि 100 फीसदी पर 100 फीसदी मंदा।

केतु सूरज शुक्र

शुक्र पर खराबी होगी, दिमागी तकलीफें औरत की खास कर जब ख़ाना नंबर 1 में हों, जब तक वो औरत

लाल किताब हिन्दी

कुण्डली वाले के जद्दी मकान में रहे।

केतु सूरज बुध

भतीजे भानजे खा पी कर डकार मार जाने वाले होंगे या उनकी कोई मदद की उम्मीद न होगी।

केतु सूरज बुध चंदर

वालिद बर्बाद या डूब ही मरे, हर एक का जुदा-जुदा फल।

केतु मंगल शुक्र बुध

शादी में मर्दों व औरतों की मुख़ालफ़त और फालतू व नाजायज खर्चा से धन बर्बाद होवे।

लाल किताब की विद्याश्री

बृहस्पत सूरज चंदर

अगर क़ायम तो इकबालमन्द।

बृहस्पत सूरज बुध

अगर क़ायम तो राजयोग।

बृहस्पत चंदर सनीचर

बृहस्पत व सनीचर दोनों का उम्दा व दोस्ताना, लोहे को पारस का काम देवे, दोस्ती से लाखों तर जावें, सिवाये ख़ाना नंबर 9 जहां कि खराब असर होगा या चंदर का खराब असर मिला हुआ होगा।

बृहस्पत शुक्र बुध

शादी में रुकावट व दीगर फितूर होंगे।

बृहस्पत सनीचर शुक्र

हर हालत में उत्तम फल। खासकर ख़ाना नंबर 9 में उम्दा होवे, दों सांप होंगे (और केतु सुभाओ)।

बुनियाद पर मच्छ रेखा होगी मगर ख़ुद जानी अय्याश और जुबान के चस्का से बर्बाद होवे।

सूरज बुध सनीचर

दोनों ग्रहों यानि सूरज और सनीचर का अपना अपना फल होगा।

सूरज की उम्दा हालत वाले घरों में तिजारत, दिमागी काम व ब्योपार का फायदा और सनीचर के अच्छे फल वाले घरों में जायदाद बढ़े या मिले।

सूरज बुध बृहस्पत

सूरज और बृहस्पत दोनों का उम्दा फल होगा।

सूरज बृहस्पत सनीचर

हर जगह कद्र व मंजिलत खासकर जब ख़ाना नंबर 6 में हों।

लाल किताब विभाग

सूरज बृहस्पत शुक्र

शादी के दिन से क़िस्मत जागेगी। औरत भी हर तरह से रंग सुभाओ और नसीबा में नेक होगी।

सूरज सनीचर शुक्र

मकान का सुर्ख फर्श मुबारक न होगा। मर्द की औरत या औरत का मर्द बर्बाद हो। गृहस्त मंदा होवे। मिट्टी के कूजे में लाल पत्थर के टुकड़े दूध से भरकर इस घर की मुतल्लका जगह में दबावें, जहाँ कि वो बैठे हों।

चंदर सनीचर बुध

मामूँ ख़ानदान का हाल मंदा खास कर जब ख़ाना नंबर 4 में, लेकिन बवजह गरीबी मौत न होगी, ख़ूनी होगा।

चंदर शुक्र सूरज

रात दिन मुसीबत पर मुसीबत। कभी

लाल किताब हिंदी

तो अमीरी के समंदर की ठाठों के खजाने होंगे और कभी गरीबी में रेत के ज़र्रा की चमक भी न होगी।

चंदर शुक्र बुध

दिमागी सदमात होंगे। 33 साला उम्र तक शादी का कोई मतलब न होगा, अगर 34 से पहले शादी हो जावे तो भाई बन्द बर्बाद होंगे। नर औलाद पैदा या क़ायम न होगी बल्कि औरत भी अंधी हो जायेगी। खेती बर्बाद और पेशा बदनाम करेगा और 34 साला उम्र तक (औरत की उम्र) इस्तकात - हम्ल वगैरह बहुत हों। मर्द 48 से पहले और औरत (औरत की) 34 साला उम्र से पहले औलाद का सुख न पायेगी।

राज दरबार व ब्योपार भी मंदा होगा। बुध का उपाओ तोता, दुर्गा पाठ या स्याह मछलियों को सूरज

निकलने से पहले सफेद आटे की खुराक (या अपनी खुराक का 1/10 हिस्सा) देना मुबारक होगा मगर हर हफ़्ते में सिर्फ़ एक दफा, शुक्र की रात और सनीचर की सुबह वाले दिन। उम्र 85 साल होगी।

चंदर शुक्र सनीचर

मददे मर्दां मददे ख़ुदा। धन दौलत उम्दा। इसका धन औलाद के हाथ लगे। मौत परदेस में हो वर्ना धन मानिन्द मिट्टी का पहाड़ जाहिरदारी उम्दा अन्दर से ख़ाली ढोल जो ससुराल ख़ानदान के बजाने के काम आवे।

चंदर शुक्र बृहस्पत

कभी शाह, कभी मलंग।

कभी खुशहाल, कभी तंग।

गन्दा इश्क़ और मंदी मुहब्बत कबूतरबाजी (औरत) से बर्बाद होवे और किसी को भी इससे फायदा न होवे, जब होवे नुक़्सान होवे।

तीनों मुश्तरका और मंगल क़ायम:- दरियादिल और हवा और समंदर की लहरें भी मददगार।

अगर मंगल नष्ट तो शुक्र का फल होगा।

शुक्र बुध मंगल

शादी और औलाद में गड़बड़, अल्प आयु भी होगा।

शुक्र बुध सनीचर

गऊ ग्रास। दुनिया के तीनों सुखों का मालिक होगा।

मंगल बुध सूरज

शरारत का माकुल जवाब दे सकेगा। दिली ताक़त ज्यादा होगी - बरते ख़्वाह भली तरफ़ या बुरी।

मंगल बुध चंदर

धन दौलत और सेहत उम्दा खास कर ख़ाना नंबर 1-4-5 में मगर सनीचर का ताल्लुक या

ख़ाना नंबर 10-11 में मंदा असर होगा। मृगशाला बुरे असर से बचायेगी।

मंगल बुध सनीचर

दो सांप होंगे (राहु सुभाओ)। मंगल बुध चंदर का ऊपर दिया असर होगा। मृगशाला बुरे असर से बचायेगी।

मंगल चंदर सनीचर

दिखावे का धन दौलत जो आख़िर पर भी भाई बन्दों ताये चचे के काम आवे। बुढ़ापे में नजर का धोका होवे। सनीचर के घर नंबर 11 में राज दरबार से फायदा हो, मंगल या चंदर के घर 3-4-8 में हर तरह से हानि।

धन दौलत बर्बाद और मौत खड़ी रहे।

मंगल बृहस्पत या / मंगल शुक्र देखते हों — सनीचर को (मुआविन धन)

मंगल सनीचर या / मंगल चंदर देखते हों — बृहस्पत को (मुआविन उम्र, गैबी मदद)

मुआविन उम्र होगी। फाँसी लटकाए के पांव तले मदद के लिये तख़्ता ख़ुद-ब-ख़ुद आ जाएगा, कब्र से वापसी तक होगी। सब से मदद और आल-औलाद की पूरी मदद ख़ुद-ब-ख़ुद होती रहे। वाल्दैन का साया व सुख सागर बहुत लम्बा व मीठा हो।

मंगल शुक्र सनीचर

दोगुना नेक मंगल। दो नेक केतु।

मंगल शुक्र बृहस्पत

अगर मंगल बढ़कर बृहस्पत की मदद करे तो बृहस्पत बढ़े और शुक्र का नेक फल होवे अगर मंगल भाई शुक्र की तरफ़ भारी होकर मदद करे तो शुक्र बढ़े जो औलाद से महरूम करे-मगर ऐश-ओ-इशरत व इश्क़ खूब दिखावे।

मंगल चंदर बृहस्पत

पीपल नीम और बड़ तीनों का मुश्तरका

दरख़्त होगा, जो हर तरह से तीनो ग्रहों का उत्तम फल देगा।

मंगल चंदर सनीचर

तीनों रंग में रंग बिरंगा अगर सांप भी तो चितकबरा। बीमारी का घर और फुलबहरी का मारा हुआ होवे।

मंगल सनीचर बृहस्पत

शाप देनेवाला साधु होगा। आदमियों की कमी और कर्जाई हो जो इसके सामने रहे बर्बाद हो। चोरों को फंसाने वाला साधु हो। बीमारियाँ व ख़्वाहिशात बद का पुतला हो।

मंगल सनीचर सूरज

धन दौलत उम्दा। मगर जब सनीचर के ताल्लुक में हो ख़ाना नंबर 11 तो दुनिया को झूटा बनावे, मगर ख़ुद झूटा न होवे या अपना झूट न माने।

मंगल मय पापी ग्रह

सारी उम्र चोर राहजन फिर भी मुसीबत पर मुसीबत रहे।

मंगल सनीचर के साथ कोई तीसरा ग्रह

तीसरा साथी ग्रह मन्दा और शाप ही देने वाला होगा।

लाल किताब के विद्यार्थी

चंदर सनीचर शुक्र मंगल:-

दिल रेखा के आख़िर पर मसल्लस △ गुस्सा वाला। राज से ताअल्लुक़ व खुश-गुज़रान होवे, खास कर नंबर 2 में।

चंदर बृहस्पत बुध सनीचर

खोटी सोहबत, खोटेकाम

अच्छी सोहबत भला हो नाम।

मंगल सनीचर सूरज बुध

फटा पतंग, चारों ग्रहों का मंदा फल।

मंगल चंदर शुक्र बुध

चारों का मंदा फल। लड़की की शादी से नेक फल शुरु होगा।

मंगल चंदर सूरज बृहस्पत

बृहस्पत नंबर 2, नेक गुरु प्रणाम की जगह, उम्दा किस्मत हो।

लाल किताब की विरासत

मंगल सनीचर सूरज बुध

अगर चारों ग्रह नष्ट या बर्बाद हों, तो एक अकेला ही लाखों से मुकाबला करने की हिम्मत का मालिक होगा। अगर चारों क़ायम तो सब को ही लूट खसूट कर ख़ुद धनाड होगा।

चंदर शुक्र बुध सनीचर

बदफे'ल, बद किरदार, माँ औरत में फ़र्क न जाने।

चंदर शुक्र बुध सूरज

भला लोग भले काम। माँ बाप दोनों की तरफ़ से ख़ालिस ख़ून और दोनों का ताबेदार।

सूरज
मंगल

शुक्कर बृहस्पत मय 3 पापी

केतु

शुक्कर बृहस्पत चंदर सनीचर राहु

केतु
सूरज
मंगल

धन्ने भगत की गऊआँ राम चरावे। गो मिट्टी का माधो मगर किस्मत का धनी हो, बृहस्पत की उत्तम हालत का फल और गृहस्ती सुख व जरुरियात सब कायम हों। हुक्मरान साहिब-ए - औलाद हो।

कोई पाँच ग्रह जिन में न स्त्री व पापी मिले हों सिवाये बुध के।

शुक्कर, बृहस्पत, सनीचर, सूरज, बुध पांचो ही एक से खाना नम्बर 6 तक किसी भी घरों में इकट्ठे या अकेले अकेले कायम या एक से एक उम्दा हालत का होवे।

तमाम ग्रह इकट्ठे

गो राहू केतू में से एक बहार रह जाया करता है मगर वो भी दृष्टि के हिसाब से अपने से बाद वाले में अपना फल मिलाकार खुद सिफ़र हो जाता है।

खाना नंबर 2) हुक्मरान हो।

खाना नंबर 3) मिसल राजा साहिब-ए-इक़बाल हो।

खाना नंबर 8) मिसल राजा साहिब-ए-इक़बाल खुद अपने आप को बढ़ावे।

खाना नंबर 9) हुक्मरान साथियों को बढ़ाकर ख़ुद भी बढ़ता जावें।

برہسپت

سورج

وشنو بھگوان

شوجی مہاراج

بھولے بھنڈاری

شکر

منگل نیک

منگل بد

موت کا نام نامی یم شوجی مہاراج

بدھ

سنیچر دیوتا ظاہر پیر

بھیروں ولی

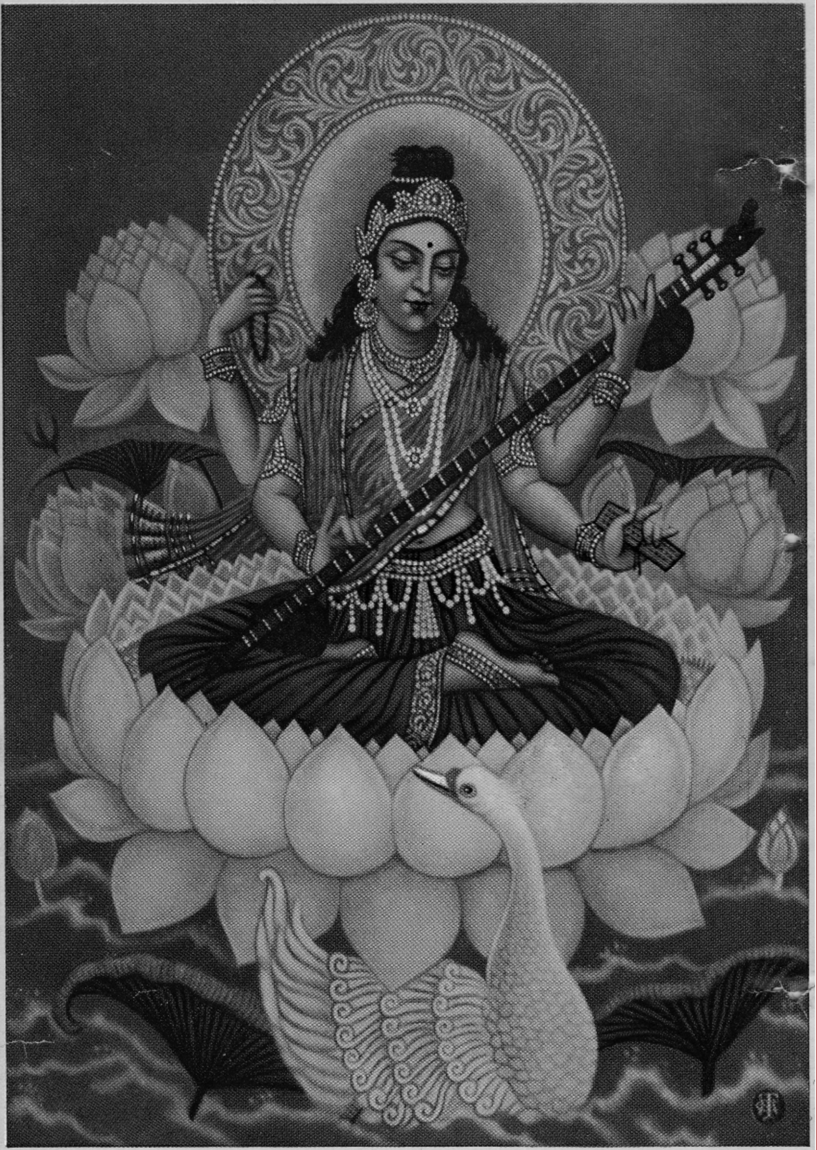

Bharati

شری سرسوتی جی

* श्री गणेश *

شری گنیش جی

बर्षफल

जनम कुण्डली जो ख़्वाह बमूजब इल्म जोतिष बना कर लगन को ख़ाना नंबर एक देकर बाकी खाने पूरे किये हों और ख़्वाह इल्म सामुद्रिक से बनाई हुई हो मुकम्मिल करने के बाद आगे दी हुई फेहरिस्त के मुताबिक़ अमल-दरआमद करें।

सालाना हालात के लिये दिया हुआ बर्षफल

माहवारी हालात के लिये सूरज को चलावें
रोजाना हालात के लिये मंगल को चलावें
घंटों हालात के लिये बृहस्पत को चलावें
मिनटों हालात के लिये सनीचर को चलावें
सैकिंडों हालात के लिये बुध को चलावें
डिग्री हालात के लिये चंदर को चलावें
— बर्ष की कुण्डली को घुमावें।

हफ्तों की हालात के लिय शुक्र को चलावें
रातों की हालात के लिये राहु को चलावें
दिनों की हालात के लिये केतु को चलावें
— सालाना कुण्डली का घुमावें

एक साल के अन्दर के हालात के लिये ऊपर के हिसाब से लिये हुये बर्षफल की कुण्डली के जिस खाने में सूरज बैठा होवे, उस ख़ाना को उम्र के महीने का हिन्दसा नंबर देकर तमाम कुण्डली मुकम्मिल कर लें। महीने का शुरु जनम वक्त

से लेंगे, मसलन 31 की पैदायश हो तो 30 दूसरे महीने की तक पूरा महीना होगा। एक साला उम्र के बच्चे के लिए भी यही असूल होगा। मसलनः-

जनम वक्त 11-5-98 मंगलवार 5:43 बजे शाम

जनम कुण्डली (लगन से हर ग्रह)

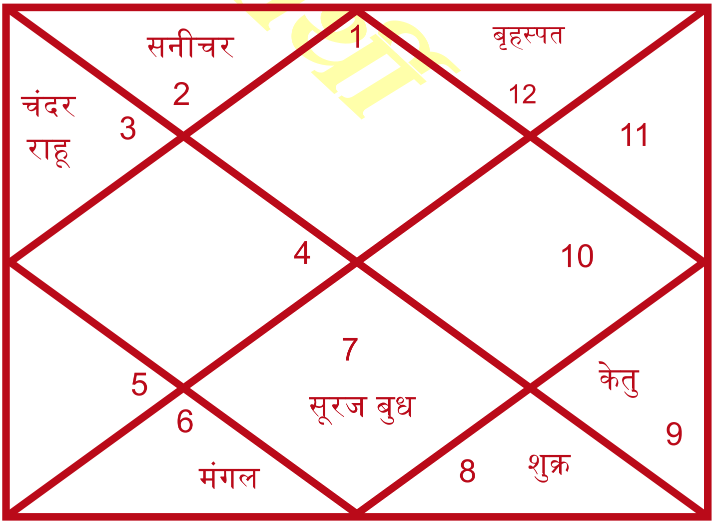

बर्षफल

11-5-41 शाम 5:43 बजे के बाद - 44वाँ जारी लगन से हर ग्रह

(सालाना कुण्डली)

बमूजब फेहरिस्त बर्ष फल बदला गया

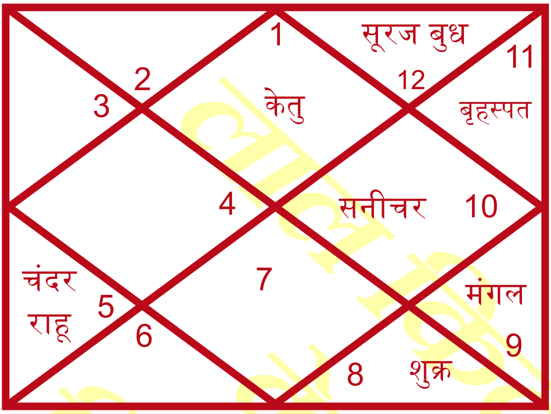

बमूजब फेहरिस्त बर्ष फल बदला गया

11-9-41 शाम 5:43 बजे के बाद 5वाँ महीना शुरु।

सूरज बैठा होने वाले घर को ख़ाना नंबर 5 दिया गया, बर्षफल की कुण्डली को।

माहवारी कुण्डली

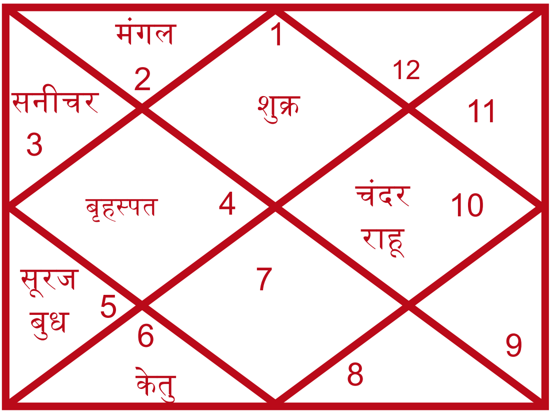

बर्षफल (एक दिन की कुण्डली)

5वें महीने का 17वाँ दिन, पहले दिन से 12वें दिन तक एक से 12) माहवारी कुण्डली में जिस जगह मंगल बैठा है, उस घर को एक से गिन कर 17वें नंबर यानि नंबर 6 दिया गया मंगल को।

दिन कुण्डली

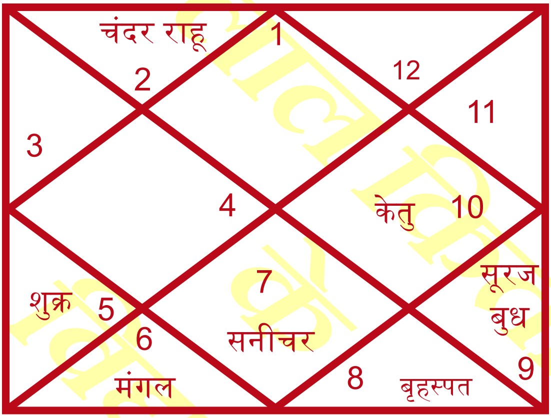

5वें महीने का 23वाँ घंटा, रोजाना कुण्डली में बृहस्पत वाले घर को एक गिनकर 23वां नंबर बृहस्पत को।

घंटा कुण्डली

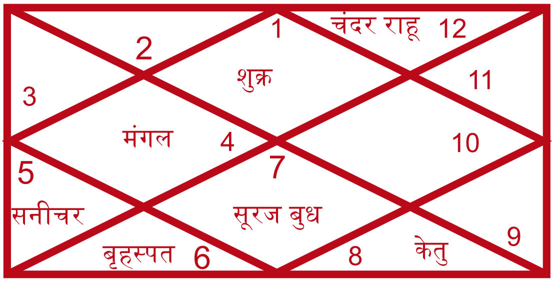

घन्टों वाली कुण्डली से 25वाँ मिनट सनीचर को चलाया गया।

मिनट कुण्डली

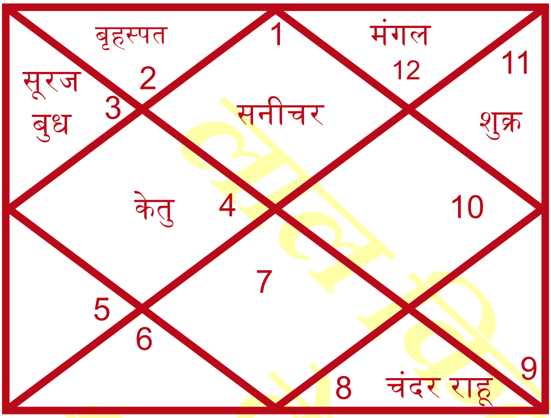

28वाँ सैकिन्ड-मिनटों वाली कुण्डली से अब बुध को चलाया गया।

सैकिन्ड कुण्डली

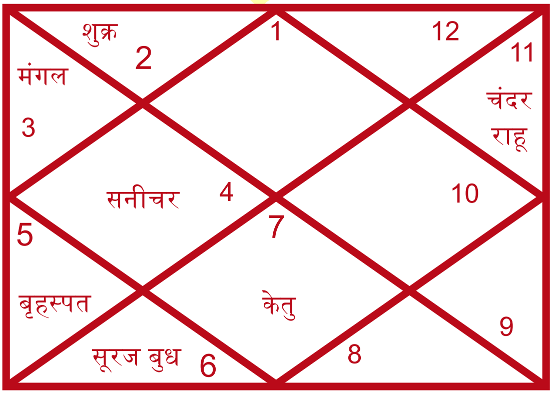

उम्र	1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	1	4	9	3	11	5	7	2	12
2	9	1	4	8	3	12	6	7	2
3	10	12	1	4	8	3	9	6	7
4	3	9	2	1	4	8	5	12	6
5	5	3	8	10	1	4	12	9	11
6	2	7	3	9	5	11	4	10	1
7	11	5	10	6	9	2	1	3	8
8	7	6	5	11	2	9	10	1	4
9	6	2	7	5	12	1	11	8	10
10	12	8	11	7	6	10	2	5	3
11	4	10	12	2	7	6	8	11	7
12	8	11	6	12	10	7	3	4	9
बालिग़	1	1	1	2	2	2	3	3	3
नाबालिग़	7	4	9	10	11	3	2	5	6

उम्र	10	11	12	13	14	15	16	17	18
1	10	8	6	1	4	9	3	11	5
2	11	5	10	5	1	4	9	3	11
3	2	11	5	10	3	1	4	9	6
4	7	10	11	8	2	6	1	4	9
5	6	7	2	11	5	8	12	1	4
6	12	6	8	6	7	5	8	10	1
7	4	12	7	7	8	2	6	5	12
8	8	3	12	2	11	7	5	6	8
9	3	9	4	12	6	11	2	7	10
10	1	4	9	3	12	10	7	8	2
11	9	1	3	9	10	12	11	2	3
12	5	2	1	4	9	3	10	12	7
बालिग़	10	10	10	11	11	11	12	12	12
नाबालिग़	12	1	8	4	9	10	11	3	2

उम्र	19	20	21	22	23	24	25	26	27
1	7	2	12	10	8	6	1	4	9
2	10	7	2	12	6	8	6	1	4
3	11	5	8	2	12	7	10	3	1
4	3	12	5	7	10	11	3	8	5
5	9	3	10	6	7	2	2	6	10
6	4	9	3	11	2	12	8	7	11
7	1	10	9	3	11	4	7	2	12
8	12	1	4	9	3	10	4	11	7
9	8	4	1	5	9	3	11	12	6
10	5	6	11	1	4	9	5	9	8
11	6	8	7	4	10	5	12	5	2
12	2	11	6	8	5	1	9	10	3
बालिग़	4	4	4	5	5	5	6	6	6
नाबालिग़	5	6	12	1	7	9	10	11	3

उम्र	28	29	30	31	32	33	34	35	36
1	3	11	5	7	2	12	10	8	6
2	9	3	11	5	7	2	12	10	8
3	4	9	8	11	5	6	2	12	7
4	1	4	9	12	11	10	7	6	2
5	11	1	4	9	3	8	5	7	12
6	5	6	1	4	12	3	9	2	10
7	6	8	3	1	10	9	11	4	5
8	8	2	12	10	6	1	3	5	9
9	7	10	2	8	4	5	1	9	3
10	2	12	10	6	1	7	4	3	11
11	10	7	6	3	9	4	8	11	1
12	12	5	7	2	8	11	6	1	4
बालिग़	7	7	7	8	8	8	9	9	9
नाबालिग़	2	5	6	12	1	8	7	4	9

उम्र	37	38	39	40	41	42	43	44	45
1	1	4	9	3	11	5	7	2	12
2	3	1	4	9	7	11	5	10	2
3	10	3	1	4	9	8	11	5	6
4	6	8	12	1	4	9	2	3	5
5	9	6	8	11	1	12	3	4	10
6	12	5	2	8	6	1	4	9	7
7	7	2	10	6	8	3	1	12	9
8	5	7	11	12	2	4	10	8	1
9	11	12	6	2	10	7	8	1	3
10	2	10	3	5	12	6	9	7	11
11	4	11	5	7	3	10	12	6	8
12	8	9	7	10	5	2	6	11	4
बालिग	1	1	1	2	2	2	3	3	3

उम्र	46	47	48	49	50	51	52	53	54
1	10	8	6	1	4	9	3	11	5
2	12	6	8	7	1	4	9	10	11
3	2	12	7	10	8	1	4	7	3
4	7	10	11	6	3	2	1	4	9
5	5	7	2	12	6	8	11	1	4
6	3	11	10	2	12	3	7	6	1
7	11	4	5	8	5	12	2	3	6
8	6	9	3	4	11	6	12	9	2
9	4	5	9	11	2	7	5	12	10
10	8	1	4	9	7	10	8	5	12
11	9	2	1	3	10	5	6	8	7
12	1	3	12	5	9	11	10	2	8
बालिग़	10	10	10	11	11	11	12	12	12

उम्र	55	56	57	58	59	60	61	62	63
1	7	2	12	10	8	6	1	4	9
2	5	3	2	12	6	8	11	1	4
3	11	5	6	2	12	9	10	6	1
4	8	11	5	7	10	12	6	8	2
5	3	9	10	5	7	2	12	3	7
6	9	4	8	11	5	10	2	12	6
7	1	10	9	4	11	7	4	2	12
8	10	1	7	8	3	5	7	10	11
9	6	8	4	3	9	1	8	9	7
10	4	6	11	1	2	3	9	5	3
11	2	12	1	9	4	11	5	7	10
12	12	7	3	6	1	4	3	11	5
बालिग	4	4	4	5	5	5	6	6	6

उम्र	64	65	66	67	68	69	70	71	72
1	3	11	5	7	2	12	10	8	6
2	9	2	10	5	3	8	12	6	7
3	4	9	3	11	5	7	2	12	8
4	1	4	9	3	11	5	7	10	12
5	6	1	2	10	9	11	5	7	4
6	7	5	1	4	7	3	11	9	10
7	7	8	6	1	10	9	3	11	5
8	12	3	8	9	1	4	6	5	2
9	5	10	11	12	6	1	4	2	3
10	2	12	7	6	8	10	1	4	11
11	11	6	12	8	4	2	9	3	1
12	10	7	4	2	12	6	8	1	9
बालिग़	7	7	7	8	8	8	9	9	9

उम्र	73	74	75	76	77	78	79	80	81
1	1	4	9	3	11	5	7	2	12
2	4	2	10	9	3	11	5	8	1
3	10	3	1	6	9	4	11	5	7
4	6	8	3	1	4	9	2	11	5
5	12	6	8	2	1	7	9	4	11
6	11	12	6	8	2	1	4	7	10
7	7	1	2	5	8	6	12	10	9
8	8	11	7	12	10	2	6	3	4
9	2	7	5	11	12	10	3	1	8
10	5	10	4	7	6	12	1	9	3
11	9	5	12	10	7	3	8	6	2
12	3	9	11	4	5	8	10	12	6
बालिग़	1	1	1	2	2	2	3	3	3

उम्र	82	83	84	85	86	87	88	89	90
1	10	8	6	1	4	9	3	11	5
2	12	6	7	3	1	4	9	10	11
3	2	12	8	10	8	1	4	9	6
4	7	10	12	6	3	7	1	4	9
5	5	3	10	12	6	3	8	1	4
6	3	5	9	2	12	8	10	6	1
7	4	11	3	8	11	12	2	7	3
8	9	1	5	11	2	5	7	12	8
9	6	9	4	5	7	2	12	3	10
10	8	2	11	4	9	6	5	8	2
11	11	4	1	9	10	11	6	5	7
12	1	7	2	7	5	10	11	2	12
बालिग़	10	10	10	11	11	11	12	12	12

उम्र	91	92	93	94	95	96	97	98	99
1	7	2	12	10	8	6	1	4	9
2	5	7	8	12	6	2	9	1	4
3	11	5	7	2	12	3	10	6	1
4	2	11	5	8	10	12	6	8	2
5	10	9	2	11	5	7	12	10	6
6	4	3	11	5	7	9	2	12	8
7	6	10	9	4	1	5	7	11	12
8	9	4	1	6	3	10	5	2	11
9	8	1	6	9	4	11	3	9	5
10	3	12	10	7	11	1	4	7	3
11	12	8	3	1	2	4	8	3	10
12	1	6	4	3	9	8	11	5	7
बालिग़	4	4	4	5	5	5	6	6	6

उम्र	100	101	102	103	104	105	106	107	108
1	3	11	5	7	2	12	10	8	6
2	10	3	11	5	7	2	12	6	8
3	8	9	3	11	5	4	2	12	7
4	1	4	9	3	11	5	7	10	12
5	5	1	4	9	3	11	8	7	2
6	7	6	1	4	9	3	5	11	10
7	6	8	2	1	10	9	3	4	5
8	12	10	6	8	1	7	9	3	4
9	2	7	8	12	6	10	4	1	11
10	9	5	12	10	8	6	11	2	1
11	11	12	7	2	4	1	6	5	9
12	4	2	10	6	12	8	1	9	3
बालिग़	7	7	7	8	8	8	9	9	9

उम्र	109	110	111	112	113	114	115	116	117
1	1	4	9	3	11	5	7	2	12
2	9	1	4	10	3	11	5	7	2
3	10	6	1	8	9	3	11	5	4
4	6	8	2	9	4	1	3	11	5
5	12	10	5	11	1	4	9	3	6
6	2	12	8	7	6	10	4	9	1
7	7	3	12	4	2	6	1	10	8
8	11	5	10	1	7	8	12	6	9
9	5	7	6	2	10	12	8	4	3
10	3	2	7	12	5	9	10	8	11
11	4	11	3	6	8	7	2	12	10
12	8	9	11	5	12	2	6	1	7
बालिग़	1	1	1	2	2	2	3	3	3

उम्र	118	119	120
1	10	8	6
2	12	6	8
3	2	12	7
4	7	10	12
5	8	7	2
6	11	5	3
7	9	11	5
8	3	2	4
9	1	9	11
10	6	4	1
11	5	1	9
12	4	3	10
बालिग़	9	9	9

सैकिन्डों वाली कुण्डली से 53 डिग्री पर अब चंदर को चलाया गया।

44वें साल की कुण्डली को रातों के हाल के लिये राहु को चलाया गया, यानि उसे खाना नम्बर 2 या अपने हैडक्वार्टर में कर दिया।

राहु की तरह अब केतु को खाना नम्बर 2 में दिनों के लिये

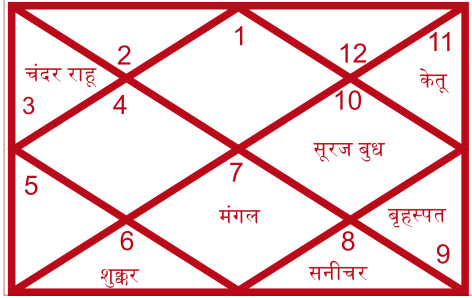

	11					
				6		
अचानक चोट	3	4	1	10	7	4
	10			1		
मुश्तरका दीवार	2 12	3 1	4 2	5 3	6 4	7 5
धोका	10 4	11 5	12 6	1 6	2 7	3 9
बुनियादी	9 5	10 6	11 7	12 8	1 6	2 10
टकराओ	8 6	9 7	10 8	11 9	12 9	1 11
आम हालत	7 7	8 8	9 9	10 10	11 11	12 12
बाहम मदद	5 9	6 10	7 11	8 12	9 1	10 2
दृष्टि	A B	A B	A B	A B	A B	A B
खाना	1	2	3	4	5	6

A = देख सकता है - ख़ाना को

B = देखा जा सकता है - ख़ाना नम्बर से।

398

	9			12		
	5			8		
अचानक चोट	1	10	7	4	1	10
	10 6	2		11 9		
मुश्तरका दीवार	8 4	9 7	10 8	1 7	12 10	1 11
धोका	4 10	5 11	6 12	7 1	8 2	9 3
बुनियादी	3 11	4 12	5 1	6 2	7 3	8 4
टकराओ	2 12	3 1	4 2	5 3	6 4	7 5
आम हालत	1 1	2 2	3 3	4 4	5 5	6 6
बाहम मदद	11 3	12 4	1 5	2 6	3 7	4 8
दृष्टि	A B	A B	A B	A B	A B	A B
खाना	7	8	9	10	11	12

खाना नंबर 2 - 8 - 3 - 9, 2 - 10, 11 - 8 व $\frac{3-8}{3-5}$ मुश्तरका गिन जाते है।

नर ग्रह बोलते जुफ़्त के घर में स्त्री बोलते ताक में है,

बुध है बोलता 3 - 6 में तो पापी नहीं बोलते 2 में हैं।

ग्रह से घर

खास खास घर कहाँ खड़े होंगे ?

मन्दर्जा जैल ग्रह टेवे में ख्वाह किसी भी घर

में इकट्ठे हो जावें, तो उनके सामने दिये हुए

खाना नम्बर का असर पैदा हो जायेगा।

ग्रह	खाना नं	ग्रह	खाना नं
सूरज मंगल	1	सूरज बृहस्पत	5
शूक्कर बृहस्पत	2	बुध केतू	6
बुध मंगल	3	शूक्कर बुध	7
मंगल शूक्कर	4	मंगल सनीचर चंदर	8

हर ग्रह के दरमियानी ग्रह

	शुरू	दरमियान	आख़री हिस्सा
बृहस्पत	केतू	बृहस्पत	सूरज
सूरज	सूरज	चंदर	मंगल
चंदर	बृहस्पत	सूरज	चंदर
शुक्कर	मंगल	शुक्कर	बुध
मंगल	मंगल	सनीचर	शुक्कर
बुध	चंदर	मंगल	बृहस्पत
सनीचर	राहू	बुध	सनीचर
राहू	मंगल	केतू	राहू
केतू	सनीचर	राहू	केतू

सनीचर के जाती असर का सुभाओ

पहले घर में	दरमियानी में	आख़री घर या बाद में	सनीचर का सुभाओ
राहू	सनीचर	केतू	ख़राब
केतू	सनीचर	राहू	नेक
राहू	केतू	सनीचर	ख़राब
केतू	राहू	सनीचर	नेक
सनीचर	राहू	केतू	ख़राब
सनीचर	केतू	राहू	नेक
राहू केतू	--	सनीचर	सनीचर का अपना ख़राब
सनीचर	--	राहू केतू	सनीचर का अपना नेक
राहू	--	सनीचर केतू	ख़राब
सनीचर केतू	--	राहू	नेक
सनीचर राहू	--	केतू	ख़राब
केतू	--	सनीचर राहू	नेक

मंदे सुभाओ सनीचर जिस घर में बैठा हो उस घर के मुतल्लका चीजों पर बुरा असर देगा। ख़्वाह खुद गुरुद्वारा में ही (नंबर 2) बैठा होवे।

बुध का हर ग्रह से ताल्लुक

बृहस्पत	मानिंद राख	मंगल	शेर के दांत
सूरज	मानिन्द पारा	बुध	जाती सुभाओ
चंदर }	दहीं में पानी	सनीचर	कलई
शुक्कर }	दहीं में पानी	राहू	हाथी की सूंड
		केतू	कुत्ते की दूम

	खाना नंबर	ताक़त	ताक़त ग्रह
बृहस्पत	4	6/9	24
सूरज	3	9/9	27
चंदर	6	8/9	48
शुक्कर	5	7/9	35
मंगल	5	5/9	25
बुध	3	4/9	12
सनीचर	12	3/9	36
राहू	2	2/9	4
केतू	8	1/9	8
मीज़ान	तक़सीम किया 9 पर $219/9 = 24\frac{3}{9}$		

कसर का हिन्दसा 3/9 है, जो सनीचर की ताकत है, अब बुध का सनीचर का ही सुभाओ होगा। अब सनीचर का जाती सुभाओ खराब है (राहु केतु के दाँए बाँए से) या सनीचर दो गुना मन्दा होगा, जब बुध का जमाना होगा। अगर बाकी सिफर हो तो खाना नंबर 5 के ग्रह जैसा-वर्ना सूरज के सुभाओ का होगा, और राहु केतु भी सिफर होंगे।

धोका के ग्रह की तरतीब

सूरज, चंदर, केतु, मंगल, बुध, सनीचर, राहु
खाना नम्बर 8 के ग्रह।
खाना नम्बर 9 के ग्रह - बृहस्पत, शुक्कर

ग्रह	आम अरसा	कुल उम्र	महादशा	वक़्त असर
बृहस्पत	6 साल	16	16	दरमियान
सूरज	2 साल	22	6	शुरू
चंदर	1 साल	24	10	आख़िर
शुक्कर	3 साल	25	20	दरमियान
मंगल	6 साल	28	7	शुरू
बुध	2 साल	34	17	यकसां
सनीचर	6 साल	36	19	आख़िर
राहू	6 साल	42	18	आख़िर
केतू	3 साल	48	7	आख़िर
मंगल बद	3 साल	15	4	
मंगल नेक	3 साल	13	3	

औसत आमदन माहवार

क़ायम या उम्दा ग्रह	माहवार आमदन	ग्रह	आमदन औसत
बृहस्पत	11/-रुपए	मंगल सनीचर	18/-रुपए
सूरज	10/-रुपए	बृहस्पत-सनीचर	21/8
चंदर	9/-रुपए	बृहस्पत-चंदर	21/-
शुक्कर	6/-रुपए	सूरज-चंदर	20/-
मंगल	7-8/-रुपए	सूरज-बुध	13/-
बुध	3/-रुपए	मंगल-चंदर	16/8/-
सनीचर	8/10/-रुपए	शुक्कर-बुध	9/-
राहू	8/-रुपए	राहु केतु और शुक्कर, सनीचर बही काग़जी हिसाब वसूली नदारद।	
केतू	5/-रुपए		

बुध सनीचर जायदाद देवें।

ग्रह की दोस्ती दुश्मनी

	ग्रह	बराबर ताक़त	दोस्त	दुश्मन
1	बृहस्पत	सनीचर राहू केतू	सूरज चंदर मंगल	शुक्कर बुध
2	सूरज	बुध नदारद	बृहस्पत चंदर मंगल	शुक्कर सनीचर राहु ग्रहण केतू मद्धम करे
3	चंदर	शूककर सनीचर मंगल बृहस्पत	सनीचर बुध	राहु मद्धम करे केतू ग्रहण करे
4	शुक्कर	मंगल बृहस्पत	सनीचर बुध केतू	सूरज चंदर राहु
5	मंगल	राहु नदारद सनीचर शुक्कर	सूरज चंदर बृहस्पत	बुध केतू
6	बुध	सनीचर केतू मंगल बृहस्पत	सूरज शुक्कर राहु	चंदर
7	सनीचर	केतू बृहस्पत	बुध शुक्कर राहु	चंदर सूरज मंगल
8	राहू	बृहस्पत चंदर मद्धम होवे	बुध सनीचर केतू	शुक्कर सूरज मंगल
9	केतू	बृहस्पत सनीचर बुध सूरज मद्धम होवे	शुक्कर राहु	चंदर मंगल

सोये व खाली खाने

बृहस्पत जब नंबर 9 में हो तो खाली खाना नंबर 12 का मालिक राहु होगा, लेकिन अगर बृहस्पत नम्बर 9-12 में न हो तो खाना नम्बर 12 खाली का मालिक बुध (बृहस्पत राहु मुश्तरका मसनूई बुध होगा।) इसी तरह ही जब बुध होवे खाना नंबर 3 में खाना नंबर 6 खाली का मालिक केतु होगा और जब बुध खाना नंबर 3-6 में न हो तो खाली खाना नंबर 6 का मालिक बुध या केतु में से जो भी इस कुण्डली में उम्दा होवे लेंगे। खाली खाना नम्बर 9 का मालिक बृहस्पत और नंबर 6 खाली का मालिक बुध होगा।

बाकी खाली खानों के लिए उस खाली राशी नम्बर का मालिक ग्रह (घर का) लेवें।

2) बगैर जगाये सोया हुआ ग्रह अगर खुद-ब-खुद जाग उठे, यानि अपना फल देना शुरु कर दे तो ऐसे जागे हुए ग्रह की आम उम्र (मसलन शुक्कर 3, मंगल 6, केतु 3 वगैरह) के आखिरी साल यानि शुक्कर 2 शादी

के ताल्लुकमें शादी के तीसरे साल हर एक ग्रह का मंदा फल जरूर होगा। ख्वाह वो ग्रह जागे हुए ग्रह के दोस्त हो या दुश्मन। हर ग्रह अपने बैठा होने वाले घर का फल (अच्छा या बुरा) न देगा, जब तक कि इस घर की मुतल्लका तरफ या जगह में इस ग्रह की मुतल्लका चीज न हो।

लाल किताब के विद्यार्थी

कुण्डली में बंद मुट्ठी के खाने

साथ लाया माल	-	1 - 7 - 4 - 10
वाल्दैनी हाल बचपन	-	9 - 11 - 12
औलाद व बुढ़ापा	-	2 - 3 - 5- 6
बीमारी, दुख	-	8
100 फीसदी	-	1-7-4-10 साथ लाये खजाने।
50 फीसदी	-	3-11-5-9 दूसरों से पावे।
25 फीसदी	-	2-6-12 रिश्तेदारों से पावे।

चेहरा पर ग्रह

बृहस्पत :- नाक, माथा	बद मंगल :- होंट नीचे का
सूरज :- दायाँ डेला	बुध :- दाँत, नाक का अगला सिरा
चंदर :- बायाँ डेला	सनीचर :- बाल, भौआँ
शुक्कर :- रुख्सारा	राहु :- ठोडी
नेक मंगल :-होंट ऊपर का	केतु :- कान

कुर्बानी के बकरे

किस ग्रह का	कौन ग्रह कुर्बानी का बकरा होगा
बृहस्पत	केतु
सूरज	सनीचर के वक्त शुक्कर बर्बाद
चंदर	दोस्त ग्रह को
शुक्कर	चंदर
मंगल	केतु
बुध	शुक्कर
सनीचर	अपने एजेंटों को
राहु, केतु	खुद अपना आप ही निभायेंगे

हफता व एक दिन में ग्रह

बृहस्पत - वीरवार	सूरज निकलने के बाद दिन का पहला हिस्सा
सूरज- इतवार	दिन कि पहले हिस्सा के बाद मगर दोपहर से पहले।
चंदर – सोमवार	चाँदनी रात।
शुक्कर - शुक्कर वार	अंधेरी व चानण की दरमियानी अमावस की रात।
मंगल (दोनो) - मंगलवार	पूरी दोपहर 11 ता 1 बजे तक।
बुध- बुधवार	दोपहर के बाद मगर शाम अंधेरे से पहले 4-5 बजे।
सनीचर- सनीचरवार	काली रात। घनघोर बादल का दिन।
राहु - वीरवार की पक्की शाम	पूरी शाम मगर रात से पहले।
केतु - इतवार की सुबह सादिक	सुबह सादिक मगर सूरज निकलने से पहले।
जन्म वक्त ग्रह जन्म दिन का ग्रह -	ऐसा मिलाव राशीफल का हो।

जनम कुंडली के खाने (दिमाग़ पर)

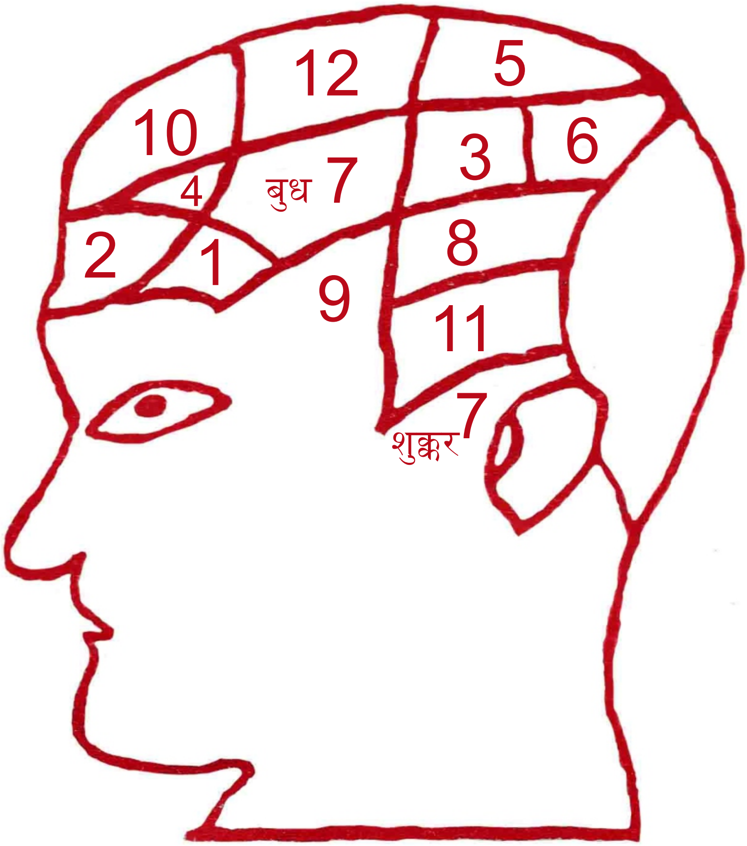

टेवे के मुताबिक़(जब खाना नम्बर एक देकर बमूजब लाल किताब दुरुस्त हो चुका हो) एक फोटो की शक्ल पर 12 दिये हुए खानों में तमाम ग्रह दिये हुए खानों में लिखकर दिमागी खानों के असर के मुताबिक़ टेवा दुरुस्त करें।

मसनूई ग्रह

बृहस्पत	= सूरज शुक्कर - खाली हवाई बृहस्पत।
सूरज	= बुध शुक्कर।
चंदर	= सूरज बृहस्पत।
शुक्कर	= राहु केतु- हवाई ख्याली शुक्कर
मंगल	= सूरज बुध - मंगल नेक
	सूरज सनीचर-मंगल बद
	सूरज सनीचर - नीच राहु
बुध	= राहु बृहस्पत।
सनीचर	= शुक्कर बृहस्पत (केतु सुभाओ)
	मंगल बुध (राहु मंदा सुभाओ)
राहु	= मंगल सनीचर (ऊँच राहु)
केतु	= शुक्कर सनीचर (ऊँच केतु)
	चंदर सनीचर (नीच केतु)

ऋण

		ऋण		उम्र साल	महादशा
फ़कीर कुत्ते का पाप	केतू	दरगाही	बदचलनी	48	7
ससुराल का पाप	राहू	अनजन्मे का	दगा फ़रेब	42	18
जानवरों का पाप	सनीचर	ज़ालिमाना ऋण	जीव हत्या	36	19
धी बहन का पाप	बुध	बहन का	जुबानी धोका	34	17
हक़ीक़ी रिश्तेदार का पाप	मंगल	भाई का	मित्र मार	28	7
कुटुम्बी पाप	शुक्कर	स्त्री	पेट मार	25	20
ख़ुद ज़ाती पाप	सूरज	ज़ाती ऋण	आक़ीबत ख़राब	22	6
माता का पाप	चंदर	मातृ	नियत बद	24	10
पिता का पाप	बृहस्पत	पितृ ऋण	श्राप	16	16

जिस ग्रह की जड़ में उसका दुश्मन जब फल बर्बाद कर रहा हो और ख़ुद भी वो ग्रह मंदा हो रहा हो तो पितृ ऋण होगा।

सूरज का असर

सूरज का असर शुरु होगा : 9 महीने, साल का फर्क। अमूमन जनम दिन से ग्रहचाल शुरु होगी, या जिस खाना नम्बर में कुण्डली के सूरज हो उसी महीना नम्बर देसी से। बैसाख पहला, जेठ दूसरा असर शुरु होगा।

खाना नम्बर 9 बुनियाद होगी, अगर सूरज खाना नम्बर 9 से खाना नंबर 10-11-12 की तरफ बैठा हो तो 9 और 12 के दरमियानी घरों के ग्रहों की मियाद जनम दिन से तफरीक़ करें (जहाँ सूरज हो)। असर जनम वक्त से पहले ही शुरु होगा।

अगर खाना नंबर 9 से पहली तरफ 6-7-8 ता 1 की तरफ हो तो 9 तक और बैठा होने वाले घर के दरमियानी ग्रहों की मियाद जमा करें-जनम वक्त में या इतना अर्सा जनम वक्त के बाद असर शुरु होगा। मियाद गिनते वक्त सूरज

की खुद अपनी मियाद नहीं गिनते, मगर खाना नंबर 9 के ग्रह की मियाद शमिल कर लेंगे।

उम्र के सालों को 12 पर तईसीम करने पर जो हिन्दसा आवे $\left(\frac{\text{यानि 48 साला उमर}}{12} = 4\right)$ पहले बाद दिन असर शुरु होगा 7 तारीख जनम तो 11वें दिन असर शुरु।

लाल किताब के विद्यार्थी

मकान कुण्डली

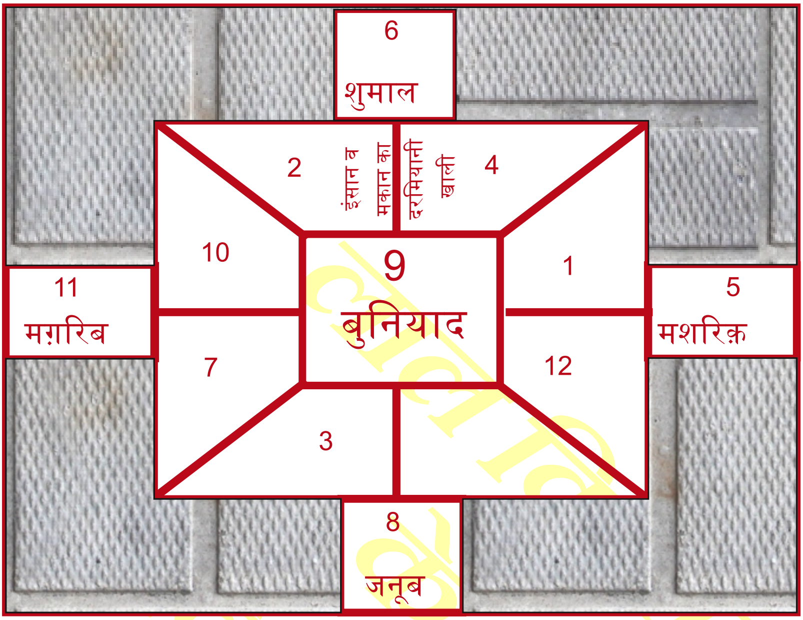

लाल किताब के मुताबिक़ जब खाना नंबर एक लगन को देकर कुण्डली तैयार हो जावे तो मकान कुण्डली में तमाम ग्रहों को नक़ल कर लें। अब मकान कुण्डली में तमाम तरफें शुमाल, जनूब, मशरिक, मगरिब वगैरह मुकर्रर हैं। फर्जन जनम कुण्डली में सूरज खाना नंबर 9 में हो तो मकान कुण्डली में सूरज कुण्डली के वस्त या मरकज में लिखा जाएगा, जिसकी दुरुस्ती के लिए इस के जद्दी मकान के मरकज में खुला सेहन या सूरज

जनम कुण्डली व मकान

इंसान की जनम कुंडली से हर खाने का मकानों से ताल्लुक

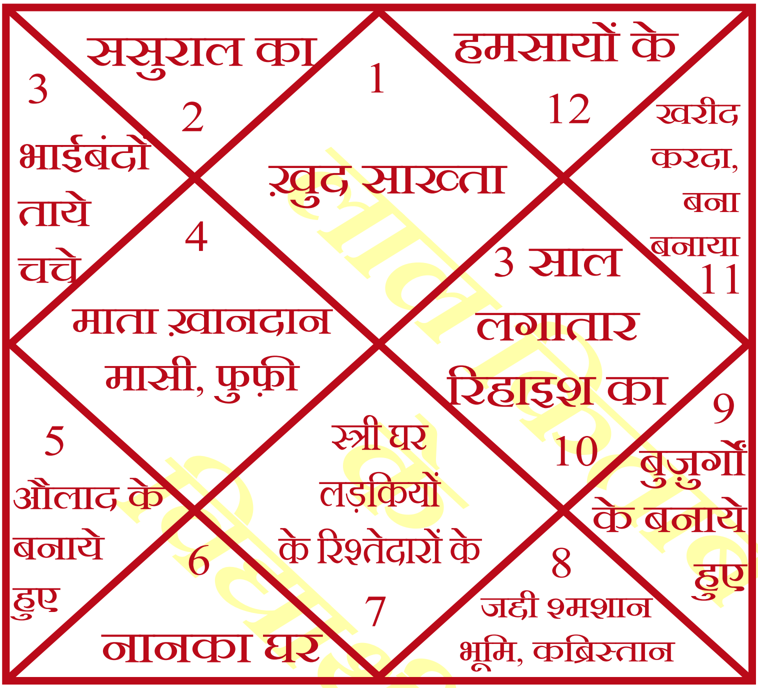

की रोशनी पड़ती होगी। जनम कुण्डली में शुक्कर नंबर 5 का हो तो मकान कुण्डली में शुक्कर मशरिक़ की दीवार होगी, जो कच्ची मिट्टी की होगी या गाय ताल्लुक मशरिकी दीवार के साथ होगा वगैरह वगैरह सब ग्रहों की चीजों होंगी। बचाव

सिर्फ ये है कि टेवे में मंदे ग्रह की चीज मकान में इस खाना नम्बर (बमूजब मकान कुण्डली) कायम न होने देवें जिसमें कि वो जनम कुण्डली में है।

आम कुंडली के खाने

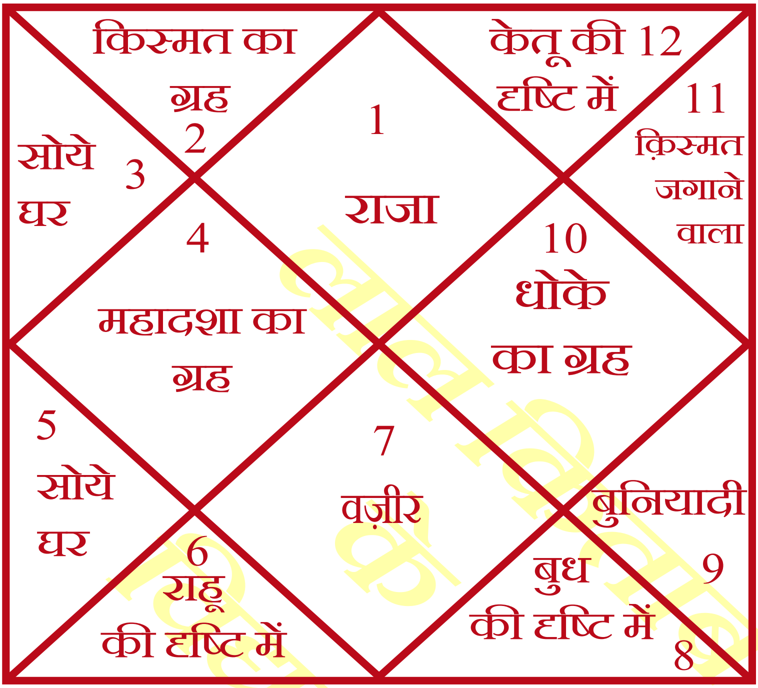

धोके का ग्रह अपने धोके के साल में जब खाना नम्बर 10 में ही आ जावे तो पूरा धोका देगा - यानि दो गुना नेक या दो गुना मंदा होगा।

(ii) किस्मत का ग्रह खाना नंबर 2 का होगा, मगर किस्मत साथ लाने का घर बन्द मुट्ठी के खानों की तरतीब से लिया हुआ घर होगा।

उम्र कुंडली

उम्र का फैसला सनीचर - बृहस्पत मुश्तरका वाले टेवे के लिए

कुण्डली के खाना नम्बर 11 के ग्रह करेंगे।

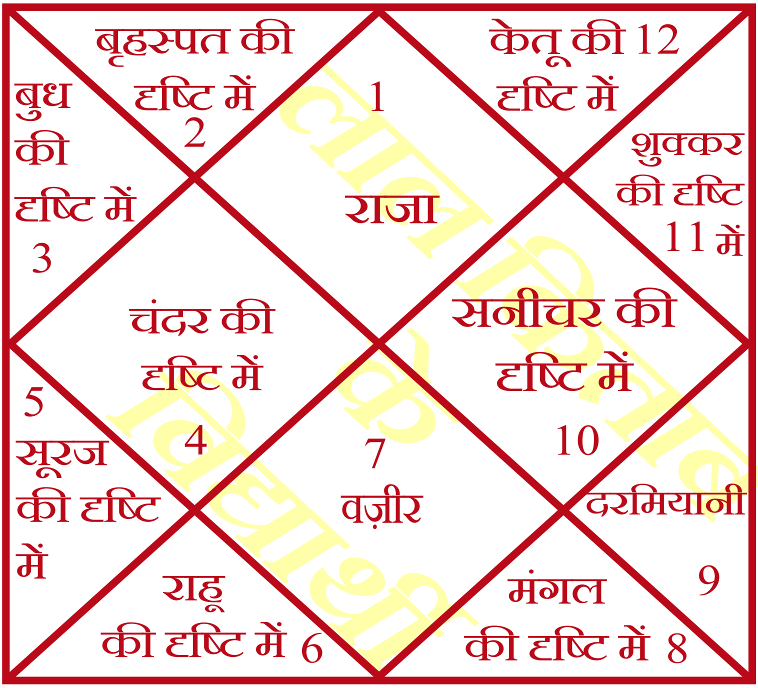

ऐसे टेवे में दृष्टि व उपाओ वगैरह आम टेवे से फर्क पर होंगे, यानि

खास-खास खानों में खास-खास ग्रहों की मुकरर्रा दृष्टि होगी-

जिनकी रूह से फैसला होगा।

कुण्डली मुश्तरका खानदान

सूरज-जहाँ कि खुद टेवे वाले की अपनी कुण्डली में हो।

बृहस्पत	बाबा	जहां की बाबे की कुंडली
चंदर	माता	में बृहस्पत लिखा हो इसी
शुक्कर	स्त्री	घर में टेवे वाले की कुंडली
मंगल	भाई बड़ा	में बृहस्पत लिखें। इसी
बुध	बहन	तरह सब रिशतेदार जो
सनीचर	हम उम्र मगर	रिश्तेदार न होवे उन
	रिश्ते में फर्क	रिशतेदारों के मुताबिक
राहु	ससुराल	ग्रह टेवे वाले के अपने ही
केतु	औलाद, लड़का	टेवे के ब-दस्तूर लेवें।

मुश्तरका असर सात पुष्त तक का होगा।

3 ऊपर - 3 नीचे दरमियान में सूरज (खुद टेवे वाला)।

कुर्राह हवाई

एक महीना में जो दिन जितनी दफा आवे, उसी खाना नम्बर में लो। मसलन एक महीना में सोमवार 4 दफा हो तो चंदर नम्बर 4 का होगा।

लीप के साल में राहु केतु अपने-अपने घर के यानि राहु नंबर 6, केतु नंबर 12 का होगा, बाकी साल राहु नंबर 12 केतु नंबर 6।

जब कोई ग्रहचाल काम न देवे और तमाम तरफ से मायूसी होवे तो बुनियादी रुकावट देखने के लिए ये कुण्डली काम देगी, मगर अमूमन नहीं।

अभ्यास कुंडली

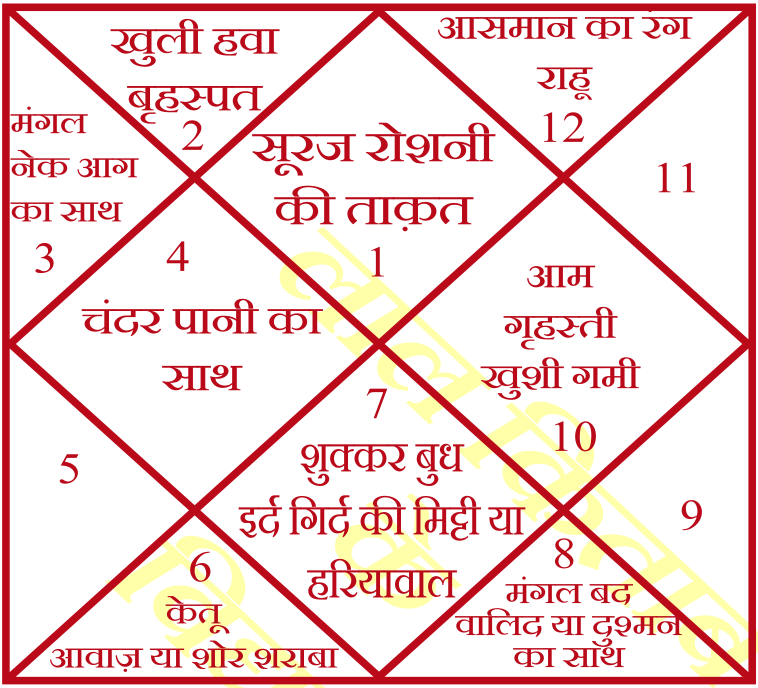

ग्रह ताकत के लिये सूरज 9/9, बृहस्पत 6/9 वगैरह (बुध के हाल वाली) होगी और मकान कुण्डली के कोनों के हिसाब से जनम कुण्डली का खाना मुकर्र होगा। सिर्फ उस वक्त बरतेंगे जब किसी ऐसी जगह जा पहुँचें जहाँ कि तमाम दुनियावी किताबें, घंटे घड़ियाँ वगैरह किसी चीज की भी मदद न मिलती हो

दौलत की हैसियत

खाना नम्बर का ग्रह होगा	जो ग्रह इन घरों में
3 नम्बर का ग्रह होगा परसू	होवे वही रिश्तेदार
11 नम्बर का ग्रह होगा परसा	इस हैसियत का
1-5-9 नंबर का ग्रह होगा परस राम	होगा।

खर्च बचत

आमदन देखेंगे	अज़ खाना नम्बर 11
खर्च देखेंगे	अज़ खाना नम्बर 12
बचत अज़ बुजुर्गां देखेंगे	अज़ खाना नम्बर 9
बचत अज़ जाती कमाई देखेंगे	अज़ खाना नम्बर 2
बचत अज़ औलाद देखेंगे	अज़ खाना नम्बर 5
साहुकारा लेन देन देखेंगे	अज़ खाना नम्बर 6

चंदर धन, सनीचर खजानची दोनों की हालत जेब की हालत बतायेगी। सनीचर और मंगल जायदाद के मालिक हैं चंदर बृहस्पत सोना चाँदी की दौलत के मालिक हैं।

मर्द-औरत की बाहमी उम्र

शुक्कर कायम या शुक्कर के दोस्त मददगार तो औरत की उम्र लम्बी।

बुध कायम या बुध के दोस्त इसके मददगार मर्द की उम्र लम्बी।

तादाद शादी:-

शुक्कर कायम या अपने दोस्तों से मदद लेवे - तो औरत एक ही कायम, अगर रद्दी तो तादाद औरत ज्यादा।

लाल किताब के विद्यार्थी

औलाद

चंदर नंबर 1, सनीचर नंबर 7 सूरज नंबर 4, शुक्कर नंबर 5	नामर्द होगा।
शुक्कर नंबर 2 या नंबर 6 का हर तरह से खाली अज़ दृष्टि नंबर 8 या नंबर 2	औरत बाँझ होगी।
शुक्कर केतु नंबर 1 और बुध नष्ट या शुक्कर बृहस्पत नंबर 7 और चंदर और मंगल नष्ट	लावल्द होगा।
या सूरज नंबर 12 या मंगल और बुध साथी हों या दोनों बाहम एक दूसरे के दोस्तों के घरों या राशियों में हो	लावल्द न होगा।
शुक्कर केतु नंबर 1 और मंगल नंबर 4 या शुक्कर मंगल बुध नंबर 3 या पापी में से कोई नंबर 5, नंबर 9 मंगल नंबर 4 या राहु या बुध नंबर 5, 9 शुक्कर बुध मय राहु या केतु नंबर 7	औलाद के बिघन जरूर होंगे।

मंगल नंबर 6 या केतु नंबर 8 में हो - औलाद में देरी हो।

सूरज नंबर 6, सनीचर नंबर 12 - औरत पर औरत मरे।

सूरज नंबर 6, मंगल नंबर10-11 - लड़के पर लड़का मरता जावे।

बुध सूरज शुक्कर बृहस्पत सनीचर
कायम, नेक घरों में या
हर एक का या तमाम उम्दा
} साहिब-ए-औलाद

औलाद का सुख 1-3-5 के घरों की हालत से जाहिर होगा।

3-5-11 में बुध हो तो लड़कियाँ जरूर कायम होंगी,

3-5-11 $\frac{\text{शुक्कर के दोस्त ग्रह}}{\text{सनीचर-केतु}}$ लड़के जरूर कायम होंगे।

वक्त औलाद:-

बमूजब बर्षफलजब मंगल या शुक्कर या केतु बुध में से कोई तख्त का मालिक या नंबर 1 में आ जावे या सनीचर भी शामिल हो जावे या चंदर या नर ग्रह नंबर5 में आ जावें।

औलाद

पहले घरों में	दरमियान में	आखिर या बाद के घरों में	क्या असर होगा।	
बृहस्पत	- - - - -	बुध	बुध के वक़्त से वालिद दुखिया होगा।	लड़कियां जरूर क़ायम।
बुध	- - - - -	बृहस्पत	या बर्बाद ही होवे।	
मंगल	बृहस्पत	बुध	नर औलाद कायम रहें	
मंगल	बुध	बृहस्पत		
बृहस्पत	मंगल	बुध		
बृहस्पत	बुध	मंगल	मादा औलाद क़ायम।	
बुध	बृहस्पत	मंगल		
मंगल बृहस्पत	- - - - -	बुध	औलाद दोनों क़िस्म और सब सुखिया।	
मंगल बुध	- - - - -	बृहस्पत	लड़की क़ायम औलाद दुखिया	
बृहस्पत	- - - - -	मंगल बुध	लड़की क़ायम औलाद दुखिया	
बुध	- - - - -	मंगल बृहस्पत	औलाद व वालिद दोनों दुखिया	
मंगल	- - - - -	बुध बृहस्पत	औलाद क़ायम और वालिद दुखि	

केतु के दौरे या तख्त की मालकियत के ज़माने में लड़की की पैदायश से **किस्मत का असर** मन्दा मगर इस वक्त की पैदायश का लड़का एक नायाब किस्मत का मालिक होगा। इसी तरह ही बुध के जमाने की लड़की वगैरह सब ग्रहों से बुध व केतु का ताल्लुक होगा।

तादाद औलाद

शुक्कर या बुध या दोनों से जितने घर दूर पर बृहस्पत हो -

(दरमियानी घरों की तादाद)

लड़के :- शुक्कर के दोस्त ग्रह (सनीचर, केतु, बुध) मगर शुक्कर नहीं,

3-5-11 में हो जावें	जब बमूजब
बुध या बुध के दोस्त (सूरज, शुक्कर, राहु)	बर्षफल
3-5-11 में लड़कियाँ	औलाद का वक्त हो

बृहस्पत कायम तो	सब औलाद कायम
केतु कायम तो	सब लड़के कायम
राहु कायम तो	सब लड़कियाँ कायम
चंदर नंबर 6 तो	सब लड़कियाँ हों।
केतु नंबर 6 तो	सब लड़के हों।
चंदर केतु इकट्ठे	लड़के लड़कियाँ मसावी।

मकान

सनीचर जब राहु केतु के ताल्लुक वाले हिसाब से जाती सुभाओ का नेक असर का साबित हो रहा हो या राहू/केतू के साथ ही बैठा होवे तो मकानात बनेंगे, जब राहु केतु के साथ तो हो मगर सुभाओ के पैमाना से बुरे असर का साबित होवे तो बने बनाये बिकवा देगा या गिरवा देगा(मंदा असर)होगा।

(तूल जमा अर्ज जरब 3) मनफी एक तक़सीम आठ

बाकी	बाकी
1- राजा,सूरज नं. 1	6- तकिया,सूरज सनीचर नं. 6
2- कुत्ता,बृहस्पत शुक्कर नं. 2	7- हाथी,चंदर शुक्कर नं. 7
3- शेर,मंगल नं. 3	8- सिफर, चील मंगल सनीचर नं. 8
4- गधा,चंदर सनीचर नं. 4	
5- गऊ,घाट, सूरज नं. 8 बृहस्पत नं. 5	

गोशे मकान

8, 18, 13, तीन,

बिच्चों चुक्क भुजा बल हीन।

पाँच कोण का मंदिर रचे,

कह बिसकर्मा कैसे बसे।

8 - सनीचर नंबर 8 - मातम व बीमारी आम होगी।

18 - बृहस्पत का फल रद्दी।

13 - 3 - मंगल बद, भाई बन्दों की मौतों से तबाह।

बिच्चों चुक्क - खानदानी नस्ल लावल्दी की तरफ जावे।

भुजा बल हीन - शादी वाला रंडवा या रंडी (बेवा) मर्द।

पाँच कोना - औलाद बर्बाद होवे।

दरवाजा मशरिक, मगरिब और शुमालन दर्जा बदर्जा कम नेक होगा, दक्खन का मनहूस - जिस पर लोहे की मेखें (दहलीज) या चाँदी (वास्ते कर्जा व औलाद) मुबारक होंगी। जनम कुण्डली और मकान कुण्डली जब तक एक ही जैसी हों - जनम कुण्डली का फल प्रबल होगा, वर्ना मकान कुण्डली प्रबल होगी। मन्दे ग्रह की चीज को मकान में क़ायम न होने देवें।

महादशा

कोई ग्रह खुद भी मंदा हो और आगे तख्त की मालकियत से भी दुश्मन आ जावे तो महादशा में होगा। कायम या दुरुस्त ग्रह कभी महादशा में नहीं हो सकते। सारी उम्र में ज्यादा से ज्यादा दो मंदी महादशायें होंगी, ज्यादा से ज्यादा मन्दा महादशा का अर्सा सारी उम्र में 39 साल होगा। लगातार दो महादशाओं का दरमियानी (हर दो का) साल गिनती में गिना जायेगा, मगर असर में इस ग्रह का जाती असर या खाली असर का होगा।

लाल किताब हैं ज्योतिषी

औकात महादशा

	महादशा	जाती असर का साल	ग्रह जो सो जायेंगे
बृहस्पत	16	10वां साल	सनीचर 6, राहु 6, केतु 3
सूरज	6	ताक़	मंगल बद 6 साल
चंदर	10	जुफ़्त	बृहस्पत 2, मंगल 6, सनीचर 2
शुक्कर	20	11वां	बृहस्पत 6, मंगल 6, बुध 2, सनीचर 6,
मंगल	7	चौथा	शुक्कर 1, सनीचर 6, राहू सिफ़र
बुध	17	5 वां	बृहस्पत 6, मंगल 6, सनीचर 5, केतू सिफ़र
सनीचर	19	6 वां	बृहस्पत 16, केतू 3
राहू	18	7वां	बृहस्पत 8, सूरज सिफ़र, चंदर 1, शुक्कर 3, मंगल 6
केतू	7	तीसरा	बृहस्पत 6, सूरज, बुध, सनीचर सिफ़र

महादशा में ग्रह बदस्तूर

सिवाय पापी ग्रहों के बाकी सब बदस्तूर जारी।

सिवाय मंगल बद ग्रहों के बाकी सब बदस्तूर जारी।

बुध, शुक्कर, सूरज, राहु, केतु।

सूरज, चंदर, राहु, केतु।

सूरज, चंदर बृहस्पत, केतु, बुध। राहु नदारद।

सूरज, चंदर, शुक्कर, राहु। केतु नदारद।

सूरज, चंदर, मंगल, बुध, शुक्कर, राहु।

सनीचर, बुध, केतु। सूरज नदारद।

चंदर, शुक्कर, मंगल, राहु। सूरज नदारद। बुध नदारद।

बाप बेटा मुश्तरका क़िस्मत

क़िस्मत	1	7	14	21	28	35	42	49	56	63	70	120
उम्र	70	63	56	49	42	35	28	21	14	7	1	120

कुंडली के खानों में मकान व सहन का ताल्लुक

अगर घर होवे खाना नंबर	तो सेहन होगा खाना नंबर	कौन सेहन का मुंसिफ़ ग्रह होगा
1	7	मंगल
2	8	चंदर (उम्र)
3	11	सूरज बृहस्पत
4	10	चंदर
5	9	बृहस्पत
6	12	केतू
7	1	शुक्कर
8	2	मंगल बद
9	5	सूरज
10	4	सनीचर
11	3	बुध
12	6	राहू

उपाओ ग्रह

ग़ैबी ताक़त में	क़िस्म ग्रह		नाम ग्रह	रंग	उपाओ वास्ते औलाद व दीगर वजूहात	उपाओ आम की चीजें
ब्रह्मा	नर ग्रह	1	बृहस्पत	ज़रद	हरि पूजन	दाल, चना, सोना
विष्णु	नर ग्रह	2	सूरज	गंदमी	कथा हरि बंस	गंदम, सुर्ख़, तांबा
शिव जी	स्त्री ग्रह	3	चंदर	दूध का	आराध्य पूजन	चावल, दूध, चांदी
लक्ष्मी	स्त्री ग्रह	4	शुक्कर	दही का	लोगों की पालना	घी, दही, काफ़ूर, मोती सफ़ेद, रेत
हनुमान	नर ग्रह	5	मंगल	सुर्ख़	गायत्री पाठ	दाल मसूर, लाल
दुर्गा जी	मखुन्नस	6	बुध	सब्ज़	दुर्गा पाठ	मूंग सालम, जमुर्रद
भैरों वली	मखुन्नस	7	सनीचर	स्याह	राजा की उपासना	मास सालम, लोहा
सुरसती	मखुन्नस	8	राहू	नीला	कन्या दान	सरसों, नीलम
गौ माता	मखुन्नस	9	केतू	चितकबरा	दान कपिला गाय	तिल

मियाद उपाओ

हर एक उपाओ की मियाद कम अज़ कम 40 दिन और ज्यादा से ज्यादा 43 दिन होगी। जो अपनी निस्फ और चौथाई हिस्सा मियाद में भी अपना असर जाहिर कर देगा।

खानदानी उपाओ पितृ ऋण, मातृ ऋण वगैरह या कुल मुतल्लकीन की मदद के लिये उपाओ की मियाद होगी तो वही 40 या 43 मगर हर रोज लगातार की बजाये

हफ्तावार लगातार होगी, यानि हर आठवें दिन जो 40-43 हफ़्ते होंगे। उपाओ के वक्त ख़्वाह आखिरी दिन 39वें - 40वें ही भूल जावें या बन्द कर बैठें तो सब किया कराया निष्फल होगा और नये सिरे से फिर दोबारा शुरु करके पूरी मियाद तक करने के बाद फल देगा। अगर किसी वजह से उपाओ बंद ही करना दरकार हो, मगर पहला असर भी कायम रखना मंजूर हो तो चावल दूध से धोकर अपने पास रखते जावें।

सेहत बीमारी

सेहत बीमारीः- सेहत बीमारी खाना नंबर 3-5 के ग्रहों से जाहिर होगी।

उम्र कितनी होगी

उम्र होगी साल	ग्रहचाल होगी
12 दिन	चंदर नंबर 5 सूरज नंबर10, चंदर केतू नंबर6
12 माह	सूरज सनीचर मुश्तरका बृहस्पत के घरों में जब नर ग्रह साथ साथी या मदद पर न हों।
9 साल	सूरज चंदर मुश्तरका नंबर 11
10 साल	चंदर केतू नंबर 1
12 साल	चंदर नंबर 5 सूरज नंबर 11 जब नर ग्रह साथ साथी या मदद पर न हों।
15 साल	चंदर राहू नंबर 1
20 साल	बृहस्पत राहू नंबर 2 या बुध बृहस्पत नंबर 6
22 साल	सूरज राहू खाना नंबर10 या 11में जब खाना

उम्र होगी साल	ग्रहचाल होगी
22 जारी मगर नर ग्रह साथ या साथी या मदद पर न हों वरना उम्र लंबी होगी।	नंबर 8 में उम्र को रद्दी करने वाले ग्रह हों। और साथ ही सूरज राहू मुश्तरका बैठे हों। (i) खाना नंबर 10 में और सनीचर मय स्त्री ग्रह बैठे हों नंबर 2 में या (ii) खाना नंबर 11 में सूरज राहू हों और सनीचर ख़ुद उम्र को रद्दी, मंदा या नष्ट बरबाद करने वाले घरों में हों - या वह ख़ुद ही मंदा हो रहा हो।
25 साल	चंदर राहू नंबर 6 या मंगल बद (मंगल बुध नंबर 6) या मय शुक्कर और केतू दोनों नष्ट।
30 साल	बुध बृहस्पत नंबर 2 या बृहस्पत राहू नंबर 3
35 साल	चंदर बुध राहू मुश्तरका
40 साल	बृहस्पत राहू नंबर 9 या नंबर 12
45 साल	बुध केतू नंबर 12 या बृहस्पत राहू नंबर 6
50 साल	चंदर राहू नंबर 5 बशर्ते की दोनों हर तरह से

उम्र होगी साल	ग्रहचाल होगी
50 जारी	अकेले या दृष्टि से खाली या नंबर 2 या नंबर 8 में मंदे ग्रह।
70 साल	बृहस्पत केतू नंबर 9 या सनीचर केतू नंबर 6 या चंदर सनीचर नंबर 7
75 साल	चंदर राहू नंबर 9 या चंदर नंबर 9
80 साल	चंदर बृहस्पत नंबर 4 या चंदर नंबर 3 - 6
85 साल	चंदर नंबर 7
90 साल	चंदर क़ायम नंबर 1 - 8 - 10 - 11
96 साल	चंदर नंबर 2 या नंबर 4

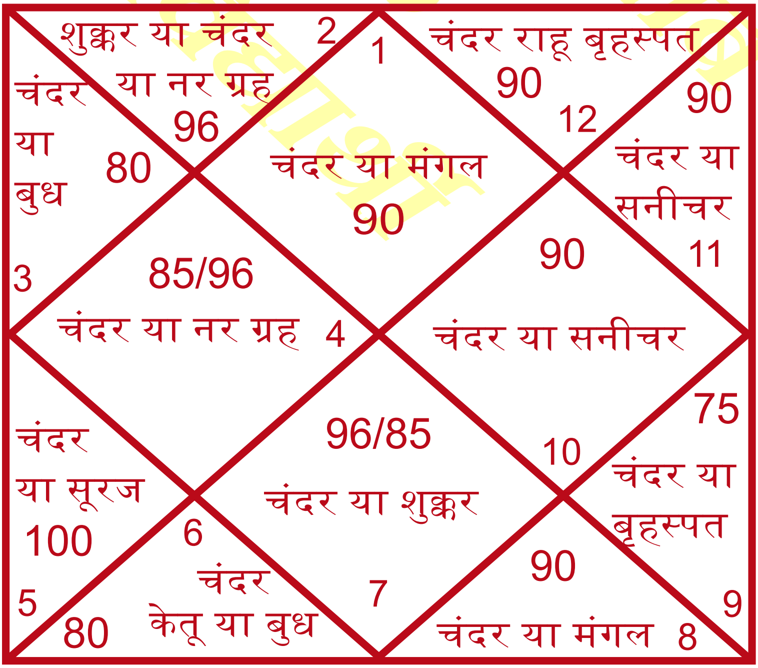

जब चंदर होवे खाना नंबर 1 मैं तो मौत का दिन होगा।

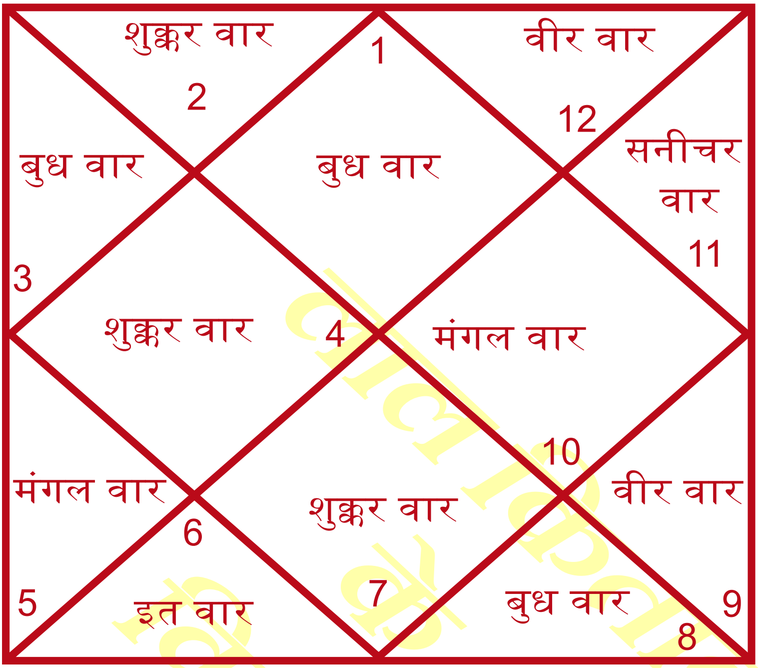

जब खाना नम्बर 12 खाली हो तो चंदर बैठा होने वाले घर के दिन मौत होगी।

ग्रह की उम्र

बृहस्पत	केतु या बुध	सनीचर या मंगल या राहु	शुक्र व चंदर
75 साल	80 साल	90 साल	85 साल[A]

सूरज पूरी उम्र 100 साल तक।

A - अगर नर ग्रह की मदद हो तो 96 साल तक।

खाना नम्बरों की उम्र

खाने कीउम्र	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
खाना नंबर	100	75	90	85	औलाद	80	85	मौत	बुजुर्ग	90	धर्म मंदिर	90

अगर चंदर राहु मुश्तरका होकर किसी भी राशी में हों तो हर खाना नम्बर में चंदर की दी हुई उम्र के सालों की तादाद निस्फ हो जायेगी मुतल्लका मगर खुद उसके अपने खून के रिश्तेदारों के लिये बशर्ते कि ये दोनों मुश्तरका हर तरह से अकेले दृष्टि से खाली हों, अगर कुण्डली के पहले घरों में हों तो मौत न होवे, मगर करीब-उल-मर्ग जरूर होगा - बवक्त चंदर या राहु।

लम्बी उम्रः- (1) चंदर कायम और केतु बृहस्पत नंबर 12 चंदर बृहस्पत नंबर 5 या चंदर और नर ग्रह कायम।

(2) मंगल 1-2-7 और सूरज नंबर 4 चंदर बृहस्पत नंबर 12 उम्र 120 साल।

अल्प आयुः- खाना नम्बर 9 में बुध बृहस्पत शुक्कर या बृहस्पत के बहुत से दुश्मन या चंदर राहु खाना नंबर 7/8 में या शुक्कर, मंगल, बुध नंबर 7 में। उम्र 8X8 = 64 तक।

चंदर कुंडली

2 चेत सम्म्त सन् 1992 सनीचरवार बमुकाम लाहौर छावनी खास 5 बजे सुबह मुताबिक़ 14/3/36 हो तो उस दिन की चंदर कुण्डली

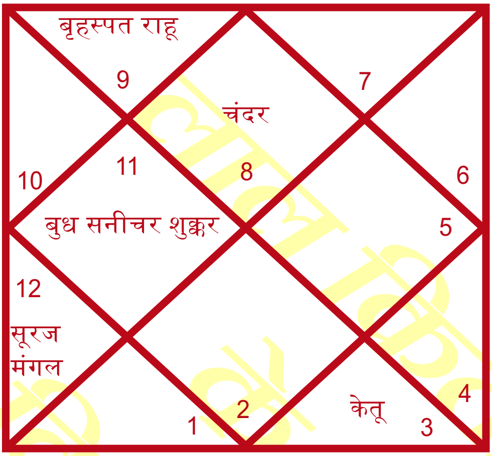

जनम कुंडली (कुंभ लगन)

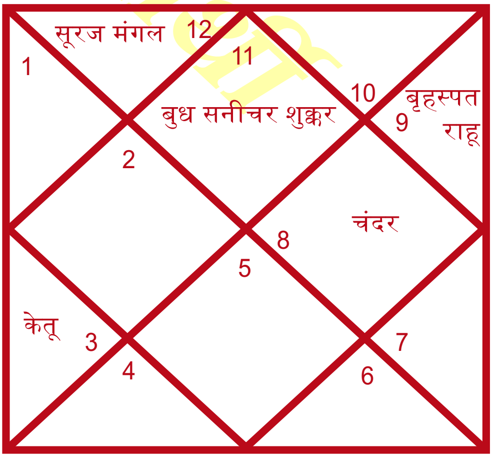

अब लाल किताब के लिए पैदाइश के दिन वाली चंदर कुंडली

में चंदर को जनम लगन की राशी का हिन्दसा, यानि हिन्दसा नम्बर 11 दिया तो वही चंदर कुण्डली हस्ब जैल होगी।

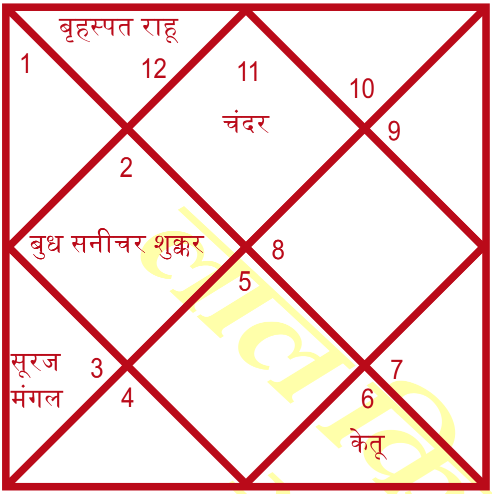

में चंदर को जनम लगन की राशी का हिन्दसा यानि हिन्दसा नम्बर 11 दिया तो वही चंदर कुण्डली हस्ब जैल होगी।

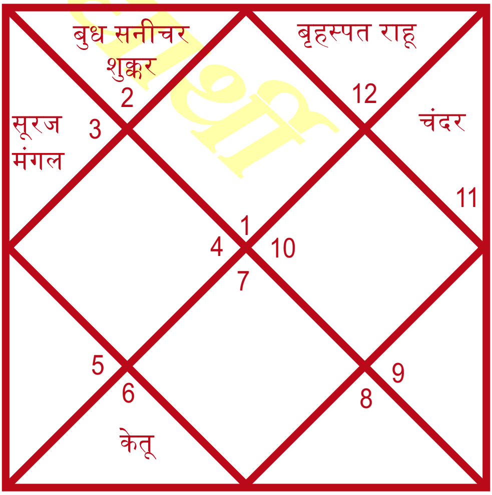

अब ऊपर की चंदर कुण्डली से इस शख्स की औरत का

हाल उसी तरह ही देख लें। जिस तरह कि जनम कुण्डली से मर्द का हाल देखते हैं। बर्ष फल भी उसी हिसाब और ढंग पर होगा। जिस तरह कि जनम-कुण्डली और मर्द का है - फर्क सिर्फ ये है कि शादी से पहले ऊपर की चंदर-कुण्डली अचानक और सहवन असर दिया करेगी, मगर शादी के दिन या औरत आने पर पूरा पूरा फल देगी, जो औरत का मुफस्सिल हाल होगा और इसी शख्स को राशीफल बनकर मदद देगी।

लाल किताब के विद्यार्थी

टेवे की आसान दुरुस्ती

इल्म जोतिष के मुताबिक़ बनाई हुई जनम कुण्डली के लगन के खाना नम्बर को एक का हिन्दसा देकर जब कुण्डली बन चुकी तो मालूम हो जायेगा कि लगन से हर ग्रह कौन-कौन से घर है। इस तरह बैठे हुये ग्रहों के मुताबिक़ फलादेश देखें और दिये हुये लगन को तीन दफ़ा हिला कर जाँच कर लें, जहाँ दुरुस्त मालूम होवे, वही पक्का लगन रख लेवें। मसलनः-

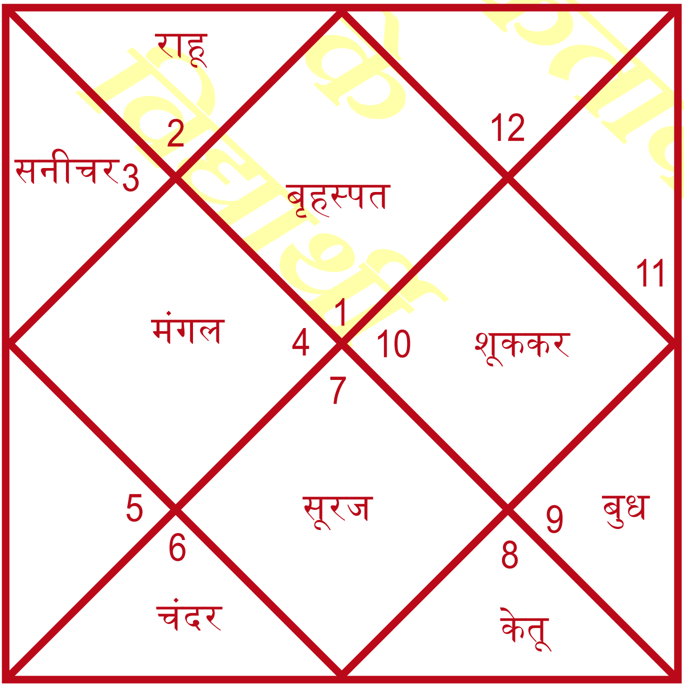

मकान कुण्डली बनाई और हर एक ग्रह की मुतल्लका

चीजों से पड़ताल की या उसके खून के रिश्तेदारों हर एक से मुतल्लका का हाल देखा तो मालूम हुआ कि वो दिये हुये टेवे के मुताबिक़ दुरुस्त नहीं है। फिर बृहस्पत को खाना नम्बर 2 या खाना नम्बर 12 दे कर देखा तो नम्बर 12 में बृहस्पत रख कर बाकी सब ग्रहों का फल मिलाया गया। अब तमाम हालात आम उम्र और सालवार वगैरह देख लें, सही जवाब होगा।

(2) ऊपर के ढंग से तो फर्क सिर्फ उस हालत का दुरुस्त होगा, जबकि जनम वक्त में मामूली फर्क लिखा गया हो। लेकिन हो सकता है कि किसी की पैदायश हो तो दरअसल सुबह सवेरे की मगर गलती से लिखी जावे शाम पक्की की ऐसी हालत में दिये हुये

पैदायश के दिन की चंदर कुण्डली बना लें और चंदरमा बैठा होने वाले घर को खाना नम्बर एक देकर या चंदर को खाना नम्बर एक में कर के बाकी घरों के ग्रह बातरतीब लिख लें और देखें कि हाथ रेखा के असूलों पर कुण्डली बनाने के ढंग से नर ग्रह कहाँ कहाँ मालूम हो रहे हैं। जिस घर कोई एक नर ग्रह भी पूरे तौर पर तसल्ली का मालूम होवे, उसे उस घर में कर के बाकी सब ग्रहों को बतरतीब लिख देवें। अब लग्न सारणी के मुताबिक देख लें कि जनम वक्त दरअसल क्या हुआ। साथ ही इस तरह पर दुरुस्त किये हुये टेवे का फलादेश बोल कर देख लें कि आया कापी में लिखा हुआ मिल गया। ग्रह स्पष्टी के लिये

लाल किताब हिंदी

हर खानावार असर के लिये ऊपर दी हुई चीजों बैठा होने वाले घर की आम मुतल्लका चीजों व ग्रह मजकूर की आम चीजों का ताल्लुक भी बोल कर देख लेवें। जब पूरी तसल्ली हो जावे कि मकान कुण्डली के मुताबिक़ भी अब वो टेवा दुरुस्त हो गया है तो फिर आगे फलादेश देखना शुरु करें।

लाल किताब के विद्यार्थी

* आशीर्वाद *